



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

वार्षिक प्रतिवेदन 20¹⁶₁₇

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

www.cug.ac.in

वार्षिक प्रतिवेदन

2016-17



गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. २५, २००९ के तहत स्थापित)

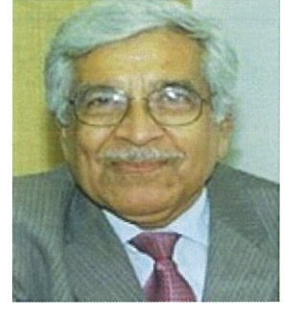
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament, 2009)

Sector-29, Gandhinagar-382030, Gujarat, INDIA

www.cug.ac.in

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय इस वर्ष भी विकास की गति को बरकारार रखे हुए है। तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान हेतु आधुनिक यंत्रों से सक्षम शायद गुजरात में यह सबसे बेहतरीन संस्थान है। जगह की भारी कमी के बावजूद कुलपति ने संसाधनों की उपलब्धता को बढ़ाने हेतु गंभीर प्रयास किए हैं और इस विश्वविद्यालय में आने वाले आगंतुक भी इन सुविधाओं का उपयोग करते हैं।



यह विश्वविद्यालय अपने शोध कार्य को जारी रखे हुए है और इस वर्ष विश्वविद्यालय ने परियोजनाओं को पूर्ण करने के साथ-साथ प्रकाशनों और सहयोगी प्रयासों के क्षेत्र में भी बेहतरीन सफलता पायी है। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भारत के विश्वविद्यालयों के साथ-साथ विदेश के विश्वविद्यालयों के साथ भी अपने सहयोगी परियोजनाओं को जारी रखे हुए है। ये नए संदर्भ विश्वविद्यालय की गतिशीलता के प्रमाण हैं।

विश्वविद्यालय का अपना परिसर बने इसके लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय और गुजरात राज्य के समर्थन की जरूरत है। जब इसका अपना कैंपस बन जाएगा तब यह विश्वविद्यालय अपने वास्तविक शानदार स्वरूप को प्राप्त करेगा।

विश्वविद्यालय की सफलता हेतु मेरी शुभकामनाएं।

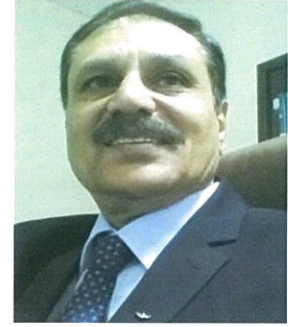
Y. K. Alagh

योगिंदर अलघ

कुलाधिपति

कुलपति की तरफ से

मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने तेजी से आगे बढ़ते हुए स्वयं को एक ऐसे संस्थान के रूप में स्थापित किया है जहां उन्नत शोध, आधुनिक शिक्षण और अध्यापन कला के लिए विशेष स्थान बना है। यह विश्वविद्यालय प्रगति और विकास की दिशा में बड़ा बदलाव ला रहा है। यह विज्ञान के क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के निर्माण को आधार प्रदान करता है और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में सामाजिक नीतियों के बदलाव में बहुमूल्य सुझाव देता है। यह विश्वविद्यालय स्वयं को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महान क्षमता युक्त एक उत्कृष्ट संस्थान के रूप में स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय ने अकादमिक और प्रशासनिक दोनों ही क्षेत्रों में बेहतर बदलाव लाने हेतु पिछले सालों के दौरान उल्लेखनीय प्रयास किये हैं। नए पाठ्यक्रम, नए शिक्षक, बेहतर प्रशासन और प्रवेश की उच्चतर संख्या विश्वविद्यालय की इस वर्ष (2016-17) की खास उपलब्धियां हैं।



अपनी उत्कृष्टता को विकसित करने हेतु इस विश्वविद्यालय ने अंतर-अनुशासनिक, अंतर-संस्थागत सहयोग को मजबूत करने और प्रमुख राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान केन्द्रों के साथ मौजूदा समझौता ज्ञापनों को बढ़ाने का काम किया है। उत्कृष्टता में सुधार हेतु तथा अकादमिक गतिविधियों एवं प्रशासन में उन्नत तकनीक एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणाली को सीखने के लिए विश्वविद्यालय ने अपने शिक्षकों व प्रशासनिक कर्मचारियों को बड़ी संख्या में भारत एवं विदेशों के विभिन्न संस्थानों और संगठनों द्वारा आयोजित होने वाले प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित एवं प्रतिनियुक्त किया है।

प्रगति व विकास के बदलते परिदृश्य के साथ और 21वीं सदी के नये भारत के निर्माण के मूल्यों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की उत्कंठा से इस विश्वविद्यालय ने अपने यहाँ सभी तरह के उपायों को, चाहे वह डिजिटल हो, ऑफिस आटोमेशन, ई-सामग्री विकास हो या आई.सी.टी. की सहायता से तकनीकी युक्त मिश्रित अध्ययन प्रणाली हो, इन सभी को लागू कर दिया है।

विश्वविद्यालय की सबसे महत्वपूर्ण और प्रमुख निधि छात्र होते हैं। विश्वविद्यालय इन्हें शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराता है और नए भारत के निर्माण में उन्हें बड़ी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित भी करता है। विश्वविद्यालय यह प्रयत्न भी करता है कि विश्वविद्यालय की सीमाओं के बावजूद छात्रों की सभी जरूरतें पूरी हों। छात्रों को शैक्षणिक व शिक्षण गतिविधियों को पूरा कराने के साथ-साथ खेल-कूद में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिससे इन छात्रों को न केवल राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले बल्कि वे उच्च लक्ष्य को हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम आगे बढ़ाएं।

इस विश्वविद्यालय ने एन.आई.आर.एफ. के राष्ट्रीय कार्यक्रम में भी भाग लिया है और नैक द्वारा B++ ग्रेड प्राप्त किया है। एक नए विश्वविद्यालय के लिए यह ग्रेड प्राप्त करना, उसके शिक्षकों, प्रशासनिक कर्मचारियों और छात्रों के कठिन श्रम के बल पर ही संभव हुआ। इस नए व विकासमान विश्वविद्यालय ने अपने हिस्से में आयी बाधाओं और समस्याओं के बाद इस मुकाम को हासिल किया है।

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय को अपना सहयोग और प्रोत्साहन देने के लिए मैं, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के विजिटर और भारत के महामहिम राष्ट्रपति, माननीय कुलाधिपति प्रोफेसर वाई. के. अलघ, माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, यूजीसी और गुजरात सरकार को धन्यवाद देता हूँ।

विश्वविद्यालय का कुलपति होने के नाते, मैं यह विश्वास दिलाता हूँ कि आने वाले वर्षों में हम गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय को अकादमिक उत्कृष्टता का केंद्र बनाने का पूर्ण प्रयास करेंगे।



प्रोफेसर एस. ए. बारी

कुलपति

विषय सूची

क्रम	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1	गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के बारे में	1
2	विश्वविद्यालय निकाय	7
	कोर्ट	7
	कार्यकारी परिषद	9
	अकादमिक परिषद	11
	वित्त समिति	14
3	प्रमुख बिन्दु	16
4	समझौता ज्ञापन	25
5	विश्वविद्यालयीय सुविधाएं	27
6	प्रशासनिक व व्यवस्थापिका विभाग	35
7	प्रवेश एवं मूल्यांकन	36
8	वित्त एवं लेखा विभाग	38
9	संस्थान एवं केन्द्र	40
	सामाजिक विज्ञान संस्थान	41
	सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र	42
	समाज और विकास अध्ययन केंद्र	50
	विज्ञान, तकनीकी एवं अभिनव नीति अध्ययन केंद्र	58
	अर्थशास्त्र और योजना अध्ययन केंद्र	66
	गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन केंद्र	71
	भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	78
	तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केंद्र	79
	चीनी भाषा और संस्कृति अध्ययन केंद्र	82
	जर्मन अध्ययन केंद्र	85
	अंग्रेजी अध्ययन केंद्र	89
	हिंदी भाषा और साहित्य अध्ययन केंद्र	97
	सिंधी भाषा और साहित्य अध्ययन केंद्र	109
	अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	110
	सुरक्षा अध्ययन केंद्र	110

	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र	117
	जीवन विज्ञान संस्थान	120
	पर्यावरण और सतत् विकास संस्थान	127
	रासायनिक विज्ञान संस्थान	135
	नैनो विज्ञान संस्थान	141
	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान	147
	विशेष केंद्र	155
	औद्योगिक रसायन विज्ञान अध्ययन केंद्र	155
	प्रवासी अध्ययन केंद्र	163
10	छात्र गतिविधियां	168
11	विश्वविद्यालयी प्रकोष्ठ	178
12	केंद्रीय पुस्तकालय	191
	परिशिष्ट	196
14	वार्षिक प्रतिवेदन समिति के सदस्य	209
15	चित्रों में यह वर्ष	210

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के बारे में

परिचय

सन् 2009 में संसद के अधिनियम द्वारा गुजरात राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में एक मानक स्थापित करने के उद्देश्य से केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात की स्थापना की गई। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुजरात राज्य और पूरे देश के युवाओं के लिए मानवीय सेवा उपलब्ध कराना है। चाहे वे युवा बौद्धिक वर्ग के हों या व्यावसायिक वर्ग के।

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय मानव संसाधन के सृजन में और उसे उपलब्ध कराने में अपनी क्षमता का योगदान निर्धारित सीमा तक कर रहा है। भारत को एक सुदृढ़ ज्ञान समाज के रूप में उभारने हेतु इस क्षमता की जरूरत है। एनआईआरएफ़ 2016 की रैंकिंग के अनुसार पूरे भारत में इस विश्वविद्यालय का स्थान 60वां है। गुजरात राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में इसका दूसरा स्थान है। सितंबर, 2016 में नैक के दौरे के पश्चात इस विश्वविद्यालय को बी++ की रेटिंग से सम्मानित किया गया।

सिद्धांत

इस विश्वविद्यालय का मुख्य सिद्धांत समाज व उद्यम के क्षेत्र से जुड़े छात्रों को शिक्षा व रोजगार हेतु एक वैश्विक मंच उपलब्ध कराना है।

मिशन

केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात का एक मात्र मिशन गुणवत्तायुक्त शिक्षा तक सबकी पहुंच बनाना और अवसर प्रदान कराना है। इसके लिए छात्रों को प्रोत्साहन देना है। छात्रों की सोच में व उनके कार्य क्षेत्र में उभरते नवाचारों, तकनीकी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करने के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा और नेतृत्व का गुण विकसित करना है। यह विश्वविद्यालय गुजरात राज्य के लिए व पूरे देश के लिए एवं मानव जाति की शांति तथा खुशी हेतु प्रयासरत है। यह विश्वविद्यालय ज्ञान सृजन, धन-समृद्धि के सृजन हेतु विकासशील उद्योगों और शैक्षिक क्षमताओं के महत्त्व को स्वीकार करता है और इनके प्रति जागरूक भी है।

दृष्टिकोण

केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात का मुख्य दृष्टिकोण सामाजिक प्रतिबद्धता से परिपूर्ण आधुनिक, वैज्ञानिक, तकनीकी ज्ञान और कौशल से युक्त एक शैक्षणिक केंद्र का निर्माण करना है। इस विश्वविद्यालय को जरूरी मानवीय व्यवहार के नियमों व कर्तव्यों से सम्पन्न एक उत्कृष्ट केंद्र रूप में स्थापित करना है। यह विश्वविद्यालय इस समाज व देश के लिए, पूरी दुनिया के लिए शिक्षण, शोध, व्यक्तित्व विकास और जिम्मेदार पूर्ण भावना से युक्त कुशल मानवीय संसाधन के निर्माण में अपना मॉडेल स्थापित करने की दिशा में कार्यरत है।

उद्देश्य

ज्ञान के प्रचार-प्रसार हेतु अध्ययन की विविध शाखाओं में निर्देशनात्मक सुविधाओं और शोध की सुविधाओं को उपलब्ध कराना।

- मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और तकनीकी जैसे अंतरसंबंधित शैक्षणिक कार्यक्रमों हेतु विशेष प्रावधान बनाना।
- शिक्षण-पाठन विधि के अंतर्गत एवं अंतरअनुशासनिक प्रशिक्षण और शोध को बढ़ावा देने हेतु उचित कदम बढ़ाना।
- देश के विकास हेतु मानवीय संसाधनों को शिक्षित एवं प्रशिक्षित बनाना।

- विज्ञान एवं तकनीकी की आधुनिकता को बढ़ावा देने हेतु अकादमिक-औद्योगिक भागीदारी को स्थापित करना।
- सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों विशेषकर लोगों के बौद्धिक, अकादमिक और सांस्कृतिक विकास की तरफ, एवं मानव कल्याण की तरफ विशेष ध्यान देना।
- लोगों को सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु बौद्धिक, अकादमिक और सांस्कृतिक विकास की महत्ता को समझाना।

अकादमिक संरचना व पाठ्यक्रम संबंधी पहलू

वर्तमान में इस विश्वविद्यालय के अंतर्गत कुल आठ संस्थान व दो स्वतंत्र केंद्र हैं। इन संस्थानों के अंतर्गत कुल 13 केंद्र हैं। इन केंद्रों में विविध प्रकार के अंतरअनुशासनिक विषय जैसे भाषा, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान आदि शामिल हैं। वर्तमान समय में इस विश्वविद्यालय द्वारा तीन एकीकृत मास्टर कार्यक्रम, अलग से संचालित होने वाले चौदह मास्टर कार्यक्रम और तेरह एम. फिल.-पीएच. डी के समन्वित कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कुछ संस्थानों में डाइरेक्ट पीएच-डी. हेतु एडमिशन भी दिया जाता है। शिक्षण, अनुसंधान और विकासशील गतिविधियों आदि को बढ़ाने हेतु इस विश्वविद्यालय ने ठोस प्रयास किए हैं।

शैक्षिक कार्यक्रमों की पाठ्य सामग्री का निर्माण जरूरतमंद लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक विस्तृत क्षितिज प्रदान करने हेतु किया गया है। प्रत्येक पाठ्यक्रम की संरचना में आईसीटी सुविधा युक्त आधुनिक अध्ययन और पठन शामिल है। जहां-कहीं पर जरूरत होती है वहां प्रयोगशाला की सुविधा उपलब्ध है। प्रस्तुतियां, परिसरीय संगोष्ठियां, असाइनमेंट (समनुदेशन), स्वाध्ययन और शोध-प्रबंध आदि में भी आईसीटी सुविधा को शामिल किया गया है। तकनीकी, उद्यम और ज्ञान देने के तरीके और उसे लागू करने संबंधित कार्य बदलते समय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किए जाते हैं और पाठ्यक्रमों को नए रूप में डिजाइन करने का प्रयास किया जाता है।

बदलते समय की तकनीकी, औद्योगिक क्षेत्र की परिवर्तित होती प्राथमिकताएँ, शिक्षा देने व उसके लागू करने के तरीकों को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों को लगातार नवीनता पूर्ण बनाए रखने के प्रयास होते रहते हैं। पाठ्यक्रमों का अद्यतनीकरण (नवीनीकरण) व उन्नयन (विकास) का निर्णय केंद्र और स्कूल बोर्डों द्वारा लिया जाता है। इसमें पूरे देश भर से बुलाए गए प्रमुख अकादमिक और वैज्ञानिक संस्थाओं के विशिष्ट सदस्य अपने सुझाव देते हैं। इन सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव विश्वविद्यालय से संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता बढ़ाने, उनमें नए अवसर सृजित करने आदि में सहायक होते हैं। इससे छात्र स्वयं को वैश्विक स्तर पर सक्षम पाते हैं। ये छात्र रोजगार पर ध्यान देने के साथ-साथ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं जैसे सामाजिक व आर्थिक प्रासंगिकताओं को समझने योग्य बनते हैं।

चुनाव आधारित क्रेडिट सिस्टम स्कीम के शुरू हो जाने के बाद, विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रमों में वांछित लचीलेपन को शामिल किया है। इससे संस्थान व केन्द्रों के अतिरिक्त अंतरअनुशासनिक और अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रमों के चुनाव में सुविधा होती है। साथ ही यह स्कीम अनिवार्य विषय, वैकल्पिक विषय और आधार विषय रूपी पाठ्यक्रमों के निर्माण में भी सहायक होते हैं।

पाठ्यक्रम संरचना व सामग्री पर छात्रों को अपनी प्रतिक्रिया देने हेतु इस विश्वविद्यालय ने एक औपचारिक तंत्र निर्मित किया है। छात्रों द्वारा दी गयी प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण बाह्य विशेषज्ञों की दी हुई टिप्पणियों और सुझावों के साथ शामिल कर लिया जाता है। ये सुझाव पाठ्यक्रम व अध्यापन के शोधन, संशोधन और अद्यतन हेतु आधार प्रदान करते हैं।

जैसा कि इस विश्वविद्यालय के उद्देश्य व दायित्व के बारे में विश्वविद्यालय स्थापना मुख पत्र में कहा गया था, यह विश्वविद्यालय अपने यहां ठीक वैसे ही, विविध प्रकार के पाठ्यक्रम संचालित करता है और शोध कार्य करवाता है। यहां पाठ्यक्रम एवं शोध रूप में संचालित होने वाले विषय आंतरिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक प्रबंधन, नवाचार नीति, सामाजिक

अभियांत्रिकी, डायस्पोरा अध्ययन, कैंसर जीव विज्ञान, कंप्यूटीशनल रासायनिकी, भौतिक विज्ञान, नैनो विज्ञान, औद्योगिक रसायन विज्ञान, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण-स्थायित्व आदि इसमें शामिल हैं। ये विषय इस विश्वविद्यालय को एक बढ़त प्रदान करते हैं। यह विश्वविद्यालय इन सभी अनधिकृत अकादमिक क्षेत्रों में काम करने के अतिरिक्त बदलती जरूरतों व भारतीय समाज की जरूरतों के साथ अपनी ताल-मेल बिठाने हेतु लगातार पाठ्यक्रमों का अद्यतनीकरण व उन्नयन करता रहता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुमोदन से यह विश्वविद्यालय विविध प्रकार के व्यवसायी व अनुप्रयुक्त पाठ्यक्रम में शिक्षण एवं अनुसंधान का अवसर तकनीकी संस्थान, भू-विज्ञान, सुदूर संवेदन (रिमोट सेन्सिंग), प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और व्यक्तित्व विकास आदि संस्थानों के माध्यम से प्रदान करता है।

शिक्षण-अध्ययन और मूल्यांकन

विश्वविद्यालय अपने सभी शैक्षणिक व मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता का पालन करता है। यहां पर उपलब्ध सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों के विस्तृत प्रचार को बढ़ावा देता है। इस विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित सभी कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन ली जाती है। इस प्रवेश परीक्षा का आयोजन पूरे भारतीय स्तर पर होता है। केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात नए स्थापित किए गए सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में वह पहला विश्वविद्यालय है जो प्रवेश संबंधी परीक्षा का आयोजन पूर्णतः ऑनलाइन कराता है। प्रवेश की पूरी प्रक्रिया केंद्रीय प्रवेश समिति द्वारा संचालित होती है। इस समिति में परीक्षा नियंत्रक, संस्थानों के डीन, अलग-अलग संस्थानों के संकाय सदस्य, एससी, एसटी, ओबीसी और महिलाओं व अल्पसंख्यकों के वर्ग के एक-एक प्रतिनिधि शामिल होते हैं। यह विश्वविद्यालय नए प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करता है। जिससे कि वे छात्र विश्वविद्यालय से पूर्णतः अवगत हो सकें। पाठ्यक्रम की सबसे मुख्य विशेषता पाठ्यक्रम के अंत में छात्र को मिलने वाले अवसर होते हैं।

अकादमिक कैलेंडर का अनुसरण सभी संस्थानों द्वारा किया जाता है। अध्ययन प्रक्रिया को छात्र केंद्रित बनाने हेतु सभी प्रकार के प्रयास किए जाते हैं। अधिकतर अध्ययन-पाठन की प्रणालियाँ आईसीटी आधारित हैं। लैम के संपर्क से ई-लर्निंग की सुविधा हर समय आसानी से छात्रों को प्रदान की जाती है। संकाय सदस्यों की यह ज़िम्मेदारी होती है कि वे छात्रों में सृजनात्मकता की संस्कृति को विकसित करें।

अध्यापकों को प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। ये आयोजन उन्हें प्रतिष्ठित आकादमिक क्षेत्र में अपनी बात रखने में सहायक होते हैं।

विश्वविद्यालय परीक्षा हेतु पारदर्शी व मानक परीक्षा प्रणाली का अनुसरण करता है। छात्रों की प्रगति का मूल्यांकन नियमित आंतरिक मूल्यांकन के माध्यम से किया जाता है। यह मूल्यांकन केंद्र/संस्थान आदि के स्तर पर छमाही के अंत में होता है। छमाही के अंत में परीक्षा का आयोजन परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा किया जाता है। छात्रों के मूल्यांकन में यूजीसी के दिशानिर्देशों का भली-भांति पालन किया जाता है।

अनुसंधान और विस्तार

विश्वविद्यालय का मुख्य आधार शोधकार्य है। बहुत सारे संस्थान व केंद्र अंतराअनुशासनात्मक दृष्टिकोण से अपने यहां शोध कार्य कराते हैं। इस विश्वविद्यालय में उपलब्ध शोध संबंधी आधारभूत संरचना पश्चिमी भारत में सबसे बेहतर है और भारत की उत्कृष्ट संरचनाओं में से एक है। केंद्रीय सुविधा, सेंट्रल इन्स्ट्रूमेंटल फेसिलिटी (सीआईएफ़) के नाम से जानी जाती है। यह अत्याधुनिक-अनुसंधान-सुविधा के रूप में स्थापित की गयी है। विज्ञान विषय से जुड़े क्षेत्रों में शोध को अथाह रूप में विकसित करने और सहयोग देने का वादा इस विश्वविद्यालय द्वारा किया गया है। इस विश्वविद्यालय में विज्ञान से जुड़े उपकरणों जिनमें क्रोमैटोग्राफी, स्पेक्ट्रोस्कोपी और माइक्रोस्कोपी आदि के अतिरिक्त एक्सआरडी, एनएमआर और एमएलडीआई-टीओएफ़ आदि उपकरण उपलब्ध हैं। उपकरणों की यह विविधतापूर्ण उपलब्धता न केवल इस विश्वविद्यालय की पहुँच को दर्शाता है बल्कि,

शोधकर्ताओं को चुनौतीपूर्ण शोध कार्य को बढ़ावा देने के प्रति प्रोत्साहित भी करता है। सीआईएफ़ जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और नैनो विज्ञान में शोध कार्य का समर्थन कर रहा है। इसके अतिरिक्त यह विज्ञान की कई अन्य नई शाखाएं जैसे कि- अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान, भू-विज्ञान और रिमोट सेन्सिंग तकनीकी जिनका प्रस्ताव निकट भविष्य में दिया जाने वाला है। इस विश्वविद्यालय ने इन शाखाओं में अनुसंधान हेतु समर्थन देने की संभावना व्यक्त की है।

विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय प्रतिष्ठा केंद्र के रूप में रसायन विज्ञान संस्थान, जीव विज्ञान संस्थान, पर्यावरण एवं स्थायी विकास संस्थान और नैनो विज्ञान संस्थान आदि प्रसिद्ध हैं। ये संस्थान बहुत ही उत्कृष्ट और वैज्ञानिक अनुसंधान कराने हेतु स्टेट आर्ट के रूप में उन्नत और परिष्कृत उपकरणों से समृद्ध हैं। संस्थान और विशेष केंद्र के अंतर्गत एक उच्च शिक्षा और अनुसंधान समिति (सीएसआर) है। इसमें किसी संस्थान का डीन इस समिति का अध्यक्ष होता है। केन्द्र अध्यक्ष और सभी योग्य मार्गदर्शक (सुपरवाइजर) इसमें शामिल होते हैं। यह समिति संस्थान व केंद्र द्वारा संचालित होने वाले एम.फिल. और पीएच. डी. के कार्यक्रमों की योजना बनाता है, उन्हें संचालित करता है और उनका मूल्यांकन भी करता है। एम. फिल. और पीएच. डी. से संबंधित सामग्री जैसे कि शोधार्थियों द्वारा जमा किए गए शोध प्रस्तावों की स्वीकृति, सुपरवाइजर और लघु शोध प्रबंध एवं शोध प्रबंध की शीर्षक का अनुमोदन संबंधी कार्य सीएसआर की जिम्मेदारी होते हैं।

यह विश्वविद्यालय युवा व महत्वाकांक्षी संकाय सदस्यों के बीच शोध कार्य को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। विश्वविद्यालय युवा शोधकर्ताओं को अनुदान प्रदान करता है। इस विश्वविद्यालय ने इस प्रकार के शोध कार्यों हेतु और दूसरे परियोजना संबंधी गतिविधियों के लिए एक स्वतंत्र परियोजना सेल का गठन किया है। इसके उद्देश्य हैं:

- विभिन्न विषयों में शोध हेतु शोध प्रस्ताव जमा करने के लिए प्रोत्साहित करना व समर्थन देना।
- जांचकर्ताओं द्वारा किए गए अनुज्ञाओं और खरीद संबंधी प्रक्रिया का सरलीकरण करना।
- शोधकर्ता द्वारा शोध की पहल पर आगे आने वाले विश्वविद्यालय और संस्थान/केंद्र के बीच के ऊपरी खर्च वहन के साझेदारी की सुनिश्चितता देना।
- समयानुसार अनुदान जारी करने की सुनिश्चितता देना।
- वित्तपोषण अधिकारियों के समक्ष समयानुसार लेखा परीक्षण और उपयोग प्रमाण पत्र को जमा करना।

ज्ञान व प्रदर्शन को सांझा करने के स्तर पर सहायक प्रोफेसर विश्वविद्यालय के अनिवार्य अंग हैं। यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित संस्थानों व विश्वविद्यालयों से संबंधित संकाय सदस्यों को आमंत्रित करता है। ये सदस्य विश्वविद्यालय के एम. फिल. व पीएच. डी. शोधप्रबंध के संयुक्त मार्गदर्शक के रूप में भी सहायता करते हैं। विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसरों की भागीदारी अंतरअनुशासनिक शोधकार्यों को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, छात्रों के शोधकार्य हेतु बहुत से संस्थानों/विश्वविद्यालयों में सुविधा मुहैया कराई जाती है।

विस्तार व अतिरिक्त (आउटरीच) गतिविधियां

उच्च शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े विविध घटकों में से विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में सहायक गतिविधि के रूप में विश्वविद्यालय की प्रसारित गतिविधियां होती हैं। विश्वविद्यालय का काम सभी मानव समुदाय तक अपने कैम्पस की पहुंच बढ़ाने के प्रति प्रतिबद्धता को बढ़ावा देना है। छात्रवृत्ति और तकनीकी खोज की सहायता लेते हुए समाज द्वारा झेले जाने वाले मुद्दों पर ध्यान दिलाना है। विश्वविद्यालयों को सकारात्मक सामाजिक परिवर्तनकारी हिस्से के रूप में देखा जाता है।

मानव जीवन की सामाजिक व शारीरिक गुणवत्ता बढ़ाने वाले सशक्त साधन के रूप में रेशनल ड्रग डिजाइन, जलवायु परिवर्तन और स्थायी विकास के पाठ्यक्रम को देखा जा रहा है। ये पाठ्यक्रम सामाजिक अभियांत्रिकी की गणना में आ सकने वाले

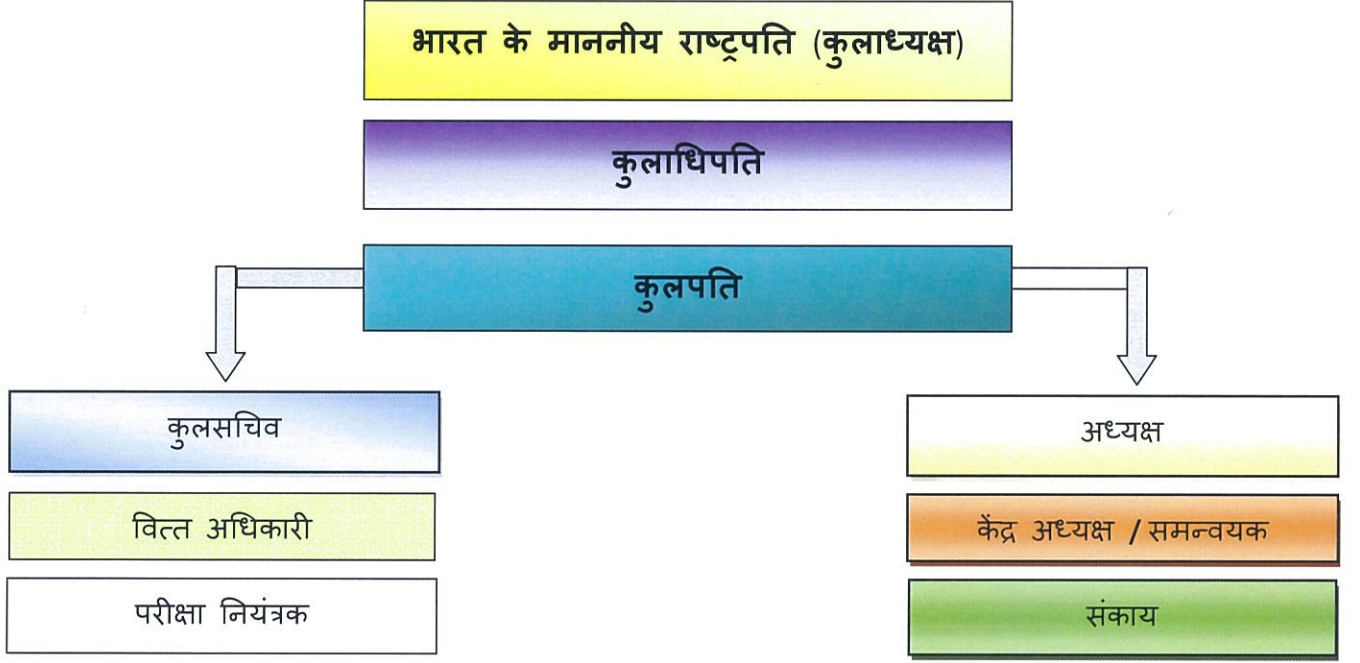
मानव संसाधन निर्मित कर सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रोफाइल को विस्तार देने में और समृद्ध करने हेतु इस प्रकार के एमयूज कई संस्थानों और केंद्रों द्वारा हस्ताक्षरित किए गए हैं।

एमयूज कंप्यूटीशनल केमिस्ट्री ग्रुप द्वारा केटीएच स्थित अग्रणीय वैज्ञानिक/अनुसंधान प्रयोगशाला के साथ, स्टॉकहोम और उप्पसला विश्वविद्यालय, स्वीडन, कॉलोरेडो विश्वविद्यालय आदि के साथ हस्ताक्षरित किए गए हैं। इनके अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के कार्यक्रम जैसे उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गाँव को गोद लेना, विद्यालय गोद लेना कार्यक्रम, बी. वॉक कार्यक्रम आदि को विश्वविद्यालय प्रोफाइल को विस्तार देने वाले और मजबूत करने वाले पहल के रूप में उद्धृत किया जा सकता है। विश्वविद्यालय ने एक समझौता ज्ञापन आदिवासी अकादमी और भाषा अनुसंधान और प्रकाशन, तेजगढ़ के साथ हस्ताक्षरित किया है।

इसके अलावा विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद (एनएसडीसी) के साथ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए व मौजूदा पाठ्यक्रमों के संभावित व्यवसायिकरण के अवसर तलाशने हेतु बातचीत की शुरुआत की है। विश्वविद्यालय ने गुजरात चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के व्यापारिक, व्यावसायिक समुदाय के वित्तपोषकों के साथ एक समझौता ज्ञापन भी हस्ताक्षरित किया है। ये संस्थान इंटरशिप और ब्लॉक प्लेशमेंट के अवसर प्रदान करते हैं।

विश्वविद्यालयी औद्योगिक इंटरफेस सेल, और दवा डिजाइन करने के उचित समझ संबंधी बी. वॉक कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय द्वारा की गयी है। इसमें विश्वविद्यालय सामान्य औद्योगिक क्षेत्रों और विशेष दवा उद्योग क्षेत्रों के साथ संपर्क करने के अवसर प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय प्रशासन



विश्वविद्यालय प्राधिकरण और निकाय



क्रम संख्या	नाम और पता
1.	प्रो. वाई. के. अलघ कुलाधिपति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, चेयरमैन
2.	प्रो. एस. ए. बारी कुलपति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर,
3.	डॉ. हर्षद देसाई, कुलपति, धर्मसिंह देसाई विश्वविद्यालय, नडियाड – 387001 (गुजरात)
4.	डॉ. हरीश पाढ़, जैवप्रौद्योगिकविद कुलपति, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्या नगर, गुजरात।
5.	डॉ. नरेश वेद (लेखक और कवि), भूतपूर्व कुलपति गुजरात विश्वविद्यालय और भावनगर विश्वविद्यालय, गुजरात। कदंबा, नं. 35, प्रोफेसर सोसायटी, नियर सौराष्ट्र कॉलोनी, मोटा बाजार, वल्लभ विद्यानगर- 388120
6.	पद्मश्री श्री सितांशु यशचन्द्र, (भूतपूर्व कुलपति सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट), 302- बी, श्रवण रेसिडेंसी, कोसमिक एंक्लेव, समा वडोदरा- 390 024, मोबाइल नं- 0-9228187436 / टेली: 0265-2788605
7.	श्री दिनेश सी. पटेल, 3ड फ्लोर, संकेत II, नियर ग्रिड, लंभवेल रोड, आनंद- 388001.
8.	डॉ. विजय आर. दावे, 12, पुष्पदेव सोसायटी, नियर रेडियो मिर्ची टावर, सैटेलाइट, अहमदाबाद
9.	श्री नितिन एच. शाह, 43/254, विजयनगर, नरनपुरा, अहमदाबाद- 380 013
10.	श्री लखनभाई बी. भरवाड़, निसर्ग फार्म, सरदार पटेल रिंग रोड, भदाज विलेज, अहमदाबाद.
11.	डॉ. बी. एस. रावत, 11, शान्तम बंग्लो, नियर ऋतुराज फ्लैट, टी. बी. हॉस्पिटल रोड, मेहसना- 384002, गुजरात।
12.	डॉ. धरम डी. कंबालिया, हरिपर (पाल), ओप्पोजिट मोटेल द विलेज, कलावाड रोड, राजकोट-5, गुजरात।
13.	डॉ. भानुबेन डी. पटेल, ए-4, चैतन्य विहार, ए.वी. रोड, आनंद 388001
14.	श्री वोलेटी राय भास्करा राओ, यू. कोठापल्ली- 533447 (पी. ओ. अंड मण्डल), ईस्ट गोदावरी जिला., आंध्र प्रदेश।
15.	श्री सलमान सईद, मकान नं- 241, सेक्टर 16, वसुंधरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।
16.	प्रो. सुधीर के. जैन निदेशक, आईआईटी गांधी नगर
17.	डॉ. शिलीन एन. शुक्ला, हॉन. निदेशक, गुजरात कैसर और अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद.
18.	प्रो. अमिता शाह, निदेशक, गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात.
19.	प्रो. जे. एन. गोस्वामी, निदेशक, शारीरिक शोध प्रयोगशाला, नवरंगपुर, अहमदाबाद।
20.	डॉ. दिनेश एन. अवस्थी, निदेशक, उद्यमिता विकास संस्थान भारत, अहमदाबाद।
21.	प्रो. प्रद्युम्न व्यास, निदेशक, राष्ट्रीय निर्माण संस्थान, पालड़ी, अहमदाबाद।
22.	प्रो. डी. आर. गोएल (आरईटीडी.)

	204, अवसर फ्लैट्स, 2, प्रताप गंज, वडोदरा- 390 002 (गुजरात)
23.	प्रो. ललित मोहन मनोचा, प्रमुख, पदार्थ विज्ञान संस्थान, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, 388120 (गुजरात)
24.	प्रो. अंजना देसाई, माइक्रोबायलोजी विभाग, फ़ैकल्टी ऑफ साइंस, द एम. एस . वडोदरा विश्वविद्यालय, वडोदरा- 390 002
25.	डॉ. जगदीश अरोरा, निदेशक, आईएनएफएलआईबीएनईटी (INFLIBNET), गांधीनगर
26.	प्रो. सरिता एस. गुप्ता, जैवरासायनिक विभाग, द महाराजा सायजीराव विश्वविद्यालय ऑफ वडोदा, फतेहगंज, वडोदरा
27.	डॉ. सौरेंद्र गुप्ता, सैद्धांतिक भौतिक विज्ञान, टीआईएफआर, मुंबई
28.	कुलसचिव, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय - सदस्य सचिव

एमएचआरडी, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, पत्र संख्या. 59-7/2012-सीयू-III दिनांक: 19/11/2014 और 59-7/2012-सीयू-III दिनांक: 30/12/2014 केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के प्रावधान अनुसार निम्नलिखित अतिरिक्त सदस्य गुजरात विश्वविद्यालय के प्रथम कोर्ट में नामित किए गए हैं।

1. **डॉ. तिमोथी ए. गोंसल्वेस**
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
मंडी कमनद परिसर, वि.पी.ओ. कमनद, जिला. मंडी एच.पी. – 175005
2. **प्रो. पी. वी. कृष्णा भट**
एम.एल.सी. बंगलोर
3. **प्रो. एम. एल. चिप्पा**
कुलपति
अटल बिहारी वाजपेयी हिंदू विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश
4. **प्रो. कमल किशोर गोयनका**
उपाध्यक्ष
केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा.
5. **डॉ. मनोज सोनी**
कुलपति
डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
6. **डॉ. मीणा चंदावरकर**
कुलपति
कर्नाटक राज्य महिला विश्वविद्यालय, बीजापुर, कर्नाटक

कार्यकारी परिषद्

I.	कुलपति	प्रो. एस. ए. बारी (अध्यक्ष, पूर्व अधिकारी)
II.	प्रति कुलपति	रिक्त
III.	केंद्रीय विश्वविद्यालय का कुलपति किसी विश्वविद्यालय का प्रतिष्ठित और कार्यरत प्रोफेसर कुलपति की सिफारिश पर कार्यकारी परिषद द्वारा नामांकित किया जाता है।	कुलपति द्वारा अनुशंसित होना चाहिए
IV.	छात्र कल्याण अधिकारी	प्रो. संजय कुमार झा
V.	अध्ययन संस्थानों के पांच डीन जीनामे से कम से कम तीन सभी समूहों से होने चाहिए और यह समूह वरिष्ठता क्रम के अनुसार होना चाहिए; समूह - I सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रबंधन और मानविकी समूह - II विज्ञान संस्थान, तकनीकी और स्वास्थ्य विज्ञान	समूह - I (1) प्रो. आलोक कुमार गुप्ता, अध्यक्ष, एसएलएल और सीएस (शेष अवधि के लिए) (2) प्रो. संजय कुमार झा अध्यक्ष, एस.आई.एस, (शेष अवधि के लिए) समूह - II (1) प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा, अध्यक्ष, एस.एल.एस. (2) प्रो. टी. बागची, अध्यक्ष, एस.एन.एस (3) प्रो. के.मुत्तय्या, अध्यक्ष, एस.एल. & आई.एस.सी.
VI.	एक प्रोफेसर, जो डीन नहीं है, वरिष्ठता क्रम अनुसार कुलपति द्वारा नामित किया जाता है।	स्थिरता में रखा
VII.	एक एसोसिएट प्रोफेसर, वरिष्ठता क्रम अनुसार उप-कुलपति द्वारा नामित किया जाता है।	स्थिरता में रखा
VIII.	एक सहायक प्रोफेसर, वरिष्ठता क्रम अनुसार कुलपति द्वारा नामित किया जाता है	स्थिरता में रखा
IX.	कोर्ट जब गठित हुआ तब से उसके दो सदस्य निर्वाचित सदस्यों द्वारा चुने जाते हैं, इनमें से कोई भी विश्वविद्यालय का कर्मचारी या छात्र नहीं होगा और न ही विश्वविद्यालय से जुड़े किसी भी संस्थान से जुड़ा हुआ होना चाहिए।	
X.	चार प्रतिष्ठित लोग अकादमिक जीवन में आगंतुक द्वारा नामित किए जाते हैं।	(1) डॉ. सी.एन.पटेल, अध्यक्ष, फार्मसी विभाग, गुजरात प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालय, अहमदाबाद (2) डॉ. शंखर चंदात्रे, प्रह्लादी डालमिया लायंस कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, मलाड, मुंबई.

		(3) प्रो. अतुल जोहरी, जीवन विज्ञान संस्थान, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (4) डॉ. पंकज अरोरा, शिक्षा विभाग संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
XI.	प्रत्येक श्रेणियों के एक-एक सदस्य, यानि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला, निःशक्तजन में से विश्वविद्यालय, या दूसरे केंद्रीय या राज्य विश्वविद्यालय के शिक्षकों में से एक सदस्य के रूप में नामित किया जाता है कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय के या अन्य केन्द्रीय / राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा नामित किया गया	(1) प्रो. बी.ए.चोपड़े, कुलपति, डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद. (2) प्रो. टी.वि. कट्टीमणि कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्व विद्यालय, अमरकंटक, एम.पी. (3) प्रो. वाई. नरसिम्हलू, कुलपति, रायलसीमा विश्वविद्यालय, कूर्नुल. (4) प्रो. ए.एम. पठान पूर्व कुलपति के.यू. धारवाड़; मनु, हैदराबाद और सी.यू.के. गुलबर्गा. (5) प्रो. अमिता सिंह, कानून और शासन संस्थान, जे.एन.यू. नई दिल्ली. (6) प्रो. एम.के. श्रीधर, सी.बी.एस.एम, बंगलौर विश्व विद्यालय, बंगलौर.
XII.	कुलसचिव	प्रो. एस. एल. हीरेमठ

अकादमिक परिषद्

I.	कुलपति	प्रो. एस. ए. बारी (अध्यक्ष)
II.	प्रति कुलपति	रिक्त
III.	केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति या प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के सेवारत प्रोफेसर कुलपति की सिफारिश पर या अकादमिक परिषद द्वारा कुलपति के रूप में नामित किया जाता है।	माननीय कुलपति की सिफारिश पर अकादमिक परिषद (एसी) द्वारा नामित किया जाता है
IV.	अध्ययन संस्थान का संकाय अध्यक्ष	1. प्रो. एन. राजाराम, संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान संस्थान 2. प्रो. मान सिंह, संकायाध्यक्ष, रसायन विज्ञान संस्थान 3. प्रो. एम.एच. फुलेकर, संकायाध्यक्ष, पर्यावरण और स्थायित्व विकास संस्थान 4. प्रो. आलोक कुमार गुप्ता, संकायाध्यक्ष, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन केंद्र 5. प्रो. संजय कुमार झा, संकायाध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान 6. प्रो. जे.पी.एन.मिश्रा, संकायाध्यक्ष, जीवन विज्ञान संस्थान 7. प्रो. टी. बागची, संकायाध्यक्ष, नैनो विज्ञान अध्ययन केंद्र 8. प्रो. के. मुतैया, संकायाध्यक्ष, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान अध्ययन केंद्र
V.	अध्ययन केंद्र अध्यक्ष	1. प्रो. अतानु भट्टाचार्या, सी.इ.एस 2. प्रो. संजीव कुमार दुबे, सी.एच.एल.&एल. 3. प्रो. बालाजी रंगनाथन, सी.सी.एल.&टी.एस. 4. प्रो. इंदिरा दत्ता, सी.एस.इ.पी. 5. डॉ. प्रकाश झा, सी.एस.आई.सी. 6. डॉ. अतनु महापात्रा, सी.एस.डी.
VI.	छह प्रोफेसरों, रोटेशन क्रम द्वारा, पर्याप्त रूप में विभिन्न अध्ययन संस्थानों का प्रतिनिधित्व करते हैं, ये वरिष्ठता के अनुसार कुलपति द्वारा नामित होते हैं।	1. प्रो. रचेल के. बारी, सी.इ.एस 2. प्रो. अतनु भट्टाचार्या, सी.इ.एस 3. प्रो. संजय के. झा, सी.एस.एस.

		4. प्रो. संजीव कुमार दुबे, सी.एच.एल.&एल. 5. प्रो. बालाजी रंगनाथन, सी.सी.एल&टी.एस. 6. प्रो. इंदिरा दत्ता, सी.एस.इ.पी.
VII.	छह एसोसिएटप्रोफेसर, रोटेशन क्रम द्वारा, पर्याप्त रूप में विभिन्न अध्ययन संस्थानों का प्रतिनिधित्व करते हैं, ये वरिष्ठता के अनुसार कुलपति द्वारा नामित होते हैं।	1. डॉ. जय प्रकाश प्रधान (प्रास्थगित) 2. डॉ. प्रकाश झा, सी.एस.आई.सी. 3. डॉ. भावना पाठक, सी.इ.एस.डी. 4. डॉ. दिनेश कुमार, सी.एस.सी.एस 5. डॉ. अतनु महापात्रा, सी.एस.डी. 6. डॉ. इन्द्राणी बनर्जी, एस.एन.एस.
VIII.	छह असिस्टेंट प्रोफेसर, रोटेशन क्रम द्वारा, पर्याप्त रूप में विभिन्न अध्ययन संस्थानों का प्रतिनिधित्व करते हैं, ये वरिष्ठता के अनुसार कुलपति द्वारा नामित होते हैं।	1. श्री प्रभात कुमार, सी.सी.एस 2. डॉ. एल. राजू चोवन, सी.एस.आई.सी. 3. डॉ. किशोरे जोसे, सी एस एस 4. डॉ. पार्वथी के. अय्यर, सीएसएसटीआईपी 5. डॉ. पौलमी साहू, एसइएसडी 6. डॉ. राजेश वसिता, एसएलएस
IX.	छात्र कल्याण अधिष्ठाता	प्रो. संजय कुमार झा
X.	पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. के.बी. अगाड़ी (कार्यवाहक)
XI.	कुलानुशासक	रिक्त
XII.	प्रोवोस्ट	प्रो. अतनु भट्टाचार्या
XIII.	छात्रावास अधीक्षक	डॉ. किशोर जोस
XIV.	चार व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय में किसी भी रूप में सेवारत न हों, अकादमिक परिषद द्वारा उनका चुनाव उनके विशेष ज्ञान हेतु विकल्प रूप में उनका चुनाव किया जाता है।	लिया जाना शेष।
XV.	कोर्ट जब गठित हुआ तब से उसके दो सदस्य निर्वाचित सदस्यों द्वारा चुने जाते हैं, इनमें से कोई भी विश्वविद्यालय का कर्मचारी या छात्र नहीं होगा और न ही विश्वविद्यालय से जुड़े किसी भी संस्थान से जुड़ा हुआ होना चाहिए।	रिक्त
XVI.	दो छात्र प्रतिनिधि, कुलपति द्वारा नामित किए जाते हैं। इनका चुनाव मेरिट के आधार पर होता है। ये विश्वविद्यालय छात्र परिषद के सदस्य होते हैं या श्रेष्ठता के क्रम अनुसार होता है। इन सदस्यों को अकादमिक परिषद की बैठक में उपस्थित होने की अनुमति नहीं होता। जब निम्नलिखित में से किसी भी विषय पर विचार किया जाए:	1. श्री. राकेश मिश्रा, एसएलएल&सीएस 2. श्री. यात्री चावड़ा, एसइएसडी

	अ) संकाय पदों, नियुक्ति, सेवा शर्तों और शैक्षणिक स्वतंत्रता; आ) छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन और योग्यता मूल्यांकन की वास्तविक प्रक्रिया	
XVII.	निम्नलिखित प्रतिनिधि: ● अनुसूचित जातियों में से एक ● अन्य पिछड़ा वर्ग में से एक ● अल्पसंख्यक में से एक ● महिलाओं में से एक; और ● दिव्यांगों में से एक विश्वविद्यालय के शिक्षक समूह में से एक सदस्य या किसी दूसरे केन्द्रीय / राज्य विश्वविद्यालयों का सदस्य जो कुलपति द्वारा नामित किया जाता है।	1. प्रो. आर.जी. सोंकवादे, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापूर 2. प्रो. सी.एन. कृष्णा नयिक, श्री कृष्णदेवराया विश्वविद्यालय, आंतपूर 3. प्रो. पी.एन. गज्जर, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद 4. प्रो. अली रजा मूसवी, सीयू कर्नाटक, कलबुर्गी 5. प्रो. मालाबिका देव, पोंडीचेरी विश्वविद्यालय, पोंडीचेरी 6. प्रो. एच.सी. सरदार, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
VIII.	कुलसचिव	प्रो. एस.एल. हिरेमठ

वित्त समिति

अध्यादेश सं.	पद	नाम
17(1)(i)	कुलपति	प्रो. एस. ए. बारी (अध्यक्ष)
17(1) (ii)	प्रति-कुलपति	रिक्त
17(1) (iii)	एक व्यक्ति न्यायालय द्वारा नामित होना चाहिए	श्री दिनेश सी. पटेल (शेष अवधि हेतु) तीसरा माला, साकेत-II नियर गिफ्ट, लाम्बलेल रोड आनंद - 388001, गुजरात
17(1) (iv)	कार्यकारी परिषद द्वारा नामांकित तीन व्यक्ति, जिनमें से कम से कम एक व्यक्ति कार्यकारी परिषद का सदस्य होना चाहिए	1. प्रो. छगनभाई एन. पटेल संकायाध्यक्ष और प्रोफेसर, फार्मास्युटिकल रसायन शास्त्र विभाग, श्री सार्वजनिक फार्मेसी कॉलेज महेसाणा, गुजरात 384001 2. डॉ. शेखर चंद्रात्रे ए/402, दिव्या दीप सीएचएस, न.आर. प्रणय नगर, वज्जीर नाका, बोरीवली पश्चिम, मुंबई - 400092 3. प्रो. किरण कालिया निर्देशक, एनआईपीआईआर, पलाज, गांधीनगर, गुजरात-382355
17(1) (v)	राष्ट्रपति द्वारा नामांकित तीन व्यक्ति	1. जेएस एवं एफए, एमएचआरडी, नई दिल्ली 2. संयुक्त सचिव (सीयू एवं एल), एमएचआरडी, नई दिल्ली 3. संयुक्त सचिव, यू.जी.सी. नई दिल्ली
	वित्त अधिकारी	प्रो. संजय कुमार झा, सचिव - पूर्व पदेन अधिकारी

विश्वविद्यालय के अधिकारी

कुलाधिपति	प्रो. वाई. के. अलघ
कुलपति	प्रो. एस.ए. बारी
प्रति कुलपति	रिक्त
सचिव	प्रो. एस.एल. हिरेमठ
वित्त अधिकारी	प्रो. संजय के. झा
परीक्षा नियंत्रक	प्रो. संजीव कुमार दुबे
छात्र कल्याण अधिष्ठाता	प्रो. संजय के. झा
संस्थान संकायाध्यक्ष	
सामाजिक विज्ञान संस्थान	प्रो. एन. राजाराम
भाषा, साहित्य, और संस्कृति अध्ययन संस्थान	प्रो. आलोक गुप्ता
अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	प्रो. संजय के. झा
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान	प्रो. के. मुत्तय्या
रसायन विज्ञान संस्थान	प्रो. मान सिंह
जीवन विज्ञान संस्थान	प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा
पर्यावरण और सतत विकास संस्थान	प्रो. एम.एच. फुलेकर
नैनो विज्ञान संस्थान	प्रो. टी. बागची

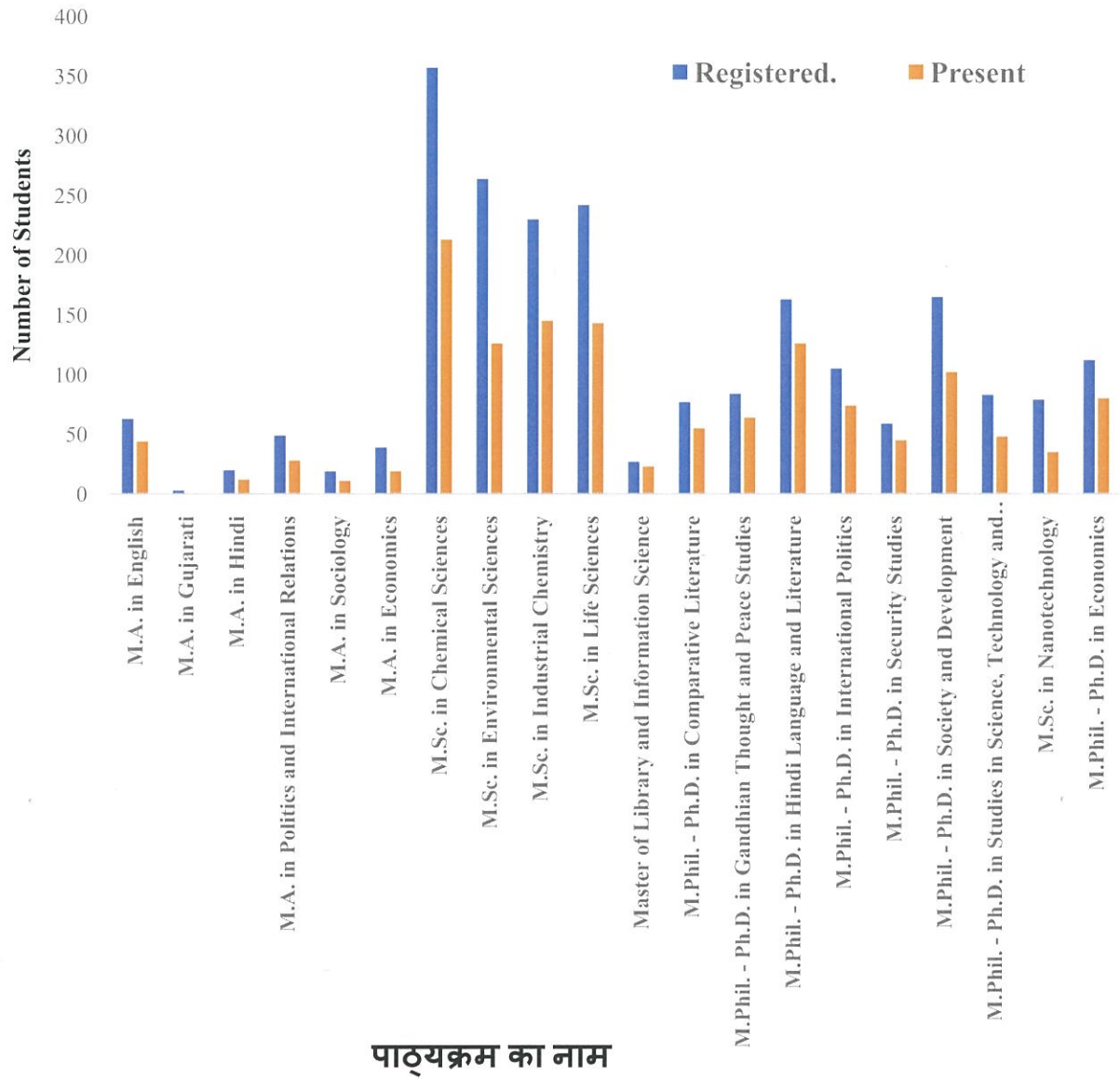
केंद्र अध्यक्ष / समन्वयक

केंद्र का नाम	सह-संचालक / अध्यक्ष का नाम	पद
सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र	डॉ. लिट्टी डेनिस	समन्वयक
गांधीयन विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र	डॉ. जगन्नाथम बेगारी	समन्वयक
समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र	डॉ. असीमा जेना	समन्वयक
विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार निति अध्ययन केंद्र	डॉ. कुणाल सिन्हा	समन्वयक
अर्थशास्त्र और योजना अध्ययन केंद्र	प्रो. ईंदिरा दत्ता	अध्यक्ष
जर्मन अध्ययन केंद्र	डॉ. अनुष्का गोखले* डॉ. विनय कुमार दौथूला**	समन्वयक
चायनीज भाषा और संस्कृति केंद्र	श्री. प्रभात कुमार	समन्वयक
तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन केंद्र	प्रो. बालाजी रंगनाथन	अध्यक्ष
अंग्रेजी अध्ययन केंद्र	प्रो. अतनू भट्टाचार्या	अध्यक्ष
हिंदी भाषा और साहित्य केंद्र	प्रो. संजीव कुमार दुबे	अध्यक्ष
सुरक्षा अध्ययन केंद्र	डॉ. एन. मोहनदास सिंह	समन्वयक
अंतरराष्ट्रीय राजनीति केंद्र	डॉ. अतुल मिश्रा	समन्वयक
औद्योगिक रसायन विज्ञान अध्ययन केंद्र	डॉ. प्रकाश झा	अध्यक्ष
प्रवासी अध्ययन केंद्र	डॉ. अतानु महापात्रा	अध्यक्ष

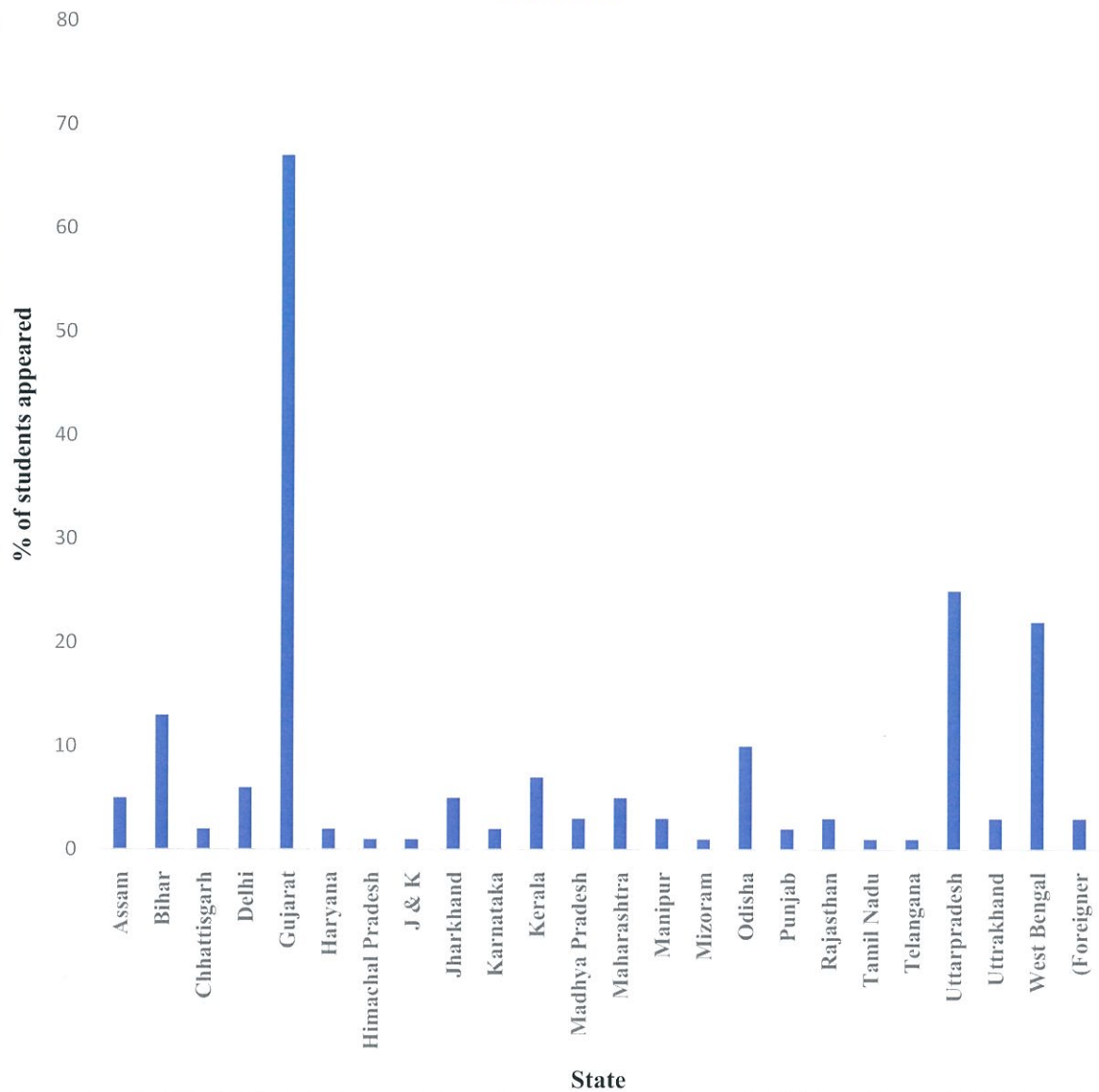
*09 सितंबर 2016 से, **08 सितंबर 2016 तक

प्रमुख बिन्दु

प्रवेश परीक्षा 2016-17 में शामिल विद्यार्थियों का विषयवार वितरण

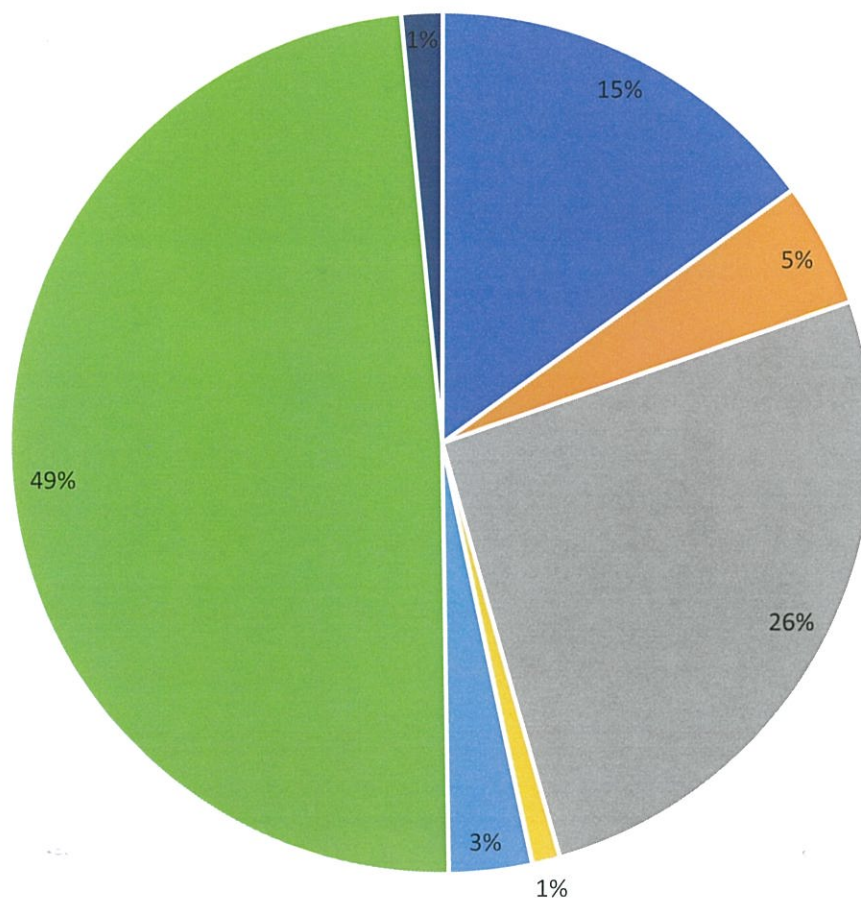


प्रवेश परीक्षा 2016-17 में शामिल विद्यार्थियों का राज्यवार प्रतिशत



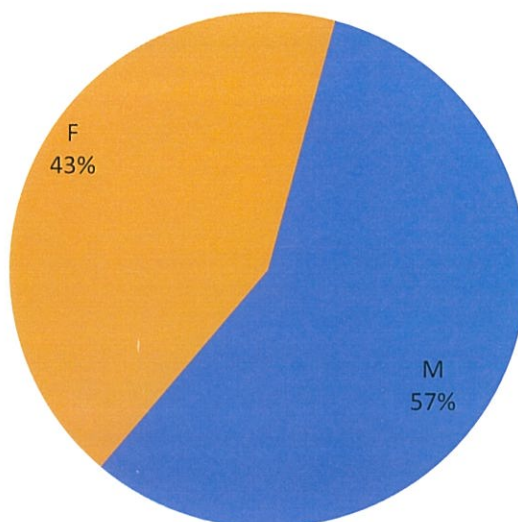
विद्यार्थियों का सामाजिक प्रतिनिधित्व

■ SC ■ ST ■ OBC ■ KM ■ PWD ■ GEN ■ International students

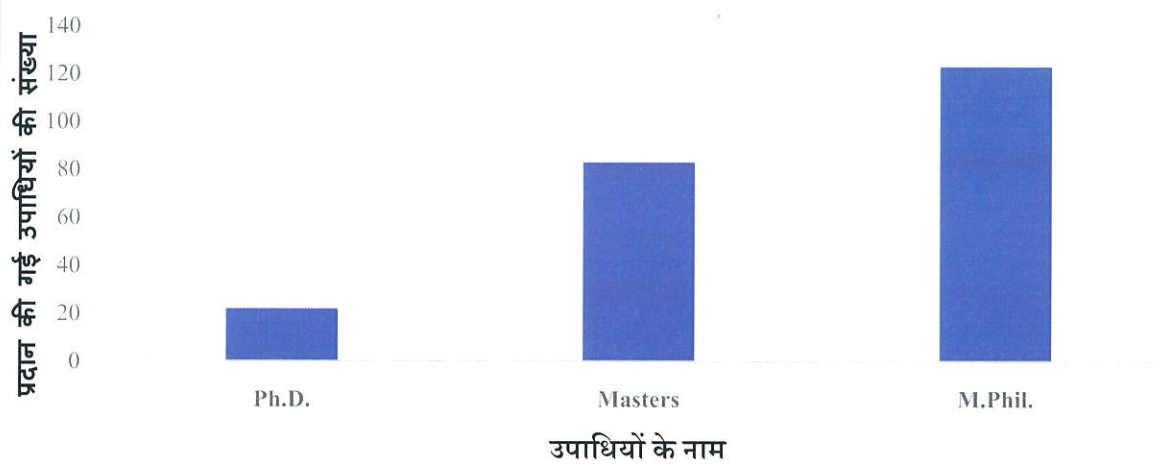


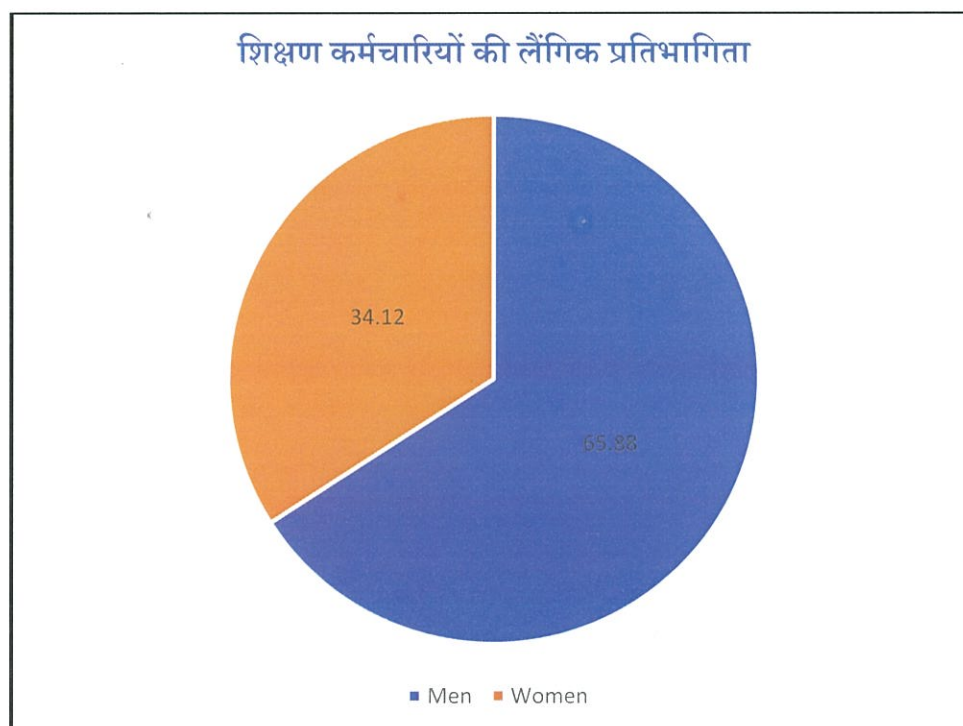
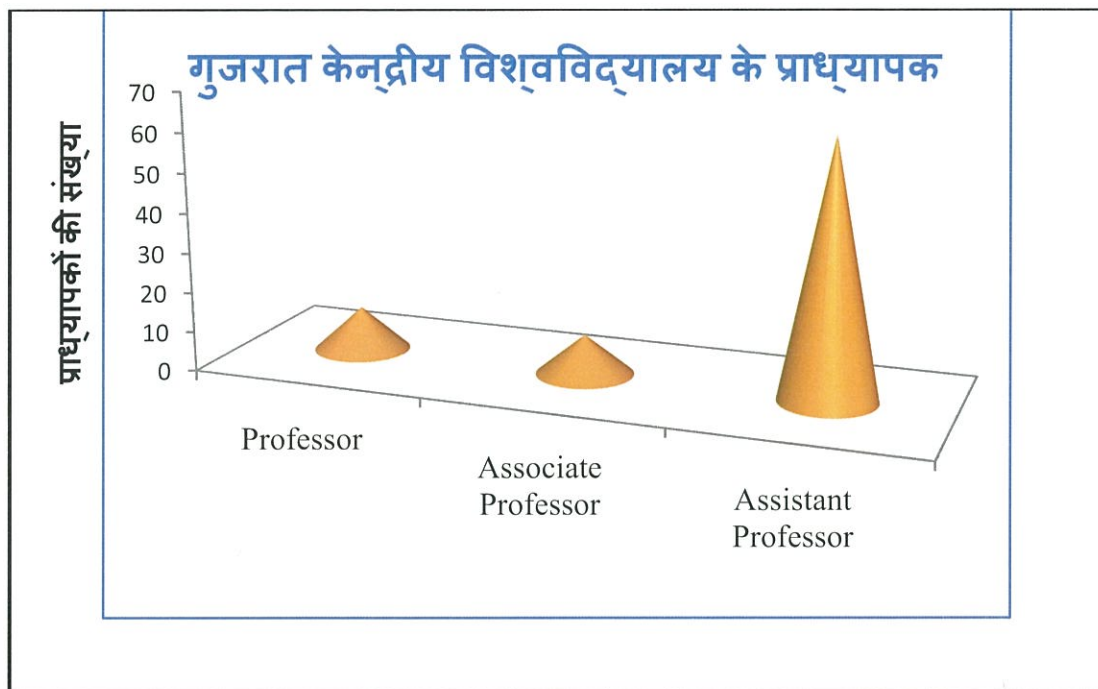
SC – अनुसूचित जाति
ST – अनुसूचित जनजाति
OBC – अन्य पिछड़ा वर्ग
KM – कश्मीरी प्रवासी
PWD – दिव्यांग
GEN – सामान्य वर्ग

प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों का लैंगिक वितरण



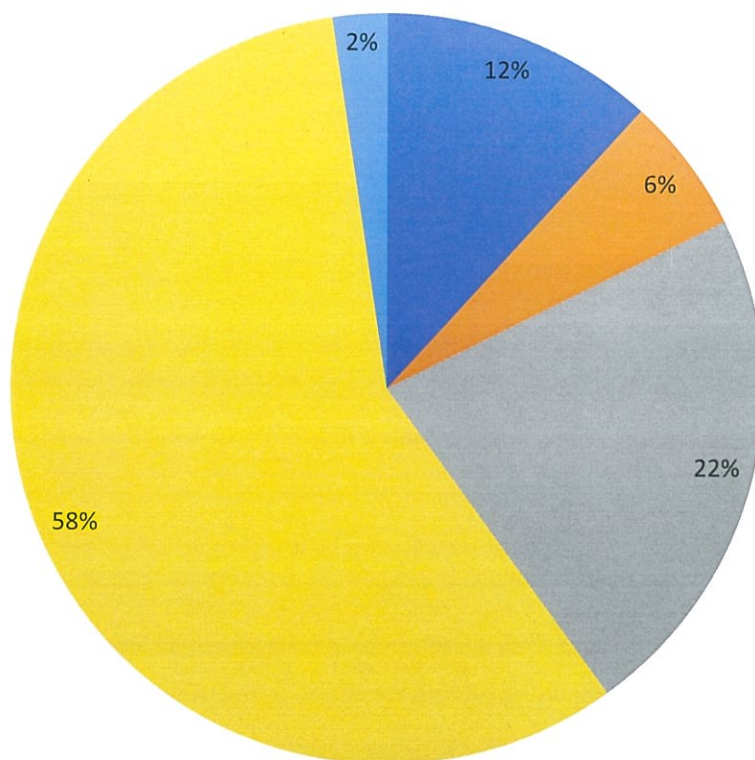
2016-17 में प्रदान की गई उपाधियां



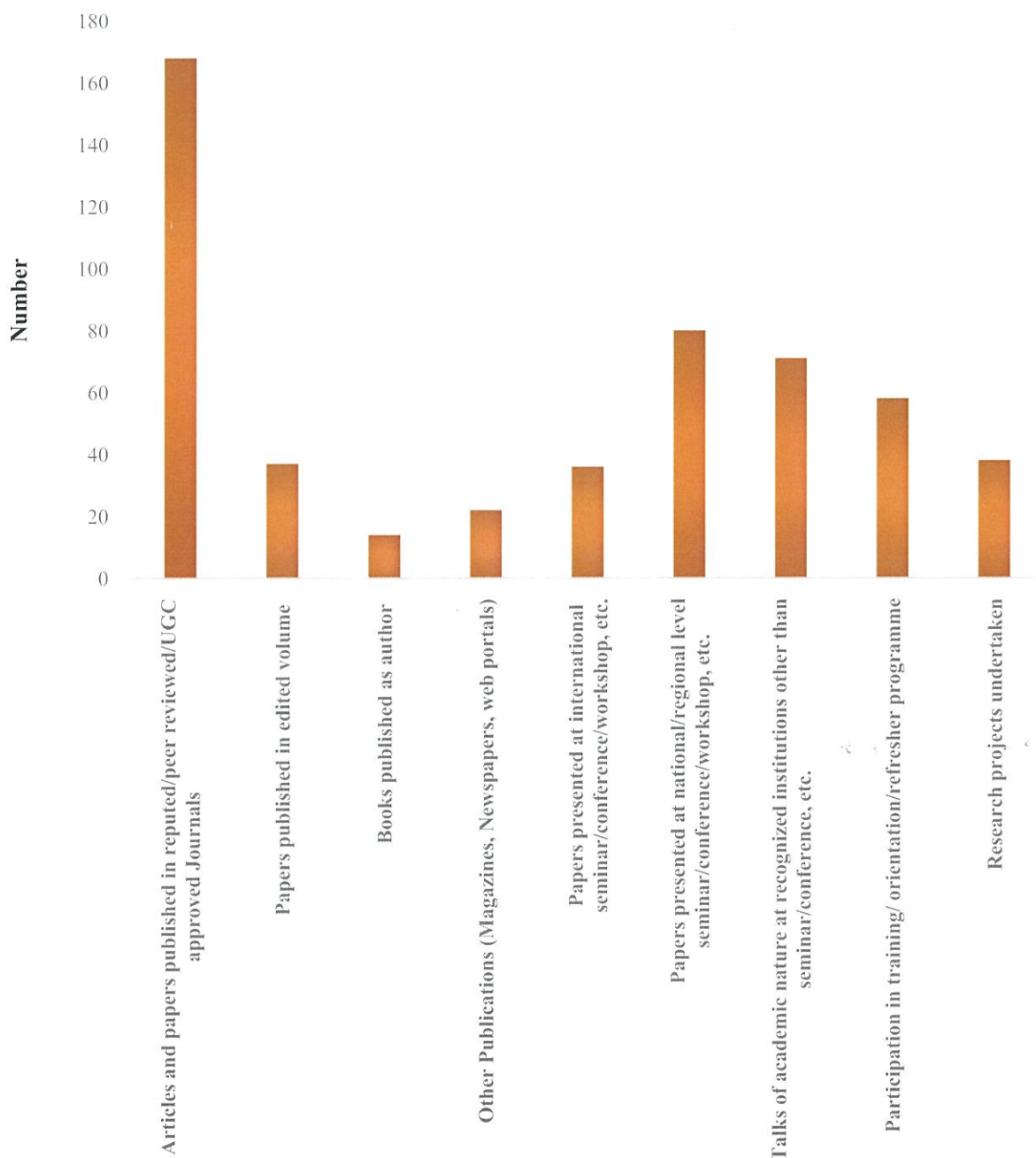


शिक्षण कर्मचारियों की सामाजिक प्रतिभागिता

■ SC ■ ST ■ OBC ■ general ■ PWD



2016-17 के दौरान संकाय सदस्यों की शोध गतिविधियां



गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की बेहतरीन प्रणालियां

- प्रवेश परीक्षा और प्रवेश प्रणाली का पूर्णतः कम्प्यूटराइज्ड प्रणाली
- परीक्षा नियंत्रक कार्यालय का स्वचालन
- परिणामों की समयानुसार घोषणा
- प्रत्येक 3 साल के बाद पाठ्यक्रमों का नियमित रूप से अद्यतनीकरण
- सभी संस्थानों में सीबीसीएस प्रणाली का पालन
- आईसीटी प्रणाली युक्त शिक्षण-पाठन
- रोजगार प्रकोष्ठ
- अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तुतीकरण हेतु छात्रों को वित्तीय सहायता
- सुदृढ़ छात्र समर्थन सेवाएं
- कर्मचारियों एवं उनके परिवार हेतु चिकित्सकीय सुविधा और प्रतिपूर्ति
- चिकित्सकीय उपचार हेतु चार मुख्य अस्पतालों के साथ समझौता व भर्ती होने की स्थिति में कैसलेश उपचार
- एम्बुलेंस सुविधा
- योगा क्लब
- अकादमिक भागीदारी हेतु यात्रा अनुदान
- सामूहिक बीमा योजना
- पायलट प्रोजेक्ट हेतु संकाय सदस्यों को विश्वविद्यालय द्वारा शोध अनुदान की सुविधा
- प्रकाशन अनुदान
- अकादमिक बोर्ड में औद्योगिक क्षेत्रों के लोगों की भागीदारी
- विद्यार्थियों के लिए अध्ययन कक्ष
- प्रतिलिपिकरण सुविधाएं

केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर काम करने हेतु ठोस प्रयास किए जाते हैं। तदनुसार, विश्वविद्यालय राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के साथ एम्यूज हस्ताक्षरित किए जाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय/संस्थान

- 1) स्काग्स स्कूल ऑफ फार्मसी एंड फार्मास्युटिकल साइंस डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोरेडो, डेनवर

उद्देश्य: संकाय सदस्यों, छात्रों संबंधी आदान-प्रदान, संयुक्त शोध गतिविधियां, संगोष्ठियों एवं अकादमिक मीटिंग में भागीदारी, अकादमिक साधनों और अन्य सूचनाओं का आदान-प्रदान, विशेष अल्पकालीन अकादमिक कार्यक्रम, प्रशासनिक प्रबंधक/सह-संचालक का आदान-प्रदान, संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम, एम्यूज में उल्लिखित ज्ञापन को समर्थन देने हेतु बाहरी वित्तीय सहायता हेतु संयुक्त आवेदन।

- 2) मैकमेस्टर यूनिवर्सिटी, हैमिल्टन, ओटावी, कनाडा

उद्देश्य: शोध, शिक्षा और सामुदायिक सेवा के लिए शैक्षणिक समझौतों को बढ़ावा देने हेतु

- 3) युनिवर्सिटी ऑफ जॉर्जिया, एथेंस, जॉर्जिया, यू.एस.एस.

उद्देश्य: जॉर्जिया विश्वविद्यालय और गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय दोनों ही संस्थानों का, पारस्परिक लाभ हेतु सहकारी शैक्षणिक सेवा और शोध गतिविधियों में शामिल होना।

- 4) भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग, उप्पसला विश्वविद्यालय, स्वीडन

उद्देश्य: शोध, शिक्षण और प्रशिक्षण हेतु सहयोग करना और यूरोपीय आयोग द्वारा की गयी पहल इरेसमुस मुंदुस एक्शन में दूसरे इच्छुक संस्थानों के साथ साझेदारी हेतु भाग लेना।

- 5) जिनान विश्वविद्यालय, गूयांगजौ, चीन

उद्देश्य: शिक्षा और अकादमिक आदान प्रदान को अकादमिक कार्यक्रम, शिक्षण कर्मचारी, अकादमिक सामग्री, पाठ्यक्रम संबंधी पुस्तक सूची तैयार करने में और शोध एवं शोध संबंधी दूसरी गतिविधियों को समन्वित रूप से बढ़ावा देना।

- 6) केटीएच रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालजी (केटीएच), स्टोल्खोल्म, स्वीडन

उद्देश्य: शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों से संबन्धित पारस्परिक रुचि से जुड़े क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण हेतु साथ-साथ काम करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना।

- 7) फ्रैंकल्टी ऑफ आर्ट्स यूनिवर्सिटी ऑफ तस्मानिया, आस्ट्रेलिया

उद्देश्य: अनुसंधान सहकार्यता

- 8) बीजिंग फ़ोरेन स्टडीज़ यूनिवर्सिटी, बीजिंग, चीन

उद्देश्य: परस्पर लाभकारी अकादमिक, वैज्ञानिक, तकनीकीय, शैक्षणिक और अन्य संबंधों को स्थापित करना और प्रोत्साहित करना। संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों की स्थापना हेतु संकाय सदस्यों, छात्रों का आदान-प्रदान।

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय/संस्थान

1) रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान (आईडीएसए), नई दिल्ली

उद्देश्य: दोनों ही विश्वविद्यालयों के मध्य अकादमिक और वैज्ञानिक समझौते स्थापित करना और संसाधन के बटवारे में, संकाय सदस्यों के आपसी आवागमन में, संयुक्त शोध और प्रशिक्षण कार्यक्रम, छात्रों के इंटरशिप के अवसर और अकादमिक गतिविधियों जैसे सम्मेलनों, विशेष बैठकों और संगोष्ठियों आदि के संचालन में सहयोग करना।

2) गुजरात चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़

उद्देश्य: शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में सहकर्मिता की भावना को क्रमशः साथ लाना।

3) नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ सिंधी लैंग्वेज

उद्देश्य: सिंधी भाषा में शिक्षण और अनुसंधान को सुदृढ़ करने हेतु अच्छी तरह से स्थापित अकादमिक और बौद्धिक मंच प्रदान करना है। सिंधी भाषा विकास के लिए शिक्षकों को और देश के हर कोने से साहित्य को लाना है और इनके लिए प्रशिक्षण, अभिविन्यास और क्षमता निर्माण कार्यक्रम को बढ़ावा देना है।

आधारभूत संरचनाएँ और शिक्षण के संसाधन

विश्वविद्यालय एक ट्रांजिट कैंपस से संचालित होता है। यह दो सरकारी स्कूलों के परिसर में स्थित है जो सेक्टर 29 और सेक्टर 30 में हैं। यह विश्वविद्यालय अपने छात्रों और संकाय सदस्यों हेतु शिक्षण और शोध हेतु सबसे बेहतर सुविधा उपलब्ध करता है और इन सभी के लिए इसे कोई अतिरिक्त परिश्रम भी नहीं करना पड़ता। जगह की कमी होने के बाद भी इस विश्वविद्यालय ने शिक्षण की गुणवत्ता और उसकी प्रबलता के विकास पर जोर देता है। आवश्यक उपकरणों से युक्त एवं अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाएं, स्टेट-ऑफ-आर्ट प्रयोगशाला, पुस्तकों से भरी और अच्छी तरह व्यवस्थित पुस्तकालय इस विश्वविद्यालय को एक अकादमिक और वैज्ञानिक संगठन के रूप में स्थापित करते हैं।

विश्वविद्यालय में बनीं विशाल कक्षाएं गतिशील और केंद्रित चर्चाओं हेतु अनुकूल माहौल प्रदान करती हैं। ये एलसीडी प्रोजेक्टर, व्याख्यानों हेतु आडिओ-विजुअल शिक्षण माध्यम, प्रस्तुतियों आदि हेतु उपकरणों से सुविधाएं आंतरिक बनावट द्वारा जुड़ी हुई हैं। अंग्रेजी बोलचाल हेतु, नेट-स्लेट की परीक्षाओं की तैयारी हेतु, नेतृत्व हेतु, सामूहिक कार्य और विश्लेषणात्मक कौशल हेतु विशेष सत्र और सुधारात्मक कोचिंग कक्षाएं चलाई जाती हैं।

इस विश्वविद्यालय में चार सम्मेलन हाल हैं। इन हालों में 50 से 250 लोग बैठ सकते हैं। ये हाल सम्मेलन हेतु और दूसरे कार्यक्रमों के आयोजन हेतु उपयोग में लाए जाते हैं। इनके अतिरिक्त इस विश्वविद्यालय में अलग से दो संगोष्ठी कक्ष भी हैं। ये सभी हाल विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन अनुसार आधुनिक प्रस्तुति उपकरणों से सजे हुए हैं।

इस विश्वविद्यालय में 10 से अधिक स्टेट-ऑफ-द-आर्ट विज्ञान प्रयोगशालाएं हैं। ये प्रयोगशालाएं छात्रों को विविध प्रकार के सिद्धांतों के प्रयोग में सहायता करते हैं। सभी संस्थान और केंद्र उच्च क्षमता युक्त वर्चुअल नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हुए हैं। इसके अंतर्गत उपकरणों को 1जीबीपीएस ब्रॉडबैंड कनेक्शन से जुड़े हैं। विश्वविद्यालय के दोनों ही परिसरों में स्टेट-ऑफ-द-आर्ट कंप्यूटर नेटवर्क युक्त वाई-फाई लगा हुआ है। इस कंप्यूटर सुविधा के अंतर्गत सॉफ्टवेयर का एक बड़ा रेंज, संचार और प्रिंट सुविधाएं आदि इससे जुड़ी हुई हैं। यह पूरा विश्वविद्यालय वायरलेस (बेतार) सुविधा युक्त है। बहुत से कार्यक्रमों में छात्रों को उनकी सुविधा हेतु कंप्यूटर भी उपलब्ध कराए जाते हैं ताकि वे किसी भी समय और किसी भी स्थान पर इंटरनेट से जुड़ सकें। डाटा विश्लेषण आधारित कामों को करने में, प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों हेतु सीएडी, सीएम जैसे नवीनतम सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है। इंटरनेट अध्यापकों और छात्रों के बीच प्रगाढ़ ऑन-लाइन बातचीत की सुविधा उपलब्ध कराता है।

विश्वविद्यालय में होने वाले विविध प्रकार के कार्यों (समनुदेशन) के लिए बाहर से आने आगंतुक संकाय सदस्यों व दूसरे अधिकारियों हेतु अतिथि गृह की सुविधा है। इसके अतिरिक्त वीआईपी अतिथि गृह की भी सुविधा है। विश्वविद्यालय ने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु तीन बड़े-बड़े अपार्टमेंटों को किराए पर लिया है और उन्हें अच्छे से सुसज्जित करवाए हैं।

विश्वविद्यालय परिसर की सामान्य आधारभूत संरचनाएं एवं सुविधाएं



सेक्टर 29 परिसर

- प्रशासनिक विभाग, वित्त विभाग और सीओई
- भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान
- सामाजिक विज्ञान संस्थान
- अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान
- शिक्षा, बी.वोक संस्थान
- अध्ययन कक्ष और महिला कक्ष
- संकाय विभाग, अकादमिक और प्रशासनिक विभाग, संगोष्ठी हॉल, वर्चुअल (आभासी) शिक्षण संसाधन केंद्र, भाषा प्रयोगशाला, कैटीन, व्यायामशाला, केनरा बैंक शाखा और एटीएम



सेक्टर 30 परिसर

- जीवन विज्ञान संस्थान
- रसायन विज्ञान संस्थान
- नैनो विज्ञान संस्थान
- पर्यावरण विज्ञान संस्थान
- केंद्रीय पुस्तकालय
- योगा क्लब
- सीआईएफ
- अध्ययन कक्ष और महिला कक्ष
- अकादमिक भवन, प्रयोगशालाएं
- संकाय भवन
- ग्रीन हाउस, सम्मेलन कक्ष और बहुदेशीय कक्ष, कैटीन, खेल-कूद कक्ष, स्वास्थ्य और परामर्श सुविधा, ओपेन एयर वाईफाई पॉइंट्स

केंद्रीय उपकरणिकरण सुविधा (सीआईएफ़)

यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा प्रदान करने के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। यहां विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में उच्च शिक्षा प्रदान की जा रही और अनुसंधान हो रहे हैं। उपकरणों की आवश्यकता विविध प्रकार के अनुशासनों में पड़ती है। इन विविध-विषयक अनुशासनों के अंतर्गत रसायन विज्ञान, जीवन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, और नैनो विज्ञान आदि के अनुसंधान क्षेत्र आते हैं। इन उपकरणों को केंद्रीय उपकरण सुविधा (सीआईएफ़) के अंतर्गत स्थापित किया गया है। इस विश्वविद्यालय में इस क्षेत्र के अंतर्गत सबसे बेहतरीन उपकरणों की सुविधा है। इस क्षेत्र के दूसरे संस्थान भी इन सुविधाओं का लाभ उठाते हैं।

सीआईएफ़ में उपलब्ध उपकरण

1. पावडर एंड सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रैक्शन (पी-एक्सआरडी / एससी-एक्सआरडी)
2. लिक्विड क्रोमैटोग्राफी/मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी/एमसी-क्यूटीओएफ़)
3. इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी फॉर केमिकल अनालिसिस (ईएससीए)
4. 500 एमएचज प्यूरियर ट्रांसफ़ॉर्म न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेन्स (एफ़टी-एनएमआर)
5. हाई रिजोल्यूशन ट्रांसमिसन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (एचआर-टीईएम)
6. इंडक्टिवली क्यूपलड प्लाजमा-ऑप्टिकल एमिसन स्पेक्ट्रोमीटर (आईसीपी-ओईएस)
7. एटोमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी (एएफ़एम)
8. स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (एसईएम)
9. स्कैनिंग इलेक्ट्रोकेमिकल माइक्रोस्कोपी (एसईसीएम)
10. इस्पेक्ट्रोस्कोपी एल्लिप्सोमीटर
11. ब्रूनौएर एम्मेत्त टेल्लर (बीईटी) सरफेस एरिया एनालायजर
12. टोटल ओर्गेनिक कार्बन (टीओसी)
13. फ्लुरोसेंस एक्टिवेटेड सेल सॉर्टिंग (एफ़एसीएस)
14. रियल टाइम – पीसीआर (आरटी-पीसीआर)
15. मैट्रिक्स- एस्सिस्टेड लेजर डिजोर्प्शन/ आयोनाइजेशन (एमएएलडीआई-टीओएफ़)
16. कॉफोकल लेजर स्कैनिंग माइक्रोस्कोपी (सीएलएसएम)
17. फास्ट प्रोटीन लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एफ़पीएलसी)
18. फ्लुरोसेंस माइक्रोस्कोपी
19. डीएनए सीक्वेंसर
20. हाई स्पीड सेंट्रीफ्यूग
21. अल्ट्रा- सेंट्रीफ्यूग
22. डायनामिक लाइट स्कैटरिंग (डीएलएस)
23. थर्मो ग्रेविमेट्रिक / डिफ्रेंसियल थर्मल एनालिसिस (टीजी/डीटीए)
24. पोरोजीमीटर
25. ओजोनोलिसिस
26. एलीमेंटल एनालाइजर (सीएचएनएस/ओ)
27. एटोमिक एंजोरप्शन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (एएस)
28. गैस क्रोमैटोग्राफी (जीसी)
29. हाई परफ़ोर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी)
30. प्यूरियर ट्रांसफ़ॉर्म इंफ़्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफ़टीआईआर)
31. डिफ्रेंसियल स्कैनिंग कैलोरीमेट्रिक (डीएससी)
32. जेल परमिसन क्रोमैटोग्राफी (जीपीसी)
33. यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोमीटर
34. पोलोरीमीटर
35. पोटेन्टियोस्टैट
36. रेफ़्राक्टोमीटर इंडेक्स (आरआई)

वाई-फाई और आईसीटी सुविधा

यह विश्वविद्यालय वाई-फाई युक्त है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए एक व्यक्तिगत आईडी और पासवर्ड द्वारा छात्र इसे चला सकते हैं। यह कनेक्शन एनएमईआईसीटी और बीएसएनएल के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।

केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय ईथरनेट नेटवर्क के माध्यम से पूरे परिसर भर में संचालित होता है। पुस्तकालय में एक अध्ययन केंद्र नेत्रहीन छात्रों के लिए है। यहां पर ब्रेल सॉफ्टवेयर को विशेष रूप से डाला गया है। इसके अतिरिक्त दूसरे सॉफ्टवेयर जैसे क्रूजवेल, सारा, जिफ्री स्कैनर आदि भी यहां उपलब्ध हैं। वर्तमान में, इस विश्वविद्यालय द्वारा 66 पत्र-पत्रिकाओं, और लगभग 8903 से अधिक ई-जर्नल की सदस्यता ली हुई है। इनमें से प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं को शोधसिंधु और उच्च शिक्षा और एलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के सहायता द्वारा संचालित किया जाता है। यहां पर 32,450 किताबें और 2,800 ई-बुक्स हैं। ई-कॉन्टेंट सामग्री/किताबें/पत्रिकाएं आदि एक लाख से भी अधिक मात्र में उपलब्ध हैं। किताबों की सुरक्षा हेतु और सेल्फ चेक इन और सेल्फ चेक आउट हेतु पुस्तकालय का संचालन डेस्क आरएफआईडी तकनीकी से सुरक्षित है। दोनों ही परिसरों की पुस्तकालयी सुविधा को बेहतर संचालन से मजबूत बनाने हेतु पुस्तकालय पोर्टल को मजबूत किया जा रहा है। केंद्रीय पुस्तकालय परिसर से बाहर होने पर पुस्तकालय के संचालन की सुविधा ई-जर्नल और डाटाबेस से एजप्रोक्सी सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रदान की जाती है।

वर्चुअल लर्निंग रिसोर्स सेंटर (वीएलआरसी)

द वर्चुअल लर्निंग रिसोर्स सेंटर एक वेब आधारित सूचना पुनर्प्राप्ति सेवा है। यह विद्युतीय सूचनाओं को उपलब्ध कराने हेतु केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात पुस्तकालय वेबसाइट से संचालित होता है। यह सभी प्रकार के विद्युतीय सूचनाओं और ई-डाटाबेस का केंद्र है। इस इंटरफेस के माध्यम से पुस्तकालय ओपीएसी और संदर्भ सामग्री का भी उपयोग किया जा सकता है। वीएलआरसी छात्रों को इंटरनेट उपयोग करने की सुविधा प्रदान करता है। इस सुविधा से छात्र विद्युतीय संसाधनों, ई-डाटाबेस, शैक्षणिक वीडियो सेवाओं आदि को उपयोग में ला सकते हैं। इसमें अंग्रेजी, जर्मन और चायनीज अध्ययन हेतु भाषा लैब भी है।



छात्रावास

छात्रावास में रहने की सुविधा सीमित है। बाहरी छात्र-छात्राओं हेतु छात्रावास का आवंटन पहले आना और पहले पाना नियम के आधार पर किया जाता है। छात्रावास की फीस विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार निर्धारित की जाती है।

छात्रावास की सुविधाएं

- 24 घंटे विद्युतीय उपलब्धता
- प्रत्येक छात्र हेतु चारपाई, कुर्सियां और मेज
- 24 घंटे सुरक्षा
- शुद्ध पानी
- यातायात
- इनडोर खेल-कूद कक्ष
- टी.वी. कक्ष
- अध्ययन कक्ष
- कंप्यूटर सुविधा



विश्वविद्यालयी महिला छात्रावास पेशापुर

सीयूजी छात्रावास विवरण 2016-17		
क्र. सं	छात्रावास का नाम	आंतरिक क्षमता
1	पेशापुर महिला छात्रावास	72
2	सेक्टर-20 महिला छात्रावास	24
3	सेक्टर-30 महिला छात्रावास	56
4	पेशापुर पुरुष छात्रावास	70
5	सेक्टर-24 पुरुष छात्रावास	110
6	सेक्टर-20 पुरुष छात्रावास	42
7	सेक्टर-30 पुरुष छात्रावास	49
	कुल	423

स्वास्थ्य सुविधा

विश्वविद्यालय परिसर के क्लीनिक में कर्मचारियों और छात्रों हेतु स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा, सरकारी सिविल अस्पताल विश्वविद्यालय के करीब ही है। विश्वविद्यालय में चिकित्सकीय सलाहकार की सुविधा भी है। इनसे स्वास्थ्य संबंधी सलाह कर्मचारियों और छात्रों को रियायती दर पर उपलब्ध हैं। दो चिकित्सक सोमवार से शनिवार तक शाम 3 बजे से 5 बजे तक उपस्थित रहते हैं। यह सुविधा विशेष रूप से छात्रों के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में बताने हेतु है। एक एम्बुलेंस की सुविधा किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य आपातकालीन स्थिति के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है।



ज्ञानार्जन के साथ धनार्जन योजना

अध्ययन अध्यापन करते हुए कुछ पैसे कमाने की योजना इस विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की हुई सबसे बेहतरीन योजना है। स्नातक स्तर और स्नातकोत्तर स्तर के छात्र-छात्राओं को जिन्हें छात्रवृत्ति नहीं मिलती वे इस योजना के माध्यम से अपने खर्च हेतु पैसे कमा सकते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा यह योजना ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले आर्थिक और सामाजिक स्तर पर पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए है। इस योजना के माध्यम से उन्हें विश्वविद्यालय में रहने हेतु सहायता मिलती है। इस योजना के अंतर्गत छात्रों को अपनी क्लास खत्म करने के बाद विश्वविद्यालय की साइबर लाइब्रेरी में कुछ घंटों के लिए काम करना पड़ता है। विश्वविद्यालय इस योजना को और बढ़ाने हेतु पुस्तकालय से संबंधित कुछ और कार्यों को इस योजना में जोड़ने हेतु इच्छित है। महिला छात्रों की सुरक्षा को विशेष रूप से देखते हुए उनके काम के घंटे सुविधानुसार बाटें जाते हैं।

मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति

स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्र-छात्राओं हेतु विश्वविद्यालय शीघ्र ही मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति की शुरुआत करने वाला है।

सुधारात्मक अंग्रेजी कार्यक्रम

सुधारात्मक अंग्रेजी कार्यक्रम यूजीसी द्वारा समर्थित एक पहल है। इसकी सुविधा वंचित और अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाले उन छात्रों हेतु हैं जिनका अंग्रेजी भाषा विषयक ज्ञान कमजोर होता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से ऐसे छात्र अपना अंग्रेजी भाषा कौशल विकसित कर सकते हैं।

क्रीड़ा एवं खेल-कूद

विश्वविद्यालय छात्रों हेतु खेल-कूद कार्यक्रमों का आयोजन भी करता है। ये खेल-कूद छात्रों के शैक्षिक गतिविधियों से जुड़े हुए होते हैं। जगह की उपलब्धता को देखते हुए, खेल-कूद की आवश्यक सुविधाओं का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में ही होता है। खेल-कूद की सुविधाओं हेतु भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), गांधीनगर के साथ इस विश्वविद्यालय का टाई-अप है।

सांस्कृतिक गतिविधियां

विश्वविद्यालय परिसर के अंतर्गत छात्र समुदाय के बीच सांस्कृतिक गतिविधियों को विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक क्लबों के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है। छात्रों को विविध सांस्कृतिक आयोजनों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।

परिवहन सुविधा

विश्वविद्यालय में छात्रों हेतु एक एसी बस और एक नॉन एसी बस की सुविधा है। ये बसें दोनों ही परिसरों के सभी छात्रावासों के बीच चलती रहती हैं।



नॉन-नेट छात्रवृत्ति

यूजीसी नॉन नेट छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत एम.फिल. और पीएच-डी. कार्यक्रमों में पढ़ने वाले सभी छात्र प्रति महीने क्रमशः 5000 और 8000 की छात्रवृत्ति हेतु योग्य होते हैं। आकस्मिक राशि के रूप में प्रति वर्ष 10000 की राशि मिलती है।

एससी/एसटी, अल्पसंख्यक और महिलाओं हेतु कल्याणकारी योजनाएं

कल्याणकारी योजनाएं भारत सरकार और यूजीसी द्वारा अधिसूचित और क्रियान्वित होती हैं। इन योजनाओं की समय-समय पर घोषणा होती रहती है। ये योजनाएं अनुकूल होने पर विश्वविद्यालय द्वारा लागू की जाती हैं।

व्यायामशाला

छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए ही एक बहु-आयामी व्यायामशाला की सुविधा उपलब्ध है। इसमें व्यायाम संबंधी क्रियाओं को समझाने हेतु एक प्रशिक्षक की व्यवस्था है।



कैंटीन

सेक्टर 29 और सेक्टर 30 दोनों ही परिसरों में कैंटीन की सुविधा है। इन कैंटीनों का वातावरण बहुत ही स्वच्छ और शांत होता है।



छात्र और कर्मचारी शिकायत निवारण सुविधा

- छात्र कल्याण अध्यक्ष कार्यालय
- एससी/एसटी संपर्क अधिकारी
- ओबीसी संपर्क अधिकारी
- समान अवसर सेल
- विशेष आरक्षण सेल
- छात्र परिषद
- शिकायत निवारण समिति
- अंतः शिकायत समिति- यौन उत्पीड़न

प्रशासनिक और अधिष्ठानिक विभाग

2009 के अनुसार, केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, नंबर 25, के आधार पर प्रशासनिक और अधिष्ठानिक विभाग अपनी भूमिका और अपने दायित्वों का निर्वाह करता है। यह विश्वविद्यालय की आधार शाखा है। प्रशासनिक और अधिष्ठानिक विभाग माननीय कुलपति के लिए प्रशासनिक कार्यों में सहायता प्रदान करता है। यह विभाग विश्वविद्यालय संबंधी विविध गतिविधियों को सुचारु रूप से चलाने का काम करता है। मानव संसाधनों की आपूर्ति करना, विविध प्रकार के उपक्रमों की खरीद करना और रिकॉर्ड्स का प्रबंधन करना आदि कार्य इस विभाग से संबंधित हैं। वर्तमान में रजिस्ट्रार (सचिव) प्रोफेसर एस. एल. हिरेमथ इस विभाग के अध्यक्ष हैं। अपर डिवीजन क्लर्क और एक सेक्शन अधिकारी तरुण के. सोनी नियमित रूप में रखे गए कर्मचारी के रूप में इस विभाग में कार्य कर रहे हैं। यह विभाग इनके अतिरिक्त संविदात्मक और आउटसोर्स कर्मचारियों की सहायता से चलता है।

कार्य

- सामान्य प्रशासन के माध्यम से विश्वविद्यालय के सुचारु और पर्याप्त संचालन हेतु अकादमिक समर्थन उपलब्ध कराना।
- सभी संस्थानों और केन्द्रों हेतु गुणवत्तायुक्त मानव संसाधन उपलब्ध कराना
- सभी संस्थानों और केंद्रों हेतु सामान्य और वैज्ञानिक क्षेत्रों से संबंधित उपकरणों की खरीदारी करना और उसका लेखा-जोखा रखना
- सभी कर्मचारियों से संबंधित विवरणों और सेवा पुस्तिका का रिकॉर्ड रखना और उसका प्रबंधन करना।
- उपयोगी और गैर-उपयोगी दोनों ही प्रकार के सामानों का रिकॉर्ड प्रबंधन करना
- प्रशासनिक कार्यों से संबंधित रिकार्डों का प्रबंधन करना

प्रवेश और मूल्यांकन

परिचय

विश्वविद्यालय छात्रों के प्रवेश लेने और किसी कार्यक्रम विशेष में अपनी शिक्षा पूरी करके बाहर जाने की इस पूरी प्रक्रिया को संचालित करता है। विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना और विश्वविद्यालय से बाहर जाना प्रवेश और मूल्यांकन विभाग द्वारा संचालित होता है। यह विभाग छात्रों हेतु एक गेटवे के रूप में कार्य करता है। विश्वविद्यालय के विभागों की गतिविधियां छात्रों के शैक्षिक जीवन क्रिया और प्रगति को केंद्र में रखते हुए क्रियान्वित होती हैं। यह विभाग अखिल भारतीय स्तर पर, ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित प्रवेश परीक्षा देश के विविध केंद्रों पर संचालित करवाता है।

2016-17 की प्रवेश प्रणाली पर एक दृष्टि

जैसा की यूजीसी के निर्देशानुसार सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों को विविध प्रकार के कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा प्रणाली का अनुसरण करना है। इस विश्वविद्यालय ने अकादमिक सत्र 2016-17 के दौरान प्रवेश परीक्षा का संचालन ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा के नियमों का पालन करते हुए किया। यह विश्वविद्यालय लगातार दो वर्षों से पूरे राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा का संचालन पूर्णतः ऑनलाइन पद्धति के आधार पर करवा रहा है।

प्रवेश परीक्षा के समय सीमा की घोषणा प्रवेश अधिसूचना के साथ ही की गयी थी। अकादमिक सत्र 2016-17 के लिए, कंप्यूटर आधारित प्रवेश परीक्षा का संचालन अखिल भारतीय स्तर पर संचालित हुआ था। पूरे भारत के 33 केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा संचालित हुई थी। इस परीक्षा में 2240 छात्रों ने आवेदन किया था। इनमें से 1393 (62.2%) छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि 847 (37.8%) छात्र अनुपस्थित थे। जैसा कि 1393 छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया था, इसलिए अलग-अलग अध्ययन केंद्रों के हिसाब से इसकी मेरिट लिस्ट तैयार की गयी थी। अकादमिक सत्र 2016-17 के दौरान उद्घोषित 296 सीटों पर 193 नए छात्रों का प्रवेश लिया गया। 2016-17 में प्रवेश दिए गए छात्रों की अधिकतम संख्या गुजरात से (67), उत्तर प्रदेश से (25), पश्चिम बंगाल से (22), बिहार से (13) और उड़ीसा से (10) है।

अकादमिक वर्ष 2016-17 हेतु परीक्षा की समय सीमा 2016-17

क्र. सं.	महत्वपूर्ण तिथियां	दिनांक
1.	विज्ञापन की तिथि (राष्ट्रीय समाचार पत्रों में और विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर)	07 मई 2016
2.	वेबसाइट पर ऑनलाइन फॉर्म उपलब्ध होने की तिथि	09 मई, 2016
3.	ऑनलाइन फॉर्म को जमा करने की अंतिम तिथि	31 मई, 2016
4.	प्रवेश परीक्षा की तिथि (केवल ऑनलाइन माध्यम द्वारा)	26 जून, 2016
5.	पी.जी. कार्यक्रमों के लिए मेरिट लिस्ट उद्घोषणा/एम. फिल. – पीएच.डी. के साक्षात्कार हेतु चुने गए छात्रों की सूची	30 जून, 2016
6.	एम. फिल. – पीएच.डी. के साक्षात्कार और मेरिट सूची घोषित करने की तिथि	10 से 15 जुलाई, 2016. (वेब साइट पर घोषित सूची के अनुसार)
7.	मानसून सत्र के प्रारंभ होने की तिथि	22 जुलाई, 2016

2016-17 में नामांकन लेने वाले छात्रों की संख्या

- (i) विश्वविद्यालय में छात्रों की कुल संख्या (31-03-2016): 694 है।
- (ii) इस वर्ष के दौरान प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या: 193

प्रदान की गई डिग्री (अवार्ड डिग्री)

2016-17 में 83 छात्रों को मास्टर की डिग्री अवार्ड हुई, 126 छात्रों को एम.फिल. की डिग्री अवार्ड हुई और 22 छात्रों को पीएच.डी. डिग्रियाँ अवार्ड की गयीं। जैसा कि टेबल संख्या 6 में बताया गया है। अवार्ड किए गए डिग्रियों की यह संख्या बाकी वर्षों की तुलना में बहुत अधिक है।

प्रवेश विभाग संबंधी मुख्य बिंदु

- भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा दीक्षांत समारोह अध्यादेश अनुमोदित किया गया है।
- अकादमिक सत्र 2016-17 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु परीक्षाओं का ऑनलाइन संचालन सफलता पूर्वक किया गया।
- नए छात्रों हेतु ऑनलाइन नामांकन की सुविधा।
- परिणाम का समय पर घोषणा और ग्रेड शीट का समय पर वितरण।

वित्त एवं लेखा विभाग

विभाग के बारे में

केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के 25वें नियम के अनुसार, विश्वविद्यालयी दृष्टिकोण और मिशन रुपरेखा, जीएफ़आर और भारत सरकार के नियमों के अनुसार इस विश्वविद्यालय का वित्त एवं लेखा विभाग अपनी ज़िम्मेदारी और दायित्वों का निर्वाह करता है। इस विभाग का मुख्य उद्देश्य कुशल, पेशेवर रूप से प्रबंधित, पारदर्शी और उत्तरदायित्वपूर्ण वित्तीय प्रणाली को स्थापित करना है। निम्नलिखित बेहतरीन पेशेवर प्रयासों द्वारा आईटी उपकरणों के उपयोग से और प्रभावी नियंत्रण तंत्र को शामिल करते हुए कर्मचारी हित और छात्र हित में सेवाओं को मुहैया कराया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- एमएचआरडी द्वारा वर्ष 2014-15 में प्रस्तुत किए गए वार्षिक लेखा पद्धति का सफलतापूर्वक अनुकरण करने वाला सबसे पहला विश्वविद्यालय।
- लेखा प्रणाली और वित्तीय प्रणाली को व्यवस्थित करने के प्रयासों की सराहना एफ़सी और ईसी दोनों द्वारा ही की गयी।
- पीआरएएन हेतु एनपीएस खाते सभी नियमित कर्मचारियों हेतु पहले से ही खोले जा चुके हैं। एनपीएस राशि नियमित रूप से सीयूजी द्वारा एनएसडीएल, मुंबई को हस्तांतरित की जा रही हैं।
- वे छात्र जो प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के अंतर्गत आते हैं उनके छात्रवृत्ति पाने हेतु, उनका पहले से यूजीसी ऑनलाइन पोर्टल पर नामांकन किया जा चुका होता है और उनकी छात्रवृत्ति सीधे उनके खाते में आ जाती है।
- एमएचआरडी द्वारा स्थापित लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2016-17 तक में 100 प्रतिशत कैशलेस लेन-देन प्रक्रिया को इस विश्वविद्यालय ने प्राप्त कर लिया है।

वित्तीय स्थिति एक पर एक दृष्टि

सारणी 1

XII योजना संबंधी विस्तृत विवरण (2012-13 से 2016-17) 31.03.2017 तक के अनुदान (रु. लाख में)

XII योजना	XI योजना की प्रारंभिक राशि	2012 से 2017 के बीच प्राप्त किया गया अनुदान (XII योजना)	प्राप्त हुए अनुदान पर कमाया हुआ ब्याज	अकादमिक राशि/शुल्क/अन्य रशीद आदि	विश्वविद्यालय में उपलब्ध कुल व्यय किया हुआ निधि (राशि)	31.03.2017 तक उपभोग किया हुआ राशि (XII योजना)	(उपभोग का %)	01.04.2017 तक बची हुई राशि (6-7)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
15500	183	11886.17	1355.61	299.09	13723.87	10405.18	76	3318.69

सारणी 2

12वीं योजना से प्राप्त हुए और उपभोग किए हुए अनुदान का वार्षिक विवरण

XII योजना (2012-13 से 2016-17)

(रु. लाख में)

वित्तीय वर्ष	प्राप्त किया गया अनुदान				खर्च हुआ व्यय			
	समान का नाम				समान का नाम			
	अनुदान सहायता (31)	अनुदान सहायता (36)	अनुदान सहायता (35)	योग	आवर्ती (31)	वेतन (36)	अनावर्ती(35)	योग
2012-13	253.75	510.00	2411.25	3175.00	239.00	459.00	641.00	1339.00
2013-14	2546.47	500.00	0.00	3046.47	629.00	668.00	712.00	2009.00
2014-15	0.00	990.00	0.00	990.00	834.00	815.00	240.00	1889.00
2015-16	489.18	1829.60	2825.58	5144.36	1078.00	1018.00	644.00	2740.00
2016-17	859.94	1170.40	-2500*.00	-469.66	1083.36	1046.55	298.52	2428.43
योग	4149.34	5000.00	2736.83	11886.17	3863.33	4006.13	2535.72	10405.18

*25 करोड़ की अनुदान पूंजी 2016-17 के दौरान यूजीसी को वापस कर दिया गया।

संस्थान और केंद्र

सामाजिक विज्ञान संस्थान

सामाजिक विज्ञान संस्थान की शुरुआत सन् 2009 में हुई थी। यह संस्थान अपने क्षेत्र में अपने प्रारंभिक समय से ही प्रगतिशील रहा है। इस संस्थान ने राष्ट्रीय ख्यातियाँ हासिल की और जिसके परिणामस्वरूप इसका सैद्धांतिक और प्राविधिक विकास बहुत तेजी से हुआ। यह संस्थान नए-नए तरीकों के निर्माण से, सुदृढ़ साधनों के उपयोग से, इस परंपरा को बनाए हुए है। इसके अतिरिक्त यह संस्थान इस विविधता भरे और डिजिटल युग में मानवीय व्यवहार को समझने के प्रभावी तरीकों के प्रयोग से इस विकास की परंपरा को बनाए हुए है।

सामाजिक विज्ञान संस्थान का मुख्य ध्येय शोधार्थियों को एक साथ लाना है। आधारभूत शोध प्रश्नों के समाधान के लिए एक अनुक्रम में चयनित उपागमों जैसे औपचारिक से व्याख्यात्मक और गुणात्मक से परिमाणात्मक उपागमों का प्रयोग करना है। जिसमें सामाजिक प्रश्नों के समाधान पर विशेष ध्यान होता है। यह संस्थान लगातार सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों को जानने और उनके प्रति अच्छी समझ बनाने के लिए विभिन्न अंतरानुसाशनिक विषयों से अपने संपर्क को बढ़ा रहा है। ये कारण नीतियों को लागू करने में, नियमों के निर्माण में और मानव व्यवहार व स्वास्थ्य से संबंधित बिन्दुओं को प्रभावित करते हैं।

यह संस्थान सामाजिक वैज्ञानिकों को बढ़ावा देता है। ये वैज्ञानिक वर्तमान सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों के बारे में मानव कृत्रिम गतिविधियों और ऊर्जा पर पर्यावरणीय प्रभाव, जलवायु और पारिस्थितिकी आदि के बारे में अध्ययन करके अपने विचार प्रकट करते हैं। यह संस्थान अपने विस्तार रूप में बहु-अनुशासनात्मक है, और सामाजिक विज्ञान के जगत में अभिनव प्रविधियों का उपयोग करते हुए अनुसंधान के क्षेत्र को विस्तार दे रहा है।

सामाजिक विज्ञान संस्थान के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम चलाए जाते हैं:

- एम.ए. (पांच-वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम) सामाजिक प्रबंधन में
- एम. ए. (दो वर्षीय कार्यक्रम) अर्थशास्त्र में
- एम. ए. (दो वर्षीय कार्यक्रम) समाज और विकास में
- एम.फिल.-पीएच. डी. समाज और विकास में
- एम.फिल.-पीएच. डी विज्ञान, तकनीकी और अभिनव नीति में
- एम.फिल.-पीएच. डी अर्थशास्त्र में
- एम.फिल.-पीएच. डी गांधीयन विचार और शांति अध्ययन में

सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र

सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र की स्थापना बहुआयामी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए की गई थी। इस केंद्र को स्थापित करने का उद्देश्य प्रबंधन और सामाजिक अध्ययन जैसे विषय को एक साथ एकीकृत रूप में अध्ययन के क्षेत्र में स्थापित करना था। इस केंद्र द्वारा प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान से जुड़े जटिल मुद्दों और समस्याओं का हल ढूंढना है। एक शैक्षणिक कार्यक्रम के रूप में सामाजिक प्रबंधन द्वारा नीतिगत मुद्दों के बारे में व्यावहारिक ज्ञान और कौशल विकसित किया जा सकता है और इस ज्ञान के माध्यम से बदलाव हेतु एक उत्प्रेरक रूप में काम लिया जा सकता है। नीति के क्षेत्र से जुड़े विभिन्न कार्यकर्ताओं को देखते हुए, यह सीएसएसएम केंद्र अकादमिक, सरकारी, सिविल समाज, और गैर-सरकारी संगठनों आदि के बीच बात-चीत हेतु एक खुला मंच प्रदान करता है। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य सामाजिक विज्ञान में मौजूद अनुसंधान कौशल को विकसित करना है। इसके साथ-साथ सामाजिक कार्य और प्रबंधन के अपेक्षित तकनीकों और कौशलों को शामिल करते हुए विकास क्षेत्र के लिए अभिनव और महत्वपूर्ण तरीकों के विकास में योगदान देना इस कार्यक्रम के माध्यम से संभव होगा।

प्रदान किए जाने वाले कार्यक्रम

- सामाजिक प्रबंधन में पीएच.डी.
- सामाजिक प्रबंधन में एम.ए. (पांच वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम)
- सामाजिक प्रबंधन में एम.ए. (दो वर्षीय कार्यक्रम)

केंद्र में प्रस्तुत किए गए व्याख्यान

क्र. सं.	दिनांक	व्याख्यान का शीर्षक	व्याख्यान का विवरण
1.	12 नवंबर 2016	सामाजिक संगठनों हेतु प्रबंधन सूचना प्रणाली	श्री, अंकुर सरमा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज
2.	29 अप्रैल 2016	सामाजिक विज्ञान और सामाजिक प्रबंधन : समझने हेतु एक नया तरीका	प्रो. विलियम रोबर्ट द सिल्वा

संकाय सदस्य

डॉ. लिट्टी डेनिस, समन्वयक और सहायक प्रोफेसर

वित्तीय समावेशन और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी इनकी रुचि के कार्य क्षेत्र हैं।

डॉ. सोनी कुंजप्पन, सहायक प्रोफेसर

पोलिस अध्ययन, अपराध विज्ञान, आपराधिक न्याय समाज कार्य, संचालन और मानव अधिकार इनके रुचि के कार्य क्षेत्र हैं।

डॉ. सुदीप बासु, सहायक प्रोफेसर

इन्हें एशिया अनुसंधान केंद्र, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप मिली थी। रिफ्र्यूजी और डायस्पोरा अध्ययन: प्रवासन और विकास, ज्ञान और हाशिया और सामाजिक बहिष्करण समाजशास्त्र इनकी रुचि के अनुसंधान क्षेत्र हैं।

डॉ. एम. रोजा लक्ष्मी, सहायक प्रोफेसर

शिक्षा का समाजशास्त्र, जीवन कौशल शिक्षा, लिंग और स्वस्थ, सामाजिक उद्यमिता और विकास अध्ययन इनके रुचि के शोध क्षेत्र हैं।

डॉ. रंजना सिंह, सहायक प्रोफेसर

उद्यमिता, महिला-उद्यमिता, उद्यमिता और अर्थशास्त्र इनके रुचि कार्य क्षेत्र हैं।

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समिक्षित/ यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख और प्रपत्र

क्र. सं.	लेखक/कों के नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन वर्ष / महीना, खंड और नंबर के साथ
1.	डेनिस, लिट्टी	हायर एजुकेशन पर्सपेक्टिव्स फॉर गुजरात	होरिजॉन्स ऑफ होलिस्टिक एजुकेशन	दिसंबर 2016 खंड - 3. पेज नं.- 111-114
2.	डेनिस, लिट्टी	स्वच्छ अभियान इन गुजरात- अ सोशल मार्केटिंग केस स्टडी	जर्नल ऑफ साइंस, नॉलेज कंसोर्टियम ऑफ गुजरात	मार्च 2017, इश्यु 25
3.	कुंजप्पन, सोनी	अ रिव्यू ऑन द मॉडल पुलिस बिल 2015	फॉरेंसिक रिसर्च एंड क्रिमिनोलॉजी इंटरनेशनल जर्नल	दिसंबर 2016 में खंड 3-2 इश्यु 2
4.	बासु, सुदीप	डायस्पोरास ट्रांसफॉर्मिंग होमलैंड्स: नुंसिंग 'कलेक्टिव रेमीटेंस' प्रैक्टिसेज इन रूरल गुजरात	इकोनॉमिक्स एंड पोलिटिकल वीकली (स्पेशल आर्टिकल)	अक्टूबर 8, 2016, खंड एल 1, नं. 41, पृ.54-62
5.	बासु, सुदीप	डायस्पोरिक गिविंग एंड विलेज ट्रांसफॉर्मेशन	सेमिनार	जून 2016, 682, पृ- 53-56
6.	बासु, सुदीप	ऑफ कैम्पस एंड कम्युनिटीज-इन-एक्साइल	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइग्रेशन एंड बॉर्डर स्टडीज	खंड. 2, नं.2 पृ-176-186

7.	सिंह, रंजना	टेक्नोलॉजिकल अंडरस्टैंडिंग एंड यूसेज विस-अ-विस नॉलेज ऑफ गवर्मेंट स्कीम्स – अ स्टडी ऑफ वीमेन इंटरप्रेनयूर्स ऑफ सिलेक्टेड सिटीज ऑफ गुजरात	एमिटी जर्नल ऑफ एंटरप्रेनयूरीशप	अक्टूबर 2016, खंड-1, इस्यू-1. पृष्ठ. 71-85
----	-------------	---	--------------------------------	--

संपादित खंड में प्रकाशित पेपर

क्र. सं.	लेखक का नाम	आलेख का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन, वर्ष / महिना प्रकाशक का नाम व
1.	डेनिस, लिट्टी और दत्त, इंदिरा	सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स एंड ग्रीन बैंकिंग	कांफ्रेंस प्रोसेडिंग ऐट 11 th एनुअल इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ ग्रीन इकोनॉमिक्स इंस्टीट्यूट ऐट ऑक्सफोर्ड.	जुलाई 2016 ग्रीन इकोनॉमिक्स इंस्टीट्यूट, लंदन
2.	कुंजप्पन, सोनी	इंडियन पोलिस ट्रेनिंग इंस्टीटयूशन, यूनिवर्सिटी एंड अदर स्टेकहोल्डर पार्टनरशिप: टुवर्ड्स अ मैट्रिक्स मॉडल फॉर बेटर पोलिसिंग	चेंज एंड रिफार्म इन लॉ एन्फोर्समेंट: ओल्ड एंड न्यू इफोर्ट्स	अक्टूबर 2016. टेलर एंड फ्रांसिस सीआरसी
3.	कुंजप्पन, सोनी	पोलिसिंग बाई कंसेंट एक्सप्लोरिंग द पोसिबिलिटीज ऑफ फंक्शनल लिंकएज बिटवीन लोकल पुलिस स्टेशन्स एंड पंचायत	ग्लोबल इश्यूज इन कंटेम्पररी पोलिसिंग	मार्च 2017 टेलर एंड फ्रांसिस सीआरसी
4.	जुनारे, एस.ओ. और सिंह रंजना	एन एनालिसिस ऑफ टेक्नोलॉजिकल प्रैक्टिस अमंग वीमेन इंटरप्रेनयूर्स ऑफ दिप्रफरेंट इंटरप्रेनेउरिअल अवेनुएस इन सिलेक्टेड सिटीज ऑफ गुजरात	कांफ्रेंस प्रोसेडिंग ऑफ द 53 आईआरएफ इंटरनेशनल कांफ्रेंस	अप्रैल 2016. इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड जर्नल्स

लेखक रूप में प्रकाशित पुस्तकें

क्र. सं.	लेखक का नाम	किताब का शीर्षक	प्रकाशन, वर्ष/महिना प्रकाशक का नाम व स्थान
1.	डेनिस, लिट्टी (संपादित)	माइक्रोफाइनेंस इन इंडिया एंड कम्युनिटीज ऐट द बॉटम ऑफ़ द पिरामिड	अप्रैल 2017 अर्चेस और एलिवेटर्स, बेंगलोर

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएं, समाचार पत्र, वेब पोर्टल)

क्र. सं.	लेखक/कों का नाम	शीर्षक	प्रकाशन, वर्ष/महिना प्रकाशक का नाम व स्थान
1	लक्ष्मी, एम. रोज़ा	स्टेटस ऑफ़ आरटीइ एक्ट इन ए. पी	2 अप्रैल 2011-7- तेलुगू पोपुलर न्यूज़ पेपर- साक्षी, हैदराबाद

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रस्तुत पत्र

क्र.सं.	लेखक/कों का नाम	आलेख का शीर्षक	संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला का विषय	आयोजनक समिति और स्थान	कार्यक्रम तिथि
1.	डेनिस लिट्टी	स्वच्छ अभियान इन गुजरात- अ सोशल मार्केटिंग केस स्टडी	इंटरनेशनल कांफ्रेंस एनआईसीओएम – 2017	एनआईआरएमए विश्वविद्यालय अहमदाबाद	9-11 जनवरी 2017
2.	कुंजप्पन सोनी	पुलिस एकाउंटेबिलिटी एक्सप्लोरिंग अ मॉडल डैट मे कांटेक्सटूअलाइज इन इंडिया	अर्बनाइजेशन ग्लोबलाइजेशन डेवलपमेंट एंड क्राइम: अपर्ट्यूनीटीज एंड चैलेंजेस ऑफ़ द 21 सेंचुरी	इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ़क्रिमिनोलॉजी, एनसीआर, दिल्ली	15 -19 दिसंबर 2016

राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पत्र

क्र. सं.	लेखक/कों का नाम	आलेख का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला का विषय	आयोजक संस्था का नाम और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	डेनिस, लिट्टी और वसावा शीला	स्टेटस ऑफ आदिवासी वीमेन अमोंग वसावा ट्राइब	टू-डे नेशनल सेमिनार ऑन कम्युनिटीज अंडरस्टैंडिंग रिलेशनशिप बिटवीन कल्चर, लिट्रेचर एंड लैंग्वेजेस	गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर	30-31 मार्च 2017
2.	कुंजप्पन सोनी	क्राइम एंड पोलिसी एकाउंटेबिलिटी	क्रिमिनोलॉजी एंड करेक्शनल सर्विसेस एडमिनिस्ट्रेशन: प्रोब्लेम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स	नेशनल कांफ्रेंस आर्गनाइज्ड बाई डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क, बेंगलुरु यूनिवर्सिटी	17 – 18 मार्च 2017
3.	लक्ष्मी एम. रोजा, मलेय्येर, कनक, राठोड़, धनराज सिंह	वीमेन एंटेरेप्रेन्यूरशिप थ्रू माइक्रोफाइनेंस; अ केस स्टडी ऑफ प्रयास जन विकास भंडोल-गांधीनगर	12 बाईएनियल कांफ्रेंस ऑन एंटेरेप्रेन्यूरशिप	एंटेरेप्रेन्यूरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, अहमदाबाद	22-24 फरवरी 2017
4.	लक्ष्मी एम. रोजा	वीमेन एंड ह्यूमन राइट्स- एन इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव	वीमेन्स राइट्स आर ह्यूमन राइट्स: बैकबोन फॉर जेंडर इक्वलिटी एंड एम्पावरमेंट	डिपार्टमेंट ऑफ वीमेन स्टडीज भारथिअर यूनिवर्सिटी कोइम्बटूर	1-2 फरवरी 2017
5.	लक्ष्मी एम. रोजा	डॉ.बी.आर. अम्बेडकर प्रस्पेक्टिव ऑन वीमेन राइट्स एंड एम्पोवर्मेंट: सम रिफ्लेक्शन्स ऑन जेंडर इक्वलिटी एंड सोशल जस्टिस इन मॉडर्न इंडिया	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर प्रस्पेक्टिव ऑन स्टेट, सोसाइटी एंड इकॉनमी: रेविजिटिंग हिज विजन एंड मिशन	डॉ.बी.आर. अम्बेडकर 125 बर्थ एनिवर्सरी सेलिब्रेशन कॉमेटी यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद	22-23 फरवरी 2017

संगोष्ठी / सम्मेलन के अलावा अन्य मान्यता प्राप्त संस्थानों में अकादमिक बातचीत की प्रकृति

क्र.सं.	नाम	बातचीत या वार्ता का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम और तिथि	भागीदारी की प्रकृति
1	बसु, संदीप	- क्वालिटेटिव रिसर्च डिजाइन - फेनोमेनोलोजिकल एंड एथ्नोग्राफिक पर्सपेक्टिव्स इन क्वालिटेटिव रिसर्च	10-डे रिसर्च मेथडोलोजी कोर्स फॉर पीएच.डी. स्टूडेंट्स इन सोशल साइंसेस एट सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकनोमिक रिसर्च (एसपीआईएसआईआर), अहमदाबाद ऑन 3 मई, 2017	व्याख्यान दिया गया

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रिफ्रेशर कार्यक्रम में भागीदारी

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1.	कुंजप्पन, सोनी	ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन “साइक्लोन रिस्क मिटीगेशन एंड मैनेजमेंट”, गुजरात इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट, गांधीनगर	10-12 मई 2016	प्रतिभागी
2.	लक्ष्मी एम. रोजा	ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन जेंडर मैन्सट्रेअमिंग एट आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरुमबूधुर	14-15 मार्च 2017	प्रतिभागी
3.	लक्ष्मी एम. रोजा	सोशल मीडिया लिटरेसी एट सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात	23-24 मार्च 2017	प्रतिभागी
4.	सिंह, रंजना	फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन ‘बेसिक्स ऑफ रिसर्च मेथोड्स’ आर्गनाइज्ड बाई गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद	11-17 जुलाई 2016	प्रतिभागी

अनुसंधान परियोजनाएं

क्र. सं.	नाम	परियोजना का शीर्षक	फंडिंग एजेंसी	स्वीकृत राशि	परियोजना की स्थिति
1.	डेनिस, लिट्टी मुख्य जाँचकर्ता	डिस्ट्रिक्ट ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट, महिसागर	गुजरात सरकार	6,00,000 रु.	चल रही है

निर्देशित शोध छात्र

क्र. सं.	नाम	कार्यक्रम की प्रकृति, एम.फिल.-पीएच.डी.	निर्देशित छात्रों की संख्या
1.	लिट्टी डेनिस	पीएच.डी. कार्यक्रम	01 डायस्पोरा अध्ययन केंद्र
2.	सुदीप बासु	पीएच.डी. कार्यक्रम	01 डायस्पोरा अध्ययन केंद्र

केंद्र और संकाय द्वारा संचालित की जाने वाली विस्तार, पहुँच और अन्य समान गतिविधियां

- विश्वविद्यालय में रक्त दान कैंप का आयोजन कराया गया।
- विश्वविद्यालय के संस्थान अनुकूलन कार्यक्रम में छात्र और संकाय सदस्यों ने अपना योगदान दिया।
- कार्यक्रम के क्षेत्र कार्य माध्यम से छात्र विविध प्रकार के गैर-सरकारी संगठन और सरकारी संगठनों से विभिन्न प्रकार के सामाजिक गतिविधियों हेतु जुड़े हुए हैं।
- सुश्री शीला वासवा, एम.ए. कार्यक्रम के छमाही की छात्रा, 18-20 जनवरी, 2017 में संचालित पर्यावरण पीपुल्स जागरूकता अभियान शिविर में भाग लिया।

विश्वविद्यालय प्रशासन में संकाय सदस्यों की भागीदारी

डॉ. लिट्टी डेनिस

- सह-संचालक, सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- सदस्य, एडॉक सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज, एमए इन सोशल वर्क प्रोग्राम, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज
- प्रवेश समिति सदस्य (2016 और 2017)
- सह-संचालक, बाह्य प्रसार गतिविधियां
- नोडल अधिकारी, उन्नत भारत अभियान

- સદસ્ય, સાંસ્કૃતિક સલાહકાર સમિતિ

શ્રી સોની કુંજપ્પન

- સહ-સંચાલક, સામાજિક કાર્ય એમ.એ. કાર્યક્રમ, સામાજિક વિજ્ઞાન સંસ્થાન
- સદસ્ય, અંતઃ શિકાયત સમિતિ
- સંયોજક, કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય ગુજરાત પૂર્વ છાત્ર સંઘ
- સદસ્ય, खेलकूद सलाहकार समिति

ડૉ. સુદીપ બાસુ

- શૂન્ય સેમેસ્ટર સમિતિ સદસ્ય

समाज और विकास अध्ययन केंद्र

समाज और विकास अध्ययन केंद्र (सीएसएसडी) समाजशास्त्र और मानवविज्ञान द्वारा विकास के पक्ष को समझने हेतु सम्मिलित रूप में संचालित किया गया है। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य समाज और विकास के सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त पक्ष पर ज्ञान का उत्पादन और प्रसार करना है। समाज और विकास के बीच के अंतरफलक को समझना है। इस केंद्र के अंतर्गत पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम सामाजिक विकास से जुड़े, स्थानीय और वैश्विक मुद्दों से संबंधित विभिन्न सैद्धांतिक संरचनाओं और बहसों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। यह पाठ्यक्रम राज्य और विभिन्न संस्थानों द्वारा निर्मित एवं चयनित विभिन्न प्रक्रियाओं, कार्यकर्ताओं, संरचनाओं और शक्ति संबंध को विश्लेषित करने का प्रयत्न करता है। इस केंद्र के अंतर्गत शिक्षा और अनुसंधान की गतिविधियां समाज के सैद्धांतिक और अनुप्रायोगी आयामों को लागू करते हुए सामकालीन प्रश्नों की ओर ध्यान दिलाते हैं।

चलाए जाने वाले कार्यक्रम

- समाजशास्त्र में एम.ए.
- समाज और विकास में एम. फिल.- पी-एचडी.

केंद्र में दिये गए व्याख्यान

क्र.सं.	दिनांक	व्याख्यान का शीर्षक	व्याख्यान का विवरण
1	07नवंबर, 2016	सिटी स्पेस, लेबर एंड डिवलपमेंट	प्रोफेसर विलियम रॉबर्ट द सिल्वा

संकाय सदस्य

डॉ. एन. राजराम, प्रोफेसर और डीन

ये भारत में सामाजिक विकास विषय पर काम कर रहे हैं। इन्होंने दो किताबें *हेल्थ स्टेटस ऑफ वुमेन इन गुजरात* (1999) और *सोर्सल प्रोसेस एंड कम्यूनल टेंसन्- अ केस स्टडी ऑफ वडोदरा सिटी* (2006) लिखी हैं। इन्होंने 15 शोध परियोजनाओं (आईडीआरसी द्वारा वित्तपोषित अंतर्राष्ट्रीय शोध, राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन, जनसंख्या परिषद, मैक आर्थर फाउंडेशन, फोर्ड फाउंडेशन) में काम किया है।

डॉ. जयश्री अंबेवाडीकर, सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्रीय सिद्धांत, सामाजिक स्तरीकरण और गतिशीलता, ग्रामीण समाज, सामाजिक बहिष्कार: संरचना और प्रक्रियाएं, और असमानता: मुद्दे और परिप्रेक्ष्य इनके रुचि के विषय क्षेत्र हैं।

डॉ. असीमा जेना, सहायक प्रोफेसर

स्वास्थ्य और विकास, लिंग और यौनिकता, डायस्पोरा और विकास, वैश्वीकरण, राज्य और सामाजिक न्याय, सामाजिक स्तरीकरण और सामाजिक गतिशीलता इनके रुचि के विषय क्षेत्र हैं।

डॉ. सुदर्शन पपन्ना, सहायक प्रोफेसर

आलोचनात्मक शहरी अध्ययन, शहरी समाजशास्त्र, जाति अध्ययन, भारतीय समाज का अध्ययन, समाज और समाजशास्त्रीय सिद्धांत, विज्ञान और समाज विज्ञान का दर्शन, ज्ञान का समाजशास्त्र और ऐतिहासिक समाजशास्त्र इनके रुचि के विषय क्षेत्र हैं।

डॉ. खैखोले हाओकिप, सहायक प्रोफेसर

विकास के सिद्धांत, समाजशास्त्रीय सिद्धांत, शोध प्रविधि और मानव अधिकार इनके रुचि के क्षेत्र हैं।

डॉ. मधुमिता बिसवाल, सहायक प्रोफेसर

लिंग का समाजशास्त्र, लिंग और यौनिकता: मुद्दे और परिप्रेक्ष्य, शोध प्रविधि, सामाजिक सिद्धांत, सामाजिक विकास: सिद्धांत और व्यवहार, भारतीय समाज के प्रति समझदारी इनकी रुचि के कार्य क्षेत्र हैं।

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख और पत्र

क्र. सं.	लेखक/को का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन वर्ष/महिना खंड और संख्या के साथ
1	अम्बेवाडिकर जयश्री	एक्सपोजिंग फॉर्मस एंड एक्सटेंट ऑफ डिस्क्रिमिनेशन ऑफ सेड्यूलड कास्ट्स इन रूरल इंडिया: अ सोशियोलॉजिकल अनालिसिस	द इस्टर्न अन्थ्रोपोलोजिस्ट	अप्रैल-जून 2016, खंड 69, सं. 2 पृ. 161-178, आईएसएसएन 0012-8686
2	उल्फतककों, मुखीबोवा एंड अम्बेवाडिकर जयश्री	इंकलूसिव पालिसी इन बबुरिड रीगन फॉर भक्ति लिटरेचर एंड इंडियन कल्चर: अ स्टडी थ्रू लिटरेचर पर्सपेक्टिव	जरनल ऑफ एक्सक्लूशन स्टडीज	फरवरी 2017, खंड 7, सं. 1, 151-162, आईएसएसएन: 2231-4547
3	अम्बेवाडिकर जयश्री	रीचिंग आउट टू द नोमेडिक कम्युनिटीज: एक्सप्लोरिंग पॉलिसीस एंड स्ट्रेटजीज ऑफ इन्क्लूसन थ्रू सेन्सस 2011	जरनल ऑफ सोशल साइंसेस, नेशनल लेवल इ-जरनल, नॉलेज कंसोर्टियम ऑफ गुजरात, गवर्मेन्ट ऑफ गुजरात	जून-जुलाई 2016, इशू 22, पृ.1-19, आईएसएसएन: 2279-0241
4	अम्बेवाडिकर जयश्री	राइटिंग कास्ट/राइटिंग जेंडर: रेमेम्बरिंग लाइफ एंड वर्क ऑफ प्रो. शर्मीला रेगे	जरनल ऑफ सोशल साइंसेस, नॉलेज लैवल ई-जर्नल, नॉलेज कंसोर्टियम ऑफ गुजरात, गवर्मेन्ट ऑफ गुजरात	जून-जुलाई 2016, इशू 22, पृ.1-6, आईएसएसएन: 2279-0241
5	अम्बेवाडिकर, जयश्री	करिकुलम स्टडीज इन इंडिया: इंटेलेक्चुअल हिस्टोरिज, प्रेजेंट सरकॉम्पेन्सेज बाई पिनर एफ.	टुवर्ड्स एक्सीलेंस, जरनल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर (एचआर	दिसंबर 2016, खंड.8 नं.3 पृ 9-11 आईएसएसएन नं. 0974-

		विलियम, आर्टिकल रिव्यू	डीसी), गुजरात यूनिवर्सिटी	035X
6	राजाराम, एन.	स्मृतिशेषः शरितभोवमिक (1948-2016) (इन हिंदी)	भारतीय समाजशास्त्रीय समीक्षा	जनवरी-जून 2016, खंड. 3 नं. 1, पृ-106-7 (हिंदी रिसर्च जरनल ऑफ़ इंडिया सोशियोलॉजिकल सोसाइटी, न्यू दिल्ली)
7	राजाराम, एन.	स्मृतिशेष मारिओ रुतें (1958-2015) इन हिंदी)	भारतीय समाजशास्त्रीय समीक्षा	जनवरी-जून 2016, खंड.3, नं.1 पृ-108-111 (हिंदी रिसर्च जरनल ऑफ़ इंडिया सोशियोलॉजिकल सोसाइटी, न्यू दिल्ली)

संपादित खंड में प्रकाशित प्रपत्र

क्र.सं.	लेखक/कों का नाम	आलेख / प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन वर्ष / महिना / प्रकाशक और स्थान का नाम
1.	अम्बेवाडिकर, जयश्री	करिकुलम एंड पेडागोगी इन इंडिया: सम सोशियोलॉजिकल ऑब्जरवेशन	गुरदत्त जपी (इडी.) पेडागोगी इन हायर एजुकेशन, बुक प्रोजेक्ट II.	2016 राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अभियान (आरयूएसए) डिपार्टमेंट ऑफ़ हायर एजुकेशन, गवर्मेंट ऑफ़ गुजरात

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला आदि में प्रस्तुत किए गए पेपर

क्र.सं.	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला का विषय	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1	अम्बेवाडिकर, जयश्री	अप्प्रेसिंग द स्टेट्स ऑफ़ स्टेट, गवर्नेंस एंड पॉलिटिक्स: विथ रिफ्रेन्स टू राइट टू रिलिजन एंड दलित ह्यूमन	पॉलिटिक्स, सोसाइटी एंड कल्चर इन साउथ एशिया	22 बिएन्निअल इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बिहाफ़ ऑफ़ द एथनोग्राफिक & फोक कल्चर सोसाइटी, एट यूनिवर्सिटी ऑफ़ लखनऊ	3-5 मार्च 2017

राष्ट्रीय / क्षेत्रीय स्तर के संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रस्तुत पत्र

क्र.सं.	लेखक/कों का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला का विषय	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	राजाराम, एन.	गुजराती डायस्पोरा	कांफ्रेंस ऑन इंडियन डायस्पोरा: प्रोफाइल एंड प्रॉस्पेक्ट्स	सेंटर फॉर डायस्पोरा स्टडीज, डिपार्टमेंट ऑफ़ सोशियोलॉजी, एसपी यूनिवर्सिटी, वल्लभ विद्यानगर	17 मार्च 2017
2	जेना, असीमा	परफॉर्मिंग सेक्सुअलिटी: लिविंग विथ कास्ट एंड वायलेंस ऑफ़ स्टिग्मा इन कल्चरल इकॉनमी	इन्टेरेग्रेटिंग एंड एक्स्पन्डिंग फेमिनिस्ट क्वेश्चनस ऑन सेक्सुअलिटी एंड जेंडर, एट द XV नेशनल कांफ्रेंस ऑफ़ द आईएसडब्लू ऑन 'वीमेन इन अ चेंजिंग वर्ल्ड रीस्ट्रक्चर्ड इनेकुअलिटिस, काउंटर करेंट्स, एंड साइट्स ऑफ़ रेजिस्टेंस	यूनिवर्सिटी ऑफ़ मद्रास	22- 25 जनवरी 2017

संगोष्ठी / सम्मेलन के अलावा अन्य मान्यता प्राप्त संस्थानों में अकादमिक प्रकृति पर बातचीत

क्र.सं.	नाम	प्रस्तुत किए गए व्याख्यान का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम / दिनांक के साथ	भागीदारी की प्रकृति
1.	राजाराम, एन.	“इन्टेग्रेटिंग \ सोशल साइंस इन्टू लीगल रिसर्च”	रिफ्रेशर कोर्स इन इंस्टीट्यूट ऑफ़ लॉ, एनआईआरएमए यूनिवर्सिटी. अप्रैल 22, 2016	संसाधन व्यक्ति
2.	अम्बेवाडिकर, जयश्री	सोशल डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट	नेशनल कांफ्रेंस ऑन सस्टेनेबल ह्यूमन डेवलपमेंट ऑपरेटूनिटीज एंड चैलेंजेज, स्पॉन्सर्ड बाई सोशल इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवीजन, गवर्मेंट ऑफ़ गुजरात, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात, 28 फरवरी 2017	सत्र अध्यक्ष

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रिक्रेशर प्रोग्राम में भागीदारी

क्र.सं	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	कार्यक्रम की प्रकृति
1	राजाराम, एन.	27 एप्रिशीएशन कोर्स इन पार्लियामेंट्री प्रोसेस एंड प्रोसिड्यूर फॉर प्रोफेसर्स / असिस्टेंट प्रोफेसर्स ऑफ यूनिवर्सिटीज / कॉलेजेस – एट न्यू दिल्ली.	2-6 मई 2016	नॉमिनेटेड बाई सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात फॉर पार्टिसिपेशन
2	अम्बेवाडिकर जयश्री	रेफेशर कोर्स इन अचिवमेंट मोटिवेशन इन एजुकेशन सिड्युल्ड फॉर्म एट ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर, गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद	7-26 नवंबर 2016	प्रतिभागी
3	अम्बेवाडिकर जयश्री	27th अप्रीशियेशन कोर्स इन पार्लियामेंट्री प्रोसेस एंड प्रोसीजर फॉर प्रोफेसर/असिस्टेंट प्रोफेसर्स ऑफ यूनिवर्सिटी/कॉलेजेस ऑर्गनाइज्ड बाई ब्यूरो ऑफ पार्लियामेंट्री स्टडीज, लोक सभा सेक्रेटेरिएट	02 मई-06 मई 2016	नॉमिनेटेड बाई सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात फॉर पार्टिसिपेशन
4	अम्बेवाडिकर जयश्री	मार्जिनैलिटी एंड लिटरेचर: टेक्स्ट, कांटेक्स्ट एंड द इमर्जिंग पर्सपेक्टिव, स्पॉन्सर्ड, ग्लोबल इनिटीएटिव ऑफ अकादमिक नेटवर्क (जीआईएएन), मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट, गवर्मेंट ऑफ इंडिया, एट सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात	22 अगस्त – 22 सितंबर 2016	प्रतिभागी
5	जेना, असीमा	रिक्रेशर कोर्स इन वीमेन स्टडीज (इंटरडिसीप्लिनरी), एट ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर, जे.एन.यू.	7 नवम्बर - 2 दिसंबर 2016	प्रतिभागी

अनुसंधान परियोजनाएं

क्र.सं.	नाम	परियोजना का शीर्षक	फंडिंग संस्था	स्वीकृत राशि	परियोजना की स्थिति
1	बिस्वाल मधुमिता	अंडरस्टैंडिंग जेंडर, कास्ट एंड सिंबॉलिक इकोनॉमिक्स ऑफ़ वायलेंस: अ स्टडी इन बौध डिस्ट्रिक्ट ऑफ़ ओड़िसा	नेशनल कमीशन फॉर वीमेन न्यू दिल्ली	3,21,300 रु.	2015 से चल रहा है
2	लिट्टे डेनिस, एन. राजाराम, इंद्रा दत्त, जयश्री अम्बेवाडिकर एंड सौरभ शर्मा	डिस्ट्रिक्ट ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट, महिसागर डिस्ट्रिक्ट, गुजरात	सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर डिवीज़न, गवर्नमेंट ऑफ़ गुजरात, प्रोजेक्ट ऐट सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात	6 लाख	जुलाई 2016 से जनवरी 2017 तक की अवधि में पूरा कर लिया है
3	तारा नायर (प्रोजेक्ट डायरेक्टर) इसबेल्ले गुएरिन (प्रिंसिपल को-डायरेक्टर), जयश्री अम्बेवाडिकर (को-डायरेक्टर) एंड रूद्र प्रसाद मिश्रा (को-डायरेक्टर)	फिनांसीअलाईजेशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन डोमेस्टिक इकोनॉमिक्स: एन इंटरडीसीपीलिनरी इन्क्वारी इन द कांटेक्स्ट ऑफ़ सेलेक्ट इंडियन स्टेट्स	इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साइंस रिसर्च, न्यू दिल्ली, प्रोजेक्ट एट गुजरात इंस्टीट्यूट ऑफ़ डेवलपमेंट	25 लाख	अवधि: फरवरी 2017-फरवरी 2019 तक चल रही है।

निर्देशित शोध छात्र

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम की प्रकृति, एम.फिल-पीएचडी.	निर्देशित छात्रों की संख्या
1.	अम्बेवाडिकर, जयश्री	एम.फिल.	2
2.	जेना, असीमा	एम.फिल.	3
3.	पपन्ना, सुदर्शन	एम.फिल.	2
4.	खैखोलेन, होकिप	एम.फिल.	3

विस्तार, पहुंच और अन्य गतिविधियां

क्षेत्रीय कार्य एम.ए. और एम.फिल. का एक अभिन्न हिस्सा है। इसलिए, पिछले वर्ष में, छात्रों को तीन चरणों द्वारा सामाजिक जटिलताओं के बारे में रूबरू कराया गया था।

1. 25 अप्रैल और 26 अप्रैल 2016 के बीच एक क्षेत्रीय कार्य गांधीनगर अहमदाबाद, गुजरात के “वाडज” नामक स्लम क्षेत्र में क्षेत्रीय कार्य आयोजित किया गया था। 2015-16 बैच के समाजशास्त्र के एम.ए. के छात्रों ने, समाज और विकास के (2051-16) बैच के एम.ए. के छात्रों ने, इन स्थानों पर अवलोकन और अनौपचारिक साक्षात्कार किया। इसके अतिरिक्त “मानव साधना” नामक एक गैर-सरकारी संस्था इस अध्ययन का हिस्सा बनी। डॉ. आसीमा जेना, डॉ. खाईखोलेन हाओकिप और डॉ. मधुमिता बिसवाल केंद्र के छात्रों के साथ बताए गए क्षेत्रीय कार्य स्थल पर रहे।
2. 19 नवंबर, 2016 को गांधी आश्रम, अहमदाबाद, गुजरात, गांधी आश्रम के सामने के “कच्छ छपरा”, नामक स्लम क्षेत्र में क्षेत्रीय कार्य आयोजित किया गया था। समाजशास्त्र एम.ए. (2016-17 बैच) के छात्रों ने और एम.फिल. कार्यक्रम (2016-17 बैच) के छात्रों ने इन स्थानों पर अवलोकन और अनौपचारिक साक्षात्कार किया। डॉ. सुदर्शन पपन्ना, डॉ. खाईखोलेन हाओकिप और डॉ. मधुमिता बिसवाल केंद्र के छात्रों के साथ बताए गए क्षेत्रीय कार्य स्थल पर गए थे।
3. गांधीनगर में 30 से 31 मार्च 2017 के बीच क्षेत्रीय कार्य आयोजित किया गया। समाजशास्त्र एम.ए. के छात्र (2016-17 बैच) और एम. फिल. कार्यक्रमों (2016-17 बैच) ने खुल्लो मैदान, सेक्टर 11 और कच्छ छपरा गांधीनगर के सेक्टर 14 के पास अनौपचारिक श्रम बाजार को देखने के लिए क्षेत्रीय कार्य में हिस्सा लिया था। डॉ. आसीमा जेना, डॉ. सुदर्शन पपन्ना, डॉ. खैखोलन हॉकीप और डॉ. मधुमिता बिसवाल केंद्र के छात्रों के साथ निर्धारित क्षेत्रीय कार्य स्थल पर साथ गए थे।

विश्वविद्यालय प्रशासन में संकाय सदस्यों की भागीदारी

प्रोफेसर एन. राजराम

- सदस्य, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) नियुक्ति विनियमन समिति की बैठक 13 और 14 मई 2016, 10 और 11 जून 2016, 25 जून 2016, 15 मार्च 2017 को नई दिल्ली में आयोजित हुई।
- सीयूजी : नोडल अधिकारी, बीआरएलजी-सीयूजी सहयोग। 24 जून 2016 को बोर्ड ऑफ स्टडीज़ की बैठक आयोजित हुई।
- अध्यक्ष, अध्यादेश सुधार समिति
- अध्यक्ष, प्रकाशन समिति
- दीन, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- सीयूजी-एनसीआरआई समिति हेतु नोडल अधिकारी

डॉ. जयश्री अंबेवाडिकर

- केंद्रीय बोर्ड ऑफ स्टडीज़ के सदस्य, समाज और विकास अध्ययन केंद्र
- सदस्य, एडवांस (अग्रिम) अध्ययन और अनुसंधान समिति
- सदस्य, स्कूल बोर्ड ऑफ स्टडीज़, एसएसएस
- सदस्य, केंद्रीय बोर्ड ऑफ स्टडीज़, सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र, एसएसएस
- सदस्य, सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज़, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अध्ययन केंद्र, एसआईएस

- मानव संसाधन विकास कार्यालय हेतु विश्वविद्यालय नोडल अधिकारी, भारत सरकार
- समान अवसर सेल अध्यक्ष
- सदस्य, विशेष आरक्षण सेल
- सदस्य, स्कूल एडाप्सन कार्यक्रम
- सदस्य, ग्राम एडाप्सन कार्यक्रम

डॉ. असीमा जेना

- संयोजक, समाज और विकास अध्ययन केंद्र
- सदस्य, विश्वविद्यालय अध्यादेश अद्यतन समिति
- सदस्य, विकलांग व्यक्ति हेतु सेल
- सदस्य केंद्रीय बोर्ड ऑफ स्टडीज़, समाज और विकास अध्ययन केंद्र
- सदस्य, एडवांस अध्ययन और अनुसंधान समिति
- सदस्य, स्कूल बोर्ड ऑफ स्टडीज़, एसएसएस

डॉ. सुदर्शन पपन्ना

- सदस्य सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज़, गांधीयन विचार और शांति अध्ययन केंद्र
- सदस्य सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज़, समाज और विकास अध्ययन केंद्र

डॉ. मधुमती बिसवाल

- सदस्य सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज़, समाज और विकास अध्ययन केंद्र

डॉ. खैखोले हाओकीप

- सदस्य, अर्न ह्वाइल यू लर्न समिति
- संस्थापक सदस्य, केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात पूर्व छात्र संघ
- सदस्य, एससी/एसटी/ओबीसी (गैर-मलाईदार परत) और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों हेतु उपचारात्मक कक्षाएं
- सदस्य, अनुशासनात्मक समिति: वार्षिक खेल मीट 2017
- सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज़, समाज और विकास अध्ययन केंद्र

विज्ञान, तकनीकी और अभिनव नीति अध्ययन केंद्र

विज्ञान, तकनीकी और अभिनव नीति अध्ययन केंद्र (सीएसएसटीआईपी) विज्ञान और तकनीकी के अंतरानुशासनिक और तुलनात्मक पक्ष में निहित सामाजिक और सांस्कृतिक गतिशीलता पर केन्द्रित है। यह केंद्र विज्ञान और समाज के विस्तृत फलक पर संबन्धित विषयों के हस्तक्षेप से संबन्धित है। यह विज्ञान, तकनीकी और समाज (एसटीएस) अध्ययन के विकसित शैक्षणिक क्षेत्र के सैद्धांतिक दृष्टिकोण पर आधारित है। यह केंद्र एस और टी के भारतीय परिदृश्य में दार्शनिक, ऐतिहासिक, समाजशास्त्रीय, विकास और सांस्कृतिक आयामों का अध्ययन करने का प्रयत्न करता है। यह छात्रों को विज्ञान, तकनीकी और अभिनव नीतियों की आलोचनात्मक विश्लेषण हेतु तैयार करता है।

यह केंद्र छात्रों को अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर और शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, एस एंड टी विभागों और एजेंसियों, नागरिक समाज संगठनों और आंदोलनों, उद्यमियों, नवप्रवर्तनकर्ताओं और टेक्नोक्रेट्स के साथ बातचीत करने की संभावनाओं से पूर्ण शैक्षणिक वातावरण प्रदान करता है। वे छात्र जिन्होंने इस केंद्र से एम. फिल. पीएच. डी. पूरा कर लिया है उनके लिए अकादमिक क्षेत्र, सरकारी विभागों/एजेंसियों और नागरिक समाज संगठनों आदि में रोजगार हेतु व्यापक अवसर हैं।

पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम

- समाज, तकनीकी और अभिनव नीतियाँ में एम. फिल. और पीएच. डी.

केंद्र में प्रस्तुत व्याख्यान

क्र.सं.	दिनांक	व्याख्यान का शीर्षक	व्याख्यान का विवरण
1	16-17 मार्च 2017	एडवांस रिसर्च मेथड्स इन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड सोसाइटी	● डॉ. जोअन्ना ग्रिफिथ, टीचिंग फेलोव ● फैकल्टी ऑफ डिजाइन, सीईपीटी यूनिवर्सिटी ● अहमदाबाद ● डॉ. सुब्रता दत्ता ● एसोसिएट प्रोफेसर ● सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ इकनोमिक एंड सोशल रिसर्च, अहमदाबाद ● प्रो. प्रणव एन देसाई ● सेंटर फॉर स्टडीज इन साइंस पालिसी ● स्कूल ऑफ सोशल साइंसेस- I ● जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी ● न्यू दिल्ली ● प्रोसुजीत भट्टाचार्या ● सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट

			सीएसआईआर- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी एंड डेवलपमेंट स्टडीज (एनआईएसटीडीएस), न्यू दिल्ली
2	27-28 मार्च, 2017	इमर्जिंग चैलेंजेस ऑफ फार्मास्यूटिकल मैनुफैक्चरिंग इन इंडिया	दो दिवसीय कार्यशाला सीएसटीटीआईपी में औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान नई दिल्ली के सहयोग द्वारा आयोजित

संकाय सदस्य

डॉ. कुणाल सिन्हा, सहायक प्रोफेसर आर सह-संचालक

विज्ञान, तकनीकी और अभिनव नीति, सामाजिक-आर्थिक बदलाव, तकनीकी भविष्य विश्लेषण, बौद्धिक संपत्ति अधिकार और विकास, अनुसंधान प्रविधि आदि इनके विविध प्रकार के रुचि के विषय हैं।

डॉ. पार्वती के. अय्यर, सहायक प्रोफेसर

विज्ञान और तकनीकी का समाजशास्त्र, एस और टी के साथ सार्वजनिक भागीदारी, भारत में लिंग और विज्ञान, एस एवं टी और प्रशासन में अकादमिक-औद्योगिक सहयोग, एस एवं टी में जोखिम और विनियामक मुद्दे आदि इनके रुचि के विषय के अंतर्गत आते हैं।

डॉ. शिजू सैम वर्गीज, सहायक प्रोफेसर

विज्ञान का समाजशास्त्र, विज्ञान और तकनीकी के साथ सार्वजनिक भागीदारी, मीडिया और विज्ञान संचार, विज्ञान शिक्षा, ज्ञान का सामाजिक इतिहास, और विज्ञान और तकनीकी का सांस्कृतिक अध्ययन इनके रुचि के कार्य क्षेत्र हैं।

डॉ. हेमंत कुमार, सहायक प्रोफेसर

अनौपचारिक क्षेत्र के नवाचार, नवाचार की प्रणाली, बौद्धिक संपत्ति अधिकार, एस एवं टी का इतिहास और दर्शन, आधुनिक भारत में विज्ञान और तकनीकी, लिंग और एस एवं टी, और विज्ञान संग्रहालय इनके शोध क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

प्रतिष्ठित/विशेषज्ञ समीक्षित/यूजीसी अनुमोदन प्राप्त पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख और प्रपत्र

क्र. सं.	लेखक/कों के नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशक वर्ष/महिना खंड संख्या और नंबर के साथ
1.	अली, अजमत और सिंहा, कुणाल	‘बायोमेडिकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन इंडिया: ऐन ओवरभियू’	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट	(2016) खंड 15, नंबर.3, पीपी. 215-37
2.	कुमार, विकास और सिंहा कुणाल	द रोल ऑफ ट्रिपल हेलिक्स सिस्टम इन एग्रीकल्चर इन्नोवेशन: ए केस ऑफ राइस एंड व्हीट प्रोडक्सन इन बिहार, इंडिया	रिसर्च फ्रंट	सेप्टेंबर 2016 खंड 4, नं. 3
3.	अय्यर, पार्वती के.	सोसियोलोजिकल एंड अंथ्रोपोलॉजिकल पर्सपेक्टिव्स ऑन फार्मास्युटिकल: ए ब्रिफ रिव्यू	एसिया पैसिफिक जर्नल ऑफ रिसर्च	अप्रैल 2016, खंड 1, इस्स्यु XXXVIII, आईएसएसएन 2320-5504
4.	अय्यर, पार्वती के.	फार्मास्युटिकल रेग्युलेट्री पोलिसिज इन इंडिया इन द पोस्ट लेब्रेलाइजेशन पीरियड: अ ब्रिफ ओवरव्यू	इंडियन जर्नल ऑफ अप्लाइड रिसर्च	मई 2016 खंड 6, इस्स्यु 5, आईएसएसएन 2249-555X
5.	देवी, वैरोकपम प्रेमी एंड कुमार, हेमंत	इन्नोवेशन प्रोसेस्ज ऑफ काइमोबोपोगोन सिट्रेट्स टी इन मणिपुर, इंडिया: एन एक्टर नेटवर्क थियरी पर्सपेक्टिव	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्टर नेटवर्क थियरी एंड टेक्नोलोजिकल इन्नोवेशन्स	2016: 8(3)
6.	कुमार, हेमंत	बुक रिव्यू ऑफ न्यूकलस एंड नेशन: साइंटिस्ट्स, इंटरनेशनल नेटवर्क्स, एंड पावर इन इंडिया बाई रोबर्ट एस. एंडर्सन]	जर्नल ऑफ सिंट्रोमेट्रिक रिसर्च	2016: 5(1)
7.	कुमार, हेमंत	बुक विभयु ऑफ द बुक चेंजिंग प्रोफाइल ऑफ द इंडियन वैसीन इनोवेशन सिस्टम बाई कुनाल सिन्हा।	करेंट साइंस	2016: 112 (3)

संपादित खंड में प्रकाशित प्रपत्र

क्र. सं.	लेखक/कों के नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशकीय वर्ष/महिना प्रकाशक का नाम व स्थान
1.	वर्गीज, शिजू सैम	सिटीज ऑफ नियोलिबरल फ्यूचर: अरबन यूटोपिया इन इंडियन साइंस फिक्सन सिनेमा	टैरेजा कुलदोवा एंड अक्कानाड वरघेसे (संपादित)। अरबन यूटोपियाज: एक्सेस एंड एक्स्प्लेन इन नीयोलिबरल साउथ एसिया	2017, पालग्रेव मैकमिल्लेन, न्यू यॉर्क
2.	कुमार, हेमंत	डायनामिक नेटवर्क ऑफ ग्रासरूट्स इन्वोवेटर्स इन इंडिया	इन्फारमल सेक्टर इन्वोवेटर्स : इन्साइट फ्राम द ग्लोबल साउथ	2016, रुतलेज, लंदन
3.	कुमार, हेमंत और भादुरी, सरदिन्दु	जुगाड टु ग्रासरूट्स इन्वोवेटर्स : अंडस्टैंडिंग द लैंडस्केप ऑफ द इन्फारमल सेक्टर इन्वोवेटर्स इन इंडिया	इन्फारमल सेक्टर इन्वोवेटर्स : इन्साइट फ्राम द ग्लोबल साउथ	2016, रुतलेज, लंदन

लेखक रूप में प्रकाशित किताबें

क्र. सं.	लेखक/कों के नाम	किताब का शीर्षक	प्रकाशकीय वर्ष/महिना प्रकाशक का नाम व स्थान
1.	सिन्हा, कुनाल	“चेंजिंग प्रोफाइल ऑफ द इंडियन वैसीन इन्वोवेटर्स सिस्टम”	2017; सेगमेंट, न्यू डेलही
2	वर्गीज, शिजू सैम	कॉन्टेस्टेड नॉलेज : साइंस, मीडिया अँड डीमोक्रेसी इन केरला	2017, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यू डेलही (हार्ड बौंड एंड ऑनलाइन ई-बुक एडिसन)

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी//सम्मेलन/कार्यशाला में प्रपत्र वाचन

क्र. सं.	लेखक/कों के नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी//सम्मेलन/कार्यशाला में प्रपत्र वाचन विषय	संचालक संस्था और स्थान	कार्यक्रम का दिनांक
1.	शर्मा, गौतम और कुमार, हेमंत	एक्सप्लोरिंग स्केलिंग अप मकेनिज्म ऑफ ग्रासरूट इन्वोवेन्स थ्रु इंटरप्रिनयुरशिप इन इंडिया	टेक्स्थ बाईएनियल कॉन्फ्रेंस ऑन इंटरप्टनयुरशिप	इंटरप्टनयुरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, अहमदाबाद, गुजरात, इंडिया	फरवरी, 22-24, 2017

राष्ट्रीय या स्थानीय संगोष्ठी//सम्मेलन/कार्यशाला में प्रपत्र वाचन

क्र. सं.	लेखक/कों के नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी//सम्मेलन/कार्यशाला में प्रपत्र वाचन विषय	आयोजक संस्था और स्थान	कार्यक्रम का दिनांक
1.	झा, अभिनव, सिन्हा, कुणाल	ओपेन इन्वोवेसन इनिशिएटिव्स इन इंडिया	3ड नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ईटीडी 2016	इन्फ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर	05-07 अक्तूबर, 2016
2	वर्गीज, शिजू सैम	‘सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स: ए रुब्रिक फॉर जेनेरेटिंग एंड युटीलाइजिंग नॉलेज फॉर डेवलपमेंट’	सिंजोयिम ऑन एसडीजीस, नॉलेज एंड डिमोक्रेसी : क्र-इमैजनिंग परपजेज एंड अपर्ट्यूनीतिज’	स्कूल ऑफ ह्यूमैनीटीज एंड सोसल साइन्सेज (एसएचएसएस), शिव नादार यूनिवर्सिटी एंड सेंटर फॉर स्टडीज इन साइंस पॉलिसी (सीएसएसपी), जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी। प्लेस: शिव नादार यूनिवर्सिटी, दादरी, उत्तर प्रदेश।	16-17 जनवरी 2017

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों के अतिरिक्त प्रतिष्ठित संस्थानों में शैक्षणिक वक्तव्य की प्रकृति

क्र. सं.	नाम	दिए गए व्याख्यान का शीर्षक	दिनांक के साथ कार्यक्रम का शीर्षक	प्रतिभागिता की प्रकृति
1.	अय्यर, पार्वती के.	सोसल साइंस कॉन्सेप्ट्स इन रिलेशन टु हेल्थ	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ, गांधीनगर, 21-22 सितंबर 2016	रिसोर्स पर्सन
2	अय्यर, पार्वती के.	फिनोमीनोलॉजीकल मेथडोलॉजी	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ, गांधीनगर, नवंबर 23, 2016	रिसोर्स पर्सन
3	अय्यर,	केस स्टडी एप्रोच ऐज	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ,	रिसोर्स पर्सन

	पार्वथी के.	एप्लाईड टु हेल्थ	गांधीनगर, दिसंबर 7, 2016	
4	कुमार, हेमंत	ग्रासरूट इनोवेसन्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट	अजीम प्रेमजी जी यूनिवर्सिटी, बंगलुरु, इंडिया, ओक्टूबर 7, 2016	इन्वाइटेड लेक्चर
5	कुमार, हेमंत	ग्रासरूट्स इनोवेसन्स नेटवर्क इन इंडिया	नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर साइंस पॉलिसी (एनआरआईएसपी), तेहराना ईरान। फरवरी 14, 2017	इन्वाइटेड लेक्चर

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/रिफ्रेसर कार्यक्रम में प्रतिभागिता

क्र. सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	प्रतिभागिता की प्रकृति
1.	सिन्हा, कुणाल	इन्वार्मेंटल स्टडीज़ एंड डिजास्टर मैनेजमेंट	12 जुलाई 2016- 1 अगस्त 2016	रिफ्रेसर कोर्स
2.	कुमार, हेमंत	बेसिक्स ऑफ रिमोट सेन्सिंग, जियोग्राफिकल इन्फोर्मेशन एंड नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम ऑनलाइन ट्रेनिंग प्रोग्राम कंडक्टेड बाई इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेन्सिंग ऑफ सेन्सिंग, देहरादून, उत्तराखंड	अगस्त 22- नवंबर 18, 2016	प्रतिभागी
3.	कुमार, हेमंत	कंडक्टेड ए टू-डे वर्कशॉप ऑन 'ग्रासरूट्स इनोवेशन्स नेटवर्क्स' ऑन इन्व्हेसन ऑफ नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर साइंस पॉलिसी (एनआरआईएसपी), तेहरान, ईरान	फरवरी 15-16, 2017	रिसोर्स पर्सन

शोध परियोजनाएं

क्र. सं.	नाम	परियोजना का शीर्षक	फंडिंग एजेंसी	जारी किया गया पैसा	परियोजना की स्थिति
1	कुमार, हेमंत	सोशल कंस्ट्रक्सन ऑफ स्मार्टफोन, सेल्फी एंड सर्विलान्स: ए स्टडी ऑफ 'टेक्नोजिकल कल्चर' एमंग मोबाईल फोन इन्टरनेट यूजर्स इन इंडिया	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ इंडिया	1,00,000	जारी है

शोध निर्देशित/छात्र

क्र. सं.	नाम	एम. फिल. या पीएच-डी. कार्यक्रम की प्रकृति	निर्देशित छात्रों की संख्या
1.	सिन्हा कुनाल	एम. फिल. या पीएच-डी.	3+3
2	अय्यर, पार्वती के.	एम. फिल. या पीएच-डी.	2 +1
3	वर्गीज, शिजू सैम	एम. फिल. या पीएच-डी.	1
4	कुमार, हेमंत	एम. फिल. या पीएच-डी.	3+1

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की भागीदारी

डॉ. कुणाल सिन्हा, संचालक और सहायक प्रोफेसर

- सदस्य, अकादमिक परिषद (2014- 16)
- सदस्य, अध्यादेश, और विधि परिषद (अप्रैल 2016-अब तक)
- सदस्य, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति, सामाजिक विज्ञान विद्यालय (2016) में अध्ययन के लिए केंद्र में संकाय पदों के लिए आवेदनों की जांच के लिए समिति
- सदस्य, एनएएसी पीर टीम (2016) के भ्रमण हेतु समिति
- सदस्य, सविधान दिवस उत्सव समिति (2016)
- अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान संस्थान के विविध केंद्रों शामिल किए जाने हेतु द्वारा सुझाए गए पत्रिकाओं के नाम (2016)
- सदस्य, वार्षिक दिवस अनुशासन समिति (2016)
- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज फॉर स्टडीज इन साइंस, विज्ञान, तकनीकी और नवाचार नीति

डॉ. पार्वती के. अय्यर, सहायक प्रोफेसर

- सदस्य, अकादमिक परिषद
- सदस्य, अंतः शिकायत समिति (यौन उत्पीड़न) हेतु
- वार्डन, गर्ल्स हॉस्टल, सेक्टर 20 और सेक्टर 30
- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज ऑफ सेंटर फॉर स्टडीज इन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन पालिसी

डॉ. शिजू साम वर्गीज, सहायक प्रोफेसर

- सदस्य, सीयूजी अध्यादेश 11 के अद्यतनीकरण हेतु समिति, मास्टर ऑफ फिलोसोफी/डॉक्टर ऑफ फिलोसोफी की डिग्री यूजीसी ने नए मानक (एम.फिल-पीएचडी डिग्री के लिए न्यूनतम मानक प्रक्रिया) के अनुसार प्रावधान 2016
- सदस्य, वार्षिक प्रतिवेदन समिति
- सदस्य, समाज और विकास अध्ययन संस्थान के केंद्र हेतु बोर्ड ऑफ स्टडीज
- सदस्य, विज्ञान, तकनीकी और अभिनव नीति अध्ययन केंद्र हेतु बोर्ड ऑफ स्टडीज
- सदस्य, इनोवेशन क्लब

डॉ. हेमंत कुमार, सहायक प्रोफेसर

- वार्षिक दिवस अनुशासन समिति सदस्य
- एनएएसी टिम विजिट समिति सदस्य
- सदस्य, विज्ञान, तकनीकी और अभिनव नीति अध्ययन संस्थान केंद्र हेतु बोर्ड ऑफ स्टडीज़
- अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान हेतु बोर्ड ऑफ स्टडीज़

अर्थशास्त्र और योजना अध्ययन केंद्र

अर्थशास्त्र और योजना अध्ययन केंद्र सन् 2010 में इसकी स्थापना हुई। इसके बाद से यह संस्थान, अध्यापन और अनुसंधान के क्षेत्र में अर्थशास्त्र अनुशासन के रूप में उत्कृष्टता और विविधता प्रदान करता रहा है। यह एक गतिशील केंद्र के रूप में स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट के उम्मीदवारों के लिए अर्थशास्त्र से संबंधित विषय पर कार्य करता है। इस केंद्र में पढ़ने वाले छात्र न केवल शुद्ध अर्थशास्त्र के क्षेत्र से होते हैं बल्कि सामाजिक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के भी होते हैं। यह केंद्र विषय और शोध की गंभीरतापूर्ण दृष्टि से विद्यार्थियों को प्रथम श्रेणी के शैक्षिक अनुभव उपलब्ध कराने के साथ-साथ व्यक्तिगत स्तर पर कुशल बनाने और कैरियर की संभावनाओं को बढ़ाने में मदद करता है। एक महानगरीय अकादमिक क्षेत्र और छात्र समुदाय, अनुसंधान संस्कृति को विकसित करने के उद्देश्य से संपन्न यह केंद्र छात्रों हेतु अर्थशास्त्र का अध्ययन करने के लिए एक प्रेरक और चुनौतीपूर्ण माहौल तैयार करता है।

यह केंद्र विश्वव्यापी स्तर पर अवसरों को बढ़ावा देने, अच्छी तरह से विकसित करने और बेहतर अवसरों को प्रदान करने के उद्देश्य से अनोखे और अत्याधुनिक अनुसंधान के अवसर प्रदान करता है। इसके अलावा, परा-स्नातक और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के अभिनव पाठ्यक्रम बौद्धिक और व्यावसायिक दोनों ही वर्ग के छात्रों के लिए यह अनुशासन उच्च शिक्षण प्रदान करता है।

केंद्र द्वारा संचालित होने वाले कार्यक्रम

- अर्थशास्त्र में एम.फिल.-पीएच.डी. कार्यक्रम
- अर्थशास्त्र में एम.ए.

केंद्र पर दिए गए व्याख्यान

क्र. सं.	दिनांक	व्याख्यान का शीर्षक	व्याख्यान का विवरण
1	29 मार्च 2017	रूल ट्रांसफॉर्मेशन प्रोसेस एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन गुजरात	सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल रिसर्च के निदेशक प्रो. निति मेहता द्वारा प्रस्तुत किया गया विशिष्ट व्याख्यान

संकाय सदस्य

डॉ. इंदिरा दत्ता, प्रोफेसर और अध्यक्ष

इनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र पर्यावरण अर्थशास्त्र, श्रम अर्थशास्त्र, क्षेत्रीय अर्थशास्त्र, वैश्विक अर्थशास्त्र मुद्दे और सूक्ष्म अर्थशास्त्र हैं। इन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगियों की समीक्षा की गई पत्रिकाओं (पीर रिव्यूड जरनल्स) में 17 पत्र और छह पुस्तकें प्रकाशित कराए हैं। इन्होंने तीन परियोजनाएं भी पूरी की हैं।

डॉ. जय प्रकाश प्रधान, एसोसिएट प्रोफेसर

अंतरराष्ट्रीय व्यापार, औद्योगिक अर्थशास्त्र, सूक्ष्मअर्थशास्त्र, और अर्थमिति इनकी विशेषज्ञता शामिल विषय क्षेत्र हैं।

डॉ. सरला दसारी, सहायक प्रोफेसर

औद्योगिक अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, अनुसंधान क्रियाविधि, उन्नत आर्थिक सिद्धांत, सामाजिक लेखा और डेटाबेस इनके विशेषज्ञता हासिल क्षेत्र हैं।

डॉ. तूलिका त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर

इनके विशेष क्षेत्र के अंतर्गत स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, बहिष्कार और भेदभाव, श्रम और रोजगार और अनौपचारिक क्षेत्र शामिल हैं। इन्हें रमन पोस्ट - डॉक्टरल फैलोशिप भी प्राप्त है और वर्तमान में यह शिकागो विश्वविद्यालय में अपने शोधकार्य कर रही हैं।

डॉ. क्षमानिधि अदाबर, सहायक प्रोफेसर

इनके विशेषज्ञता क्षेत्र के अंतर्गत अभिसरण (संस्कृति) और आर्थिक विकास, क्षेत्रीय असमानताएं और विकास, व्यावहारिक अर्थमिति, मानव विकास, अर्थमिति, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, सूक्ष्म अर्थशास्त्र, आर्थिक विकास और विकास, मात्रात्मक तकनीक / सांख्यिकी आदि आते हैं।

संपादित खंड में प्रकाशित प्रपत्र

क्र.सं.	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का नाम	प्रकाशन वर्ष/महिना / प्रकाशक का नाम और स्थान
1.	दत्ता इंदिरा और पटेल, रुचि	माइक्रोफाइनेंस एंड वीमेन एम्पावरमेंट- अ केस स्टडी ऑफ गुजरात	माइक्रोफाइनेंस इन इंडिया & कम्युनिटीज एट द बॉटम ऑफ़ द पिरामिड- लिट्टे डेनिस	2017 आर्चेस & एलिवेटर्स, बैंगलोर

प्रकाशित पुस्तकें

क्र.सं.	लेखक का नाम	किताब का नाम	प्रकाशन वर्ष/महिना / प्रकाशक का नाम और स्थान
1.	हल्दर स्तुति & दत्ता इंदिरा	अलंग शिपब्रेकिंग इंडस्ट्री- एन इकोलॉजिकल डिस्ट्रीब्यूशन कनफ्लिक्ट	2017, अलाइड पब्लिशर्स पीविटी. एलटी डी., न्यू दिल्ली

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएं, समाचार पत्र, वेब पोर्टल)

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन वर्ष/महिना और प्रकाशक का नाम
1.	डेनिस, लिट्टी और दत्ता इंदिरा	सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स एंड ग्रीन बैंकिंग इन द कांफ्रेंस प्रोसीडिंग ऑफ 11 एनुअल इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ ग्रीन इकोनॉमिक्स इंस्टिट्यूट एट ऑक्सफोर्ड	जुलाई 2016. ग्रीन इकोनॉमिक्स इंस्टिट्यूट, लंदन

राष्ट्रीय / क्षेत्रीय स्तर के संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रस्तुत पत्र

क्र.सं.	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का विषय	आयोजक समिति और स्थान	कार्यशाला की तिथि
1.	अदाबर क्षमानिधि	कॉम्पैरिंग स्ट्रक्चरल चेंज एंड ग्रोथ: अ केस ऑफ गुजरात एंड उड़ीसा इन इंडिया	53ई द इंडियन एकाॅनोमेट्रीक सोसाइटी (टीआईईएस) नेशनल कांफ्रेंस	नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसआर), भुवनेश्वर	22-24 दिसंबर, 2016

संगोष्ठी / सम्मेलन के अलावा अन्य मान्यता प्राप्त संस्थानों में अकादमिक प्रकृति की वार्ता

क्र.सं.	नाम	प्रस्तुत वार्ता का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम दिनांक के साथ	प्रतिभागिता की प्रकृति
1.	अदाबर क्षमानिधि	बैंकिंग एंड इंडियन इकाॅनमी	मैनेजर्स कांफ्रेंस ऑफ केनरा बैंक, रीजनल ऑफिस, अहमदाबाद ऑन 24th मार्च 2017	अतिथि वक्ता
2.	अदाबर क्षमानिधि	ओरिएंटेशन ऑन इकोनॉमिक्स कोर्स	उदयभानसिंहजी रीजनल इंस्टिट्यूट ऑफ को-आपरेटिव मैनेजमेंट (यूआरआईसीएम), गांधीनगर ऑन 26th जुलाई 2016	Guest Speaker अतिथि वक्ता
3.	अदाबर क्षमानिधि	20 सेशंस ऑन माइक्रोइकोनॉमिक्स	उदयभानसिंहजी रीजनल इंस्टिट्यूट ऑफ को-आपरेटिव मैनेजमेंट (यूआरआईसीएम), गांधीनगर	अतिथि वक्ता

		डूरिंग दिसंबर 2016 टू जनवरी 2017	
--	--	-------------------------------------	--

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रिक्रेशर प्रोग्राम में भागीदारी

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	प्रतिभागिता की प्रकृति
1.	अदाबर, क्षमानिधि	ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन माइक्रोसॉफ्ट सस्केन	सितंबर 8 से 14, 2016, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात	प्रतिभागी

चल रही शोध परियोजनाएं

क्र.सं.	नाम	परियोजना का नाम	निधीयन एजेंसी	स्वीकृत राशी	परियोजना की स्थिति
1.	दत्ता, इंदिरा को-कोओरडिनेटर	डिस्ट्रिक्ट ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट, महिसागर	गवर्नमेंट ऑफ़ गुजरात	6,00,000	जारी

पुरस्कार, छात्रवृत्ति, अवार्ड, सुरक्षित अधिकार आदि के रूप में मिले सम्मान या उपलब्धियां

क्र.सं.	नाम	डिटेल्स ऑफ़ द अवार्ड/प्राइज, आदि दिनांक के साथ
1.	प्रधान, जय प्रकाश	अतिथि संपादित पत्रिका विशेषांक: इंडियन आउटवर्ड एफडीआई और एमएनईएस, ट्रांसनेशनल कॉरपोरेशंस, खंड 24, नंबर 1, न्यूयॉर्क & जिनेवा: संयुक्त राष्ट्र

निर्देशित शोध छात्र

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम की प्रकृति	निर्देशित छात्रों की संख्या
		एम.फिल./पीएच.डी.	
1.	दत्ता, इंदिरा	पीएच.डी.	8

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की भागीदारी

प्रो. इन्दिरा दत्ता

- अध्यक्ष, अर्थशास्त्र और योजना अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- संचालन अधिकारी, अन्तः शिकायत समिति
- शून्य छमाही समिति अध्यक्ष
- सदस्य, शिकायत निवारण समिति

- सदस्य, सीएसआर, सामाजिक अध्ययन संस्थान
- सदस्य, एनएके कार्यकारी समिति
- एमओयूज मानव विकास संस्थान, नई दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर
- सदस्य, अकादमिक परिषद

गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन केंद्र

गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन केंद्र एक अंतरअनुशासनिक शिक्षण और शोध केंद्र है। गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन पारस्परिक समृद्ध और इनके बीच में निर्मित विचारों का इतिहास है। मोहनदास करमचंद गांधी विचारों की बहुलता को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु बनाते हैं। गांधीवादी विचारों को व्यापक रूप से प्रसारित करने के लिए इस तरह के विचारों की बहुलता कितनी मददगार है यह केंद्र यह तलाशने का प्रयत्न करता है। इनके विचारों के इतिहास के माध्यम से ही शांति अध्ययन का निर्माण हुआ है। राजनीतिक दर्शन, गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन से संबंधित अधिकता और इतिहास की समकालीन प्रासंगिकता के विचार राजनीतिक सिद्धांत, मानव अधिकार, आलोचनात्मक दार्शनिक परंपराएँ, आंदोलनों, राजनीतिक अर्थशास्त्र, सामाजिक परिवर्तन और शांति और संघर्ष समाधान के अंतर्गत समझाए जाते हैं।

संचालित होने वाले कार्यक्रम

- गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन में एम. फिल.-पीएच. डी.

केंद्र में प्रस्तुत व्याख्यान

क्र.सं.	दिनांक	व्याख्यान का शीर्षक	व्याख्यान का विवरण
1	अगस्त 12, 2016	इन वर्ल्डव्यू एंड नेओलिबेरल मॉडल ऑफ़ डेवलपमेंट	प्रो. जी. हरगोपाल, आईसीएसएसआर नेशनल फेल्लोव, टीआईएसएस, हैदराबाद
2	अगस्त 12, 2016	ट्रेंड्स इन कांप्लिकेटेड एंड द टास्क ऑफ़ पीस स्टडीज	प्रो. सुजीत दत्त, जामिया मिल्लिया इस्लामिया सेंट्रल यूनिवर्सिटी, न्यू दिल्ली
3	जनवरी 16, 2017	बी.आर. अम्बेडकर एंड डेमोक्रेसी	प्रो. क्रिस्टोफे जाफ़फ़ेलॉट (किंग कॉलेज, लंदन, यू.के.)
4	फ़रवरी 6, 2017	चिल्ड्रेन्स राइट टू एजुकेशन इन एरिया ऑफ़ सिविल अनरेस्ट-टुवर्ड्स नॉन-वायलेंस, पीस एंड डीपेनिंग ऑफ़ डेमोक्रेसी	प्रो. शांता सिन्हा, फॉर्मर चेयरपर्सन, नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ़ चाइल्ड राइट (एनसीपीसीआर), इंडिया
5	फ़रवरी 6, 2017	चाइल्ड प्रोटेक्शन एंड चाइल्ड राइट	प्रो. शांता सिन्हा, फॉर्मर चेयरपर्सन, नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ़ चाइल्ड राइट (एनसीपीसीआर), इंडिया
6	फ़रवरी 13, 2017	नेशन एंड नेशनलिस्म थ्योरी एंड हिस्ट्री	जी. अलोय्सिउस, एडिटर, क्रिटिकल क्वेस्ट
7	फ़रवरी 13, 2017	रिसर्च प्रेस्पेक्टिव इन सोशल साइंस	जी. अलोय्सिउस, एडिटर, क्रिटिकल क्वेस्ट
8	फ़रवरी 14, 2017	मैपिंग दलित-सुबल्टेम सेल्फ-आइडेंटिफिकेशनस एंड अस्सेर्टिऑंस इन मॉडर्न इंडिया	जी. अलोय्सिउस, एडिटर, क्रिटिकल क्वेस्ट
9	फ़रवरी 14, 2017	ह्यूमन राइट इन इंडिया: प्रेस्पेक्टिव फ्रॉम बिलोव	जी. अलोय्सिउस, एडिटर, क्रिटिकल क्वेस्ट

11	मार्च 28, 2017	सोशल बेस ऑफ़ तेलंगाना स्टेट मूवमेंट इन इंडिया	प्रो. (आरइटीडी) एम. कोडनडरम, उशनिया यूनिवर्सिटी, एजुकेटर एंड पॉलिटिकल एक्टिविस्ट
12	मार्च 28, 2017	सिविल सोसाइटी एंड सोशल मूवमेंट्स: द वे फॉरवर्ड	प्रो. (आरइटीडी) एम. कोडनडरम, उशनिया यूनिवर्सिटी, एजुकेटर एंड पॉलिटिकल एक्टिविस्ट

संकाय सदस्य

डॉ. धनंजय राय, सहायक प्रोफेसर

सांस्कृतिक सिद्धांत, राजनीतिक विचार, राजनीतिक सिद्धांत, राजनीतिक अर्थशास्त्र इनके रुचि के शोध क्षेत्र हैं।

डॉ. जगन्नाथम बेगारी, सह-संचालक और सहायक प्रोफेसर

मानव अधिकार, लोकतंत्र, दलित आंदोलन और सीमांतता, क्षेत्रीय आंदोलन, राजनीतिक अर्थव्यवस्था, सीमांतता और सामाजिक बहिष्कार आदि इनके शोध रुचि में शामिल हैं।

डॉ. बेरिल आनंद, सहायक प्रोफेसर

इनके शोध रुचि क्षेत्र के अंतर्गत संघर्ष की राजनीतिक अर्थव्यवस्था, लोकतन्त्र और मध्यपूर्व और दक्षिण एशिया में सामाजिक परिवर्तन, शांति और संघर्ष के अध्ययन शामिल हैं।

श्री स्मृति रंजन ढल, सहायक प्रोफेसर

इनके शोध क्षेत्र के अंतर्गत गांधीवादी विचार, राजनीतिक सिद्धान्त और राजनीतिक विचार शामिल हैं।

डॉ. प्रिय रंजन कुमार, सहायक प्रोफेसर

इनके विशेषज्ञता और शोध क्षेत्र के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत, शांति और संघर्ष अध्ययन, संघर्ष समाधान, हथियार नियंत्रण और निरस्त्रीकरण, पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा आदि शामिल हैं।

प्रतिष्ठित/विशेषज्ञ समिक्षित/यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख और प्रपत्र

क्र.सं.	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन वर्ष/महिना का नाम खंड के साथ
1	राय, धनंजय	गांधी टर्न फॉर अनकंडीशनल इक्वलिटी [रिव्यू ऑफ़ अनकंडीशनल इक्वलिटी: गांधीस रिलिजन ऑफ़ रेजिस्टेंस बाई अजय सेकरिया, परमानेंट ब्लैक, रानीखेत, 2016, पीपी एक्सविआई 390, 895 रु.]	द बुक रिव्यू	अक्टूबर 2016 एक्सएल(10)
2	राय, धनंजय	बुक रिव्यू [मनोरंजन मोहंती, रेड एंड	Social Change	जून 2016, 46 (2)

		ग्रीन: फाइव दिकाडस ऑफ़ द इंडियन माविस्ट मूवमेंट, कोलकता, सेतु प्रकाशनी, विआईआई + 498 पीपी., 950रु.]	सोशल चेंज	
3	राय, धनंजय	प्रोफ़ेसर रणधीर सिंह (1922–2016): वर्ल्डव्यू ऑफ़ रेडिकल चेंज	Social Change सोशल चेंज	सितंबर 2016, 46 (3)

संपादित खंड में प्रकाशित प्रपत्र

क्र.सं.	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन वर्ष/महिना / प्रकाशक का नाम और स्थान
1	बेगारी, जगन्नाथम	दलित मूवमेंट इन गुजरात: द रिस्पांस ऑफ़ द स्टेट एंड डोमिनेंट कास्ट'	मैपिंग ह्यूमन राइट्स एंड सुबलटेन्स इन मॉडर्न इंडिया	कल्पज पब्लिकेशनस, न्यू दिल्ली, 2016

लेखक के रूप में प्रकाशित हुई पुस्तकें

क्र.सं.	लेखक का नाम	किताब का शीर्षक	प्रकाशन वर्ष / महिना / प्रकाशक का नाम और स्थान
1	राय, धनंजय	नेहरू और आधुनिकता (सं.)	सितंबर / 2016 आकार बूक्स / दिल्ली
2	बेगारी, जगन्नाथम	मैपिंग ह्यूमन राइट एंड सुबलटेन्स इन मॉडर्न इंडिया	कल्पज 2016 पब्लिकेशनस / नई दिल्ली

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएं, समाचार पत्र, वेब पोर्टल)

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन वर्ष / महिना / प्रकाशक का नाम और स्थान
1	राय, धनंजय	विधायिका और जनतंत्र	अगस्त / 2016 सबलॉग / दिल्ली
2	राय, धनंजय	आरक्षण और लोकतंत्र	जुलाई/2016 सबलॉग /दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रस्तुत पत्र

क्र. सं.	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी / सम्मलेन / कार्यशाला का विषय	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1	कुमार, प्रिय रंजन	रीजनल सिक्यूरिटी रेजिमे इन वेस्ट एशिया: प्रॉब्लम्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स	सोसिओ-पॉलिटिकल तुर्मोइल इन वेस्ट एशिया	डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंसेस, यूनिवर्सिटी ऑफ़ केरला, तिरुवनंतपूरम	24-26 नवंबर, 2016

राष्ट्रीय / क्षेत्रीय स्तरीय सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र. सं.	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी / सम्मलेन / कार्यशाला का विषय	आयोजक समिति और स्थान	कार्यशाला की तिथि
1	राय, धनंजय	मर्क्सिस्म इन/फॉर रणधीर सिंह	क्रिएटिव थ्योरी कल्लोकुडुम	फाउंडेशन फॉर क्रिएटिव सोशल रिसर्च एंड इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, न्यू दिल्ली	सितंबर 5-6, 2016
2	राय, धनंजय	हायर 'रिफॉर्म्स': इंटेंट एंड इम्प्लिकेशंस	द फ्लक्स इन इंडिया हायर एजुकेशनस सिस्टम ऑफ़ वीमेन इन अ चेंजिंग वर्ल्ड: रेस्ट्रकचर्ड इनेकुआलिटीज, काउंटर करेंट्स, एंड साइट्स ऑफ़ रेजिस्टेंस	इंडियन एसोसिएशन फॉर वीमेंस स्टडीज, चेन्नई	जनवरी 21-25, 2017
3	बेगारी, जगन्नाथम	मैपिंग ह्यूमन राइट एजुकेशन: इट्स इम्पैक्ट ऑन सबलटेन्स इन इंडिया	एजुकेशन एंड पॉलिटिक्स इन इंडिया: अ पर्सपेक्टिव फ्रॉम बिलोव	डिपार्टमेंट ऑफ़ पॉलिटिकल साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ़ हैदराबाद	24-25 फ़रवरी 2017
4	बेगारी, जगन्नाथम	एजुकेशनल सस्टेनबिलिटी ऑफ़ द डिसअडवांटेज पाथवे टू सक्सेस	मैपिंग द वैटालिटी ऑफ़ एजुकेशन एंड द सिग्निफिकेंस ऑफ़ कॉमन स्कूल एजुकेशन इन मॉडर्न इंडिया	महाराजा सायाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ़ बरोड़ा, बरोड़ा	6-7 मार्च 2017

5	बेगारी, जगन्नाथम	इन्टरैक्टिंग द एम्पावरमेंट ऑफ मुस्लिम माइनॉरिटीज इन मॉडर्न इंडिया: अ स्टडी ऑफ द डेवलपमेंट ऑफ तेलंगाना स्टेट	पॉलिटिकल एम्पावरमेंट ऑफ मुस्लिम इन तेलंगाना: पोर्टूनिटीज एंड चैलेंज	डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद	29 नवंबर 2016
---	------------------	---	---	--	---------------

संगोष्ठी / सम्मेलन के अलावा अन्य मान्यता प्राप्त संस्थानों में अकादमिक प्रकृति की वार्ता

क्र.सं.	नाम	प्रस्तुत वार्ता का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम तिथि के साथ	प्रतिभागिता की प्रकृति
1.	राय, धननंजय	गांधी आइडियाज ऑन पीस एंड नॉन-वायलेंस	डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस, कमला नेहरू कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, अक्टूबर 27, 2016	अतिथि
2	राय, धननंजय	डेवलपमेंट ट्रेंड्स इन इंडिया- 1991	डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस, भारती कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, 27 अक्टूबर 2016	अतिथि
3	आनंद, बेरिल	थेओरिज ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस	जुलाई-अगस्त 2016, स्कूल ऑफ ग्लोबल स्टडीज, पीडीपीयू	आमंत्रित विजिटिंग फैकल्टी
4	बेगारी, जगन्नाथन	इंडियन डेमोक्रेसी एंड ह्यूमन राइट्स ट्रेंड्स एंड चैलेंजेज”	नवंबर 2016 डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस, तारा डिग्री एंड पी.जी.कॉलेज (ऑटोनॉमस कॉलेज), उस्मानिया यूनिवर्सिटी, संगारेड्डी	अतिथि

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रिफ्रेशर प्रोग्राम में भागीदारी

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	प्रतिभागिता की प्रकृति
1	राय, धननंजय	रिफ्रेशर कोर्स इन पॉलिटिकल साइंस, एचआरडीसी, जे.एन.यू.	25 जुलाई 2016 से 19 अगस्त 2016	प्रतिभागी
2	बेगारी, जगन्नाथन	रिफ्रेशर कोर्स इन रिसर्च मेथोडोलोजी इन सोशल साइंसेस, एचआरडीसी, यूनिवर्सिटी	18 अगस्त से 7 सितंबर 2016	प्रतिभागी

		ऑफ़ हैदराबाद		
3	आनंद, बेरिल	119th ओरिएंटेशन कोर्स, एचआरडीसी, पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी	2 नवंबर 2016 29 नवंबर 2016	प्रतिभागी
4	कुमार प्रिया रंजन	7 ओरिएंटेशन कोर्स, एचआरडीसी, नई दिल्ली	29 अगस्त से 23 सितंबर 2016	प्रतिभागी

शोध परियोजनाएं

क्र.सं.	नाम	परियोजना का शीर्षक	निधियन एजेंसी	स्वीकृत राशी	परियोजना की स्थिति
1.	बेगारी, जगन्नाथम	फॉर्मल एंड सुबस्टेनटीव डेमोक्रेसी: अ स्टडी ऑफ़ न्यू तेलंगाना स्टेट-पब्लिक पालिसी एंड पीपल्स एस्पिरेशन	आईसीएसएसआर, न्यू दिल्ली	6,00,000/-	चल रही

निर्देशित शोध छात्र

क्र.सं.	नाम	एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम की प्रकृति	निर्देशित छात्रों की संख्या
1.	जगन्नाथन बेगारी	एम.फिल.	1
2.	धनंजय राय	एम.फिल.	3
3.	बेरिल आनंद	एम.फिल.	3
4.	स्मृति रंजन ढाल	एम.फिल.	3
5.	प्रिय रंजन कुमार	एम.फिल.	4

प्रसार, पहुँच और जारी रहने वाली अन्य गतिविधियां

- 2, अक्टूबर, 2016 को इस केंद्र द्वारा साबरमती आश्रम भ्रमण की व्यवस्था की गयी थी।

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की भागीदारी

डॉ. धनंजय राय

- सदस्य, संस्थान बोर्ड ऑफ स्टडीज़
- एसएसएस, एडवांस स्टडीज़ इन रिसर्च समिति, सदस्य
- बाह्य सदस्य, केंद्रीय बोर्ड ऑफ स्टडीज़, सामाजिक विकास अध्ययन केंद्र।
- संकाय संगोष्ठी संचालक, गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन केंद्र (शीतकालीन सत्र, 2017)
- सदस्य, केंद्रीय बोर्ड ऑफ स्टडीज़

डॉ. जगन्नाथम बेगारी

- सहसंचालक (दिसंबर 2015 से दिसंबर 2017 तक)
- सदस्य, केंद्रीय बोर्ड ऑफ स्टडीज़
- संयोजक, सुधारात्मक कोचिंग सेल
- सदस्य, स्कूल बोर्ड ऑफ स्टडीज़, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- सदस्य, केंद्रीय बोर्ड ऑफ स्टडीज़
- संयोजक, 125वीं बी.आर. अंबेडकर जन्म दिवस समारोह समिति
- सदस्य, अनुशासन समिति, वार्षिक दिवस समारोह, 2016-17

डॉ. बेरयल आनंद

- सदस्य, केंद्रीय बोर्ड ऑफ स्टडीज़
- सदस्य, अतिथि गृह समिति

श्री. स्मृति रंजन ढल

- सदस्य, केंद्रीय बोर्ड ऑफ स्टडीज़

डॉ. प्रिय रंजन कुमार

- सदस्य, पीडबल्यूडी सेल
- सदस्य, केंद्रीय बोर्ड ऑफ स्टडीज़

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान (एसएलएल एंड सीएस), मानविकी से संबंधित विभिन्न विषयों जैसे भारतीय और विदेशी भाषाओं के अध्ययन और साहित्य और संस्कृतियों के तुलनात्मक अध्ययन में स्नातकोत्तर और अनुसंधान कार्यक्रम चलाता है। लिंग, जाति, जाति और समाज में बहिष्कार और समाज में हाशियाकरण, प्रवास संबंधी प्रश्न और प्रवशी समुदाय की अस्मिता संबंधी प्रश्न इस संस्थान द्वारा विशुद्ध अध्ययन क्षेत्र के रूप में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम हैं। इस संस्थान के सभी पाठ्यक्रम अंतरा-अनुशासनिक हैं। ये पाठ्यक्रम अभिनव प्रकृति के हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों को शिक्षण, शोध, मुद्रण (प्रिंट) और दृश्य मीडिया, प्रशासन, प्रकाशन, सम्पादन और नए उभरते हुए क्षेत्रों जैसे तकनीकी लेखन और सामाग्री विकास में छात्रों हेतु रोजगार के अवसर सृजित करते हैं।

इस संस्थान में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम चुनाव आधारित क्रेडिट प्रणाली का अनुसरण करते हैं। स्नातक, परास्नातक और एम.फिल, पीएच-डी. के कोर्स वर्क संबंधी कक्षाओं में उपस्थिति अनिवार्य है। कक्षाओं में पढ़ाए जाने वाले व्याख्यानों को छात्रों की प्रतिभागिता व समझने के स्तर को ध्यान में रखते हुए किया गया है। शिक्षक निर्देश देने हेतु संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और फिल्मों के माध्यम का भी उपयोग करते हैं। छात्रों को उनके पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के रूप में अधिन्यास, परियोजना कार्य और प्रपत्रों को नियमित रूप से जमा करना होता है। छात्रों को उनके विषय से संबंधित बिंदुओं पर प्रस्तुति/संगोष्ठी पत्र प्रस्तुति भी देनी होती है।

मूल्यांकन में छात्रों के क्लास में उपस्थित होने व क्लास के प्रदर्शन को विशेषरूप से ध्यान में रखा जाता है और इनका लाभ भी छात्रों को मिलता है। इस संस्थान के सभी केन्द्रों में विशेषज्ञों के व्याख्यान का आयोजन, कार्यशाला का आयोजन और नए-नए विषयों से जुड़े क्षेत्रों में संगोष्ठियों आदि का आयोजन होता रहता है।

यह संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन करता है :

- तुलनात्मक साहित्य में एम. फिल. और पीएच. डी.
- चीनी भाषा और संस्कृति में एम. ए. (पांच-वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम)
- जर्मन अध्ययन में एम. ए. (पांच-वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम)
- अंग्रेजी में एम. ए. (दो-वर्षीय कार्यक्रम)
- हिन्दी में एम. ए. (दो-वर्षीय कार्यक्रम)
- हिन्दी भाषा और साहित्य में एम. फिल. और पीएच. डी.

तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन केंद्र

तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन केंद्र की स्थापना सन् 2009 में हुई थी। इस केंद्र का मुख्य ध्यान तुलनात्मक साहित्य, सांस्कृतिक अध्ययन और अनुवाद अध्ययन विषय पर है। तुलनात्मक साहित्य एक अंतरानुशासनिक अध्ययन क्षेत्र है, जिसे पिछले कुछ दशकों से शैक्षणिक जगत में बहुत महत्त्व मिलना शुरू हुआ है। तुलनात्मक विश्व साहित्य, तुलनात्मक येशियाई साहित्य, अनुवाद और भाषाएं, अनुवाद अध्ययन, सांस्कृतिक विधाएं, काला विधाओं का तुलनात्मक इतिहास लेखन, लोकगीत भाषाविज्ञान और भाषा बहू-संस्कृतिवाद इस केंद्र के मुख्य विषय क्षेत्र हैं। भारत जैसे बहू-भाषी समाज के लिए एक विषय के रूप में इसकी बहुत ही प्रासंगिकता है। तुलनात्मक साहित्य थीमेटोलॉजी (धर्मशास्त्र विज्ञान), वंशावली विज्ञान, साहित्यिक इतिहास, साहित्यिक प्रभाव, और अभिग्रहण आदि पर एक विषय क्षेत्र के रूप में छात्रों को कोर (विशुद्ध) विषयों पर शोध करने हेतु प्रेरित करता है। इन विषयों के अतिरिक्त प्रदर्शन अध्ययन, थियेटर अध्ययन, फिल्म अध्ययन आदि विषय क्षेत्र भी इसमें शामिल हैं। यह केंद्र तो पाठों के बीच के तुलनात्मक अध्ययन के अतिरिक्त राष्ट्र, जाति, वर्ण, लिंग, क्षेत्र, संस्कृति आदि पर भी पाठ का विश्लेषण तुलनात्मक शोध के रूप में करवाता है। समानता और साक्षरता के बीच के संबंध के साथ-साथ प्रिंट और प्रकाशन अध्ययन पर भी तुलनात्मक साहित्य के अंतर्गत अध्ययन विषय के रूप में नए-नए शोध विषयों पर काम होता है।

संचालित होने वाले कार्यक्रम

- तुलनात्मक साहित्य में एम.फिल. और पीएच. डी.
- डाइरेक्ट (प्रत्यक्ष या सीधे रूप में) पीएच. डी.

संकाय सदस्य

डॉ. बालाजी रंगनाथन, अध्यक्ष और प्रोफेसर

इतिहास-लेखन, साहित्यिक इतिहास, मनोविश्लेषण, 19वीं शताब्दी भारतीय राजनीतिक बहस और औपनिवेशिक संस्थानों का गठन, प्रारंभिक भारत का न्यूमस्मैटिक अध्ययन, प्रारंभिक और मध्यकालीन भारतीय कांस्यों का विकास आदि इनके विशेषज्ञता के क्षेत्र हैं।

डॉ. ज़ाकिया फिरदौस, सहायक प्रोफेसर

उत्तर अमेरिकी मूल निबंध, कनाडियन साहित्य, लिंग अध्ययन, उत्तर औपनिवेशिक साहित्य, अंग्रेजी में भारतीय लेखन इनके विशेषज्ञता के क्षेत्र हैं।

सुश्री जरना माहेश्वरी, सहायक प्रोफेसर

अनुवाद अध्ययन और अभ्यास, यात्रा लेखन, औपनिवेशिक साहित्य, सार्वजनिक क्षेत्र आदि इनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र।

सुश्री निवेदिथा कलरीक्कल, सहायक प्रोफेसर

अनुवाद अध्ययन और केरल में प्रिंट (मुद्रण) का इतिहास इनके विशेषज्ञता के क्षेत्र हैं।

संपादित खंड में प्रकाशित प्रपत्र

क्र.सं.	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का नाम	किताब का नाम	प्रकाशन वर्ष/महिना /प्रकाशक का नाम और स्थान
1	कलारिक्कल, निवेदिथा	फिक्सटी ऑफ़ द ऑथर : पोस्ट-कोलोनीयलिटी एंड डिफरेंस इन एम.जी. वसंजीस नावेल इन बिटवीन द वर्ल्ड ऑफ़ विक्रम लाल एंड अरविंद अदिगास द वाइट टाइगर	क्रिटिकल पर्सपेक्टिव ऑन द पोस्ट 1980 इंडियन नावेल इन इंग्लिश इडी. बाई के.वि. रघुपथि	जुलाई / 2016 वाई किंग बूक्स, जयपुर

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला आदि में प्रस्तुत किए गए प्रपत्र

क्र.सं.	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का विषय	आयोजन समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	ज़किया फ़िरदौस	ऑन मार्जिन, कल्चर एंड आईडेंटिटी: द केस ऑफ़ माइनॉरिटी राइटिंग इन कनाडा एंड इंडिया	21वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ़ द इंटरनेशनल कम्पेरेटिव लिटरेचर एसोसिएशन	इंटरनेशनल कम्पेरेटिव लिटरेचर एसोसिएशन, यूनिवर्सिटी ऑफ़ विएना, विएना	21 जुलाई 27 जुलाई 2016
2	बालाजी रंगानाथन	क्रिटिकिंग 'पोस्टकोलोनीयल हेर्मेनेयुटिक्स'	इंटरनेशनल सेमिनार ऑन बियॉन्ड पोस्टकोलोनीयल हेर्मेनेयुटिक्स कम्पेरेटिव पर्सपेक्टिव	इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, स्कूल ऑफ़ ट्रांसलेशन स्टडीज एंड ट्रेनिंग	मार्च 3 – 5 2017

राष्ट्रीय/स्थानीय स्तरीय संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र. सं.	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का विषय	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1	बालाजी रंगानाथन	रीकॉनस्ट्रक्टिंग हिस्ट्री एंड द इंडियन इपिक	ऑन हिस्ट्री रीकॉनस्ट्रक्टेड थ्रू लिटरेचर: नेशन, आईडेंटिटी और कल्चर	आर्गनाइज्ड बाई डिपार्टमेंट ऑफ़ इंग्लिश, जय नरेन व्यास यूनिवर्सिटी, जयपुर	1-2 फ़रवरी 2017

संगोष्ठी / सम्मेलन के अलावा अन्य मान्यता प्राप्त संस्थानों में अकादमिक प्रकृति की वार्ता

क्र.सं.	नाम	प्रस्तुत वार्ता का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम दिनांक के साथ	प्रतिभागिता की प्रकृति
1	बालाजी रंगानाथन	ट्रांसलेटिंग पोएट्री विथ रेफरेंस टू रमेश पारेख	ट्रांसलेशन वर्कशॉप	रिसोर्स परसन

शोध छात्र

क्र. सं.	नाम	कार्यक्रम की प्रकृति एम.फिल./पीएच.डी.	निर्देशित छात्रों की संख्या
1.	प्रो. बालाजी रंगानाथन	एम.फिल./पीएच.डी.	3+1
2.	प्रो. अतानु भट्टाचार्या	एम.फिल./पीएच.डी.	4+2
3.	डॉ. ज़ाकिर फ़िरदौस	एम.फिल./पीएच.डी.	5+1
4.	डॉ. इस्मीत कौर	एम.फिल./पीएच.डी.	2+0

केंद्र द्वारा हस्ताक्षरित शैक्षणिक सहयोग और एमओयू

- जॉर्जिया विश्वविद्यालय (यूएसए)
- मैकमेस्टर विश्वविद्यालय (कनाडा)

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की भागीदारी

प्रोफेसर बालाजी रंगानाथन

- सीपीओआई ऑफ सीयूजी
- एंटी-रैगिंग सेल अध्यक्ष
- प्लेसमेंट सेल सह-संचालक

डॉ. ज़ाकिया फ़िरदौस

- छात्र कल्याण उप-अध्यक्ष
- सह-संचालक (एम. फिल. तुलनात्मक साहित्य जुलाई 2014-आगे तक) के लिए
- एनएएसी भ्रमण की तीन समिति के सदस्य
- खेल और सांस्कृतिक समिति, वार्षिक दिवश
- सदस्य, छात्र पत्रिका *मनसा* के संपादकीय समूह
- सदस्य, छात्र परिषदीय चुनाव हेतु अनुशासन समिति

चीनी भाषा और संस्कृति अध्ययन केंद्र

चायनीज़ भाषा और संस्कृति अध्ययन केंद्र अकादमिक सत्र 2012-13 से भाषा, विश्वविद्यालय के साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के अंतर्गत शुरू हुआ था। यह केंद्र 10+2 उत्तीर्ण किए छात्रों को चायनीज़ अध्ययन हेतु पांच वर्षीय (यूजी+पीजी) एकीकृत एम.ए. कार्यक्रम का संचालन करता है। यह कार्यक्रम दस छमाही का होता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र छः छमाही उत्तीर्ण करने के बाद चायनीज़ भाषा में बी.ए. की डिग्री प्राप्त करने हेतु योग्य हो जाता है।

पढ़ाए जाने वाले कार्यक्रम

- पांच वर्षीय एकीकृत एम.ए. कार्यक्रम

केंद्र में प्रस्तुत किए गए व्याख्यान

क्र. सं.	दिनांक	व्याख्यान का शीर्षक	व्याख्यान का विवरण
1.	21/03/2017	एन आउटलाइन ऑफ़ चाइनीज हिस्ट्री- I	प्रो. जिया हाइतो, जिनान यूनिवर्सिटी, गुआंगज़ौ
2.	21/03/2017	एन आउटलाइन ऑफ़ चाइनीज हिस्ट्री- II	प्रो. जिया हाइतो, जिनान यूनिवर्सिटी, गुआंगज़ौ
3.	22/03/2017	चाइनीज लिटरेचर इन ब्रीफ- I	प्रो. जिया हाइतो, जिनान यूनिवर्सिटी, गुआंगज़ौ
4.	22/03/2017	चाइनीज लिटरेचर इन ब्रीफ- II	प्रो. जिया हाइतो, जिनान यूनिवर्सिटी, गुआंगज़ौ
5.	23/03/2017	एसेंस ऑफ़ चाइनीज कल्चर एंड थॉट्स-I	प्रो. जिया हाइतो, जिनान यूनिवर्सिटी, गुआंगज़ौ
6.	23/03/2017	एसेंस ऑफ़ चाइनीज कल्चर एंड थॉट्स-II	प्रो. जिया हाइतो, जिनान यूनिवर्सिटी, गुआंगज़ौ
7.	24/03/2017	चाइना ओपनिंग अप एंड रिफॉर्म एंड मॉडर्नाइजेशन	प्रो. जिया हाइतो, जिनान यूनिवर्सिटी, गुआंगज़ौ
8.	24/03/2017	वन कंट्री टू सिस्टम एंड ताइवान इस्सू	प्रो. जिया हाइतो, जिनान यूनिवर्सिटी, गुआंगज़ौ
9.	25/03/2017	चाइना एंड द आउटसाइड वर्ल्ड	प्रो. जिया हाइतो, जिनान यूनिवर्सिटी, गुआंगज़ौ
10.	25/03/2017	द पार्टी एंड स्टेट: अंडरस्टैंडिंग चाइना'स एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम	प्रो. जिया हाइतो, जिनान यूनिवर्सिटी, गुआंगज़ौ

संकाय सदस्य

श्री प्रभात कुमार, समन्वयक और सहायक प्रोफेसर

चायनीज भाषा, साहित्य संस्कृति; चायनीज मीडिया और समाज; अनुवाद और निर्वचन इनकी रुचि के विषय क्षेत्र हैं।

श्री निशांत कुमार, सहायक प्रोफेसर

चायनीज भाषा, भाषाविज्ञान और साहित्य इनके रुचि के शोध क्षेत्र हैं।

श्री स्वामी कुंदन किशोर, सहायक प्रोफेसर

इनका बीएलसीयू प्रेस प्रकाशन से चायनीज भाषा में शोध आलेख प्रकाशित हुआ है।

श्री प्रशांत कौशिक, सहायक प्रोफेसर

चायनीज भाषा, अनुवाद और चीन का इतिहास इनके रुचि के अनुसंधान क्षेत्र हैं।

सुश्री प्रियंका अशोक धरगवे, सहायक प्रोफेसर

चायनीज भाषा और साहित्य इनकी रुचि के क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

राष्ट्रीय/स्थानीय स्तरीय संगोष्ठी/सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र. सं.	लेखक/कों का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का विषय	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	कुमार, निशांत	बिगिनर्स चाइनिज: अ स्टडी ऑन डिफ्फिकल्टीज ओफ़ेन फेस्ड बाई इंडियन लरनर्स	चाइनीज लैंग्वेज लर्निंग	एड्सी ट्रेनिंग कॉलेज & सेंटर पंचमढी	14-15 फ़रवरी 2017

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रिक्रेशर प्रोग्राम में भागीदारी

क्र. सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	प्रतिभागिता की प्रकृति
1.	कुमार, प्रभात	ओरिएंटेशन प्रोग्राम जे.एन.यू. नई दिल्ली	3 अक्टूबर 28 से अक्टूबर, 2016	प्रतिभागी
2.	कुमार, प्रभात	2016 सेमिनार फॉर स्कॉलर्स एंड थिंक टैंक, बीजिंग चाइना	10 मई से 30 मई 2016	प्रतिभागी
3.	धरगवे, प्रियंका अशोक	फॉरेन लैंग्वेज टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम चाइना भवन, शांतिनिकेतन	6 फ़रवरी से 19 फ़रवरी 2017	प्रतिभागी

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की भागीदारी

प्रभात कुमार

- सदस्य, अकादमिक परिषद
- सदस्य, सीएसआर, एसएलएल और सीएस

जर्मन अध्ययन केंद्र

जर्मन अध्ययन केंद्र की शुरुआत सन् 2011 में भारत में जर्मन भाषा, साहित्य और संस्कृति में ज्ञान, शिक्षण और शोध को विस्तार देने के उद्देश्य से की गयी थी। इस केंद्र के शुरुआत भारत और जर्मनी के घनिष्ठ सम्बन्धों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भी की गयी थी। यह केंद्र जर्मन में स्नातक और परास्नातक की डिग्री प्रदान करता है। वे छात्र जिन्होंने 10+2 (एआईएसएससीई) उत्तीर्ण कर लिया है वे जर्मन भाषा और संस्कृति में (बी.ए.ऑनर्स) हेतु योग्य होते हैं। जर्मन में बी.ए. करने के बाद छात्र एम.ए. का विकल्प रूप में चुनाव कर सकते हैं या फिर वे जर्मन भाषा विशेषज्ञ के रूप में काम कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम भाषा के संदर्भ के लिए सामान्य यूरोपीय फ्रेमवर्क (द कॉमन यूरोपियन फ्रेमवर्क ऑफ रिफरेंस फॉर लैंग्वेजेज सीईएफआर) के अनुसार तैयार किया गया है। जर्मन अध्ययन केंद्र द्वारा अपनाई गयी शिक्षण प्रविधि बहुत ही बोधक और छात्रों की सुविधा केन्द्रित है। इससे छात्र को उसके व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ बौद्धिक विकास हेतु भी पर्याप्त स्थान व अवसर मिलता है। यह केंद्र स्टेट-ऑफ-द-आर्ट भाषा प्रयोगशाला से सुसज्जित है। इस प्रयोगशाला का उपयोग पाठ्य पुस्तकों का आडिओ-वीडियो के रूप में उपयोग करने के अतिरिक्त जर्मन भाषा का उच्चारण उनके ही देशीय स्वर में करने हेतु एक संपर्कीय माध्यम के रूप में उपयोग किया जाता है। इसके माध्यम से जर्मन भाषा के मूल उच्चारण को सुना और समझा जा सकता है। साथ ही जर्मन भाषी देशों की संस्कृति, समाज और राजनीति पर निर्मित सूचनात्मक कार्यक्रम भी देखे जा सकते हैं। स्नातक कार्यक्रम में, छात्रों के लिए यह अनिवार्य होता है कि वे मानविकी और सामाजिक विज्ञान से संबंधित विषयों का चुनाव वैकल्पिक विषय के रूप में अपने कोर्स के साथ-साथ करें।

संचालित होने वाले कार्यक्रम

- जर्मन में पांच वर्षीय एकीकृत एम.ए.

संकाय सदस्य

डॉ. अनुष्का गोखले, सहायक प्रोफेसर और सहसंचालक

भारतीय-जर्मन संबंध, जर्मनी का लोकप्रिय कल्पित इतिहास इनके शिक्षण शोध के रुचि के विषय हैं।

डॉ. विनय कुमार डोंठूला, सहायक प्रोफेसर

डफ, भाषाविज्ञान और अनुवाद में इनकी विशेषज्ञता है।

श्री रोशन लाल जहेल, सहायक प्रोफेसर

जर्मन साहित्य, डफ और जर्मन सिनेमा इनकी रुचि के क्षेत्र हैं।

सुश्री जसप्रीत कौर लायल, सहायक प्रोफेसर

इनके अध्ययन और शोध का क्षेत्र अंग्रेजी अनुवाद से अनूदित किए जा रहे जर्मन बच्चों का साहित्य और युवा साहित्य का अनुवाद है। बच्चों और युवा साहित्य पर आधारित अनुवाद और सबटाइटलिंग की मांग पर हो रहे काम आदि भी इनकी रुचि के कार्य क्षेत्र हैं।

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समिक्षित/यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख और प्रपत्र

क्र. सं.	लेखक/कों का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन वर्ष/महिना और खंड क्र. के साथ
1.	गोखले, अनुष्का	सूचे नाच देर एर्वुनस्चें वेर्गनगेंहेइट	ज़िटाल्टरिसेन. हिस्टोरिस्चे रोमेन आईएम न्यूएन ज़िटाल्टर इन: अक्तेन देस XIII इंटरनेशनलेन जर्मनस्टेनकॉन्ग्रेस शंघाई 2015 - जर्मनिस्टिक ज़िवसचेन ट्रेडिशन एंड इन्नोवेंशन	2017, पीटर लंग वेर्लंग फ्रैंकफर्ट
2.	गोखले, अनुष्का	जर्मनिस्टिक इन इंडियन- वेज इन दि ए ज़ुकुनफ़्ट एल्स एइने ज़िस्टेस्विसस्काफ़तालिस डिस्पिलिन	अक्तेन देस XIII इंटरनेशनलेन जर्मनस्टेनकॉन्ग्रेस शंघाई 2015 - जर्मनिस्टिक ज़िवसचेन ट्रेडिशन एंड इन्नोवेंशन	2017, पीटर लंग वेर्लंग फ्रैंकफर्ट
3.	गोखले, अनुष्का	रेजन्शन जुम, ड्यूशर अकादेमिशर ऑटासचडिएनस्ट (एचआरएसजी): जर्मन स्टडीज इन इंडिया. बेथराज ऑर देर जर्मनिस्टिक इन इंडियन. नुए फॉल्ज, बैंड 4. म्यून्चेन: इउडीसीउम 2015.”	इन्फो- डाफ	2017, 31. आईएसबीएन: 978-3-86205-427-5.

संपादित खंड में प्रकाशित प्रपत्र

क्र. सं.	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का नाम	प्रकाशन वर्ष/महिना का नाम और खंड के साथ
1.	गोखले, अनुष्का	रेइसन आईम राम, रेइसन इन देर जैइट. बेजग्नेनगेन मिट इंडिसचन स्टैडेन इन डर ड्यूसचस्पाचिगेन रीइसिलीटरुएवर	रिज़ेलिटाइटर डर मॉर्डेन एंड पोस्टमोडर्न	2017/ एरिच सच्चीडट वेर्लंग, बर्लिन 9783503171293

संगोष्ठी / सम्मेलन के अलावा अन्य मान्यता प्राप्त संस्थानों में अकादमिक प्रकृति की बातचीत

क्र. सं.	नाम	प्रस्तुत बातचीत का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम दिनांक के साथ	भागीदारी की प्रकृति
1.	डी. विनय कुमार	ट्रांसलेशन ऑफ़ टेक्स्ट्स विथ कंक्रीट इकजांपल्स	इन्वाइटेड टॉक इन द डिपार्टमेंट ऑफ़ जर्मन स्टडीज, बी.एच.यू. एज पार्ट ऑफ़ द सेंटेनरी इयर 2016-17 ऑफ़ बी.एच.यू. ऑन 9.3.2016	आमंत्रित वक्ता

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रिक्रेशर प्रोग्राम में भागीदारी

क्र. सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1.	डी. विनय कुमार	रिक्रेशर कोर्स इन “सॉफ्ट स्किल्स फॉर प्रोफेशनल एक्सीलेंस”, एएससी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ हैदराबाद	17.6.2016 से 7.7.2016	प्रतिभागी
2.	गोखले, अनुष्का	6 ओरिएंटेशन प्रोग्रामी, यू.जी.सी- एचआरडीसी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी	25.07.2016 से 19.08.2016	प्रतिभागी
3.	जहेल, रोशन लाल	8 ओरिएंटेशन प्रोग्रामी, यू.जी.सी- एचआरडीसी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी	03.10.2016 से 28.10.2016	प्रतिभागी

शोध परियोजनाएं

क्र. सं.	नाम	परियोजना का नाम	फंडिंग (निधीयन) एजेंसी	स्वीकृत राशी	परियोजना की स्थिति
1.	डॉ. विनै कुमार	जर्मन तेलुगू प्रोवर्स ग्लोसरी	सीयूजी (माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट)	100000/- रु.	17.8.2017 को पूरा हुआ और (16.9.2016 को स्वीकृति मिली थी)

प्रसार, पहुँच और अन्य दूसरी समान गतिविधियां

डॉ. डी. विनय कुमार

- डॉ. डी. विनय कुमार जर्मन विभाग, वनस्थली विश्वविद्यालय, राजस्थान में एडवांस डिप्लोमा, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के 28/03/2016-31/03/2016 तक बाह्य परीक्षक थे।
- डॉ. डी. विनय कुमार जर्मन विभाग, एम एस विश्वविद्यालय, वडोदरा के भी अप्रैल 2015 से निर्धारित तिथि तक बाह्य परीक्षक थे।
- डॉ. डी. विनय कुमार जर्मन विभाग, एम एस विश्वविद्यालय, वडोदरा के अस्थाई सहायक प्रोफेसर चयन समिति 18 मई 2016, में भी शामिल थे।

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की भागीदारी

डॉ. डी. विनय कुमार

- सदस्य, कार्यकारी परिषद
- नोडल अधिकारी, आईसीटी
- सदस्य, सीएसएसआर, एएलएल और सीएस

डॉ. अनुष्का गोखले

- सदस्य, सीएसएसआर, एएलएल और सीएस

सुश्री जसप्रीत कौर लायल

- सदस्य, आदिवासी सम्मेलन 30-31 मार्च, 2017 हेतु निर्मित समिति
- सदस्य, संपादकीय समिति *मनसा* के द्वितीय संस्करण हेतु
- सदस्य, 8वें वार्षिक दिवस समारोह हेतु समिति
- सदस्य, वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17 की तैयारी हेतु निर्मित समिति

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र की स्थापना सन् 2010 में हुई थी। यह केंद्र पूर्ण-समयकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित करता है जो चार छमाही का होता है। यह पाठ्यक्रम अंग्रेजी अध्ययन के अनुशासन में बदलते स्वरूप को दर्शाता है। इस एम.ए. कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्णतः भाषा, साहित्य और संस्कृति के बारे में गंभीरता से सोचने के लिए प्रशिक्षित करना है।

संचालित होने वाले कार्यक्रम

- अंग्रेजी में एम.ए.

केंद्र पर दिए गए व्याख्यान

क्र.सं.	दिनांक	व्याख्यान का शीर्षक	व्याख्यान का विवरण
1	13 मार्च, 2017	रीडिंग बापसी सिद्धा: रीविसिटिंग अ ट्रॉमेटिक मोमेंट इन हिस्टोरिकल टाइम	प्रो. श्रीधर रेजेश्वरम, सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन बेसिक साइंसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ मुंबई.
2	1 मार्च, 2017	स्टीरियोटाइपिंग एंड डेमोनाइसिंग वीमेन: वायोलेशन ऑफ़ फीमेल आईडेंटिटी इन हिंदी सिनेमा	प्रो. नीलूफर भरुचा, यूनिवर्सिटी ऑफ़ मुंबई
3	16 -17 फ़रवरी 2017	1- बेहया: फीमेल सेक्स_स्टोरीज फ्रॉम बांग्लादेश 2- पोएट्री रीडिंग सेशन	डॉ. कथर्यन हुम्मेल, ऑस्ट्रेलिया पोएट.
4	अगस्त 2016-2 सितंबर, 2016	मर्जिनालिटी एंड लिटरेचर	टोनी डा सिल्वा, यूनिवर्सिटी ऑफ़ तस्मानिया, ऑस्ट्रेलिया. स्पॉन्सर्ड बाई एमएचआरडी अंडर ग्लोबल इनिटीएटीव ऑफ़ अकादमिक नेटवर्क (जीआईएएन)
5	29 अगस्त, 2016	मल्टीमोडलिटी एंड सोशल सेमिओटिक इन ऑनलाइन स्पेस	डॉ. प्रीत हिराधर, डिपार्टमेंट ऑफ़ इंग्लिश, लिंगनन यूनिवर्सिटी, होंग कोंग
6	23 अप्रैल, 2016	करीकेटिंग द पोलिटिकल: द कार्टून इन प्री- इंडिपेंडेंस तमिल जर्नलिज्म	डॉ. सदम झा, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, सेंटर फॉर सोशल स्टडीज, वीर नर्मद साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी, सूरत
7	16 अप्रैल 2016	इमेज ऐज टेक्स्ट	डॉ. शर्मीला सागर, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, डिपार्टमेंट ऑफ़ लिब्रल स्टडीज,

			अहमदाबाद यूनिवर्सिटी
छात्र गतिविधियाँ			
8	3 फ़रवरी 2017 से 31 मार्च, 2017	रेमेडिअल टीचिंग एट प्राइमरी गवर्मेन्ट स्कूल नं.1, सेक्ट.- 29, गांधीनगर	अंडर द स्कूल एडॉप्शन प्रोग्राम
9	18-20 जनवरी, 2017	लिटरेरी फेस्टिवल	स्टूडेंट्स ऑफ़ एम.ए. इन इंग्लिश स्टडीज़ विजिटेट द जयपुर लिटरेरी फेस्टिवल

संकाय सदस्य

डॉ. अतनु भट्टाचार्या, प्रोफेसर और अध्यक्ष

तकनीकी, अंग्रेजी भाषा और संस्कृति अध्ययन संस्थान और अध्ययन से संबंधी बात-चित इनके शोध के क्षेत्र हैं।

डॉ. रचेल बारी, प्रोफेसर और अध्यक्ष

प्रो. रचेल बारी कुवेम्पु विश्वविद्यालय, शिमोगा, कर्णाटक से प्रतिनियुक्ति पर पदस्थापित हैं। जेंडर स्टडी, दक्षिण एशियाई साहित्य, अमेरिकी साहित्य एवं अंग्रेजी में भारतीय लेखन इनके शोध के क्षेत्र हैं।

धारा के. चोटाई, सहायक प्रोफेसर

जीवन लेखन, साहित्यिक इतिहासलेखन, तुलनात्मक भारतीय साहित्य और अनुवाद अध्ययन इनकी रुचि के विषय क्षेत्र हैं। इन्होंने 19वीं शताब्दी के जीवन लेखन भारत विषय पर शोध पत्र प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित कराए हैं।

डॉ. इस्मीत कौर चौधरी, सहायक प्रोफेसर

हासिए का/से साहित्य, उत्तर-औपनिवेशिक अध्ययन, आस्ट्रेलियाई साहित्य और सिक्ख अध्ययन इनके विविध प्रकार के रुचि के विषय क्षेत्र हैं।

सुश्री अनुपमा ए., सहायक प्रोफेसर

20वीं शताब्दी का अमेरिकी साहित्य, आधुनिकतावाद, और मनोविज्ञान इनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र हैं।

प्रतिष्ठित/विशेषज्ञ समिक्षित/यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख और प्रपत्र

क्र. सं.	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन वर्ष/महिना का नाम खंड नं. के साथ
1.	बारी, रेचल	द अदर इंडिया: अ ग्लिम्स, ऐन एनलाइटेनमेंट एंड अ होप ट्रांसलेटेड इन कन्नड़ ऐज भारतंडा इन्नोडू मुखा: ज्ञानोदय मट्टू भारवसे	संवाद	सितंबर 2016 आएसएसएन 2454-6054
2.	बारी, रेचल	रिकंस्टेक्चुरलाइजिंग सेल्फ एंड लैंग्वेज: विमेन पोएट्स ऑफ साउथ एशिया	म्यूज इंडिया	अंक 71: जन.- फर. 2017
3.	कौर, इश्मीत	इमर्जिंग कांशसनेस एंड रेजिस्टेंस: रीडिंग दलित शार्ट स्टोरीज इन ट्रांसलेशन	होरिजॉस ऑफ होलिस्टिक एजुकेशन: एन इंटरनेशनल क्वार्टरली पीर रिव्यूड जर्नल	2016, जून- जुलाई, खंड 3 इस्सू 2
4.	कौर, इश्मीत	पंजाबी ट्रांसलेशन ऑफ फाये रोसा ब्लांचस इंग्लिश पोएम “हेयर” ऐज “केश”	स्पेशल इस्सू ऑफ द कोर्दिटे पोएट्री रिव्यू ऑन इंडीजेननोउस ऑस्ट्रेलियन एंड दलित इंडियन पोएट्री इन ट्रांसलेशन	2016 सितंबर
5.	कौर, इश्मीत	“अ चाइल्डलेस मदर” “रेन ड्रापस”, “बेर-हैंडेड”, “चेंज”	म्यूज इंडिया: द लिटरेरी इ-जर्नल	2016, नवंबर- दिसंबर, इस्सू 70
6.	कौर, इश्मीत	“नैरेटिंग द एक्सपीरियंस: ओरल हिस्टोरिज एंड टेस्टीमोनिएज ऑफ द 1984 एंटी-सिख कार्नेज विक्टिमस”	जर्नल ऑफ सिख एंड पंजाब स्टडीज	2016, स्प्रिंग फॉल, खंड-23; नंबर 1&2
7.	कौर, इश्मीत	रिलीजियस इनटॉलरेंस एंड सिनेमेटिक रिप्रजेंटेशनस: अ स्टडी ऑफ सिलेक्टेड शार्ट-	इंडी@लॉग्स: स्पेनिश जर्नल ऑफ इंडिया स्टडीज	2017, खंड 4

		फिल्म्स ऑन द 1984 एंटी-सिख प्रोग्राम इन इंडिया”		
--	--	---	--	--

संपादित रूप में प्रकाशित पुस्तक

क्र. सं.	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का नाम	प्रकाशन वर्ष/महिना का नाम और खंड के साथ
1.	बारी, रेचल	स्क्रिप्टिंग कल्चरल कोड्स: विमेन एंड सिनेमा	मल्टीकल्चरल एंड मर्जिनलाइज्ड वायसेज आफ पोस्टकोलोनियल लिटरेचर (वरूण गुलाटी एवं गरिमा दलाल द्वारा संपादित)	लेक्सिंग्टन बुक्स 2017 अमेरिका

लेखक के रूप में प्रकाशित हुई पुस्तकें

क्र.सं.	लेखक का नाम	किताब का शीर्षक	प्रकाशक का नाम, वर्ष, महिना और स्थान
1.	कौर, इश्मीत	टेक्स्टिंग द स्क्रिपचर: श्री गुरु ग्रंथ साहिब एंड विसिनरी पोएटिक्स ऑफ पैट्रिक वाइट	गोवा: सिन्नामोस टील: 2016 ISBN 978-93-85523-83-0

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएं, समाचार पत्र, वेब पोर्टल)

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशक का नाम, वर्ष, महिना और स्थान
1.	कौर, इश्मीत	जम्पि मोंकी एंड ब्लेकी क्रो	शार्ट स्टोरी सितंबर, 2016 एडिशन ऑफ इन्तेल्ली जेली मैगज़ीन फॉर चिल्ड्रेन
2.	कौर, इश्मीत	“जॉय ऑफ़ गिविंग”	शार्ट स्टोरी सितंबर, 2016 एडिशन ऑफ़ इन्तेल्ली जेली मैगज़ीन फॉर चिल्ड्रेन

3.	कौर, इश्मीत	“पिकनिक इन शिमला”	शार्ट स्टोरी सितंबर, 2017 एडिशन ऑफ़ इन्तेल्ली जेली मैगज़ीन फॉर चिल्ड्रेन
4.	कौर, इश्मीत	पोएम “सुकन्या”	“सुकन्या” हंस इंडिया: मौलिंग माइंड (इ पेपर) 8 जनवरी- 2017

राष्ट्रीय / क्षेत्रीय स्तर के संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रस्तुत पत्र

क्र.सं.	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का विषय	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1	भट्टाचार्या, अतनु	स्ट्रक्चरलिज़्म एंड पोस्ट स्ट्रक्चरलिज़्म	रिसर्च मेथडोलजी इन इंग्लिश	नॉलेज कंसोर्टियम ऑफ़ गुजरात, अहमदाबाद	9 अगस्त 2016
2	भट्टाचार्या, अतनु	इमाजिन्ड तैरेन : एमरजेंस ऑफ़ साइंस फिक्शन इन इंडिया	नेशनल कांफ्रेंस ऑन लिटरेरी स्टडीज	एमएसजी कॉलेज, सावित्रीबाई फूले, पुणे यूनिवर्सिटी, नासिक	6 - 7 जनवरी 2017
3	बारी, रेचल	रिकंस्टेक्चुरलाइजिंग सेल्फ एंड लैंग्वेज: विमेन पोएट्स ऑफ़ साउथ एशिया	इंटरनेशनल कंपरेटिव लिटरेचर एसोसिएशन का 21 वीं विश्व सम्मेलन	वियेना विश्वविद्यालय, वियेना, आस्ट्रिया 21-27 जुलाई 2016	21-27 जुलाई 2016
4	कौर, इश्मीत	रिप्रोच, इंप्यूनिटी एंड ह्यूमन राइट्स: अ केस स्टडी ऑफ़ सरवाइवर्स ऑफ़ मास-वायलेंस	नेशनल कांफ्रेंस ऑन सस्टेनेबल ह्यूमन डेवलपमेंट अपरच्युनिटीज एंड चैलेंजस	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात इन कोलाबोरेशन विथ गुजरात सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सोसाइटी	28 फ़रवरी, 2017
5	कौर, इश्मीत	फीमेल लाइव्स, फीमेल वॉइसेस: चैलेंजेज फेसड बाई आदिवासी इंडिया वीमेन राइटर्स एंड ऑस्ट्रेलियन एबोरिजिनल वीमेन राइटर्स	आदिवासी कम्युनिटीज: अंडरस्टैंडिंग रिलेशनशीप बिटवीन कल्चर, लिटरेचर एंड लैंग्वेज	स्कूल ऑफ़ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात, गांधीनगर एंड भाषा रिसर्च एंड पब्लिकेशन सेंटर, वडोदरा	30 - 31 मार्च, 2017

संगोष्ठी / सम्मेलन के अलावा अन्य मान्यता प्राप्त संस्थानों में अकादमिक व्याख्यान

क्र.सं.	नाम	प्रस्तुत वार्ता का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम तिथि के साथ	प्रतिभागी की प्रकृति
1.	भट्टाचार्या, अतनु	द हिज्रोमेटिक वेब: एजुकेटर्स एंड लर्नर्स इन द 21 सेंचुरी	निरमा यूनिवर्सिटी अहमदाबाद 10 अक्टूबर, 2016	आमंत्रित व्याख्यान
2.	भट्टाचार्या, अतनु	मैनेजिंग क्वालिटी इन एपीआई	वन-डे नेशनल वर्कशॉप ऑन अकादमिक परफॉरमेंस इंडीकेटर्स, हेमचंद्राचार्य नार्थ गुजरात यूनिवर्सिटी, पतन 15 दिसंबर 2016	Invited Lecture आमंत्रित व्याख्यान
3.	भट्टाचार्या, अतनु	लेक्चर्स ऑन इएलटी	भावनगर यूनिवर्सिटी, 11-12 फरवरी, 2017	आमंत्रित व्याख्यान श्रृंखला
4.	भट्टाचार्या, अतनु	युसिंग वेब 2.0 टूल्स फॉर टीचिंग एंड लर्निंग	जीएलएस यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद 4 मार्च, 2017	आमंत्रित व्याख्यान
5.	भट्टाचार्या, अतनु	डिजाइनिंग अ नीड-बेस्ड पीबीएल सिलेबस	मारवाड़ी यूनिवर्सिटी राजकोट, 24-25 मार्च, 2017	आमंत्रित मुख्य संसाधन व्यक्ति
6.	कौर, इशमीत	मॉडरेटेड सेशन ऑन ऑस्ट्रेलियन पोएट “राइटिंग फ्रॉम डाउन अंडर”	हैदराबाद लिटरेरी फेस्टिवल, हैदराबाद 27-29 जनवरी, 2017	मध्यस्थ

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रिक्रेशर प्रोग्राम में भागीदारी

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1.	चोटाई, धारा कांतिलाल	ओरिएंटेशन प्रोग्राम, एचआरडीसी, कुमाऊ यूनिवर्सिटी, नैनीताल	20 फरवरी 2017 से 21 मार्च 2017	प्रतिभागी

पुरस्कार, फेलोशिप, पुरस्कार, पेटेंट अधिकार जैसे सम्मान और उपलब्धियां

क्र.सं.	नाम	पुरस्कार आदि का विवरण तिथि के साथ
1.	कौर, इशमीत	जीआईएन कोर्स ऑन मर्जिनलिटि एंड लिटरेचर, 22 अगस्त, 2016-2 सितंबर; एमएचआरडी (8.16 लाख रु.)
2.	कौर, इशमीत	कंडक्टेड अ फिल्ड विजिट ऑन द इंटरनेशनल ट्रेवल ग्रांट आईसीएसएसआर टू ऑस्ट्रेलिया टू इंटरव्यू प्रोमिनेंट ऑस्ट्रेलियन एबोरिजिनल राइटर्स इन नवंबर 2016 (1.26 लाख रु.)
3.	कौर, इशमीत	सीड मनी ग्रांट ऑफ 1 लाख सेक्शनओड बाई सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात फॉर अ पायलट प्रोजेक्ट ऑन “(इ) राजद चैप्टर्स: रेमेम्बरिंग द टेल्स ऑफ मोडर्निंग कार्नेज ‘84” इन व्हिच एन अन्थोलोजी ऑफ लिटरेचर ऑन 1984 एंटी सिख कार्नेज इज बिईंग प्रेपेयर्ड. सबमिशन डेडलाइन दिसंबर 2017

निर्देशित शोध छात्र

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम एम.फिल./पीएच.डी. की प्रकृति,	छात्रों की संख्या
1.	भट्टाचार्या, अतनु	एम.फिल./पीएच.डी., सीसीएलटीएस	0+1
1.	कौर, इशमीत	एम.फिल., सीसीएल&टीएस	3+0

केंद्र द्वारा हस्ताक्षरित शैक्षणिक सहयोग और एमओयूज

- एमोयुज कला संकाय, तस्मानिया विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया 2016

प्रसार, पहुँच और अन्य समान गतिविधियां

प्रो. अतनु भट्टाचार्या

सदस्य, गुजरात राज्य पाठ्यक्रम बोर्ड, गांधीनगर; गुजरात लोक सेवा आयोग, गांधीनगर

डॉ. इस्मीत कौर

इन्होंने स्कूल एडोप्सन कार्यक्रम में छात्रों की टीम की अध्यक्षता की थी। छमाही 1 और छमाही 3 के छात्र स्वयं को प्राथमिक विद्यालय, सेक्टर 29 में स्थित, गांधीनगर के स्कूल एडोप्सन कार्यक्रम में शामिल करते हैं। जहां पर ये छात्रों हेतु सुधारात्मक कक्षाएँ संचालित करती हैं।

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की भागीदारी

प्रोफेसर, अतानु भट्टाचार्या

- प्रोवोस्ट, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
- सह-संचालक, एनएएसी भ्रमण हेतु स्वागत समिति

सुश्री, धारा चोटाई

- सदस्य, एनएएसी भ्रमण हेतु रिसेप्शन और स्वागत समिति
- सदस्य, 7वें वार्षिक दिवस, 12 मई 2016 अनुशासन समिति
- सदस्य, टीवी 9 गुजरात शिक्षा ईएक्सपीओ
- सदस्य, केन्द्रीय बोर्ड ऑफ स्टडीज़

डॉ. इस्मीत कौर

- सहसंचालक, स्कूल एडोप्सन कार्यक्रम

हिंदी भाषा एवं साहित्य अध्ययन केंद्र

2011 में स्थापित हिंदी भाषा एवं साहित्य अध्ययन केंद्र के तहत हिंदी विषय में एम.ए. तथा एकीकृत एम.फिल.-पी.एच.डी. के पाठ्यक्रम संचालित हैं। वर्तमान समय में रोजगार की विविध प्रकृति को ध्यान में रखते हुए इस केंद्र का पाठ्यक्रम भी तदनुकूल अभिकल्पित है। अतएव, इस केंद्र का पाठ्यक्रम साहित्य और भाषा के अंतर-अनुशासनात्मक सन्निकर्ष के साथ स्त्री, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक तथा हाशिये के समाज के विमर्शों के अध्ययन को अंतर्भूत करता है। विभिन्न सैद्धांतिक विचार-पद्धति, तुलनात्मक दृष्टिकोण, अनुवाद अध्ययन, मीडिया अध्ययन तथा आधुनिक और उत्तर-आधुनिक सिद्धांतों का संरूपण इस केंद्र के पाठ्यक्रम में आद्योपांत विरूपित हैं। केंद्र के वर्तमान उद्देश्य के निवेदन हेतु समय-समय पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मलेन, संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन केंद्र द्वारा किया जाता है। विभिन्न पत्रिकाओं में शोधालेख और पुस्तकों का प्रकाशन तथा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय परिसंवादों एवं संगोष्ठियों में प्राध्यापकों और शोधार्थियों की संयुक्त भागीदारी हिंदी भाषा एवं साहित्य के वृहत विमर्श में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है।

केंद्र द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम

- एम.ए. हिन्दी(हिंदी)
- एम.फिल.-पीएच.डी. (हिन्दी)

केंद्र द्वारा आयोजित व्याख्यान

क्रम संख्या	दिनांक	व्याख्यान का विषय	व्याख्यान का विवरण
1	17-3-2017	अनुवाद: चुनौतियां और संभावनाएं	प्रो. रणजीत साहा, दिल्ली
2	16-3-2017	अनुवाद की सीमाएं	प्रो. रणजीत साहा, दिल्ली
3	10-03-2017	दादूदयाल का संत साहित्य	प्रो. अनिल जैन, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
4	10-03-2017	मध्यकालीन संत साहित्य संग्रह ग्रन्थ	प्रो. अनिल जैन, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
5	09-03-2017	मुक्तिबोध: एक मूल्यांकन	प्रो. अजय तिवारी, दिल्ली
6	08-03-2017	उत्तर आधुनिक विचार सारणियाँ	प्रो. अजय तिवारी, दिल्ली
7	17-02-2017	तिरुवल्लुर के तिरुकुरल की सांस्कृतिक चेतना	प्रो. राजम पिल्लई, मुम्बई
8	13-02-2017	परम्परा का परिप्रेक्ष्य और आलोचना की अंतर्गता	डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय, इग्नू, दिल्ली
9	31-01-2017	विरले दोस्त कबीर के	प्रो. कैलाशनाथ तिवारी, डी.यू. दिल्ली

10	31-01-2017	उपन्यास की रचना प्रक्रिया	प्रो. कैलाशनाथ तिवारी, डी.यू. दिल्ली
11	14-04-2016	साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ	प्रो. मैनेजर पाण्डेय, दिल्ली
12	13-04-2016	विमर्शों का दौर और साहित्य का समाजशास्त्र	प्रो. मैनेजर पाण्डेय, दिल्ली

संकाय सदस्य

डॉ. अलोक कुमार गुप्त, प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता

आधुनिक हिंदी साहित्य, भारतीय साहित्य, तुलनात्मक साहित्य तथा अनुवाद सिद्धांत में गहरी रुचि।

डॉ. संजीव कुमार दुबे, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

आधुनिक हिंदी साहित्य, समकालीन हिंदी कहानी, उपन्यास तथा कविता का साम्प्रदायिकता और हाशिये के समाज के विशेष परिप्रेक्ष्य में अध्ययन। प्रयोजनमूलक हिंदी तथा हिंदी पत्रकारिता में विशेष रुचि।

डॉ. किंगसन सिंह पटेल, सहायक प्राध्यापक

स्त्री, दलित, आदिवासी तथा समकालीन कथा साहित्य शोध-रुचि का क्षेत्र। वर्तमान में 'आदिवासी समाज में पितृसत्ता' विषयक शोध परियोजना पर कार्यरत।

डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक

भाषा(हिंदी), लोक-साहित्य(भोजपुरी), पत्रकारिता, शिक्षा(प्रारंभिक शिक्षा) तथा आधुनिक कविता(हिंदी) के क्षेत्र में विशेष रुचि।

डॉ. गजेन्द्र कुमार मीणा, सहायक प्राध्यापक

आधुनिक हिंदी कविता, आदिवासी साहित्य और दलित साहित्य में विशेष रुचि।

प्रसिद्ध/विशेषज्ञ समीक्षित/यू.जी.सी.द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध-आलेख

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका	प्रकाशन माह/वर्ष
1.	गुप्त, अलोक कुमार	शमशेर की कविता के सामाजिक सरोकार	शब्दिता	जनवरी 2017
2.	गुप्त, अलोक कुमार	नैना जोगिन (रेणु) और धरती जैसा अलगाव (पन्नालाल पटेल) के स्त्री पात्र और परिवेश	भाषिकी	अप्रैल-जून 2016 अंक-64
3.	पटेल, किंगसन सिंह	महाश्वेता देवी का जीवन और साहित्य	समवेत	जुलाई-दिसम्बर 2016
4.	मीणा, गजेन्द्र कुमार	वागडी लोकगीतों में आदिवासी ऐतिहासिक सन्दर्भ	समवेत	जुलाई-दिसम्बर 2016

5.	मीणा, गजेन्द्र कुमार	आदिवासी समाज और मौताना	युद्धरत आम आदमी	नवम्बर 2016
6.	मीणा, गजेन्द्र कुमार	हिंदी उपन्यासों में आदिवासी विमर्श	युद्धरत आम आदमी	अप्रैल 2016

संपादित पुस्तकों में प्रकाशित शोध आलेख

क्रम संख्या	लेखक का नाम	लेख का शीर्षक	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशक, स्थान
1.	गुप्त, आलोक कुमार	हिंदी प्रेम कहानी की शताब्दी यात्रा पर एक दृष्टिपात	कथालोचना दृश्य-परिदृश्य	सितम्बर 2016 हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय आईएसबीएन 978-93-80172-85-9
2	पटेल, किंगसन सिंह	स्त्री पराधीनता के आयाम	शिकंजे का दर्द: दलित एवं नारी मुक्ति का यथार्थ दस्तावेज	2016 चौबे, देवेन्द्र और सरवदे, विष्णु (ईडीएस.) शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली आईएसबीएन 978-93-81610-74-9
3	तिवारी, प्रमोद कुमार	सोशल मीडिया और हिंदी	मीडिया और हिंदी: बदलती प्रवृत्तियाँ	अगस्त, 2016 वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली आईएसबीएन 978-93-5072-850-5
4	तिवारी, प्रमोद कुमार	सत्ता, संवाद और संस्कृति के बीच भाषा	भाषा, साहित्य और संस्कृति: अन्तःसंवाद	2016, सीयूजी, गांधीनगर
5	तिवारी, प्रमोद कुमार	आधुनिकता के अंतर्विरोध	नेहरू और आधुनिकता	2016, आकार प्रकाशन, दिल्ली आईएसबीएन 978-93-5002-429-4
6	तिवारी, प्रमोद कुमार	मैं कहाँ और ये बवाल कहाँ	केदारनाथ सिंह: चकिया से दिल्ली	2016, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली आईएसबीएन 978-93-5072-849-9

बतौर लेखक प्रकाशित पुस्तकें

क्रम संख्या	लेखक का नाम	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाश, स्थान
1	गुप्त, आलोक कुमार	भारतीय साहित्य और संस्कृति: अर्थ संवाद	जून 2016, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर
2	गुप्त, आलोक कुमार	भारतीय साहित्य के निर्माता: अमृतलाल नागर	जून 2016 साहित्य अकादमी, नई दिल्ली आईएसबीएन 81-260-5191-5
3	तिवारी, प्रमोद कुमार	सितुही भर समय	2016, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली आईएसबीएन 978-81-260-4789-5

अन्य प्रकाशन(पत्रिकाओं, समाचारपत्रों, वेब पोर्टल)

क्रम संख्या	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन माह/वर्ष, पत्रिका
1	तिवारी, प्रमोद कुमार	बाबा निमिया के पैर जनि केतु	मई 2016 आखर ई-पत्रिका ISSN-2395-7255
2	तिवारी, प्रमोद कुमार	भोजपुरी शास्त्रीय के पोथ प्रमाण 'भोजपुरी भाषा और साहित्य'	जून 2016 आखर ई-पत्रिका ISSN-2395-7255
3	तिवारी, प्रमोद कुमार	तोहिं के बेंची धनि भैसी ले आईब	जून 2016 आखर ई-पत्रिका ISSN-2395-7255
4	तिवारी, प्रमोद कुमार	भिखारी ठाकुर के नाटक का भोजपुरिया समाज	मार्च 2017 आखर ई-पत्रिका ISSN-2395-7255

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोध-पत्र

क्रम संख्या	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का विषय	संस्थान	दिनांक
1	गुप्त, आलोक कुमार	अभिनवगुप्त का पुनर्पाठ	अभिनवगुप्त का पुनर्पाठ	भवंस आर्ट्स एंड कॉमर्स, खानपुर, अहमदाबाद	11 सितम्बर, 2016
2	पटेल, किंगसन सिंह	दलित स्त्रीवादी कहानियाँ और सरोकार	हिंदी कहानी: नई सदी का सृजन और सरोकार	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर	16-17 जनवरी, 2017
3	पटेल, किंगसन सिंह	परदे पर स्त्री	वुमन इम्पावरमेंट: इशू एंड चैलेंजेस	जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर	23-24 मार्च, 2017
4	तिवारी, प्रमोद कुमार	दृश्याक्रांत समय में कहानी	हिंदी कहानी: नई सदी का सृजन और सरोकार	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	16-17 जनवरी, 2017
5	मीणा, गजेन्द्र कुमार	आदिवासी स्त्री के समक्ष चुनौतियाँ	वुमन इम्पावरमेंट: इशू एंड चैलेंजेस	जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर	23-24 मार्च, 2017
6	मीणा, गजेन्द्र कुमार	नई सदी की कहानियाँ और साम्प्रदायिक सन्दर्भ	हिंदी कहानी: नई सदी का सृजन और सरोकार	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	16-17 जनवरी, 2017

विभिन्न राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोध-पत्र

क्रम सं.	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का विषय	संस्थान	दिनांक
1.	गुप्त, आलोक कुमार	संत साहित्य और महामति प्राणनाथ: समसामयिक सन्दर्भ	संत साहित्य और महामति प्राणनाथ: समसामयिक सन्दर्भ	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	30, सितम्बर 2016
2.	गुप्त, आलोक कुमार	मुक्तिबोध का काव्य	मुक्तिबोध का काव्य	इंस्टिट्यूट ऑफ़ मिनेज़िस ब्रिगेंजा, गोवा	29, जुलाई 2016
3.	गुप्त, आलोक कुमार	अमृतलाल नागर और गुजरात	अमृतलाल नागर जन्म शतवार्षिकी समारोह 2016	साहित्य अकादमी, लखनऊ	20-21, अगस्त 2016

4.	दुबे, संजीव कुमार	रामचरितमानस की सामाजिक एवं शैक्षिक प्रासंगिकता	रामचरितमानस की सामाजिक एवं शैक्षिक प्रासंगिकता	एमिटी इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन, नई दिल्ली	27-29, जुलाई 2016
5.	दुबे, संजीव कुमार	समकालीन आदिवासी लेखन	समकालीन आदिवासी विमर्श: सामाजिक सांस्कृतिक परिदृश्य	मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर	07-08, अक्टूबर 2016
6.	दुबे, संजीव कुमार	रीतिकालीन गौण कवि	मध्यकालीन हिंदी गौण कवि	सौराष्ट्र विश्वविद्यालय,	24, अक्टूबर 2016
7.	दुबे, संजीव कुमार	म्यूजिक फॉर एंटरटेनमेंट	इंडियन म्यूजिक: कल्चरल एंड फिलोसोफिकल पर्सपेक्टिव	एसआईईएस कॉलेज	25-26, फरवरी 2017
8.	दुबे, संजीव कुमार	उत्तरआधुनिकता और हिंदी आलोचना	उत्तरआधुनिकता और हिंदी आलोचना	कालीकट विश्वविद्यालय	20-22, मार्च 2017
9.	दुबे, संजीव कुमार	मुक्तिबोध का सृजनात्मक गद्य	मानवाधिकारों के पैरोकार: त्रिलोचन और मुक्तिबोध	बिरला कॉलेज, कल्याण	24-25, मार्च 2017
10.	पटेल, किंगसन सिंह	आदिवासी समाज और चुनौतियां	आदिवासी कम्युनिटीज: अंडरस्टैंडिंग रिलेशनशिप बिटवीन कल्चर, लिटरेचर एंड लैंग्वेज	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, एंड भाषा वडोदरा	30-31, मार्च 2017
11.	पटेल, किंगसन सिंह	आदिवासी कविता का स्वर और सरोकार	हिंदी कविता: नई सदी का स्वर और कलेवर	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	01-02, अप्रैल 2016
12.	पटेल, किंगसन सिंह	महाश्वेता देवी का साहित्य और हाशिये का समाज	प्रतिरोधोन्महास्वर: महाश्वेता देवी	आदिवासी संशोधन एने तालीम केंद्र, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद	05, सितम्बर 2016
13.	तिवारी, प्रमोद कुमार	संकट आदिवासी समाज के अनुभवों के	आदिवासी कम्युनिटीज:	सीयुजी एंड भाषा रिसर्च वडोदरा	30-31, मार्च, 2017

		खत्म होने का है	अंडरस्टैंडिंग रिलेशनशिप बिटवीन कल्चर, लिटरेचर एंड लैंग्वेजेज		
14.	तिवारी, प्रमोद कुमार	उत्तरआधुनिकता और आदिवासी भाषाओं का सवाल	उत्तरआधुनिकता और भारतीय साहित्य	सरकारी विनयन कॉलेज, गांधीनगर	18 मार्च, 2017
15.	तिवारी, प्रमोद कुमार	गुजराती कविता की परम्परा	गुजरात महोत्सव	भारत भवन, भोपाल (एम.पी. सरकार)	31 जनवरी-07 फरवरी 2017
16.	तिवारी, प्रमोद कुमार	उच्च शिक्षा में नवाचार और विचारों की स्वतंत्रता	इन्नोवेशन इन हायर एजुकेशन	कड़ी सर्व विश्वविद्यालय, गांधीनगर	07, जनवरी 2017
17.	तिवारी, प्रमोद कुमार	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और हिंदी	मीडिया और हिंदी	कला, वाणिज्य एवं विजयन महाविद्यालय, कन्नड़, औरंगाबाद	5-6, अगस्त 2016
18.	तिवारी, प्रमोद कुमार	राजभाषा के लिए अभिनव विचार	अखिल भारतीय राजभाषा सम्मलेन और कार्यशाला, केरल	परिवर्तन जन कल्याण समिति, दिल्ली	27-28, मई 2016
19.	तिवारी, प्रमोद कुमार	अस्मिता विमर्श और हिंदी कविता	हिंदी कविता: नई सदी का स्वर और कलेवर	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	21, अप्रैल 2016
20.	मीणा, गजेन्द्र कुमार	आदिवासी उपन्यास वाया इतिहास	आदिवासी कम्युनिटीज: अंडरस्टैंडिंग रिलेशनशिप बिटवीन कल्चर, लिटरेचर एंड लैंग्वेजेज	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	30-31 मार्च 2017
21.	मीणा, गजेन्द्र कुमार	इक्कीसवीं सदी के आदिवासी उपन्यासों से गुजरते हुए	हिंदी कथा साहित्य: नई सदी का स्वर	जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान	11-12 फरवरी 2017

22.	मीणा, गजेन्द्र कुमार	इतिहास को कटघरे में खड़ा करते आदिवासी उपन्यास	समकालीन आदिवासी विमर्श: सामाजिक सांस्कृतिक परिदृश्य	मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर	7-8, अक्टूबर, 2016
23.	मीणा, गजेन्द्र कुमार	महाश्वेता देवी की कहानियों में प्रतिरोध	प्रतिरोधोनोमहास्वर: महाश्वेता देवी	गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद	सितम्बर, 2016
24.	मीणा, गजेन्द्र कुमार	नई सदी में आदिवासी इतिहास का पुनःसृजन कराती कविताएँ	हिंदी कविता: नई सदी का स्वर और कलेवर	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	2, अप्रैल 2016

केंद्र के प्राध्यापकों द्वारा प्रसिद्ध संस्थानों में दिए गये अकादमिक व्याख्यान

क्रम संख्या	नाम	व्याख्यान का विषय	कार्यक्रम का विषय/स्थान	सहभागिता
1.	गुप्त, आलोक कुमार	प्राध्यापक व्याख्यान यात्रा, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली	जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर 19-21 जनवरी 2017	विषय विशेषज्ञ
2.	गुप्त, आलोक कुमार	प्राध्यापक व्याख्यान यात्रा, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली	मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, 23-25 जनवरी 2017	विषय विशेषज्ञ
3.	गुप्त, आलोक कुमार	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	हिंदी कविता: नई सदी का स्वर और कलेवर 01-02 अप्रैल 2016	समापन सत्र की अध्यक्षता
4.	गुप्त, आलोक कुमार	हिंदी सप्ताह समारोह	जीएसआई, गांधीनगर 14-09-2016	मुख्य अतिथि
5.	गुप्त, आलोक कुमार	हिंदी सप्ताह समापन समारोह	उदयभान सिंह इंस्टिट्यूट, गांधीनगर 20-10-2016	मुख्य अतिथि
6.	गुप्त, आलोक कुमार	साक्षात्कार: 21वीं सदी की कविता	दूरदर्शन केंद्र, अहमदाबाद 25-01-2017	विषय विशेषज्ञ
7.	दुबे, संजीव	राजभाषा हिंदी	राजभाषा हिंदी सम्मलेन और	उद्घाटन सत्र में मुख्य

	कुमार		कार्यशाला,	अतिथि
8.	दुबे, संजीव कुमार	मातृभाषा	कोटा, 20 फरवरी 2017	मुख्य अतिथि
9.	पटेल, किंगसन सिंह	शोधसंवाद, जेएनयू	जेएनयू, 28 फरवरी 2017	अतिथि वक्ता
10.	तिवारी, प्रमोद कुमार	हिंदी सप्ताह समारोह	जीएसआई, गांधीनगर 18-09-2016	मुख्य अतिथि

प्रशिक्षण/अभिसंस्करण/पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में सहभागिता

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम का विषय/स्थान	कार्यक्रम की अवधि	सहभागिता
1	दुबे, संजीव कुमार	एचआरडीसी द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, पीआरएस विश्वविद्यालय, रायपुर	15-11-2016- 16-11-2016	बीज वक्ता
2	दुबे, संजीव कुमार	ब्यूरो ऑफ पार्लियामेंट्री स्टडीज एंड ट्रेनिंग द्वारा आयोजित एपीसिएशन कोर्स इन पार्लियामेंट्री प्रोसेस एंड प्रोसीजर	02-06 मई 2016	प्रतिभागी
3	दुबे, संजीव कुमार	परिवर्तन जनकल्याण समिति कोवलम, केरल द्वारा आयोजित राजभाषा हिंदी सम्मलेन एवं कार्यशाला,	26-28 मई 2016	प्रतिभागी
4	दुबे, संजीव कुमार	द एसोसिएशन ऑफ कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटीज तथा मॉरिशस यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित एचआरएम नेटवर्क कांफ्रेंस	16-19 अक्टूबर 2016	प्रतिभागी
5	पटेल, किंगसन सिंह	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	13 फरवरी से 10 मार्च 2017	प्रतिभागी
6	तिवारी, प्रमोद कुमार	एचआरडीसी द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, गुजरात विश्वविद्यालय	28 जून से 18 जुलाई 2016	प्रतिभागी

शोध-परियोजनाएँ

क्र. म. सं.	नाम	परियोजना का शीर्षक	निधियन एजेंसी	अनुमोदित राशि	परियोजना की अवस्था
1	पटेल, किंगसन सिंह	आदिवासी समाज में पितृसत्ता: 2000-2015 के हिंदी उपन्यासों के सन्दर्भ में	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	75000/-	जारी
2	तिवारी, प्रमोद कुमार	हिंदी काव्यभाषा के बदलते स्वरूपों का अध्ययन (1850 से 1936 तक)	यूजीसी/ गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	100,000	जारी
3	मीणा, गजेन्द्र कुमार	इक्कीसवीं सदी के आदिवासी जीवन केन्द्रित उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	100,000	जारी

पारितोषिक, अध्येतावृत्ति, अधिकार-पत्र आदि के रूप में प्राप्त सम्मान और उपलब्धि

क्रम संख्या	नाम	विवरण
1	दुबे, संजीव कुमार	मयन गौरव भाषा सम्मान, हड़ौती उत्सव आयोजन समिति, कोटा, राजस्थान

निर्देशित शोधार्थियों की संख्या

क्र. सं.	नाम	कार्यक्रम की प्रकृति, एम.फिल.-पीएच.डी.	निर्देशित छात्रों की संख्या
1	गुप्ता, अलोक कुमार	एम.फिल - पी-एच. डी.	1+2
2	दुबे, संजीव कुमार	एम.फिल - पी-एच. डी.	1+2
3	पटेल, किंगसन सिंह	एम.फिल - पी-एच. डी.	1
4	तिवारी, प्रमोद कुमार	एम.फिल	3
5	मीणा, गजेन्द्र कुमार	एम.फिल	2

विश्वविद्यालय प्रशासन में प्राध्यापकों की सहभागिता

प्रो. अलोक कुमार गुप्त

- अधिष्ठाता, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान
- सदस्य, कार्यकारी परिषद्
- सदस्य, अकादमिकपरिषद्-
- अध्यक्ष, हिंदी सलाहकार समिति
- अध्यक्ष, अग्रवर्ती अध्ययन एवं अनुसन्धान समिति
- सदस्य, प्रकाशन समिति
- सदस्य, नैक निरीक्षण हेतु कोर समिति
- सदस्य, नैक निरीक्षण हेतु कार्यरत समिति

प्रो. संजीव कुमार दुबे

- परीक्षा नियंत्रक
- सदस्य, पुस्तकालय समिति
- सदस्य, आन्तरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ
- विशेष आमंत्रित सदस्य, न्यायालय
- सदस्य, अकादमिक समिति
- अध्यक्ष, केंद्र अध्ययन समिति
- सदस्य, संस्थान अध्ययन समिति
- सदस्य, अग्रवर्ती अध्ययन एवं अनुसन्धान समिति

डॉ. किंगसन सिंह पटेल

- सदस्य, हिंदी सलाहकार समिति
- सदस्य, संस्थान अध्ययन समिति
- सदस्य, केंद्र अध्ययन समिति
- सदस्य, नैक समिति
- सदस्य, संविधान दिवस प्रचार समिति

डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी

- सदस्य, नैक समिति
- सदस्य, अकादमिक वर्ष 2017-18 हेतु निर्मित प्रवेश समिति
- सदस्य, केंद्र अध्ययन समिति

- सदस्य, अनुशासनिक समिति: वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता
- सदस्य, सांस्कृतिक समिति, वार्षिक सांस्कृतिक गतिविधि
- सदस्य, टीवी 9 गुजराती एजुकेशन एक्सपो समिति
- सदस्य, छात्रों की पत्रिका 'मनसा' की संपादकीय समिति
- सदस्य, संविधान दिवस आयोजन समिति

डॉ. गजेन्द्र कुमार मीणा

- सदस्य, अर्न वाईल यु लर्न स्कीम
- सदस्य, केंद्र अध्ययन समिति

सिन्धी भाषा एवं साहित्य अध्ययन केंद्र

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में सिन्धी भाषा एवं साहित्य केन्द्र की स्थापना 12 अप्रैल 2016 को हुई। इसके तहत गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय सिन्धी भाषा विकास परिषद के बीच एक करार पर हस्ताक्षर हुआ। इसके तहत एक जमा निधि (कार्पस फंड) निर्मित की गई जिसके ब्याज से केंद्र का सुचारु संचालन करने का निर्णय लिया गया। प्रो. संजीव कुमार दुबे ने इस केन्द्र के निदेशक का कार्यभार संभाला। यह तय किया गया कि सिन्धी भाषा एवं साहित्य केन्द्र, सिन्धी अध्यापकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन एवं अनुवाद अध्ययन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन करेगा। इसके अतिरिक्त यह समय-समय पर संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का भी आयोजन करेगा।

इस केन्द्र ने दिनांक 26-5-2016 को 'गुजरात में सिन्धी भाषा का अध्ययन-अध्यापन : चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर एक सफल परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में राष्ट्रीय सिन्धी भाषा विकास परिषद, दिल्ली की उपाध्यक्ष श्रीमती अरुणा जेठवानी मुख्य अतिथि थीं। सिन्धी के कई मान्य विद्वानों ने परिचर्चा में हिस्सा लिया।

अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

यह संस्थान भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधी ज्ञान के संघटन व नियोजन की विविधता को उन्नत करने की अवधारणा पर अभिकल्पित है। इसका वर्तमान उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत ज्ञान में नवीनता और प्रासंगिकता को निर्मित करना है। आने वाले वर्षों में, संस्थान का प्रयोजन आधुनिक भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा सुरक्षा अध्ययन के सभी क्षेत्रों में इतिहास, सिद्धांत और समाजशास्त्र के सभी पहलुओं को समाहित करते हुए शोध के क्षेत्र में नवीन अनुशीलन करना है। विश्व के वृहत परिदृश्य के साथ गुजरात के ऐतिहासिक संबंधों से अभिज्ञ यह संस्थान भारतीय व्यापार, संस्कृति और सुरक्षा के अंतः सम्बन्धी प्रभावों का अन्वेषण भी करता है। अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध सिद्धांत, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और प्रगति, अंतर्राष्ट्रीय विधि-विधान और भूमंडलीकरण जैसे पारंपरिक शोध-क्षेत्र के अतिरिक्त यह संस्थान अंतर्राष्ट्रीय संबंध के नए अध्ययन क्षेत्रों के विविध आयामों के साथ इस क्षेत्र के नए निकष भी खोलता है। भौगोलिक क्षेत्र अध्ययन के साथ भारत के पड़ोसी देशों के साथ संबंधों का अध्ययन इस संस्थान का त्वरित उद्देश्य है। इस संस्थान के केंद्र और प्रायोजित पाठ्यक्रम अंतर-अनुशासनात्मक प्रकृति के साथ भारतीय परिप्रेक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन को महत्व देता है।

संस्थान द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम

- एम.ए. (राजनीति एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध)
- एकीकृत एम.फिल. – पी.एच.डी. (सुरक्षा अध्ययन)
- एकीकृत एम.फिल. – पी.एच.डी. (अंतर्राष्ट्रीय राजनीति)

सुरक्षा अध्ययन केंद्र

2009 में आन्तरिक सुरक्षा अध्ययन केंद्र के रूप प्रस्थापित इस केंद्र का पुनःनामकरण सुरक्षा अध्ययन केंद्र के तौर पर 2012 में हुआ। नए अकादमिक वर्ष में यूजीसी द्वारा स्वीकृति प्राप्त करने के बाद इस केंद्र को राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन केंद्र के रूप में अग्रेनीत करने की योजना है। पश्चिमी भारत में यह खुद में एक ऐसा पहला केंद्र है, जहाँ राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के मुद्दों पर सारा अध्ययन केन्द्रित है। सुरक्षा के बहु-विषयक मुद्दों और विविध अनुशासनों के माध्यम से सुरक्षा के जटिल और बहुधा अंतरसम्बन्धी मुद्दों को सैद्धांतिक, प्रयोगसिद्ध और आलोचनात्मक तरीके से ज़िम्मा इस केंद्र का मूल उद्देश्य है।

केंद्र का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा अध्ययन के प्रचलित सिद्धांतों के प्रसारित करने के साथ-साथ अध्ययन और अनुसन्धान के माध्यम से सुरक्षा अध्ययन के नए परिदृश्य का अन्वेषण करना भी है। शोधार्थियों की नयी पीढ़ी के साथ सुरक्षा विमर्श के विश्लेषकों को तैयार करने के साथ-साथ केंद्र की महत्वकांक्षा इस विषय के प्रति लोगों की दिलचस्पी को भी बढ़ावा देना है।

केंद्र द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम

- एकीकृत एम.फिल. – पी.एच.डी. (सुरक्षा अध्ययन)

केंद्र द्वारा आयोजित व्याख्यान

क्रम संख्या	दिनांक	व्याख्यान का विषय	व्याख्यान का विवरण
1	22 अप्रैल 2016	इंडियाज डिफेन्स एंड सिक्यूरिटी पॉलिसीस: एन ओवर व्यू	डॉ. राजेश्वरी पी. राजगोपालन, आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली
2	29 अप्रैल 2016	न्युक्लीयर इश्यूज इन साउथ एशिया	डॉ. सीताकांत मिश्रा, पीडीपीयू, गांधीनगर

3	3 मार्च 2017	इंटरनेशनल लॉ	डॉ. गिरीश कुमार, महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम
4	3 मार्च 2017	रिसर्च मेथोडोलोजी इन सोशल साइंस	डॉ. राजन कुमार, जेएनयू, नई दिल्ली
5	28 मार्च 2017	इंडियाज इंटरनल सिक्यूरिटी चैलेंजेज	डॉ. विनोद के मॉल (आईपीएस) एडीजीपी, गुजरात पुलिस
6	30 मार्च 2017	इंटरनल सिक्यूरिटी एंड पुलिस रीफार्म	डॉ. विनोद के मॉल (आईपीएस) एडीजीपी, गुजरात पुलिस

संकाय सदस्य

डॉ. संजय कुमार झा, प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, राष्ट्रीय सुरक्षा, आन्तरिक सुरक्षा यथा विद्रोह, आतंकवाद, माओवाद- संघर्ष प्रबंधन एवं समाधान, दक्षिण एशिया की राजनैतिक और सुरक्षा तथा सीमा प्रबंधन सम्बन्धी विषयों में विशेष रुचि। कई पुस्तकों और विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में शोध-आलेखों का प्रकाशन। विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और कार्यशालाओं में भागीदारी।

डॉ. नोंगमैथेम मोहनदास सिंह, कार्यक्रम समन्वयक तथा सहायक प्राध्यापक

राष्ट्रीय सुरक्षा और उत्तर-पूर्व भारत, संघर्ष अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध- रूस और मध्य एशिया, सुरक्षा और विकास के क्षेत्र में विशेष रुचि। कई राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में हिस्सेदारी।

डॉ. किशोर जोश, सहायक प्राध्यापक

गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियाँ, उर्जा सुरक्षा और मध्य एशिया- राजनीति और समाज विषय में गहरी रुचि।

डॉ. मानसी सिंह, सहायक प्राध्यापक

यूरोपीय यूनियन बाह्य संबंध, सुरक्षा के बहुपक्षीय अध्ययन, वैश्विक शासन प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा, भारतीय विदेश नीति के क्षेत्र में विशेष रुचि।

डॉ. विजेंद्र सिंह, सहायक प्राध्यापक

भारतीय राजनीति, राजनैतिक सिद्धांत, राजनैतिक विचार और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों में रुचि।

प्रसिद्ध/विशेषज्ञ समीक्षित/यू.जी.सी.द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध-आलेख

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख का शीर्षक	पत्रिका	प्रकाशन माह/वर्ष, अंक
1.	शर्मा, इन्द्रजीत; मो. आरिफ राथेर तथा एन. मोहनदास	इंडियाज लुक-ईस्ट पॉलिसी एंड नार्थ-ईस्ट इंडिया: प्रोस्पेक्ट्स चैलेंजेज	मैन एंड सोसाइटी	Vol: XI, 2016
2	जोश, किशोर तथा पर्वती के. अय्यर	एनर्जी एंड एनवायरनमेंट: बियांड फॉसिल फ्यूल इश्यूज	यूरोपियन अकेडमिक रिसर्च	Vol: III (12) 2016

3	जोस, किशोर तथा पर्वती के. अय्यर	इंडियाज एनर्जी पॉलिसी ओब्जेक्टिवेस: एन ओवरव्यू	यूरोपियन अकेडमिक रिसर्च	Vol: III (10) 2016
---	---------------------------------	--	-------------------------	-----------------------

संपादित पुस्तकों में प्रकाशित शोध आलेख

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख/ प्रपत्र का शीर्षक	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशक
1	झा, संजय कुमार	इमर्जिंग काउंटर्स ऑफ़ इंडिया-पाकिस्तान रिलेशन	इंडिया फॉरेन पालिसी एंड डिप्लोमेसी: इमर्जिंग सिनेरियो एंड चैलेंजेज	2017, न्यू सेंचुरी पब्लिकेशन, नयी दिल्ली
2	सिंह, मानसी	इयु डेमोक्रेसी प्रमोशन इन द नैबरहुड: रिनिगोशिफ़्टिंग द फ्रेमवर्क पोस्ट अरब स्प्रिंग	डेमोक्रेसी एंड सिविल सोसाइटी इन अ ग्लोबल एरा	2016, रॉउटलेज, न्यूयार्क

अन्य प्रकाशन(पत्रिकाओं, समाचारपत्रों, वेब पोर्टल)

क्रम संख्या	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशक संस्था
1	सिंह, मानसी	कोर्स मोड्यूल ऑन कन्स्ट्रक्टिंग द मस्कूलिन एंड फेमिनिन” ऑफ द पेपर एंटाइटिल्ड: वीमेन, कंफ्लिक्ट एंड मिलिट्रीआइजेसन	2016, वेबसाइट ऑफ़ ईपीजी पाठशाला, एन एमएचआरडी प्रोजेक्ट

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोध-पत्र

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का विषय	संस्थान	दिनांक
1	झा, संजय के.	ग्लोबलाईजेसन एंड इनोवेशन इन इंडियन डिफेन्स सेक्टर	ग्लोबलाईजेसन एंड इंडियाज इनोवेशन सिस्टम: अ ‘क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन’?	महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल	4-6 फरवरी, 2017
2	झा, संजय के.	इनोवेशन इन इंडियन इंडस्ट्री सत्र की अध्यक्षता	ग्लोबलाईजेसन एंड इंडियाज इनोवेशन सिस्टम: अ ‘क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन’?	महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल	4-6 फरवरी, 2017
3	झा, संजय के.	द ईमर्जिंग जियो-स्ट्रेटेजिक कांटूरस	इंडिया-चाइना एंड द न्यू सिल्क रोड इनिशिएटिवस:	महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय,	11-12, नवम्बर, 2016

		ऑफ द ओबीओआर चैलेंजेज एंड ऑपर ट्युनिटी फॉर इंडिया	चैलेंजेज एंड ओपोर्चुनिटीज	कोट्टायम, केरल	
4	झा, संजय के.	इंडो-चाइना को-ऑपरेशन इन 21 सेंचुरी सत्र की अध्यक्षता	इंडिया-चाइना एंड द न्यू सिल्क रोड इनिशिएटिवस: चैलेंजेज एंड ओपोर्चुनिटीज	महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल	11-12 नवम्बर, 2016

विभिन्न राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोध-पत्र

क्रम संख्या	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला का विषय	संस्थान	दिनांक
1	झा, संजय के.	इंडिया एंड ग्लोबल टेरिज्म: एन असेसमेंट ऑफ कोऑपरेशन एट मल्टीलेटरल इंस्टीट्यूसनस	इंडिया इन द 21 सेंचुरी: गवर्नमेंस एंड फॉरेन पॉलिसी इम्परेटिव्स	मुंबई विश्वविद्यालय	19-20, दिसम्बर 2016
2	सिंह, एन. मोहनदास	सिक्क्यूरिटी एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट सत्र की अध्यक्षता	सस्टेनेबल ह्यूमन डेवलपमेंट फ्रेमवर्क एंड ओपोर्चुनिटीज एंड चैलेंजेज, एक दिवसीय सेमीनार	गुजरात विश्वविद्यालय	28, फरवरी 2017

केंद्र के प्राध्यापकों द्वारा प्रसिद्ध संस्थानों में दिए गये अकादमिक व्याख्यान

क्रम संख्या	नाम	व्याख्यान का विषय	कार्यक्रम का विवरण	सहभागिता
1.	सिंह, एन. मोहन दास	केस स्टडीज: डिजाइन एंड मेथड्स	आईएसएसआर तथा इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय, अमरकंटक के तत्वावधान में आयोजित सामाजिक विज्ञान के पी-एच.डी शोधार्थियों हेतु दस दिवसीय अनुसन्धान प्रक्रिया कार्यशाला	रिसोर्स पर्सन

प्रशिक्षण/अभिसंस्करण/पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में सहभागिता

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम का विषय	कार्यक्रम की अवधि	सहभागिता
1	झा, संजय के.	एचआरएम नेटवर्क ट्रेनिंग प्रोग्राम	17-20 अक्टूबर, 2016	एसोसिएशन ऑफ कॉमन वेल्थ, मॉरिशस

				विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के नामित सदस्य के तौर पर प्रस्तुत
2	झा, संजय के.	नेशनल सेमिनार ऑन ग्लोबलाइजेशन एंड इंडियाज इनोवेशन सिस्टम: अ क्रियेटिव डिस्ट्रिक्शन	4-6 फरवरी 2017	सत्र की अध्यक्षता
3	झा, संजय के.	नेशनल सेमिनार ऑन इंडिया-चाइना एंड द न्यू सिल्क रोड इनिशिएटिव्स: अ क्रियेटिव डिस्ट्रिक्शन	28 फरवरी 2017	सत्र की अध्यक्षता
4	सिंह, एन.	वन डे नेशनल सेमिनार ऑन सस्टेनेबल ह्यूमन डेवलपमेंट फ्रेमवर्क एंड ओपरचुनिटीज एंड चैलेन्जेज, सीयूजी, गांधीनगर	28 फरवरी 2017	सत्र की अध्यक्षता
5	सिंह, मानसी	अनुसन्धान प्रविधि पुनश्चर्या पाठ्यक्रम एचआरडीसी, जेएनयू	13 फरवरी से 10 मार्च 2017	प्रतिभागी

निर्देशित शोधार्थियों की संख्या

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम	शोधार्थियों की संख्या
1	प्रो. संजय कुमार झा	एम.फिल	2
		पी-एच. डी.	7
2	डॉ. एन. मोहनदास सिंह	एम.फिल	1
		पी-एच. डी.	6
3	डॉ. किशोर जोश	एम.फिल	1
		पी-एच. डी.	7
4	डॉ. मानसी सिंह	एम.फिल	1

		पी-एच. डी.	5
5	डॉ. विजेंद्र सिंह	एम.फिल	1 (सह-शोध निर्देशक)
		पी-एच. डी.	शून्य

विश्वविद्यालय प्रशासन में प्राध्यापकों की सहभागिता

प्रो. संजय कुमार झा

- अधिष्ठाता, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- वित्त अधिकारी
- छात्र कल्याण अधिष्ठाता
- सदस्य, आईक्यूएसी
- पदेन सचिव, वित्त समिति
- अध्यक्ष, प्रवेश समिति
- सदस्य, अकादमिक परिषद्
- सदस्य, कार्यकारी परिषद्
- अध्यक्ष, संस्थान अध्ययन समिति
- अध्यक्ष, केंद्र अध्ययन समिति
- अध्यक्ष, सीएएसआर, एसआईएस

डॉ. एन. मोहनदास सिंह

- कल्याण अधिकारी, उत्तरपूर्व छात्रों हेतु-
- पाठ्यक्रम समन्वयक, सुरक्षा अध्ययन केंद्र
- सदस्य, संस्थान अध्ययन समिति
- सदस्य, केंद्र अध्ययन समिति
- सदस्य, सीएएसआर, एसआईएस
- सदस्य, वास्तविक स्कंध प्रमाणन समिति

डॉ. किशोर जोश

- वरिष्ठ छात्रावास संरक्षक
- सदस्य, संस्थान अध्ययन समिति
- सदस्य, केंद्र अध्ययन समिति
- सदस्य, सीएएसआर, एसआईएस
- सदस्य, अकादमिक समिति

डॉ. मानसी सिंह

- पाठ्यक्रम समन्वयक, एम.ए. (राजनीति एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध), एसआईएस
- सदस्य, संस्थान अध्ययन समिति
- सदस्य, केंद्र अध्ययन समिति
- सदस्य, सीएसआर, एसआईएस
- सदस्य, आईक्यूएसी
- सदस्य, आन्तरिक शिकायत समिति
- सदस्य, खेल परामर्श समिति
- सदस्य, वार्षिक प्रतिवेदन समिति 17-2016

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अध्ययन केंद्र

इस केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में एकीकृत एम.फिल.-पी.एच.डी. पाठ्यक्रम प्रस्तुत है। केंद्र की अकादमिक गतिविधियाँ अंतर्राष्ट्रीय संबंध विषय की अकादमिक संरचना के भीतर ही संघटित होती हैं। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत और अभ्यास में शिक्षण और अनुसन्धान केंद्र का मुख्य प्रयोजन है। इस केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अध्ययन का प्रक्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध सिद्धांत, अंतर्राष्ट्रीय इतिहास, दक्षिण एशिया के अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, अंतर्राष्ट्रीय राजनैतिक अर्थशास्त्र के विविध आयाम तथा सुरक्षा, संघर्ष और शासनप्रणाली के मुद्दे आदि हैं। इस केंद्र के संकाय सदस्यों/प्राध्यापकों ने भी भारत और दक्षिण एशिया के संबंधों के क्षेत्र में विशेष कार्य किया है। इस केंद्र का पाठ्यक्रम अनुसन्धान पद्धति, अंतर्राष्ट्रीय संबंध के सिद्धांत और संकाय सदस्यों द्वारा उनकी विशेषज्ञता के अनुरूप दो सेमेस्टरों में विभाजित है। केंद्र शोधार्थियों को प्रोत्साहित करता है जिससे वर्तमान के साग्रह और नीति-सम्मत ज्ञान परंपरा में कुछ योगदान दिया जा सके। केंद्र के शोधार्थियों द्वारा अब तक अंतर्राष्ट्रीय राजनैतिक अर्थशास्त्र, भारत की विदेश नीति तथा संघर्ष, राजनैतिक आधुनिकीकरण तथा दक्षिण एशियाई सुरक्षा परिदृश्य सम्बन्धी मुद्दों पर शोधकार्य किया जा चुका है।

केंद्र द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम

- एकीकृत एम.फिल. – पी.एच.डी. (अंतर्राष्ट्रीय राजनीति)
- एम.ए. (राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध)

केंद्र द्वारा आयोजित व्याख्यान

क्रम संख्या	दिनांक	व्याख्यान का विषय	व्याख्यान का विवरण
1.	22 अप्रैल, 2016	इंडियाज आउटर-स्पेस, डिफेन्स एंड नेशनल सिक्यूरिटी मेटर्स	डॉ.राजेश्वरी पिल्लई राजगोपालन, ओआरएफ़, नयी दिल्ली
2.	29 अप्रैल, 2016	न्यूक्लियर अफेयर्स	डॉ. सीताकांत मिश्र, पीडीपीयु, गांधीनगर
3.	16 सितंबर, 2016	रिपरजेंटिंग असामीज: अ नाइनटिथ सेंचुरी पर्सपेक्टिव	डॉ. मधुमिता सेनगुप्ता, आईआईटी, गांधीनगर
4.	29 सितंबर, 2016	अर्चैयोलॉजी इन द प्रेजेंट: इट्स ट्रांसेक्शन विथ द पब्लिक	रेचल वगीर्ज, डॉक्टरल शोधार्थी, इतिहास अध्ययन केंद्र, जेएनयु

संकाय सदस्य

डॉ. अतुल मिश्र, सहायक प्राध्यापक और कार्यक्रम समन्वयक

दक्षिण एशिया के राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया, आधुनिक दक्षिण एशिया के अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांत, भारत की विदेश नीति तथा राजनैतिक सिद्धांतों और व्यवहारों का उदय जैसे विषयों में गहरी रुचि।

डॉ. सौरभ शर्मा, सहायक प्राध्यापक

शांति अध्ययन, उत्तरोत्तर संघर्ष शासन, आतंकवाद, दक्षिण और मध्य एशिया के देशों में छोटे हथियारों की तीव्र वृद्धि तथा नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे गंभीर विषयों में रुचि।

सम्पादित पुस्तकों में प्रकाशित शोध-आलेख

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशक
1.	डूमनिया, मयूर तथा सौरभ शर्मा	आर्म्ड कंफ्लिक्ट इन श्रीलंका एंड इंटरनेशनल ह्यूमेनिटेरियन लॉ: अ क्रिटिकल स्टडी	पर्सपेक्टिव इन इंडिया नेशनल सिक्यूरिटी चेलेंजेज: एकसटर्नल एंड इंटरनल डाइमेंशन्स, संपादक- शिवेंद्र शाही तथा अमर सिंह	पेंटागन प्रेस, नयी दिल्ली, 2016

केंद्र के प्राध्यापकों द्वारा प्रसिद्ध संस्थानों में दिए गये अकादमिक व्याख्यान

क्रम संख्या	नाम	व्याख्यान का शीर्षक	कार्यक्रम का विषय	सहभागिता
1	डॉ. सौरभ शर्मा	गवर्नेंस एंड इंटरनेशनल स्टडीज	टीचिंग, लर्निंग, इवैल्यूएशन, रिसर्च एंड कंसल्टेंसी इन ह्यूमेनिटिज एंड सोशल साइंस, I2IM, 13-18, जून, 2016, चरोतर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी	अतिथि व्याख्यान
2	डॉ. सौरभ शर्मा	टीचिंग, लर्निंग एंड इवैल्यूएशन गवर्नेंस इन इंटरनेशनल स्टडीज	टीचिंग, लर्निंग, इवैल्यूएशन, रिसर्च एंड कंसल्टेंसी इन ह्यूमेनिटिज एंड सोशल साइंस, I2IM, 13-18, जून, 2016, चरोतर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी	अतिथि व्याख्यान

शोध-परियोजनाएँ

क्रम संख्या	नाम	शोध-परियोजना का शीर्षक	निधिबंध संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना की अवस्था
1	डॉ. सौरभ शर्मा	डिस्ट्रिक्ट ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट	गुजरात सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सोसाइटी, गुजरात सरकार	6 लाख	जारी

निर्देशित शोधार्थियों की संख्या

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम	निर्देशित शोधार्थियों की संख्या
1	डॉ. अतुल मिश्रा	एम.फिल.-पी-एच.डी.	3+6
2	डॉ. सौरभ शर्मा	एम.फिल.-पी-एच.डी.	7+1

जीवन विज्ञान संस्थान

2010 में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वतंत्र संस्थान के रूप में स्थापित जीवन विज्ञान संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-प्रशिक्षण तथा जीव विज्ञान के क्षेत्र में उन्नत शोध को प्रोत्साहित करता है। संस्थान द्वारा एम.एस.सी. तथा एम्.फिल-पी-एच.डी. का पाठ्यक्रम प्रस्तुत है। एम.एस.सी. के विद्यार्थी जीवन विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों के शिक्षण के साथ-साथ उन्नत उपकरणों तथा तकनीकों के माध्यम से आधुनिक जीवन विज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं, जबकि एम.फिल-पी-एच.डी. के शोधार्थी एकवर्षीय कोर्सवर्क के साथ तकनीक और अनुसन्धान सिद्धांत के कई परिप्रेक्ष्यों के साथ जीवन विज्ञान के क्षेत्र में शोध की विशिष्ट परिकल्पना को प्रकल्पित करते हैं। अंतर-अनुशासनात्मक, विस्तारपूर्ण, समेकित तथा जीवविज्ञान और भौतिक विज्ञान की अंतरापृष्ठ प्रकृति के साथ सुसज्जित केंद्रीय यांत्रिक सुविधा के अधिगम के साथ अग्रणी प्रयोग और उन्नत शोध की विधि प्रदान करता है।

संस्थान द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम

- एमफिल –पीएचडी एकीकृत पाठ्यक्रम
- एम एस सी (जीवन विज्ञान)

संस्थान द्वारा आयोजित व्याख्यान

क्रम संख्या	दिनांक	व्याख्यान का विषय	व्याख्यान का विवरण
1.	3-5 नवम्बर 2016	इकोलॉजी एंड इवैल्यूएशन	प्रो.के.के.शर्मा, पूर्व-कुलपति, एमडीएस विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान
2.	9-12 दिसम्बर 2017	डेवेलपमेंटल बायोलॉजी	प्रो.के.के.शर्मा, पूर्व-कुलपति, एमडीएस विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान
3.	12-14 मार्च 2017	एनिमल फिजियोलॉजी	प्रो.के.के.शर्मा, पूर्व-कुलपति, एमडीएस विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान

संकाय सदस्य

डॉ. जे.पी.एन. मिश्र, प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता

स्लीप एंड क्रिकेटिडियन रिदम फिजियोलॉजी, न्यूरोइंडोक्रिनोलॉजी, मेटाबोलिक एंड स्ट्रेस बॉर्न डिसऑर्डर, सेल मेडियेटेड एंड ह्यूमोरल इम्युनिटी, रिसपायेट्री पैथोफिजियोलॉजी के क्षेत्र में विशेष रुचि।

डॉ. उमेश सी.एस. यादव, सहायक प्राध्यापक एवं रामानुजम फेलो

मेटाबोलिक डिसऑर्डर एंड इन्फ्लेमेटरी डिजीज के अतिरिक्त डायबिटिक एंड कार्डियोवेस्कुलर कॉम्प्लीकेशन एंड अस्थमा तथा सीओपीडी के क्षेत्र रुचि का विषय।

डॉ. राजेश वसिता, सहायक प्राध्यापक

टिशू इंजीनियरिंग तथा नैनो-बायोमटेरियल के क्षेत्र में विशेष रुचि।

डॉ. सुनीता पटेल, सहायक प्राध्यापक

बायोकेमिस्ट्री, बायोफिजिकलकेमिस्ट्री, आरएनए-प्रोटीन अन्योन्यक्रिया, प्रोटीनकेमिस्ट्री तथा स्पेक्ट्रोस्कोपी के क्षेत्र में रुचि।

डॉ. स्वाति जोशी, सहायक प्राध्यापक

इंडस्ट्रियलमाइक्रोबायोलॉजी तथा बायोटेक्नोलॉजी, मेटाजेनोमिक्स, एक्सट्रीमोजाइम रिसर्च, प्रोटीन इंजीनियरिंग, हेट्रोलोजस प्रोटीन एक्सप्रेशन सिस्टम तथा डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग जैसे विषयों में रुचि।

डॉ. निशांत एस.जुन्नारकर, सहायक प्राध्यापक

बायोरिमेडीएशन, माइक्रोबियल डीग्रेडेशन ऑफ़ जिनोबायोटिक्स, वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट, एन्जॉयमोलाजी ऑफ़ जिनोबायोटिक्स डीग्रेडेशन विशेष अध्ययन का क्षेत्र।

प्रसिद्ध/विशेषज्ञ समीक्षित/यू.जी.सी.द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध-आलेख

क्रम सं.	लेखक का नाम	आलेख का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन माह/वर्ष, खंड
1.	श्यान्ती, रितिश. के., सेहरावत, अनुराधा, सिंह, शिवेंद्र वी., मिश्रा, जे.पी.एन.	जेरुमबोन मोड्युलेट्स CD 1D एक्सप्रेशन प्रेजेंटेशन पाथवे इन ब्रेस्ट कैंसर सेल्स	टॉक्सिकोलॉजी इन विट्रो	2017, 44
2.	यादव यु.सी., रानी वी, दीप जी., सिंह आरके, पाले, के.	ओक्सीडेटीव स्ट्रेस इन मेटाबोलिक डिसऑर्डरस: पेथोजेनेसिस, प्रिवेंशन एंड थेराप्यूटिक्स	ऑक्सीडेटीव मेडिसिन एंड सेलुलर लॉजिस्टिक्स	2016
3.	रानी वी., दीप, जी, सिंह, आर के, पाले, के., यादव, यु.सी	ओक्सीडेटीव स्ट्रेस एंड मेटाबोलिक डिसऑर्डरस: पेथोजेनेसिस एंड थेराप्यूटिक स्ट्रेटेजीज	लाइफ साइंसेज	2016, 148
4.	वर्गिज जे.एफ., पटेल, आर., यादव यु.सी.	मेटाबोलिक सिंड्रोम: अ फॉररनर ऑफ़ कार्डियोवेस्कुलर डिजीज	एडोरियम जर्नल ऑफ़ बायोकेमिस्ट्री	2017, 2
5.	झाला ध्वनि, राथेर हिलाल, वासिता राजेश	पालीकैप्रोलैक्टोन-चिटोस नैनोफाइबर इन्फ्लुएंस सेल मोर्फोलोजी टू इंडीयुस ओस्टोजेनिक डिफरेंसशीएशन	बायोमटेरियल साइंस	4, 2016.
6.	फदातरे पी., जोशी, एस., सत्यनारायण टी.	रिकोम्बिनेंट थर्मो-अल्कली-स्टेबल इंडोग्लूकानएस ऑफ़ माईसेलियोपथोरा थर्मोफिलिया BJA(rMT-egl): बायोकेमिकल कैरेक्टरिस्टिक एंड एप्लीकेबिलिटी इन एंजाइमेटिक सेकरीफीकेशन ऑफ़ एग्रो-प्रोडक्ट्स	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोलोजिकल मैक्रोमोलीक्युल्स	2017
7.	बाजपेयी, ए., सिंह, बी.,	प्रोडक्शन एंड कैरेक्टराइजेशन	प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द	2017

	जोशी, एस., जोहरी, बी.एन.	ऑफ़ एन एंटीफंगल कंपाउंड फ्रॉम शुडोनोमस प्रोटेजीस स्ट्रेन W45	नेशनल अकेडमी ऑफ़ साइंसेज, इंडिया सेक्शन बी: बायोलोजिकल साइंसेज	
8.	दुआ, ए., जोशी, सत्यनारायण टी.	बायोकेमिकल फीचर्स ऑफ़ द कांसटीट्युविली एक्सप्रेस्ड रिकॉम्बिनेंट एक्सोचीटीनेश ऑफ़ मायसीलियोपथोरा ऑफ़ मायसिलियोपथोरा थर्मोफिलिया	बायोटेक्नोलॉजी प्रोग्रेस	2016
9.	रत्नू, जी., जोशी, एस., सत्यनारायण टी.	बायोफंक्शनल रिकॉम्बिनेंट सेलूलेज-जाइलेनेज(rBhcell-xyl) फ्रॉम द पालीएक्सट्रीमोफिलिक बैक्टीरियम बेसिलस हेलोड्युरंस TSLV1 एंड इट्स यूटिलिटी इन वेलोराइजेशनस ऑफ़ रिन्यूएबल एग्रो-रेसिड्यूस	एक्सट्रीमोफाइल्स	2016, 20(6)
10.	महापात्रा, बी., सरकार ए., जोशी, एस., चटर्जी, ए., केजी, एस.के., मैती एम्.के., सत्यनारायण टी., सर, पी.	टेक्सोनोमी एंड फिजियोलोजी ऑफ़ राईजोबियम आर्सेनिसिरेडूसेंस एस पी, नोव., एन आर्सेनिक रिड्यूसिंग एंड हाइड्रोकार्बन मेटाबोलिज्म बैक्टीरियम फ्रॉम एज रिच ग्राउंडवाटर ऑफ़ वेस्ट बंगाल, इंडिया	आर्चिवस ऑफ़ माइक्रोबायोलॉजी	2016

सम्पादित पुस्तकों में प्रकाशित शोध-आलेख

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख का शीर्षक	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशक
1.	जोशी, एस., सत्यनारायण, टी.	फाईटेज ऑफ़ द अनकन्वेंशनल यीस्ट पिचिया एनामोला: प्रोडक्शन एंड एप्लीकेशनस	यीस्ट डाइवर्सिटी इन ह्यूमन वेलफेयर	2017, स्प्रिंगर, नीदरलैंड

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोधपत्र

क्र. म. सं.	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला का विषय	संस्थान	दिनांक
1.	मिश्र, जे.पी.एन.	हार्मोनल प्रोफाइल मोड्युलेशन इयूरिंग साइकोसोमेटिक डिसऑर्डर्स	इंटरनेशनल सेमिनार ऑन एप्लाइड फीजियोलॉजी एंड बायोकेमिस्ट्री विथ रिफरेंस टू स्लीप एंड योगिक प्रैक्टिस	युएस यूनिवर्सिटी, हरिद्वार तथा आईवाई एसोसिएशन	मार्च 14-15, 2017

राष्ट्रीय/राजकीय स्तर की संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोधपत्र

क्रम संख्या	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला का विषय	संस्थान	दिनांक
1.	यादव, यु.सी.	रोल ऑफ O _x LDL इन इन्फ्लामेसम स्टेबलाइजेशन एंड एक्टिवेशन इन मैक्रोफेजेस एंड फोम सेल फार्मेशनस	इम्यूनोलोजिकल एडवांसेज इन हेल्थ मैनेजमेंट: करंट सिनेरियो एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव	जैविक विज्ञान अध्ययन संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय	4 मार्च 2017
2.	सिंह, मोहित, यादव, उमेश सी.एस.	रेगुलेशन ऑफ ओक्सो-LDL- इन्ड्यूस NLRP3 इन्फ्लामेसम	इम्यूनोलोजिकल एडवांसेज इन हेल्थ मैनेजमेंट: करंट सिनेरियो एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव	जैविक अध्ययन संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय	4 मार्च 2017
3.	वर्गिज जोहना ऍफ़., उमेश सी.एस.	रोल ऑफ ऑक्सीडाइज्ड-LDL इन मक्रोफोनेज इन्फ्लेमेशन एंड डिसरेगुलेशन ऑफ लिपिड होमियोस्टेसिस	इम्यूनोलोजिकल एडवांसेज इन हेल्थ मैनेजमेंट: करंट सिनेरियो एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव	जैविक अध्ययन संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय	4 मार्च 2017

केंद्र के प्राध्यापकों द्वारा प्रसिद्ध संस्थानों में दिए गये अकादमिक व्याख्यान

क्रम संख्या	नाम	व्याख्यान का विषय	कार्यक्रम	सहभागिता
1.	मिश्रा, जे.पी.एन.	स्ट्रेस मैनेजमेंट थ्रू लाइफ स्टाइल मॉडिफिकेशन एंड योगा	21 नवम्बर, 2016	अतिथि व्याख्यान

प्रशिक्षण/अभिसंस्करण/पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में सहभागिता

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	सहभागिता
1.	मिश्रा, जे.पी.एन.	अभिसंस्करण कार्यक्रम	फ़रवरी 02- 04, 2017	तीन अतिथि व्याख्यान
2.	यादव, उमेश सी.एस.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान योग के तत्वावधान में आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला/ प्रशिक्षण कार्यक्रम, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई, महाराष्ट्र	5 अक्टूबर 2016	प्रतिभागिता
3.	वासिता, राजेश	अभिसंस्करण पाठ्यक्रम	7 नवम्बर – 4 दिसम्बर 2016	प्रतिभागिता

शोध-परियोजनाएँ

क्रम सं.	नाम	शोध-परियोजना का शीर्षक	निधिबंध संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना की अवस्था
1.	मिश्रा, जे.पी.एन.	मोड्युलेशन ऑफ़ सिनेपटिक प्लास्टिसिटी बाय न्यूरल-इम्यून इंटरैक्शन अंडर हाइपोक्सिस एनवायरनमेंट: एन इन विट्रो एप्रोच	डीआरडीओ	9,93,000/-	जारी
2.	यादव उमेश सीएस	रेगुलेशन ऑफ़ इंडोथेलियल सेल्स डीसफ़ंक्शन बाय Erk-5 इन मेटाबोलिक डिसऑर्डर	एसईआरबी	40,00,000/-	जारी
3.	यादव उमेश सीएस	एसआरईबीपी- मेडियेटेड डीसरेगुलेशन ऑफ़ लिपिड होमियोस्टैटिक्स इन फोम सेल फार्मेशन	जीएसबीटीएम	26,00,000/-	जारी
4.	सिंह वेद प्रकाश, यादव उमेश सीएस(पूर्वोत्तर भारत पी.आई. से संलग्न)	सिंथेसिस ऑफ़ नेचुरल प्रोडक्ट कोनजेनर्स टू रिइन्विग्रोरेट द इन्वेस्टिगेशन ऑफ़ देयर केमिस्ट्री एंड एंटी-इंफ्लेमेटरी पेथोजेनेसिस एंड एंटी-कारसीनोजेनिक एक्टिविटीज	डीबीटी	80,00,000/-	अनुमोदित
5.	वासिता, राजेश	डिजाइन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ हाइब्रिड स्काफ़ोल्ड फॉर स्टीम	गुजरात स्टेट बायोटेक्नो	16,77,680/-	जारी

		सेल बेस्ड बोन टिशू इंजीनियरिंग	लॉजी मिशन, DST- गुजरात सरकार		
6.	वासिता, राजेश	होमिंग स्टीम सेल फॉर टिशू इंजीनियरिंग एप्लीकेशन	एसइआरबी, DST- भारत सरकार	23,00,000/-	जारी
7.	जोशी, स्वाति	ट्रांसक्रिप्टोमेटिक एनालिसिस ऑफ़ यूसनिया फॉर द रिट्रीएवल ऑफ़ जींस इन्वोल्वड इन सिंथेसिस ऑफ़ थेराप्युटिकली यूजफुल लिचेन मेटाबोलिक्स	डीबीटी	35,67,000/-	जारी

निर्देशित शोधार्थियों की संख्या

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम	निर्देशित शोधार्थी
1.	प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा	एम.फिल- पी-एच.डी	2 + 5
2.	डॉ. उमेश सीएस यादव	एम.फिल-पी-एच.डी	1 +8
3.	डॉ. वसिता राजेश	एम.फिल-पी-एच.डी	4+ 2
4.	डॉ. पटेल सुनीता	पी-एच.डी	0+6

विस्तार

जीवन विज्ञान संस्थान के प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय द्वारा 2 अक्टूबर 2016 को आयोजित स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय प्रशासन में प्राध्यापकों की सहभागिता

प्रो. जे.पी.एन.मिश्रा

- अधिष्ठाता, जीवन विज्ञान अध्ययन संस्थान
- अध्यक्ष, आईक्यूएसी
- समन्वयक, नेक निरीक्षण टीम
- सदस्य, कार्यकारी परिषद्
- सदस्य, अकादमिक परिषद्
- अध्यक्ष, योगा कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति
- अध्यक्ष, प्रवेश एवं मूल्यांकन समिति, एसएलएस
- अध्यक्ष, संस्थान परिषद् तथा सीएसएसआर

डॉ. उमेश सी.एस. यादव

- प्रधान अधिकारी, राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार(एनएडी), एमएचआरडी का उपक्रम, भारत सरकार(दिसम्बर, 2016 से अब तक)
- सहायक परीक्षा नियंत्रक
- सदस्य, प्रवेश समिति
- सदस्य, संस्थान अध्ययन परिषद्
- सदस्य, सीएएसआर

डॉ. सुनीता पटेल

- सदस्य, सीएसआर
- सदस्य, प्रश्न-पत्र समायोजन समिति, जीवन विज्ञान अध्ययन संस्थान
- सदस्य, क्रय समिति
- सदस्य, चयन समिति, जेआरएफ से एसआरएफ उन्नयन समिति

पर्यावरण एवं सतत् विकास अध्ययन संस्थान

पर्यावरण जैविक और अजैविक अवयवों की अन्तःक्रिया और प्रकृति की प्रचलित पारिस्थितिकीय तंत्र का सम्मूचय है। पृथ्वी पर जीवन की उपस्थिति हेतु पर्यावरण की दीर्घकालीन संवहनीयता और निरंतरता अत्यावश्यक है। मानव-पर्यावरण सम्बन्ध, पर्यावरणीय प्रदूषण और पारिस्थितिकीय विकृति के सामाजिक उपज को संकेतित करते हैं। पर्यावरणीय प्रदूषण आज एक वैश्विक मुद्दा बन चुका है। वर्तमान में पूरा विश्व वातावरण, पानी, भूमि और मृदा की गुणवत्ता को सुधारने तथा पर्यावरण संतुलन के अनुरक्षण की समस्या से जूझ रहा है। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण तथा आधुनिक कृषि तकनीकी में विकास तथा उर्जा उत्पादन के परिणामस्वरूप मानव की अभीष्ट आकांक्षा ने प्राकृतिक सम्पदा के विश्रुंखल दोहन की परंपरा का विकास किया, जिसने पारिस्थितिकीय असंतुलन को उत्पन्न किया। निरंतर पर्यावरण हास की स्थिति के कारण मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव, वर्तमान समय की मुख्य समस्या है। वर्तमान में पूरा विश्व अम्लीय वर्षा, ओजोन अवक्षय, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, कीटनाशक और निषेचक के दुष्प्रभाव, सॉलिड वेस्ट, खतरनाक अवशेषों का प्रबंधन और प्रशमन जैसे पर्यावरणीय समस्या से जूझ रहा है। इन सभी समस्याओं के मूल में पर्यावरण संबंधी यथोचित जागरूकता, जानकारी और समझ का अभाव है। सतत विकास प्राकृतिक संसाधनों के सोदेश्य उपयोग तथा उत्पादन, प्रक्रमण तथा उद्योग की सामरिक गतिविधि हेतु पर्यावरण अनुकूलन तकनीक के प्रयोग पर विशेष बल देता है, जिससे पर्यावरण विकास तथा प्रबंधन को सही दिशा प्रदान की जा सके। पर्यावरण एवं सतत विकास अध्ययन संस्थान को 21 बिजनेस स्कूल अफेयर्स तथा देवांग मेहता बिजनेस स्कूल द्वारा 'एजुकेशन लीडरशीप अवार्ड' द्वारा भी नवाजा जा चुका है।

संस्थान द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम

- एम.फिल-पी-एच.डी.(पर्यावरण एवं सतत विकास अध्ययन)
- एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान)

संकाय सदस्य

डॉ. एम.एच. फुलेकर, प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता

पर्यावरण विज्ञान, पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरणीय अतिसूक्ष्म प्रौद्योगिकी, अक्षय उर्जा, वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट जैसे विषयों में गहरी रुचि।

डॉ. भावना पाठक, एसोसिएट प्रोफेसर

पर्यावरण पारिस्थितिकी विज्ञान, जैव-विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय जैव-प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरणीय अतिसूक्ष्म प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र रुचि के विषय।

डॉ. आर.वाई. हिरनमई, एसोसिएट प्रोफेसर

आर्गेनिक सॉलिड वेस्ट प्रबंधन तथा आर्गेनिक कृषि के क्षेत्र में रुचि।

डॉ. राजेश सिंह, सहायक प्राध्यापक

वेस्ट वाटर के जैविक प्रशोधन तथा प्रदूषण नियंत्रण के विविध परिप्रेक्ष्यों के अध्ययन में विशेष रुचि।

डॉ. पौलमी साहू, सहायक प्राध्यापक

हाइड्रोजियोलॉजी, ग्राउंडवाटर मॉडलिंग, ग्राउंडवाटर प्रबंधन, रिमोट सेंसिंग तथा जीआईएस जैसे क्षेत्रों में विशेष रुचि।

डॉ. रीना कुमारी, सहायक प्राध्यापक

आईशोटोप हाइड्रोलॉजी के विशेष सन्दर्भ में जल-स्रोत प्रबंधन, जियोकेमिस्ट्री, रिमोट सेंसिंग तथा जीआईएस जैसे क्षेत्रों में विशेष रुचि।

डॉ. धीरज राठौर, सहायक प्राध्यापक

प्लांट स्ट्रेस फिजियोलॉजी, इकोलॉजी तथा बायोफ्यूल उत्पादन जैसे क्षेत्र रुचि के विषय।

प्रसिद्ध/विशेषज्ञ समीक्षित/यू.जी.सी.द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध-आलेख

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन माह/वर्ष, खंड
1.	अवस्थी ए., पाठक, बी., फुलेकर, एम.एच.	सोलर डिस्टिलेशन एन एडवांस ट्रीटमेंट फॉर डी-कंटैमिनेशन ऑफ रिवर वाटर	Int. J. Curr. Res. Aca. Rev	फरवरी 2017. 5 (2),
2.	सी. निशा, पी. भावना, फुलेकर एम.एच.	एंटीमाइक्रोबियल पोर्टेंशियल ऑफ ग्रीन सिंथेसिसाईज्ड सिल्वर नैनोपार्टिकल्स युजिंग सीदाकता लीफ एक्सट्रेक्ट	नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी: एन इंडियन जर्नल	जनवरी, 2017 11 (1)
3.	दवाने, वी. एंड फुलेकर एम.एच.	डेवलपमेंट ऑफ HPTLC मेथड्स फॉर आइसोलेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ बोटैनिकल रिफरेंस मटेरियल ऑफ अविसन्निया मरीना स्टीम	बायोसाइंस बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च कम्युनिकेशन	नवम्बर 2016 9 (4),
4.	फुलेकर, एम.एच.	बायोरेमिडिएशन ऑफ न्यूक्लियर वेस्ट कंपाउंड-TCE यूजिंग माइक्रोबियल कॉन्सर्टियम/पोर्टेंशियल ओर्गानिज्म इन डिफरेंट डिजाईनड एंड डेवलपड रिएक्टर्स	ब्रिटिश जर्नल ऑफ एप्लाइड साइंस एंड टेक्नोलॉजी	2016, खंड. 17, इशू.6
5.	फुलेकर, एम.एच.	रिमूवल ऑफ हैवी मेटल्स बाय इंडिजिनस माइक्रोओर्गानिज्म एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ जीन रेस्पॉसिबल फॉर रि मेडियेशन	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नैनोसाइंस एंड टेक्नोलॉजी(IJNST)	2016, 1-8. 1 IF:0.546
6.	फुलेकर, एम.एच.	फीटोरिमेडीएशन ऑफ हैवी मेटल्स बाय हेलीएन्थस अन्नूस इन एक्वेटिक एंड सोइल एनवायरनमेंट	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंस	2016 खंड 5 (7)
7.	खान, रजिया, फुलेकर, एम.एच.	बायोसिंथेसिस ऑफ टाइटैनियम डाइऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स युजिंग बेसिलस ऐमिलोलिकुएफसिएंस कल्चर एंड	जर्नल ऑफ कोल्लोइड एंड इंटरफेस साइंस	अगस्त 2016 475

		एनहांसमेंट ऑफ़ इट्स फोटोकैटेलिटिक एक्टिविटी फॉर द डीग्रेडेशन ऑफ़ अ सल्फोनेटेड टेक्सटाइल डाई रिएक्टिव रेड 31		
8.	सुरियाप्रभा आर., खान, रजिया, समरीन, हीना, पाठक, बी., फुलेकर, एम.एच.	इफेक्टिव डीकलराइजेशन एंड अब्जोरपशन ऑफ़ कंटामिनेंट फ्रॉम इंडस्ट्रियल डाई इफ्ल्यूएंट यूजिंग स्फेरिकल सरफेसड मैग्नेटिक(Fe_3O_4) नैनोपार्टिकल्स	एआईपी कांफ्रेंस प्रेसडिंगस	अप्रैल, 2016
9.	खान, समरीन हीना, सुरियाप्रभा आर., पाठक, बी., एम.एच.फुलेकर	डेवलपमेंट ऑफ़ जिंक ऑक्साइड नैनोपार्टिकल बाय सोनोकेमिकल मेथड एंड स्टडी ऑफ़ देयर फिजिकल एंड ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज	एआईपी कांफ्रेंस प्रेसडिंगस	अप्रैल, 2016
10	देवी, बी., पाठक, बी.	इकोलॉजिकल स्टडीज ऑफ़ मेनग्रोवस स्पीशीज इन गल्फ ऑफ़ खम्भात, गुजरात	ट्रॉपिकल प्लांट रिसर्च 536-542	दिसम्बर 2016, 3(3)
11.	विजयकुमारी, बी.शशिकला, बी. राधा, एस.आर. यादव, आर.हिरनमई	HPTLC फिंगर प्रिंटिंग एनालिसिस ऑफ़ एक्वस रूट एक्सट्रेक्ट ऑफ़ रोटुला एक्वेटिका लौर फॉर स्टेरिओइड एंड टरपीनोइड कंटेन्ट्स	मेडिकल एंड हेल्थ साइंस रिसर्च जर्नल	1(1):61-65, 2017
12	तेस्फु, मेंगिस्टू, हेलुफ़ गेब्रेकिडन, किबेब्यू किब्रेट, वोल्डएटसादिक, केबेडे, बेनेबेरू शिमेलिस, यादव, आर. हिरनमई	द इटीग्रेटेड यूज ऑफ़ एक्सट्रीटा बेस्ड वेर्मीकम्पोस्ट एंड इनोर्गानिक फर्टिलाइजर ऑन टोमेटो(सोलेनम लेकोपरसिकम एल.) फ्रूट यील्ड, क्वालिटी एंड साइल फर्टिलिटी	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रीसाइक्लिंग ऑफ़ ओर्गानिक वेस्ट इन एग्रीकल्चर	DOI 10.1007/s40093-017-0153-y Jan 2017
13	कुमार, मनोज, सिंह, राजेश	परफॉरमेंस इवैल्यूएशन ऑफ़ सेमी कंटीन्यूवस वर्टीकल फ्लो कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड्स(SC-VF-CWs) फॉर म्युनिसिपल वेस्टवाटर ट्रीटमेंट	बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी	फरवरी, 2017, 232, 321-330
14	साहू, पलौमी, सिकदार, पी.के., चक्रवर्ती, एस.	जियोकेमिकल इवोल्यूशन ऑफ़ ग्राउंडवाटर ऑफ़ साउथर्न बंगाल बेसिन: द एक्जामपल ऑफ़	जर्नल ऑफ़ अर्थ सिस्टम साइंस	(2016) खंड. 125, No. 1, p. 129-145.

		राजरहट एंड एडजोइनिंग एरियाज, वेस्ट बंगाल, इंडिया		
15	राठौर, धीरज, निजामी, अब्दुल, सत्तार, सिंह, अनूप, पन्त दीपक	की इशू इन इसटिमेटिंग एनर्जी एंड ग्रीनहाउस गैस सेविंग ऑफ़ बायोफ्यूल्स: चैलेंजज एंड पर्सपेक्टिव	बायोफ्यूल रिसर्च जर्नल	2016, 3(2)

सम्पादित पुस्तकों में प्रकाशित शोध-आलेख

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पुस्तक का नाम	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशन
1.	पाठक, बी., गुप्ता, एस., फुलेकर, एम.एच.	बायोडीग्रेडेशन ऑफ़ बैजीन अंडर एनएरोबिक कंडीशन	बायोडीग्रेडेशन एंड बायोक्वर्नल ऑफ़ हाइड्रोकार्बनस एनवायरनमेंट फूटप्रिंट्स एंड इको-डिजाइन ऑफ़ प्रोडक्ट्स एंड प्रोसेसेज	नवम्बर 2016, स्प्रिंगर, सिंगापुर
2.	कुमार, मनोज, सिंह, राजेश	फायटोरिमेडीएशन अ ग्रीन टेक्नोलॉजी फॉर रिमेडीएशन ऑफ़ मेटल्स कॉंटामीनेटेड सॉइल्स	इनवायरमेंटल पोल्यूटेंट्स एंड देयर बायोरिमेडीएशन अप्रोचज	2017, स्प्रिंगर, इंडिया
3.	सिंह, रतन, सिंह, अनूप, राठौर, धीरज	बायोहाइड्रोजन: ग्लोबल ट्रेंड एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव	बायोहाइड्रोजन प्रोडक्शन: सस्टेनेबिलिटी ऑफ़ करंट टेक्नोलॉजी एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव	2017 स्प्रिंगर, इंडिया
4.	सिंह, अनूप, राठौर, धीरज	बायोहाइड्रोजन: नेक्स्ट जनरेशन फ्यूल	बायोहाइड्रोजन प्रोडक्शन: सस्टेनेबिलिटी ऑफ़ करंट टेक्नोलॉजी एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव	2017 स्प्रिंगर, इंडिया

प्रकाशित पुस्तक

क्रम संख्या	लेखक का नाम	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशक
1.	सिंह, अनूप, राठौर, धीरज	बायोहाइड्रोजन प्रोडक्शन: सस्टेनेबिलिटी ऑफ़ करंट टेक्नोलॉजी एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव	2017, स्प्रिंगर, इंडिया

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोध-पत्र

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	संस्थान	दिनांक
1.	पाठक, बी.	प्लांट मेडीयेटेड ग्रीन सिंथेसिस ऑफ़ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स: कैरेक्टराइजेशन एंड एंटीबैक्टीरियल एक्टिविटी- अतिथि व्याख्यान	फोर्थ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन नैनोमेडिसिन एंड टिशू इंजीनियरिंग (ICNT 2016)	इंटरनेशनल एंड इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी(IUCNN), महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम, केरल, भारत	12-14 अगस्त, 2016
2.	सिंह, राजेश	वेस्टवाटर: अ रिन्युयेबल रिसोर्स	इमर्जिंग एरियाज ऑफ़ इनवाइरमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग	डिपार्टमेंट ऑफ़ इनवाइरमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग, GJUST, हिसार	फरवरी, 16-18, 2017

राष्ट्रीय/ राज्य स्तरीय संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला में प्रस्तुत में शोध-पत्र

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	व्याख्यान का विषय	संस्थान	दिनांक
1.	फुलेकर, एम.एच.	कार्यशाला में भागीदारी	लीडरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस इन हायर एजुकेशन, एक्सीलेंस इन हायर एजुकेशन	MHRD, UGC, IIM इंदौर, HRDC मुम्बई	अप्रैल 18-19, 2016
2.	पाठक, बी.	पीपुल्स पार्टिसिपेशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट: अ प्रैक्टिकल एप्रोच	नेशनल कांफ्रेंस ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट: ऑपरत्युनीटी एंड चैलेंजेस	एसएसए, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय	28 फरवरी 2017
3.	पाठक, बी.	सहभागिता	सेमिनार ऑन क्रिएटिव इंडिया: इनोवेटिव इंडिया इन रिफ्रेन्स टू नेशनल IPR पालिसी	GUJCOST, गांधीनगर, DST समर्थित	25 जुलाई 2016
4.	पाठक, बी.	सहभागिता	इम्पैक्ट ऑफ़ क्लाइमेट चेंज ऑन कोस्टल इकोसिस्टम	CSIR-CSMCRI, भावनगर, गुजरात	9-10 जून 2016
5.	कुमारी, रीना	सहभागिता	नेशनल कांफ्रेंस-ग्राउंडवाटर रिसोर्सेज इन एरिड एंड सेमी-एरिड रिजनस	JNTU, हैदराबाद	6 अक्टूबर 2016

प्रशिक्षण/अभिसंस्करण/पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में सहभागिता

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	सहभागिता
1.	सिंह, राजेश	अभिसंस्करण कार्यक्रम, HRDC, गुरुजम्बेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार	4 सप्ताह, 17 नवम्बर – 14 दिसम्बर 2016	प्रतिभागिता
2.	साहू, पौलमी	85 अभिसंस्करण कार्यक्रम, मानव संसाधन विकास केंद्र(HRDC), गुजरात	4 सप्ताह, जून 2016	प्रतिभागिता
3.	राठौर, धीरज	अभिसंस्करण कार्यक्रम, HRDC, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर	4 सप्ताह, जून 2016	प्रतिभागिता

शोध-परियोजनाएँ

क्रम सं.	नाम	परियोजना का शीर्षक	निधिबंध संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना कार्य की अवस्था
1.	पाठक, बी.	फोटोकेटेलिटिक डीग्रेडेशन ऑफ़ सिलेक्टेड ऑर्गनोफोस्फेट कंपाउंड यूजिंग सिंथेसाईज्ड नैनो बेस्ड मैटेरियल्स बाय मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन टेक्नोलॉजी	GUJCOST गुजरात	4,50,000/-	जारी
2.	सिंह, राजेश	सस्टेनेबल हाइड्रोजन प्रोडक्शन यूजिंग सल्फेट-रेड्यूसिंग बैक्टीरिया एज न्यू हाइड्रोजिनेज रिच माइक्रोओर्गानिज्म	SERB, DST, नयी दिल्ली	31,52,600/-	जारी
3.	सिंह, राजेश	इन्वेस्टिगेशन ऑफ़ सॉलिड एनएरोबिक डाईजेशन फॉर बायोमिथेनेशन अ हाई परफॉर्मिंग टेक्नोलॉजी	CUG	1,00,000/-	पूर्ण
4.	साहू, पलौमी	डीलिनिएशन ऑफ़ ग्राउंडवाटर पोटेन्शियल जॉस यूजिंग मल्टी-बैन्ड रिमोट सेंसिंग डाटा एंड GIS फॉर सस्टेनेबल वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट इन सेमी-एरिड हार्ड रॉक टेरेन ऑफ़ पारा ब्लाक, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल	UGC	6,00,000/-	जारी
5.	साहू, पलौमी	एसेसमेंट ऑफ़ एकवीफ़र	CUG	1, 00,000/-	जारी

		बुल्नेराबिलिटी टू ग्राउंडवाटर पोल्यूशन ऑफ़ गांधीनगर, गुजरात			
6.	राठौर, धीरज	इम्पैक्ट अस्सेसमेंट ऑफ़ ओजोन पोल्यूशन ऑन ईकोनोमीक्ली इम्पोर्टेंट क्रॉप्स ऑफ़ गुजरात	SERB, नयी दिल्ली, भारत	28,60,000/-	जारी

पारितोषिक, अध्येतावृत्ति, अधिकार-पत्र आदि के रूप में प्राप्त सम्मान और उपलब्धि

क्रम संख्या	नाम	विवरण
1.	सिंह, राजेश	अर्ली केरियर रिसर्च अवार्ड, 8अगस्त, 2016
2.	साहू, पलौमी	सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड(CGWB), भारत सरकार द्वारा आयोजित जल-क्रांति अभियान 2015-16 के तहत आयोजित पहले निबंध प्रतियोगिता में श्रेष्ठ पांच निबंधों में से एक(श्रेणी-II, टेक्निकल प्रपत्र), अप्रैल, 2016

निर्देशित शोधार्थियों की संख्या

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम	निर्देशित शोधार्थी
1.	प्रो. फुलेकर, एम.एच.	एम.फिल	07
2.	डॉ. भावना पाठक	एम.फिल	01
3.	डॉ. राजेश सिंह	एम.फिल	01
4.	डॉ. पलौमी साहू	एम.फिल	01
5.	डॉ. कुमारी, रीना	एम.फिल	01
6.	डॉ. धीरज राठौर	एम.फिल	01

विश्वविद्यालय प्रशासन में प्राध्यापकों की सहभागिता

प्रो.एम.एच.फुलेकर

- सदस्य, अकादमिक समिति
- अध्यक्ष, संस्थान अध्ययन परिषद्
- संपर्क अधिकारी, एससी/एसटी प्रकोष्ठ
- अध्यक्ष, इकुअल ऑपरट्यूनिटी प्रकोष्ठ
- प्रधान अधिकारी, सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटल फैसिलिटी
- अध्यक्ष, संस्थान स्तरीय क्रय समिति(एसइएसडी)
- अध्यक्ष, सीएएसआर

डॉ. भावना पाठक

- सदस्य, अकादमिक समिति
- सदस्य, संस्थान अध्ययन परिषद्
- सदस्य, अकादमिक परिषद्(2016-17)
- सदस्य, संस्थान स्तरीय क्रय समिति
- सदस्य, पारिस्थितिकीय ग्राम विकास कार्यक्रम
- सदस्य, स्कूल संयोजन कार्यक्रम

डॉ. राजेश सिंह

- सदस्य, संस्थान अध्ययन परिषद्
- सदस्य, सी ए एसआर
- संरक्षक, छात्रावास
- इन्चार्ज, विज्ञान संस्थान भण्डार

डॉ. पौलमी साहू

- सदस्य, अकादमिक परिषद्
- सदस्य, आईक्यूएसी
- संस्थापक सदस्य, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय एलुमनाई समिति(सीयुजीएए)
- सदस्य, शुन्य सत्र समिति
- सदस्य, पुस्तकालीय पुस्तक प्रमाणन समिति
- सदस्य, अतिथि-गृह समिति
- सदस्य, संस्थान अध्ययन परिषद्
- सदस्य, संस्थान स्तरीय क्रय समिति
- सदस्य, सीएसएसआर

रासायनिक विज्ञान संस्थान

2009 में नवप्रवर्तनशील वैज्ञानिक विचारों के अध्ययन एवं प्रोत्साहन हेतु स्थापित यह संस्थान वास्तविक वैज्ञानिक शिक्षण के क्षेत्र में अंतर्विषयक शिक्षण एवं अनुसन्धान पर बल देता है। यह संस्थान मॉलिक्यूलर इंटरैक्शन इंजीनियरिंग, सिंथेटिक आर्गेनिक और इनआर्गेनिक केमिस्ट्री, फिजिकल आर्गेनिक केमिस्ट्री, नैनोकेमिस्ट्री, बायोआर्गेनिक केमिस्ट्री, एप्लाइड एंड ग्रीन केमिस्ट्री, टेक्सटाइल एंड पॉलीमर केमिस्ट्री, सुपरमॉलिक्यूल केमिस्ट्री के क्षेत्र में अनुशीलन करता है। संस्थान में एम.एससी तथा एम.फिल-पी-एच.डी का पाठ्यक्रम प्रस्तुत है। इस संस्थान के छात्र और शोधार्थी रसायन विज्ञान के सैद्धांतिक, प्रायोगिक, अभिकलनात्मक जटिलता और प्रयोगात्मकता के सभी व्यापक एवं गंभीर परिप्रेक्ष्यों से गुजरते हुए विभिन्न स्तरों पर अध्ययन एवं अभ्यास करते हैं। फलस्वरूप, संस्थान के प्राध्यापक और शोधार्थी समय-समय पर अपने विष्कर्ष परिणामों का प्रकाशन प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं तथा पुस्तकों के माध्यम से कराते रहते हैं। संस्थान नवप्रवर्तनशील दृष्टिकोण प्रदान करता है, जो विज्ञान और समाज के अन्तःसम्बन्धी परिणाम तथा भौतिक एवं जीव-विज्ञान सम्बन्धी विज्ञान की रिक्तता के सेतुबन्धन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। नैनोटेक्नोलॉजी, अक्षय ऊर्जा, बायोइंस्पायर्ड मॉलिक्यूलस, मल्टीफंक्शनल सुपरमॉलिक्यूलस तथा ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में अनुसन्धान के माध्यम से विविध अंतर्विषयक क्षेत्रों में उन्नत स्वदेशी प्रणालीविज्ञान की अग्रिम आवश्यकता को प्राप्त करने की कोशिश संस्थान के माध्यम से की जा रही है। ये सभी विज्ञान चिकित्सा, प्रतिरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार तथा अंतरिक्ष अनुसन्धान जैसे क्षेत्रों के विनियोग तथा आणविक तत्त्वों के विज्ञान को अभिकल्पित और विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं।

संस्थान के संकाय-सदस्यों की विशेषज्ञता के अनुरूप संस्थान द्वारा मौलिक एवं अग्रवर्ती अल्पकालिक वैकल्पिक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का संचालन भी किया जाता है। इसके अतिरिक्त अकादमिक विकास तथा ज्ञान-समृद्धि हेतु संस्थान द्वारा संगोष्ठी, कार्यशाला, परिचर्चा का आयोजन भी समय-समय पर किया जाता है। संस्थान में उदार अकादमिक परिवेश के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा और कौशल की परिसीमनहीन अभिव्यक्ति को लाभकारी एवं अग्रवर्ती शिक्षण-अनुसन्धान के क्षेत्र में संधृत किया जाता है।

संस्थान द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम

- एकीकृत एम.फिल-पी-एच.डी.(रासायनिक विज्ञान)
- एम.एससी. (रासायनिक विज्ञान)
- अर्धवार्षिक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम(दृष्टिबाधित छात्रों हेतु विश्लेषणात्मक तकनीक)

केंद्र द्वारा आयोजित व्याख्यान

क्रम संख्या	दिनांक	व्याख्यान का विषय	व्याख्यान का विवरण
1.	11 नवम्बर, 2016	स्टार्ट अप: फार्मास्युटीकल सिनेरियो इन गुजरात	वक्ता- प्रो. प्रमेश एन. दवे प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, क्रांतिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, स्थान- सम्मलेन कक्ष, सेक्टर-30, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
2.	30 मई, 2016	ब्रेन: फिंगरप्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, लेयर्ड वोइस एनालिसिस एंड न्यूरोक्रिमिनोलॉजी इन फेसीलेटिंग द इन्वेस्टीगेशन एंड रिहेबिलीटिंग द प्रिजनर्स	वक्ता- डॉ. एस.एल. वाया, अधिष्ठाता, रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय स्थान- सम्मलेन कक्ष, सेक्टर-30, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
3.	8 अगस्त,	ओवरव्यू ऑफ इंटेलिक्चुअल प्रॉपर्टी	वक्ता- श्री अनुपम त्रिवेदी तथा श्री एस.के. श्रीहरि

	2016	राइट्स(IPR) एंड पेटेंटिंग स्ट्रेटेजीज	स्थान- सम्मलेन कक्ष, सेक्टर-30, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
--	------	---------------------------------------	---

संकाय-सदस्य

डॉ. मान सिंह, प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता

डेनड्राईमर-लेंथानाईड इंटेक्शन, डेनड्राईमर-ड्रग निर्गमन प्रणाली, स्मार्ट रेसिंस(एमएफपी, एमयूएफ, एमडीयूएफ), प्रोटीन्स-लेंथानाईड नैनोईम्युल्शन के फिजियोकेमिकल लक्षण, करक्यूमिन ओ/डब्ल्यू नैनोईम्युल्शन, आयनिक द्रव्यों के संरचनात्मक विज्ञान, ग्रेफिन की क्रियात्मक अभिव्यक्ति, सुपरामोलेक्युलर तथा कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री, बायोडीजल जैसे गंभीर विषय विशेष रुचि के क्षेत्र।

डॉ. दिनेश कुमार, एसोसियेट प्रोफेसर

सिंथेटिक इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री तथा नैनोकेमिस्ट्री जैसे क्षेत्रों में विशेष रुचि।

डॉ. धनंजय मंडल, एसोसियेट प्रोफेसर

बायोएक्टिव नेचुरल प्रोडक्ट्स के सम्पूर्ण संश्लेषण, बायोएक्टिव ऑर्गेनिक नैनो-मैटेरियल्स संश्लेषण, बायोलोजिकली एक्टिव मोलीक्युलस की नयी प्रक्रिया, पेप्टिडोमिमेटिक्स/आयनिक द्रव्य जैसे क्षेत्रों में विशेष अध्ययन।

डॉ. दंदामौली. वी. लेनिन, सहायक प्राध्यापक

सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री के शोध अध्ययन का क्षेत्र।

डॉ. गुरुराजा जी.एन., सहायक प्राध्यापक

सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री के शोध अध्ययन का क्षेत्र।

डॉ. पंचमी प्रभाकरन, सहायक प्राध्यापक

ऑर्गेनिक एंड बायोऑर्गेनिक केमिस्ट्री के क्षेत्र में विशेष रुचि।

प्रसिद्ध/विशेषज्ञ समीक्षित/यू.जी.सी.द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध-आलेख

क्रम सं.	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशक
1.	यशवंत राव तथा प्रो.मान सिंह, गजेन्द्र कुमार इवाती	इन सितु फ्री रेडिकल ग्रोथ मैकेनिज्म ऑफ़ प्लैटिनम नैनोपार्टिकल्स एंड इलेक्ट्रोकेटलिटिक प्रॉपर्टीज	नैनोस्केल रिसर्च लेटर्स	अक्टूबर 2016, 11 (458), 8
2.	राव यशवंत, इवाती गजेन्द्र कुमार, प्रो. मान सिंह	ग्रीन सिंथेसिस, स्ट्रक्चरल कैरेक्टराइजेशन एंड एप्लीकेशन ऑफ़ कैडमियम सल्फाइड नैनोक्रीस्टल्स विथ फ्लोरोसेंट डाइज फॉर सोलर एनहांसमेंट	एडवांस्ड मटेरियल प्रोसिडिंग्स	दिसम्बर 2016,
3.	श्रीकांत, एस. मखेदार, गोपाल अवस्थी, मान	डिस्पर्सन एन्हांसिंग इफ़ेक्ट ऑफ़ सोनोकेमिकली फंक्शलायज्ड ग्राफिन ऑक्साइड फॉर केटालायजिंग एंटीऑक्सीडेंट	अल्ट्रासोनिक्स सोनोकेमिस्ट्री	मार्च 2017, 39

	सिंह	ईफीकेसी ऑफ करकुमिन		
4.	श्रीकांत, एस. मख्तेदार, गोपाल अवशथी, मान सिंह	अंडरस्टैंडिंग द सिग्निफिकेंस ऑफ ओ-डोपड ग्राफिन टुवर्ड्स बायोमेडिकल एप्लीकेशनस	आरएससी एडवांसेज	2016
5.	श्रीकांत एस. मख्तेदार, शांतिलाल एस. महत्रे, गोपाल अवाशथी, मान सिंह	इन सितु सोनोकेमिकल रिडक्शन एंड डायरेक्ट फंक्शनलाईजेशन ऑफ ग्राफिन ऑक्साइड: अ रोबुस्ट एप्रोच विथ थर्मल एंड बायोमेडिकल एप्लीकेशनस	अल्ट्रासोनिक्स सोनोकेमिस्ट्री	जनवरी 2017, 34
6.	नितिन कुमार शर्मा, राकेश कुमार, अमेटा, मान सिंह	स्पेक्ट्रोफोटोमेट्रिक एंड फिजिकोकेमिकल स्टडीज ऑफ न्यूली सिंथेसाइज्ड एंटीकैंसर पीटी(IV) कोम्प्लेक्सेस एंड देयर इंटरैक्शन विथ CT-DNA	जर्नल ऑफ मोलीक्युलर लिक्विडस	अक्टूबर 2016
7.	नितिन कुमार शर्मा, मान सिंह, अजय भट्टराय	हाइड्रोफोबिक स्टडी ऑफ इन्ट्रीजिंग अल्काइल चैन लेंथ ऑफ प्लैटिनम सर्फेक्टेंट कोम्प्लेक्सेस: सिंथेसिस, केरेकटेराइजेशन, मिसेलाइजेशन, थर्मोडायनामिक्स, थर्मोग्रेवीमेट्रिक्स एंड सरफेस मोर्फोलोजी	RSC एडवांसेज	2016
8.	जोशी, पी., पैनुली, आर., कुमार, डी.	लेबल-फ्री कोलोरीमेट्रिक नैनोसेंसर फॉर द सेलेक्टिव ऑन-साइट डिटेक्शन ऑफ एक्युअस Al^{3+}	ACS सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग	5(6), 2017.
9.	राघव एस., कुमार, डी.	बायोमेडिकल एप्लीकेशनस ऑफ नैनोमैटेरियल्स	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी	13(7), 2017.
10.	दिल्लों, ए., सोनी, एस.के., कुमार, डी.	एनहांड फ्लोराइड रिमूवल परफॉरमेंस बाय Ce-Zn बाइनरी मेटल ऑक्साइड: अब्जोर्पशन करेक्टरिस्टिक्स एंड मैकेनिज्म	जर्नल ऑफ फ्लोरीन केमिस्ट्री	199, 2017.
11.	एस.देसाई, एस. बेरा, मान सिंह, धनञ्जोय मंडल	बेटर बायोडीजल्स: अ नैनो-क्लीजिंग सोल्युशन	करंट साइंस	2017, 112, 442.
12.	एस.देसाई, एस. बेरा, मान सिंह, धनञ्जोय मंडल	सिंथेसिस ऑफ बायोडिग्रेडेबल कार्बोहाइड्रेट-बेस्ड नैनोपालीयुरीथिन फॉर प्यूरिफिकेशन ऑफ बायोडीजल	जर्नल ऑफ एप्लाइड पॉलीमर साइंस	2017, 134,
13.	के. गोयल, एस.बेरा, मान सिंह, धनञ्जोय मंडल	सिंथेसिस ऑफ ड्यूल फंक्शनल प्यरीमिडीनियम आयनिक लिक्विड एज रिएक्शन मीडिया एंड एंटीमाइक्रोबल एजेंट्स	RSC	2016, 6
14.	एस.बेरा, धनञ्जोय मंडल, एस. पालित,	स्ट्रक्चरल मॉडिफिकेशन ऑफ द नियोमाईसीन क्लास ऑफ एमिनोग्लायकोसाइड्स	मेडिसिनल केमिकल कम्युनिकेशन	2016, 7

	फ्रैंक स्क्वेइजेर			
15.	आर.राठोड, एस.बेरा, मान सिंह, धनञ्जय मंडल	अ कोलोरीमेट्रिक एंड फ्लुरोमेट्रिक इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ Cu(II) आयन इन एक्वस मीडियम विथ अ फ्लुओरेसेंस बेस्ड केमोसेंसर	RSC	2016, 6
16.	एस.बेरा, बी.चटर्जी, धनञ्जय मंडल	कंस्ट्रक्शन ऑफ़ क्वाटरनरी स्टीरियोसेंटर ओं कार्बोहाइड्रेट स्केफोल्ड्स	RSC	2016, 6

सम्पादित पुस्तकों में प्रकाशित शोध-पत्र

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशक
1.	अंकिता ढिल्लों, दिनेश कुमार	सिंथेसिस ऑफ़ नैनोस्ट्रक्चर सेरामिक्स एंड देयर कंपोजिट्स	सोल-जेल बेस्ड नैनोसिरेमिक्स मैटेरियल्स	स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग एजेंसी, स्विट्जरलैंड 2017.
2.	सपना, रेखा शर्मा, दिनेश कुमार	नैनोमैटेरियल्स एज एन ईमर्जिंग ऑपरच्युनिटी टू प्रोक्वोर सेफ ड्रिंकिंग वाटर बायोपॉलीमरस: स्ट्रक्चर, परफॉरमेंस एंड एप्लीकेशनस	बायोपॉलीमरस: स्ट्रक्चर, फीचरस एंड एप्लीकेशनस	नोवा साइंस पब्लिशर्स, यु.एस.
3.	ऋतू पैनुली, सपना राघव, दिनेश कुमार	बायोपॉलीमरस: स्ट्रक्चर, फीचरस एंड एप्लीकेशनस	बायोपॉलीमरस: स्ट्रक्चर, फीचरस एंड एप्लीकेशनस	नोवा साइंस पब्लिशर्स, यु.एस.
4.	अंकिता ढिल्लों, दिनेश कुमार	नैनोएडजोरबेंट्स फॉर द रिमूवल ऑफ़ हार्मफुल फ्लोराइड फ्रॉम ड्रिंकिंग वाटर	नैनोमैटेरियल्स फॉर वाटर रेमेडियेशन: इनोर्गानिक ऑक्साइड मैटेरियल्स, वोल्यूम- 2	स्मिथर्स राफ्रा टेक्नोलॉजी, यु.एस.
5	एस.बेरा एवं धनञ्जय मंडल	स्टीमुलाई-रिस्पोंसिव नैनोमैटेरियल्स फॉर एंटीमाइक्रोबियल ड्रग डेलिवरी	‘फार्मास्यूटीकल नैनोटेक्नोलॉजी’ वोल्यूम XX : ‘नैनोस्ट्रक्चर्स फार एंटीमाइक्रोबियल थिरेपी’ प्रो. ए.एम. क्रूमेजेस्कु द्वारा संपादित	एल्सेवियर पब्लिशर्स 2017

सम्पादित पुस्तकें

क्रम संख्या	लेखक का नाम	पुस्तक का नाम	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशक
1.	एस.बेरा, धनञ्जोय मंडल	‘स्टिमुली-रेस्पोंसिव नैनोमैटेरियल्स फॉर एंटीमिक्रोबल ड्रग डिलीवरी’ पुस्तक का नाम- ‘फार्मास्युटिकल नैनोटेक्नोलॉजी’ खंड-XX, (सं.) प्रो. ए.एम. ग्रुमेजेस्कु	एलसीवर पब्लिशर्स 2017
2.	एस.बेरा, धनञ्जोय मंडल	असिमेट्रिक सिंथेसिस’ पुस्तक का नाम- इनसाइक्लोपीडिया ऑफ फिजिकल ओर्गेनिक केमिस्ट्री’ 2016 खंड-III, (सं.) जेरोंग वांग	विले पब्लिशिंग कंपनी, 2017

केंद्र के प्राध्यापकों द्वारा प्रसिद्ध संस्थानों में दिए गये अकादमिक व्याख्यान

क्रम सं.	नाम	व्याख्यान का विषय	कार्यक्रम	सहभागिता
1.	मान सिंह	सर्विसमीटर: एन एक्सपेरिमेंटल रिसोर्स	1 दिसम्बर, 2017-7 दिसम्बर, 2017, सात दिवसीय कार्यशाला, दमक मल्टीप्ल कैपस, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, दमक, झापा, नेपाल	सलाहकार
2.	मान सिंह	पर्सनलिटी डेवलपमेंट एंड कैपेसिटी बिल्डिंग	गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, मंडल, अहमदाबाद 10 अगस्त, 2016	वक्ता
3.	मान सिंह	नेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांसेज इन केमिस्ट्री फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट	रसायनविज्ञान विभाग तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग, हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपूर, मार्च, 23-24, 2017	वक्ता
4.	दिनेश कुमार	हाइली सेलेक्टिव विजुअल मोनिटरिंग ऑफ टोक्सिक मेटल्स आयनस इन एक्वस मीडिया	संकाय उन्नयन कार्यक्रम, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान, 16 फरवरी- 5 मार्च, 2017	अतिथि व्याख्यान
5.	दिनेश कुमार	मीडिया क्लस्टर्स	रसायन विज्ञान विभाग, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान, 25 फरवरी, 2017	अतिथि व्याख्यान

शोध-परियोजनाएँ

क्रम संख्या	नाम	परियोजना का शीर्षक	निधिबंध संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना कार्य की अवस्था
1.	मान सिंह	“डेवलपमेंट ऑफ ग्राफिन बेस्ड एडवांस्ड फंक्शनल इलेक्ट्रोक्रोमैटलिसीस फॉर एनर्जी एप्लीकेशन ”	UGC-DAE कंसोर्टियम ऑफ साइंटिफिक	7,98,200/-	जारी

			रिसर्च		
2.	मान सिंह	“प्रिपरेशन ऑफ़ लैथेनायड, नैनोपार्टिकल्स, कैंक्टरेराइजेशन एंड देयर नैनोइमल्शन फार्मूलेशन फॉर डॉकिंग प्रोटीन एंड डेवलपिंग देयर मल्टीफंक्शनल कंफर्मेशनल स्टेट्स”	DRDO	20,02,000/-	जारी
3.	दंदामुड़ी वी.लेनिन	डेवलपमेंट ऑफ़ नावेल मेथोडोलॉजीज फॉर द सिंथेसिस ऑफ़ हेटेरोसाइक्लिक एंड कार्बोसाइक्लिक कंपाउंड्स यूजिंग बेलिस-हिलमेन एड्क्स	UGC	10,00,000/-	जारी
4.	दंदामुड़ी वी.लेनिन	एप्लीकेशन ऑफ़ बेलिस-हिलमेन एड्क्स फॉर द सिंथेसिस ऑफ़ हेट्रो साइक्लिक एंड कार्बोसाइक्लिक कंपाउंड्स	UGC	1,00,000/-	जारी

निर्देशित शोधार्थियों की संख्या

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम	निर्देशित शोधार्थियों की संख्या
01	प्रो.मान सिंह	एम.फिल/पी-एच.डी.	01

विश्वविद्यालय प्रशासन में प्राध्यापकों की सहभागिता

प्रो. मान सिंह

- अधिष्ठाता, रासायनिक विज्ञान संस्थान
- सदस्य, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय समता समिति
- संस्थापक सदस्य, एलुमनाई समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- संपर्क अधिकारी, ओबीसी प्रकोष्ठ
- अध्यक्ष, आईपीआर समिति
- अध्यक्ष, एआरसी समिति

डॉ. दिनेश कुमार

- सदस्य, प्रवेश समिति
- सदस्य, विवरण-पुस्तिका स्तम्भ सर्जन समिति
- सदस्य, टीवी9 एजुकेशन एक्सपो 2017
- सदस्य, एक भारत श्रेष्ठ भारत, भारत सरकार का उपक्रम
- सदस्य, अनुरक्षण, नियंत्रण एवं निरीक्षण समिति, सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटल फैसिलिटी गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

नैनोविज्ञान संस्थान

जुलाई, 2012 में स्थापित नैनोविज्ञान पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के दो संस्थानों क्रमशः पर्यावरण एवं सतत विकास अध्ययन संस्थान तथा रसायन विज्ञान संस्थान के संयुक्त प्रयास के माध्यम से प्रारम्भ किया गया। अगस्त, 2015 से अध्यक्ष पद की क्रमिक नियुक्ति के साथ यह संस्थान अपनी खुद की प्रयोगशाला और कक्षा के साथ एक स्वतंत्र केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। 2016-17 के अकादमिक वर्ष में इसे संस्थान के रूप में अपग्रेड कर दिया गया है।

संस्थान द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम

- पी-एच.डी.(नैनो विज्ञान)
- एम.फिल-पी-एच.डी(नैनो विज्ञान)
- एम.एससी.(नैनो टेक्नोलॉजी)

संकाय-सदस्य

डॉ. तमिशारा बागची, प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता

इम्युनोलॉजिकल तकनीक, संक्रामक रोगों की इम्युनोलाजी के अध्ययन के माध्यम से आरडीएनए तकनीक तथा एनिमल सेल का अध्ययन तथा मानव कोशिका पंक्ति की ड्रग डिलीवरी सिस्टम जैसे विषयों में विशेष रुचि।

डॉ. इन्द्राणी बनर्जी, एसोसियेट प्रोफेसर

नैनोमैटेरियल के प्लाज्मा प्रोसेसिंग जैसे विषय अध्ययन के क्षेत्र।

डॉ. चारुलता दुबे, सहायक प्राध्यापक

तत्वों के माइक्रोवेब प्रक्रमण तथा नाभकीय वेस्ट प्रबंधन जैसे विषय अध्ययन का क्षेत्र।

डॉ. उमेश कुमार, सहायक प्राध्यापक

कोशिकाओं के जैवभौतिकी अध्ययन, कोशिकाओं के आणविक उद्ग्रहण तथा विषाक्तता अध्ययन जैसे विषय विशेष रुचि के क्षेत्र।

डॉ. मनु शर्मा, सहायक प्राध्यापक

नैनोमैटेरियल्स, मैटेरियल केमिस्ट्री, फोटोकैटेलिस्ट तथा हेटरोजेनस कैटेलिस्ट जैसे विषयों में गहरी रुचि।

डॉ. हितेश कुलकर्णी, सहायक प्राध्यापक तथा डीबीटी इंस्पायर फैकल्टी

नैनोटेक्नोलॉजी, ड्रग तथा जीन डिलीवरी, बायोइमेजिंग, बायोमैटेरियल्स, फार्मास्यूटिकल विज्ञान जैसे विषयों में रुचि।

प्रसिद्ध/विशेषज्ञ समीक्षित/यू.जी.सी.द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध-आलेख

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन माह/वर्ष
1.	बनर्जी, आई., टी. फेरिस, जेड. सोएवा, पी हेरिस, जे. चेन, ए.शर्मा एन., ए.के. रॉय	ग्राफिन फिल्मस प्रिंटेबल ऑन फ्लेक्सिबल सबस्ट्रेट्स फॉर सेंसर एप्लीकेशनस	2D मैटेरियल्स, IOP	4(2017) 015036

2.	गोपीकिशन, आई. बनर्जी, एस.के. महापात्रा	RP एंड RQA एनालिसिस फॉर फ्लोटिंग पोटेन्शियल फ्लक्चुएशन इन DC मैग्नेट्रान स्पुट्टेरिंग प्लाज्मा	फ्लक्चुएशन एंड नॉइज लैटर	15 No. 02 (2016)
3.	एस. गोपीकिशन, ई.बनर्जी, के.ए. बोगले, ए.के.दास, ए.के.पाठक, एस.के. महापात्रा	पस्चेन कर्वे एप्रोच टू इन्वेस्टिगेट इलेक्ट्रान डेंसिटी एंड डिपोजीशन रेट ऑफ़ Cu इन मैग्नेट्रान स्पुट्टेरिंग सिस्टम	रेडिएशन इफेक्ट्स एंड डिफेक्ट्स इन सोलिड्स	171 (2016)
4.	बनर्जी, आई., टी.फारिस, जेड. स्टेवा, ए.के. शर्मा, ए.के. रॉय	प्रिंटेड ग्राफिन फिल्म विथ पॉजिटिव टेम्परेचर कोइफीसीएंट ऑफ़ रेसिस्सिटीविटी	मैटेरियल्स टुडे प्रोसिडिंग्स	3 (10), (2016)
5.	शाहा, एस., ओझा, के., शर्मा, एम., गांगुली ए.के.	Ni 3Co/G एलाय एज एन अर्थ-एबनडेंट रोबुस्ट एंड स्टेबल इलेक्ट्रोकेटेलिस्ट फॉर द हाइड्रोजन इवोल्यूएशन रिएक्शन	न्यू जर्नल्स ऑफ़ केमिस्ट्री	41, 2017
6.	शर्मा, एम., कुमार, ए. आर.के. गौतम, एम.बेलवाल	फोटोकेटेलिटिक डार्क डीग्रेडेशन ऑफ़ रोडेमिन-बी ओवर ZnO-cEo2 नैनोकम्पोजिट	जर्नल ऑफ़ नैनोसाइंस एंड नैनोकेमिस्ट्री	7, 2017
7.	ओझा के., शर्मा, एम., कोलेव, एच., गांगुली, ए. के.	रेड्यूसड ग्राफिन ऑक्साइड एंड MoP कम्पोजिट एज हाइली ऍफीसिएंट एंड ड्यूरेबल इलेक्ट्रोकेटेलिस्ट फॉर हाइड्रोजन इवोल्यूएशन इन बोथ एसिडिक एंड एल्कलाइन	केटेलिसिस साइंस	7, 2017
8.	शर्मा, एम., वैद्य एस., गांगुली, ए.के.	एनहांसड फोटोकेटेलिटिक एक्टिविटी ऑफ़ gC3N4-TiO2 नैनोकम्पोजिटस फॉर डीग्रेडेशन ऑफ़ रोडामाईन B डार्क, मीडिया	जर्नल ऑफ़ फोटोकेमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी : ए केमिस्ट्री टेक्नोलॉजी	335, 2017
9.	मेहता ए., शर्मा, एम., कुमार, ए., बासु, एस.	इफेक्ट ऑफ़ Au कंटेंट ऑन द एनहांसड फोटोकेटेलिटिक एफिशिएंसी ऑफ़ मेसोपोरस Au/TiO2 नैनोकम्पोजिटस इन UV एंड सनलाइट	गोल्ड बुलेटिन	1, 2016
10.	मेहता ए., शर्मा, एम., कुमार, ए., बासु, एस.	गोल्ड नैनोपार्टिकल्स ग्राफ्टेड मेसोपोरस सिलिका: ए हाइली इफीशीएंट एंड रिसाईक्लेबल हेट्रोजेनिअस कैटेलिस्ट फॉर रिडक्शन ऑफ़ 4-निट्रोफिनॉल	नैनो(वर्ल्ड साईटिफिक)	11 (09), 2016

11.	मेहता, ए., शर्मा, एम., कुमार, ए., बासु, एस.	सिंथेसिस ऑफ़ मेसोपोरस सैरियम ऑक्साइड(CeO ₂) नैनोपार्टिकल्स एंड इफेक्ट ऑफ़ सैरियम प्रीकर्सर विथ हाई कैटेलिस्टिस्ट फॉर रिडक्शन ऑफ़ 4-निट्रोफेनोल	जे.नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी	17, 2017
12.	एम. नूली, एन. चेल्ला, एच. कुलकर्णी, एनआर शास्त्री, आर. सिस्तला	सॉलिड लिपिड नैनोपार्टिकल्स एज वेसिकल्स फॉर ओरल डिलीवरी ऑफ़ ओल्मेसर्तन मेडोक्सोमिल: फार्मूलेशन, ऑप्टिमाइजेशन एंड इन विवो इवैल्यूएशन	ड्रग डेवलपमेंट एंड इंडस्ट्रियल फार्मेसी	2017, 43 (4)
13.	ए. कादरी, एस.गुडम, एच.कुल्हारी, एमएम. भांडी, आरएम बोरकर, वीआरएम कोलापल्ली, आर सिस्तला	एनहांसड ओरल बायोअवैलेबिलिटी एंड एंटीकैंसर इफीकेसी ऑफ़ फिसेटीन बाय एनकेपसुलेटिंग एज इन्क्लुजन कॉम्प्लेक्स विथ HPBCD इन पोलिमेट्रिक नैनोपार्टिकल्स	ड्रग डिलीवरी	2017 24 (1)
14.	एम.के. सिंह, डी. पूजा, एच. कुल्हारी, एस. के. जैन, आर. सिस्तला, एस. चौहान	पाली(अमिडोअमाइन) डेनड्रीमर-मेडियेटेड हाइब्रिड फार्मूलेशन फॉर कॉम्बिनेशन थेरेपी ऑफ़ रेमिप्रिल एंड हाइड्रोक्लोरो थियेजाईड	यूरोपियन जर्नल ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेज	2017, 96
15.	डी. पूजा, एच. कुल्हारी, एम. कुंचा, एसएस, रचामल्ला, डीजे, एडम्स, एम. बंसल, आर. सिस्तला	इम्प्रोविंग इफ़ीकेसी, ओरल बायोअवैलाबिलिटी एंड ड डिलीवरी ऑफ़ पेक्लीटक्सेल यूजिंग प्रोटीन ग्राफ्टेड सॉलिड लिक्विड नैनोपार्टिकल्स	मोलिक्युलर फार्मास्यूटिस	2016 13 (11)
16.	टीएस रेड्डी, वीजी रेड्डी, एच. कुल्हारी, आर शुक्ल, ए. कमाल, वी. बंसल	सिंथेसिस ऑफ़ (Z)-1-(1, 3-डीफिनाइल-1H-प्राजोल-4-yl)-3-(फिनाइलएमिनो) प्रोप-2-en-1-वन डेरिवेटिव्स एज पोर्टेंशियल एंटीकैंसर एंड अपोप्टोसिस इन्ड्यूसिंग एजेंट्स	यूरोपियन जर्नल ऑफ़ मेडिसिनल केमिस्ट्री	2016, 117
17.	डी. पूजा, एच. कुल्हारी, डीजे एडम्स, आर. सिस्तला	फार्मूलेशन एंड डोसेज ऑफ़ थेराप्यूटिक नैनोसस्पेंशन फॉर एक्टिव टार्गेटिंग ऑफ़ डोसीटाक्सेल (WO 2014210485A1)	एक्सपर्ट ओपिनियन ऑन थेराप्यूटिक पेटेंट्स	2016 26 (7)
18.	आरटी श्रीनिवासन, आरवी गंगा, एच.कुल्हारी, आर. शुक्ल, ए. कमाल, वी. बंसल	सिंथेसिस ऑफ़ (z)-1-(1,23-डाईफिनाइल-1H- प्राजोल-4-yl)-3-(फिनाइलएमिनो) प्रोप-2-en-1-वन डेरिवेटिव्स एज पोर्टेंशियल एंटीकैंसर एंड अपोपटोसिस इन्क्लुडिंग एजेंट्स	युरोपियन जर्नल ऑफ़ मेडिसिनल केमिस्ट्री	2016 117
19.	आर. राधाकृष्णन, एच. कुल्हारी, डी. पूजा, एस.	इनकेप्सुलेशन ऑफ़ बायोफिनोलिक फायटोकेमिकल EGCG विथिन	केमिस्ट्री एंड फिजिक्स ऑफ़ लिपिडस	2016, 198

	गुडम, एस. भार्गव, आर. शुक्ल, आर. सिस्तला	लिपिड नैनोपार्टिकल्स एन्हांस इट्स स्टेबिलिटी एंड साईटोटोक्सिसिटी अगेंस्ट कैंसर		
20.	एच. कुल्हारी, डी.पूजा, एस. श्रीवास्तव, एम. कुंचा, वी जी एम् नायडू, वी बंसल, डीजे एडम्स, आर सिस्तला	ट्रेस्टूजूमैब-ग्राफ्टेड PAMAM डेनड्राईमरस फॉर द सेलेक्टिव डिलीवरी ऑफ़ एंटीकैंसर ड्रग्स टू HER-2 पॉजिटिव ब्रैस्ट कैंसर	साइंटिफिक रिपोर्ट्स	2016, 6

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोध-पत्र

क्रम संख्या	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला का विषय	संस्थान	दिनांक
1.	दुबे, चारू, एल., स्टैनेट मार्टिन सी., गेंडी एमी, एस., ह्यात्त नील, सी.	इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ आयन ईररेडिएशन एंड्यूसड डेमेज्ड इन आयन फॉस्फेट ग्लासेज: रोले ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक एंड न्यूक्लियर लोसेस इन ग्लास नेटवर्क मॉडिफिकेशन	रेडिएशन इफेक्ट्स इन न्यूक्लियर वेस्ट फॉर्मर्स एंड देयर कोंसीक्युन्सेस फॉर स्टोरेज एंड डिस्पोजल	ICTP इटली एंड IAEA	12 -16 सितम्बर 2016
2.	हितेश कुल्हारी	पेप्टाइड- मेडियेटेड इम्प्रूवड डिलीवरी ऑफ़ एंटीकैंसर थेराप्युटिक्स	4 इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन नैनोमेडिसिन एंड टिशू इंजीनियरिंग (ICNT 2016)	महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, भारत	12-14 अगस्त 2016,

केंद्र के प्राध्यापकों द्वारा प्रसिद्ध संस्थानों में दिए गये अकादमिक व्याख्यान

क्रम संख्या	नाम	व्याख्यान का विषय	कार्यक्रम का विवरण	सहभागिता
1.	कुमार, उमेश	हाई रिजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी: बून फॉर इंटरडीसीप्लिनरी/ बायोलॉजिकल साइंस	1 नेशनल वर्कशॉप ऑन स्कैनिंग प्रोब माइक्रोस्कोपी टेक्निक्स, NCL एंड EMSI, वेस्ट जोन (11- 14 अगस्त 2016)	अतिथि व्याख्यान

शोध-परियोजनाएँ

क्रम संख्या	नाम	परियोजना का शीर्षक	निधिबंध संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना की अवस्था
1.	बनर्जी, इन्द्राणी	ट्रांसफरड आर्क प्लाज्मा मॉडलिंग सिंथेसिस ऑफ़ आयन	बीआईटी मेथ्रा	23,12,000/-	जारी

		ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स फॉर बायोमेडिकल एप्लीकेशनस BRNS क्रम. 34/14/60/2014			
2.	दुबे, चारूलता	सिंथेसिस ऑफ़ ग्राफिन ऑक्साइड फॉर नैनो डिवाइसेस	गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय	1,00,000/-	जारी
3.	कुल्हारी, हितेश	टार्गेटेड को-डिलीवरी ऑफ़ एंटीकैंसर ड्रग एंड siRNA टू ओवरकम द मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंस इन कैंसर ट्रीटमेंट	विज्ञान एवं तकनीक विभाग	7,00,000/-	जारी

पारितोषिक, अध्येतावृत्ति, अधिकार-पत्र आदि के रूप में प्राप्त सम्मान और उपलब्धि

क्रम संख्या	नाम	विवरण
1.	बनर्जी, इन्द्राणी	विजिटिंग अकेडीमिसियन, ब्रुनेल विश्वविद्यालय, लन्दन, युके, जुलाई 2016- जनवरी 2017
2.	कुमार उमेश	आनरेरी एसोसिएट फेलो, डीयेकिन विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया(अगस्त- 2016)

निर्देशित शोधार्थियों की संख्या

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम	निर्देशित शोधार्थियों की संख्या
1.	बागची, तमिश्रा	एम.फिल	5
2.	बागची, तमिश्रा	पी-एच.डी.	3
3.	बनर्जी इन्द्राणी	एम.फिल	0
4.	बनर्जी इन्द्राणी	पी-एच.डी.	4
5.	दुबे चारू	पी-एच.डी.	2
6.	कुमार उमेश	पी-एच.डी.	-
7.	शर्मा मनु	पी-एच.डी.	1
8.	शर्मा मनु	एम.फिल	-

विश्वविद्यालय प्रशासन में प्राध्यापकों की सहभागिता

डॉ. तमिशारा बागची

- सदस्य, कार्यकारणी परिषद्
- सदस्य, अकादमिक परिषद्
- सदस्य, अन्वेषण समिति

डॉ. इन्द्राणी बनर्जी

- सदस्य, अकादमिक परिषद्
- सदस्य, संस्थान अध्ययन परिषद्

- सदस्य, अनुरक्षण, नियंत्रण एवं निरीक्षण समिति, सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटल फैसिलिटी गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, आईक्यूएसी
- सदस्य, स्थानीय क्रय समिति

डॉ. चारु दुबे

- सदस्य, अनुरक्षण, नियंत्रण एवं निरीक्षण समिति, सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटल फैसिलिटी गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, वार्षिक खेल प्रतियोगिता, 2017
- सदस्य, स्थानीय क्रय समिति

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ज्ञाप्ति समाज हेतु अत्यधिक प्रासंगिक है। इस संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य चेतना के संग्रहण हेतु उचित मानव संसाधन का निर्माण और निर्वाह तथा राष्ट्र की संस्कृति, परंपरा, विज्ञान, कला तथा लोक-परंपरा को संरक्षित तथा संचारित करना है। यह संस्थान छात्रों को आईसीटी की प्रयुक्ति, ज्ञाप्ति संग्रहण कौशल तथा पारंपरिक और सामाजिक तौर पर आवश्यक ज्ञाप्ति अधिगम हेतु अंकुरण की प्रक्रिया के साथ समर्थ पेशेवर के रूप में प्रक्षेपित करना है तथा अपने वृहद् परिप्रेक्ष्य में डिजिटल भारत का निर्माण करना है।

पाठ्यक्रम का स्वरूप वैकल्पिक, अनुनेय तथा अभ्यास अभिविन्यस्त है, जिसमें पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के सन्निकर्ष के साथ अध्ययन अपेक्षित है। शिक्षण प्रक्रिया में संवादात्मक व्याख्यान, विडियो शिक्षण, क्षेत्र निरीक्षण, प्रशिक्षण, नियत कार्य, संगोष्ठी, परियोजना आदि अंतर्भूत है।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम

- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में परास्नातक (M.Lib.I.Sc.)

केंद्र में आयोजित व्याख्यान

क्रम.सं.	दिनांक	व्याख्यान का शीर्षक	व्याख्यान का विवरण
1.	14 फरवरी, 2017	‘डिस्कवरी सर्विसेज फॉर आईजीएम लाइब्रेरी टू रीच आउट टू यूजर कम्युनिटी’	डॉ. आनंद भांडी, लाइब्रेरियन, एनआईएफटी, मुंबई

संकाय सदस्य

प्रो. मुत्तय्या कोग्नुरामथ, प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता

2017 में इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन द्वारा पी एस जी कुमार लाइफटाइम अचेइवमेंट अवार्ड प्राप्त। विश्वविद्यालय में अंकुरण गतिविधि तथा राष्ट्रीय सूचना केंद्र की स्थापना।

डॉ. भक्ति गाला, सहायक प्राध्यापक

डिजिटल विषय सूची, उत्पादन प्रसार तथा संरक्षण, सोशल मीडिया तथा पुस्तकालय, सूचना साक्षरता, दीर्घकालीन पुस्तकालय, विविध संस्कृतियों में सूचना के सामाजिक उपयोग तथा उन्मुक्त विषय वस्तु के क्षेत्र में विशेष रुचि।

डॉ.मीनाक्षी परमार, सहायक प्राध्यापक

पुस्तकालय प्रबंधन, पुस्तकालय क्रमविन्यास तथा नामावली, ग्रन्थमितीय अध्ययन तथा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शोध प्रविधि के क्षेत्र में विशेष रुचि।

डॉ. रश्मि कुम्बर, सहायक प्राध्यापक

सूचना साक्षरता, पुस्तकालय एवं सूचना प्रबंधन, सूचना स्रोत, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शोध प्रविधि, स्कूल पुस्तकालयाध्यक्ष, बाल साक्षरता आदि क्षेत्रों में विशेष रुचि।

डॉ. विनीत कुमार, सहायक प्राध्यापक

लाइब्रेरी ऑनलाइन सर्विस, फलकित वर्गीकरण, ओपन डाटा, सेमेंटिक वेब, डिजिटल लाइब्रेरी आदि विशेष रुचि के क्षेत्र।

प्रतिष्ठित/ समीक्षित/ युजीसी द्वारा स्वीकृत पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध आलेख

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशन
1	पॉटनीस, देवेन्द्र एंड गाला, भक्ति	फैक्टर्स इन्फ्लुएंसिंग इंटेसन ऑफ़ सिटीजन्स टू स्प्रेड इनफार्मेशन ओवर मोबाइल फ़ोन्स: इम्प्लीकेशन फॉर मोबाइल गवर्नेंस इन इंडिया	आईसीईजीओवी '17: प्रोसेडिंग ऑफ़ द 10 इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओन थ्योरी एंड प्रैक्टिस ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस	मार्च/ 2017/ एसोसिएशन फॉर कंप्यूटिंग मशीनरी (एसीएम), यूएसए

अन्य प्रकाशन(पत्रिका, समाचारपत्र, वेब पोर्टल)

क्रम संख्या	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशन
1.	गाला, भक्ति	द लैंग्वेज लाइब्रेरी: अ प्रैसलेस ट्रेजर	मंगलवार 7 मार्च 2017; इंटरनेशनल लाइब्रेरियनस नेटवर्क
2.	गाला, भक्ति	डिसरपटिव टेक्नोलॉजीस: डिजिटल कलेक्शनस एंड द लाइब्रेरी स्पेस	गुरुवार 24 नवंबर. 2016; इंटरनेशनल लाइब्रेरियनस नेटवर्क
3.	गाला, भक्ति	डिसरपटिव टेक्नोलॉजीस: मोबाइल लाइब्रेरी एप्स	मंगलवार 22 नवंबर. 2016; इंटरनेशनल लाइब्रेरियनस नेटवर्क
4.	गाला, भक्ति	चेंज इन लाइब्रेरीस: एक्स्पेंडिंग एक्सेस टू इनफार्मेशनस थ्रू ओईआर	गुरुवार 6 अक्तूबर. 2016; इंटरनेशनल लाइब्रेरियनस नेटवर्क

5.	गाला, भक्ति	एलआईएस पार्ट 2	शनिवार, 17 सितम्बर. 2016; इंटरनेशनल लाइब्रेरियनस नेटवर्क
6.	गाला, भक्ति	एलआईएस पार्ट 1	फ्राइडे 16 सितम्बर 2016; इंटरनेशनल लाइब्रेरियनस नेटवर्क
7.	गाला, भक्ति	रिफ्लेक्शन विद द इंटरनेशनल लाइब्रेरियनस नेटवर्क	वॉल्यूम 4 इशू 28, 13 जुलाई 2016; एलआईए वीकली
8.	गाला, भक्ति	रीडर्स फॉर लाइफ: मल्टीलिंगुअल रीडिंग	वॉल्यूम 4 इशू 21, 25 May 2016; एलआईए वीकली; ऑस्ट्रेलियाई लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशनस एसोसिएशन
9.	गाला, भक्ति	रीडर्स फॉर लाइफ: द साउथ एशियन प्रस्पेक्टिव	बुधवार 11 मई 2016; इंटरनेशनल लाइब्रेरियनस नेटवर्क
10.	गाला, भक्ति	मैनेजमेंट एंड लीडरशिप: डेवलपमेंट अपोर्चुनीटीज	गुरुवार 5 मई 2016; इंटरनेशनल लाइब्रेरियनस नेटवर्क
11.	गाला, भक्ति	मैनेजमेंट एंड लीडरशिप: अ डे इन द लाइफ ऑफ़ अ लाइब्रेरी मैनेजर	शुक्रवार 29 अप्रैल 2016; इंटरनेशनल लाइब्रेरियनस नेटवर्क
12.	गाला, भक्ति	एडवोकेसी एंड लॉबिंग: गेटिंग स्टार्टेड	बुधवार 13 अप्रैल. 2016; इंटरनेशनल लाइब्रेरियनस नेटवर्क

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोधपत्र

क्रम संख्या	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी कार्यशा/सम्मलेन/ला का विषय	संस्था	दिनांक
1.	पॉटनीस, देवेन्द्र एंड गाला, भक्ति	फैक्टर्स इन्फ्लुएंसिंग इंटेसन ऑफ़ सिटीजन्स टू	10 इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओन थ्योरी एंड प्रैक्टिस ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस	गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया, यूनाइटेड नेशनस यूनिवर्सिटी ऑपरेटिंग यूनिट ऑन पॉलिसी-	7-9 मार्च 2017.

		स्प्रेड इनफार्मेशन ओवर मोबाइल फ़ोन्स: इम्प्लीकेशन फॉर मोबाइल गवर्नेंस इन इंडिया	(आईसीईजीओवी)	ड्राईवेन इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस (यूएनयूईजीओवी), इन कोलाबोरेशन विद यूएनईएससीओ इन न्यू देल्ही, इंडिया	
--	--	---	--------------	--	--

राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोध पत्र

क्रम संख्या	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठीकार्यशाला/सम्मलेन/ का विषय	संस्था	दिनांक
1.	गाला, भक्ति	सोशल मीडिया: वॉच आउट!	सोशल मीडिया लिटरेसी	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	23-24 मार्च, 2017
2.	कुमार, विनीत	रोल ऑफ़ लाइब्रेरी इन द एरा ऑफ़ पोस्ट टुथ एंड फेक न्यूज़	कांसेप्ट्युलाइजिंग द सोशल रिस्पॉसिबिलिटी ऑफ़ लाइब्रेरीज	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी	19-20 मार्च, 2017.

केंद्र के प्राध्यापकों द्वारा प्रसिद्ध संस्थानों में दिए गये अकादमिक व्याख्यान

क्रम संख्या	नाम	व्याख्यान का विषय	कार्यक्रम का विवरण	सहभागिता
1.	कोगनुरमथ, मुथैय्या	डिजिटल लाइब्रेरीज/इंस्टीट्यूशनल रेपोस्टोरीज एंड डिजिटल कॉनसर्वेशन एंड प्रीसर्वेशन	62 भारतीय पुस्तकालय समिति अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन 9-11 फरवरी, 2017	अध्यक्ष
2.	कोगनुरमथ, मुथैय्या	इन्नोवेटिव यूजर सर्विसेज	लाइब्रेरी इनोवेशनस फॉर एक्सीलेंस. राष्ट्रीय सम्मलेन, 17 फरवरी 2017	अध्यक्ष
3.	कोगनुरमथ, मुथैय्या	इनफार्मेशन लिटरेसी	प्रो. एम आर कुम्बर मेमोरियल व्याख्यान माला 27 फरवरी 2017	मुख्य वक्ता
4.	कोगनुरमथ, मुथैय्या	रोल ऑफ़ लाइब्रेरी प्रोफेशनल इन डिजिटल	रोल ऑफ़ लाइब्रेरी प्रोफेशनल इन डिजिटल एनवायरनमेंट” राष्ट्रीय	मुख्य वक्ता

		एनवायरनमेंट	संगोष्ठी, 4 मार्च 2017	
5.	गाला, भक्ति	ह्यूमन डेवलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज: ओपन रिसर्च टूल्स एंड रिसोर्सेज	‘एथिक्स इन एकेडेमिया’, सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज, एम.एस. बरोदा, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी	मुख्य वक्ता
6.	गाला, भक्ति	ओपन रिसर्च टूल्स एंड रिसोर्सेज	मानव विकास एवं परिवार अध्ययन संस्थान, परिवार एवं समुदाय अध्ययन संकाय, एम एस विश्वविद्यालय, बरोडा, 15 अक्टूबर 2016.	आहूत व्याख्यान
7.	गाला, भक्ति	रीडिंग एंड द रोल ऑफ़ पब्लिक लाइब्रेरी	एक दिवसीय संगोष्ठी, इम्पोर्टेंस ऑफ़ पब्लिक लाइब्रेरीज एंड कल्टीवेशन ऑफ़ रीडिंग हैबिट्स, राजाराम मोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन, गुजरात सरकार, श्री अरविन्द भाई मनियार पुस्तकालय, 20 नवम्बर, 2016, राजकोट	आहूत व्याख्यान
8.	गाला, भक्ति	विमेंस स्टडीज: ओपन रिसर्च टूल्स एंड रिसोर्सेज	‘वीमेनस स्टडीज: इंटरडीसीप्लिनरी पर्सपेक्टिव्स’ सितम्बर, 10, 2016	मुख्य वक्ता
9.	कुमार, विनीत	सोशल मीडिया इन अकैडमिया	कार्यशाला 23-24 मार्च 2017, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	मुख्य वक्ता

प्रशिक्षण/अभिसंस्करण/पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में सहभागिता

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	सहभागिता
1.	गाला, भक्ति	प्रीप्रैरिंग क्वालिटेटिव डाटा फॉर शेयरिंग एंड रियूज	आईएनएफएलआईबीएनईटी इन कोलाब्रेशन विद आईसीएसएसआर, न्यू देल्ही एंड यूएके डाटा सर्विस, यूनिवर्सिटी ऑफ़ एसेक्स, यूके 6 मार्च 2017.	प्रतिभागी
2.	गाला, भक्ति	सोशल मीडिया लिटेरेसी पर कार्यशाला	23 - 24 मार्च 2017	कार्यशाला समन्वयक
3.	परमार, मीनाक्षी	‘प्रोटोटाइप लाइब्रेरी एंड बुक	4 फरवरी 2017	प्रतिभागी

		प्रिजर्वेशन' पर त्रेमासिक संगोष्ठी		
4.	परमार, मीनाक्षी	“प्रीप्रेरिंग क्वालिटेडिब डाटा फॉर शेयरिंग एंड रियूज” पर कार्यशाला	6 मार्च 2017	Participant
5.	परमार, मीनाक्षी	“मेनडले- रिफरेन्स मैनेजमेंट सॉफ्टवेर टूल” पर कार्यशाला	3 फरवरी 2017	प्रतिभागी
6.	परमार, मीनाक्षी	“टर्नइंटइन- एंटी-प्लेगीरिज्म वेब टूल.” पर निर्देशन	1 मार्च 2017	प्रतिभागी
7.	परमार, मीनाक्षी	सोशल मीडिया लिटरेसी पर कार्यशाला	23-24 मार्च 2017	प्रतिभागी
8.	कुम्बार, रश्मि	‘प्रोटोटाइप लाइब्रेरी एंड बुक प्रिजर्वेशन’ पर त्रेमासिक संगोष्ठी	4 फरवरी 2017	उद्घोषक
9.	कुम्बार, रश्मि	‘प्रीप्रेरिंग क्वालिटेडिब डाटा फॉर शेयरिंग एंड रियूज’ पर कार्यशाला	6 मार्च 2017	प्रतिभागी
10.	कुम्बार, रश्मि	“मेनडले- रिफरेन्स मैनेजमेंट सॉफ्टवेर टूल” पर कार्यशाला	3 फरवरी 2017	प्रतिभागी
11.	कुम्बार, रश्मि	“टर्नइंटइन- एंटी-प्लेगीरिज्म वेब टूल.” पर निर्देशन	1 मार्च 2017	प्रतिभागी
12.	कुम्बार, रश्मि	सोशल मीडिया लिटरेसी पर कार्यशाला	23-24 मार्च 2017	उद्घोषक
13.	कुमार, विनीत	“टर्नइंटइन- एंटी-प्लेगीरिज्म वेब टूल.” पर निर्देशन	1 मार्च 2017	प्रतिभागी
14.	कुमार, विनीत	सोशल मीडिया लिटरेसी पर कार्यशाला	23-24 मार्च 2017	मुख्य वक्ता

पारितोषिक, अध्येतावृत्ति, अधिकार-पत्र आदि के रूप में प्राप्त सम्मान और उपलब्धि

क्रम संख्या	नाम	विवरण
1.	कोगनुरमथ, मुथैय्या	इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन द्वारा पी एस जी कुमार लाइफटाइम अचेइवमेंट अवार्ड प्राप्त

अन्य गतिविधि

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में दो-दिवसीय सोशल मीडिया साक्षरता कार्यशाला का आयोजन, 23-24 मार्च, 2017

विश्वविद्यालय प्रशासन में प्राध्यापकों की सहभागिता

प्रो.के. मुथैय्या

- अधिष्ठाता पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान ,
- सदस्य, आईक्यूएसी
- सदस्य, शैक्षिक परिषद्
- सदस्य, कार्यकारिणी
- समन्वयक, विश्वविद्यालय डाटा केंद्र
- समन्वयक, शारीरिक विकलांग वर्ग समिति

डॉ.भक्ति गाला

- सदस्य, प्रवेश समिति
- सदस्य, 'मनसा' पत्रिका, सम्पादकीय समिति
- सदस्य, अकादमिक वर्ष 2016-17 हेतु छात्र प्रतिपुष्टि का संकलन
- सदस्य, अनुशासन सम्बन्धी समिति
- सदस्य, स्मृतिचिन्ह एवं विजयचिन्ह समिति

डॉ. मीनाक्षी परमार

- सदस्य, टीवी9 गुजराती एक्सपो
- संयोजक, एक भारत श्रेष्ठ भारत
- सदस्य, भौतिक भंडार प्रमाणन समिति

डॉ. विनीत कुमार

- प्रधानाधिकारी, आईसीटी गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
- प्रधानाधिकारी, एआईएसएचई सहायक

- सदस्य, प्रवेश समिति
- सदस्य, अनुशासन समिति

विशेष केंद्र

औद्योगिक रसायन विज्ञान अध्ययन केंद्र

इस केंद्र का प्रधान लक्ष्य नवप्रवर्तन विचारों और प्रविधियों को प्रेरित करना है जो प्रायोगिक शोध के उपयुक्त समन्वय, निरूपण तथा संग्रहण तथा अभिकलनात्मक जटिल शोध के प्रतिदर्श निर्माण में सहयोग प्रदान करता है। यह सहक्रिया मुलभूत समीक्षात्मकता प्रदान करता है जो नए प्रयोग तथा गतिविधि अन्वेषण के सहयोग प्रदान करता है।

औद्योगिक आवश्यकताओं में निर्विष्टियां प्रदान करने और गुजरात राज्य में रासायनिक और दवा उद्योग के क्षेत्र में छात्रों के पैमाने को बढ़ाने के लिए केंद्र में अतिथि संकाय के रूप में उद्योग कर्मियों को आमंत्रित किया जाता है, जिससे रोजगार को वैश्विक मंच प्रदान किया जा सके। यह केंद्र अत्याधुनिक इंस्ट्रुमेंटल सुविधा से लैस है, जो शोधकर्ताओं को रसायन आदि सामग्री एकत्र करने व इस पर आधारित उद्योग में चुनौतीपूर्ण समस्याएँ उठाने में सक्षम बनाता है। छात्रों को तकनीकी/गैर तकनीकी संस्थान का दौरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम

- औद्योगिक रसायन विज्ञान (एम.एससी.)
- प्रायोगिक रसायन विज्ञान(पी-एच.डी.)

संकाय सदस्य

डॉ. प्रकाश झा, एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
मल्टीस्केल मॉलिक्यूलर मॉडलिंग के क्षेत्र में विशेष रुचि।

डॉ. राजू चौहान, सहायक प्राध्यापक
टोटल सिंथेसिस के क्षेत्र में विशेष रुचि।

डॉ. कमलेश कुमार, सहायक प्राध्यापक
स्मार्ट मैटेरियल्स, लिक्विड क्रिस्टल्स, माइक्रो-एंड नैनोस्ट्रक्चर्ड पॉलीमर मैटेरियल्स, स्ट्रक्चर-प्रॉपर्टी रिलेशनशिप ऑफ पॉलीमर एंड रिलेटेड मैटेरियल्स

डॉ. ई. बेगरी, सहायक प्राध्यापक
टोटल सिंथेसिस ऑफ नोसकेपाईन के क्षेत्र में विशेष रुचि।

प्रसिद्ध/विशेषज्ञ समीक्षित/यू.जी.सी.द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध-आलेख

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन माह/वर्ष
1	रमण डीवी, विनायक बी,	हाइड्रोफोबिकली डायरेक्टड, कैटेलिस्टफ्री, मल्टीकॉम्पोनेन्ट सिंथेसिस ऑफ फंक्शनलाइज्ड	आरएससी	2016, 6,

	दिलीपकुमार वी, मूर्ती यूएसएन, चौहान , राजू एल, और चंद्रशेखर एम	3,4- डीहाइड्रोक्वुइनाजोलिन -2(1H)-वंस.	एडवांसेज	21789
2	श्रीनिवास राव के, रमेश पी, चौहान आर एल, त्रिवेदी आर.	असिमेट्रिक मेनिच रिएक्शन: हाइली एननटीओसेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ़ 3-एमिनो-ओक्सिनाडॉल्स विया Chiral squaramide बेस्ड एच-बांड डोनर कटैलिसीज	आरएससी एडवांसेज	2016, 6, 84242.
3	नर्मदा एम, सतीश कुमार एन, चंद्रशेखर एल, दिलीपकुमार वी, सुनील कुमार, चौहान राजू एल, मेशराम एच. एम.	एन इफीसिएनटफोर-कॉम्पोनेन्ट एप्रोच फॉर द सिंथेसिस ऑफ़ नावेल 5-मिथाइल-4-(2-(3-मिथाइल-4-निरासोइक्सासोल-5-yl)1-एर्यलेथैल)-1H-पैराज़ोल-3-ol डेरिवेटिव्स एंड देयर एंटी-बेक्टेरियल स्टडी	केमिस्ट्रीसेलेक्ट	2016, 1, 4197
4	पलनिअप्पन एन, चौहान, एल राजू, जोती एस, बोस्को आई जी, कोल आई एस	कोरोजन इनहिबिशन ओन माइल्ड स्टील बाय फोसफोनियम साल्ट्स इन 1एम एचएनओ ₃ एक्वस मीडियम	सरफेसज एंड इंटरफेसज	2016, 1
5	मूर्ती अर्कोडी ए सौम्या एम लक्ष्मी कान्तम एम, त्रिवेदी आर, चौहान, एल राजू, दास ए.	एन एक्स्पिदिन्ट माइक्रोवेव असिस्टेड रेजिओ एंड स्टीरियोसलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ़ स्पैरओ कुइनोक्साइलिन पाईरोलीज़ीन डेरिवेटिव्स एंड देयर ए सी एच ई इन्हिबिट्री एक्टिविटी	न्यू जर्नल ऑफ़ केमिस्ट्री	2017, 41, 873
6	रमन डी वी, चौहान, एल राजू, चंद्रशेखर एम.	कॉपर (I) कैटएलाईज्ड Sp ³ C-H एरिलेशन ऑफ़ एन-एरिलग्लाइसिन एस्टर डेरिवेटिव्स अंडर एरोबिक कंडीशंस	केमिस्ट्रीसेलेक्ट	2017, 2, 2241
7	पनाका एस, त्रिवेदी आर, त्रिवेदी आर, सोनी टी, प्रभाकर एस चौहान, एल	सिल्वर (I) कैटएलाईज्ड इंटरमोलीक्यूलर सायक्लीजेशन ऑफ़ N-(2-(alk-1-yn-1-yl))-1H-टेट्राज़ोल्स लीडिंग टू द फार्मेशन ऑफ़ एन- स्यानो-2- सबसटीट्यूटेड इंडोल्स अंडर	ओरगेनिक केमिस्ट्री फ्रंटियर्स	2017, 4, 1574

	राजू.	एम्बिएंट कंडीशंस		
8	रेड्डी एम एस, सतीश कुमार, एन, चौहान.	एन एफिसिएंट एंड रेपिड सिंथेसिस ऑफ 3- हैड्रोक्सल-3-एल्कआइल-2-औक्सिन्दोल्स विद्या Zn मीडिएट बार्बिएर टाइप रिएक्शन अंडर नीट कंडीशन	जर्नल ऑफ केमिकल साइंस	2017, 129, 1205
9	कार्पे एस ए, सिंह, एम चौहान, एल राजू.	एक्वस सिंगल स्टेप सिंथेसिस एंड स्ट्रक्चरल कैरेक्टराइजेशन ऑफ अलालेईटेड, प्रोपारजाईलेटेड एंड बेंजाईलेटेड 3-सब्सट्र्यूटेड 3-एमिनो ओक्सीडोल्स	सिंथेटिक कम्युनिकेशनस	2017, 1-10
10	कुमार, एस पी, पटेल, सीएन, झा, पी सी एंड पंड्या, एच ए	मॉलिक्यूलर डायनामिक्स-असिस्टेड फार्माकॉफोर मॉडलिंग ऑफ कैस्पेज-3-आइसटिन सल्फोनामाईड काम्प्लेक्स: रेकोग्निजिंग एसेंशियल इंटरमॉलिक्यूलर कॉन्टेक्ट्स एंड फीचरस ऑफ सल्फोनामाईड इनहिबिटर क्लास फॉर कैस्पेज-3 बाइंडिंग	कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एंड केमिस्ट्री	2017, XXX
11	लोन, एम वाय, अथर, एम, गुप्ता, वि के एंड झा, पी सी	प्रायोरीटाईजेशन ऑफ नेचुरल कंपाउंड्स अगेंस्ट माइसोबैक्टीरियम टूबरक्लोसिस 3- डीहाइड्रोक्वुइनेट डीहाइड्रेटेस: अ कंबाईंड इन- सिलिको एंड इन-विट्रो स्टडी	बायोकेमिकल एंड बायोफिजिकल रिसर्च कम्युनिकेशनस	2017, XXX
12	लोन, एम.वाई., अथर, एम., गुप्ता, वी.के., झा, पी.सी.	आइडेंटिफिकेशन ऑफ मईकोबैक्टीरियम टूबरक्लोसिस एनोयल-एसाइल केरियर प्रोटीन रेड्युकटेस इन्हिबिटर: अ कंबाईंड इन-सिलिको एंड इन-विट्रो एनालिसिस	जर्नल ऑफ मोलेकुलर ग्राफिक्स एंड मॉडलिंग	2017
13	पी. रंजन, कुमार, एस.पी., कारी, वी. झा, पी	एक्सप्लोरेशन ऑफ इंटरएक्शन जॉस ऑफ β - टूबलीन कोलचीकइन बयिन्डिंग डोमेन ऑफ हेल्मिन्थस एंड बयिन्डिंग मैकेनिज्म ऑफ अन्थेलमिनटिक्स	कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एंड केमिस्ट्री	68, 78-91, 2017
14	पंचाल, एम., अथर, एम.झा, पी.सी., कोंगोर, ए. मेहता, वी., जैन, वी.	कुइनोलाइन अपेण्डेड ओक्साकेलिकसयरेन एज टर्न-ऑफ फ्लोरोसेंट प्रोब फॉर द सेलेक्टिव अंड सेंसिटिव डीटरमिनेशन ऑफ Cu 2+ आयनस: अ कंबाईंड एक्सपेरिमेंट्स एंड DFT स्टडी	जर्नल ऑफ लुमिनीसेंस	2017

15	मानस ए, लोन, एम वाई एंड झा, पी सी	मल्टीकॉम्प्लेक्स- बेस्ड फार्माकोफोर मॉडलिंग कपल्ड विथ मोलिक्यूलर डायनामिक्स सिमुलेशन: एन ईफीसिएंट स्ट्रेटेजी फॉर द आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ नावेल इन्हिबिटर्स ऑफ़ PfDHODH	जर्नल ऑफ़ मोलेकुलर ग्राफ़िक्स एंड मॉडलिंग	2017
16	भट, एच आर एंड झा, पी सी	सेलेक्टिवस काम्प्लेक्सन ऑफ़ साइनाइड एंड फ्लोराइड आयनस विथ अमोनियम बोरानेस: अ थ्योरेटिकल स्टडी ऑन सेंसिंग मैकेनिज्म इन्वोल्विंग इंटरमॉलिक्यूलर चार्ज ट्रांसफर एंड कॉन्फ़िगरेशनल चार्जेज	द जर्नल ऑफ़ फिजिकल केमिस्ट्री ए	121 (19), 2017
17	गौड़, इ. वीराशेखर, अकिला सिवारामाकृष्णा, कारी, विजयकृष्णा, राव, सीवीएस ब्रह्मानंद, ए खेडकर, विजय एम, झा, प्रकाश, सी.	सिंथेसिस, स्ट्रक्चर एंड DNA इंटरैक्शन स्टडीज ऑफ़ बाईस्फोस्फोरामाईडस: थ्योरेटिकल एंड एक्सपेरिमेंटल इनसाइट्स	इनोर्गानिक किमिका एकटा	461, 2017
18	अथर एम, लोन, एम वाई, झा पी सी	फर्स्ट प्रोटीन ड्रग टारगेट अप्रैज़ल ऑफ़ लीड- लाइकनेस डिसक्रिप्टर्स टू अनफोल्ड द इंटरवेनिंग केमिकल साईसेज	जर्नल ऑफ़ मोलेकुलर ग्राफ़िक्स एंड मॉडलिंग	72,2017
19	अथर एम, लोन, एम वाई, झा पी सी	इन्वेस्टिगेशन ऑफ़ स्ट्रक्चर एंड कांफ़ॉर्मेशन ईक्वीलीब्रियम ऑफ़ ऑक्साकैलिक्स [4] अरेने: अ डेंसिटी फंक्शनल थ्योरी एप्रोच	जर्नल ऑफ़ मोलेकुलर ग्राफ़िक्स एंड लिक्विड्स	2017
20	भट, एच आर एंड झा, पी सी	इंटरमोलिक्यूलर चार्ज ट्रांसफर: मैकेनिज्म बिहाइंड साइनाइड एनियन सेंसिंग ऑफ़ 3, 5- डाईफ़ोरमाईल- बोरोनडिप्रोमीथेन	केमिस्ट्रीसेलेक्ट	2 (9),2017
21	महाजन, पी.एस., निकम, एम.डी., खेडकर, वी., झा, पी.सी., भडाडे, पी.वी. गिल,	एन ओर्गानोकेटालाईज्ड इफ़ीसिएंट वन-पॉट सिंथेसिस, बायोलॉजिकल इवैल्यूएशन एंड मॉलिक्यूलर डॉकिंग स्टडीज ऑफ़ 4,4'- (आर्यलमेथीलीन) बीस- (3- मिथाइल-1-	जर्नल ऑफ़ हेटेरोसाइक्लिक केमिस्ट्री	54 (2), 2017

	सी.एच.	फिनाइल-1-H- प्रजाजोल-5-ओल्स)		
22	भट, एच आर एंड झा, पी सी	साइनाइड एनियन सेंसिंग मैकेनिज्म ऑफ 1, 3, 5, 7, टेट्राटोल्यल अजा-BODIPY: इंटरमॉलिक्यूलर चार्ज ट्रांसफर एंड पार्शियल कॉन्फिगरेशन चेंज	केमिकल फिजिक्स लेटर्स	669, 2017
23	कतला, जे, बहत, एच आर, झा, पी सी, घलससी, पी एस, कंवह एस	α -सायनोसटारेंस विथ प्रेने स्काफफोल्ड: यूनिक ईमिशन थ्रू एग्रीगेशन	केमिस्ट्रीसेलेक्ट	2 (5), 2017
24	वी मेहता, एम अथर, पीसी झा, ए कोंगोर, एम पंचाल, वीके जैन	अ टर्न-ऑफ फ्लोरोसेन्स सेंसर फॉर इंसेंसिटिव मुनिशन युजिंग एन्थ्राकुईनॉन-अपेण्डेडओक्साकैलिक्स(4) अरेने एंड इट्स कम्प्यूटेशनल स्टडीज	न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री	2017
25	भट, एचआर, झा, पी सी	अ थ्योरोटिकल स्टडी ऑन एनियन सेंसिंग मैकेनिज्म ऑफ मल्टी-फोसफोनियम ट्राईआर्यलबोरेन्स: इंटरमॉलिक्यूलर चार्ज ट्रांसफर एंड कॉन्फिगरेशनल चार्ज	फिजिकल केमिस्ट्री केमिकल फिजिक्स	19 (22), 2017
26	दास, सुदीप्ता भट, हामिद आर., बलसुकुरी, नरेश झा, प्रकाश सी हिसमुने युताका, इशिदा, मसतोसी, फुरुता, हिरोयुकी, मोरी, शिगेकी, गुप्ता, इति	डोनर- एक्सेपटर टाइप A 2 B 2 फॉरफार्मिंस: सिंथेसिस, एनर्जी ट्रांसफर, कम्प्यूटेशनल एंड इलेक्ट्रोकेमिकल स्टडीज	इनोर्गेनिक केमिस्ट्री फ्रंटियर्स	4 (4), 2017
27	मीर, एस एच, चक्रवर्ती, एस, वरना जे, नारायण, एस, झा पीसी, झा, पीके झा, आहूजा, आर	अ कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ हाइड्रोजन एवोल्यूशन रिएक्शन ऑन सूडो-मोनोलेयर WS 2 एंड PtS 2: इनसाइट्स बेस्ड ऑन द डेंसिटी फंक्शनल थ्योरी	कटैलिसीस साइंस एंड टेक्नोलॉजी	7 (3), 2017

28	नाइक, यू जे, झा, पी सी, लोन, एम वाई, शाह, आर आर, शाह, एन के	इलेक्ट्रोकेमिकल एंड थ्योरेटिकल इन्वेस्टीगेशन ऑफ द इन्हिबिट्री इफेक्ट ऑफ टू स्विचफ़ बैस्ड ऑफ बेन्ज़लडीहाईड फॉर द कोरोजन ऑफ एल्युमीनियम इन हाइड्रोक्लोरिक एसिड	जर्नल ऑफ मोलेकुलर ग्राफ़िक्स एंड मॉडलिंग	1125, 2016
29.	सुबेदार, डी डी, शैख, एम एच, तुपे, एस जी, देशपांडे, एम वी, खेडकर, वीएम, झा, पी सी, शिंगते, बी बी	फेसाईल एंड साल्वेंट-फ्री डोमिनो सिंथेसिस ऑफ न्यू क्यूनोलीडीनायल-2, 4-थियाज़ोलीडीनोंस: एंटीफ़्युगल एक्टिविटी एंड मॉलिक्यूलर डॉकिंग	मिनी रिव्यू इन मेडिसिनल केमिस्ट्री	2016

राष्ट्रीय/राजकीय स्तर संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोध-पत्र

क्रम संख्या	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला का विषय	संस्थान	दिनांक
1	डॉ.एल. राजू चौहान	स्टीरियोसेलेक्टिव प्रिपरेशन ऑफ चिरल α -सब्सटीट्यूटेड सल्फाईड्स एंड इट्स एप्लीकेशन इन टोटल सिंथेसिस ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स	एडवांस रिसर्च मेथड्स इन केमिकल साइंस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	MVSDG पालामुरु विश्वविद्यालय	31 मार्च 2017.
2	डॉ. एल. राजू चौहान	स्पेक्ट्रोस्कोपिक टेक्निक्स फॉर डीटरमीनेशन मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर	इंस्ट्रुमेंटल मेथड्स ऑफ केमिकल साइंसेज पर कार्यशाला	रायत शिक्षण संस्था, महात्मा फुले आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज, पनवेल	7 जनवरी 2017
3	डॉ. एल. राजू चौहान		इंटरनेशनल कांफ्रेंस “ ट्रेड सेटिंग्स इनोवेशनस इन केमिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी:- नेचर इंस्पायर्ड	रसायन विज्ञान एवं तकनीक संस्थान, जवाहरलाल	4-6 अक्टूबर, 2016

			केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग (TSCST-NICE 2016)”	नेहरु तकनीकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद	
5.	डॉ.पी.सी.झा	अतिथि वक्ता	केमिस्ट्री ऑफ़ लाइट एंड मेडिसिन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	आई आई टी गांधीनगर	8-9 दिसम्बर 2016.
6	डॉ. पी.सी. झा	अतिथि वक्ता	रीसेंट एडवांसेज एंड फ्यूचर ट्रेंड्स इन केमिकल टेक्नोलॉजी	निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद	24 सितम्बर 2016
8	डॉ.पी.सी.झा	अतिथि वक्ता	कम्प्यूटेशनल मेथड्स इन साइंस	SVNIT, सूरत	13 अप्रैल 2016

केंद्र के प्राध्यापकों द्वारा प्रसिद्ध संस्थानों में दिए गये अकादमिक व्याख्यान

क्रम संख्या	नाम	व्याख्यान का विषय	कार्यक्रम का नाम	सहभागिता
1	डॉ. एल. राजू चौहान	स्टीरियोसेलेक्टिव सिंथेसिस बायोएक्टिव मोलेक्युल्स एम्प्लोयिंग अल्फा-क्लोरो सल्फाइड	2 फरवरी 2017	आहूत वक्ता

शोध-परियोजनाएँ

क्रम संख्या	नाम	परियोजना का शीर्षक	निधिबंध संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना की अवस्था
1	डॉ. एल. राजू चौहान	स्टीरियोसेलेक्टिव सिंथेसिस बाईसाइक्लिक गामा-लैक्टोनस एंड इट्स एप्लीकेशन इन टोटल सिंथेसिस हेजेस ग्लैंड लैक्टोन, (+)- ट्रांस कुमाउसाइन एंड कुमाउसलेन	डीएसटी- एसईआरबी	1,20,0000/-	पूर्ण
2	डॉ. एल. राजू चौहान	स्टीरियोसेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ़ टीएचएफ डीरेक्टीवज एम्प्लोयिंग अल्फा-क्लोरो सल्फाइड एंड इट्स एप्लीकेशन.	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	1,00,000/-	जारी

3	डॉ. पी.सी.झा	रेशनल डिजाईन ऑफ बायोओर्गानोमेटलिक कंपाउंड्स एज पोर्टेंशियल एंटीमाइक्रोबिअल एजेंट्स	डीएसटी-एसईआरबी	3,31,848/-	जारी
4	डॉ. पी.सी.झा	कंप्यूटर मॉडलिंग एप्रोच टू स्कन सेंसिटाईजेशन	UGC	6,00,000/-	पूर्ण

निर्देशित शोधार्थियों की संख्या

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम	निर्देशित शोधार्थियों की संख्या
1	डॉ. एल राजू चौहान	एम.फिल.	5
2	डॉ. प्रकाश सी. झा	एम.फिल.	3

विश्वविद्यालय प्रशासन में प्राध्यापकों की सहभागिता

डॉ. प्रकाश झा

- सदस्य, अकादमिक समिति
- सदस्य, अध्ययन परिषद्
- सदस्य, CASR
- सदस्य, एंटी रैगिंग समिति
- सदस्य, विशेषज्ञ समिति, सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटल फैसिलिटी
- सदस्य, परामर्श समिति, रेमेडियल इंग्लिश प्रोग्राम
- सदस्य, हिंदी समिति
- सहायक सूचना अधिकारी
- सदस्य, रेमेडियल कोचिंग फॉर SC/ST/OBC एंड माइनॉरिटी
- सदस्य, परिसर विकास समिति, सेक्टर-30
- सदस्य, प्रवेश समिति 2015
- सदस्य, संस्थान स्तरीय क्रय समिति
- सदस्य, पुस्तकालय परामर्श समिति
- सदस्य, संस्थान स्तरीय प्रवेश समिति 2013

प्रवासी अध्ययन केंद्र

प्रवासी अध्ययन एक नवीन अंतरा-अनुशासनात्मक विभाग है जो सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक सन्दर्भ में प्रवास की गतिविधियों का अध्ययन करता है। यह केंद्र प्रवासियों के विभिन्न मुद्दों पर विशेषकर भारतीय प्रवासियों के मुद्दों पर चर्चा करता है। इसके अतिरिक्त समय-समय पर केंद्र द्वारा प्रवासी विषयक अवधारणा केन्द्रित अध्ययन हेतु विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम

- प्रवासी अध्ययन में एकीकृत एम.फिल. – पीएच.डी. पाठ्यक्रम

केंद्र में आयोजित व्याख्यान

क्रम संख्या	दिनांक	व्याख्यान का विषय	व्याख्यान का विवरण
1.	6 सितम्बर से 29 नवंबर 2016	ब्रॉडर थीम्स ऑफ़ द लेक्चरस: थ्योरेटिकल एंड मेथडोलोजिकल आस्पेक्ट्स ऑफ़ डायस्पोरा एंड कम्पोजीशनल स्किल्स	प्रो. विलियम रोबर्ट द सिल्वा, पूर्व प्राध्यापक, ओज्नाब्रुक विश्वविद्यालय, जर्मनी, गोवा विश्वविद्यालय, मंगलोर विश्वविद्यालय, मणिपाल विश्वविद्यालय, क्राइस्ट विश्वविद्यालय
2.	1 फरवरी 2017	माइग्रेंट लिटरेचर इन इंडिया	प्रो. पी. चंद्रमोहन (सेवानिवृत्त), दिल्ली विश्वविद्यालय
3.	24 मार्च 2017	इंडियन डायस्पोरा इन चाइना	प्रो. जिया हैतो, राजनीतिक विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय सम्बंध की प्राध्यापक, जिनान विश्वविद्यालय, गुआंगजौ, चीन
4.	25 अप्रैल 2017	हंड्रेड इयर्स आफ्टर अबोलिशन ऑफ़ इंडेंचरशिप	डॉ. सतनारायण बालकरणसिंह, पूर्व प्राध्यापक, यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेस्ट इंडीज
5.	26 अप्रैल 2017	रिशेपिंग ऑफ़ कल्चर: इनहेरिटेस, इन्वोल्यूशन एंड कनटिन्यूटी इन गिरमिटिया कन्ट्रीज	डॉ. सतनारायण बालकरणसिंह, पूर्व प्राध्यापक, यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेस्ट इंडीज
6.	17 अगस्त 2017	कल्चरल आइडेंटिटी एंड एस्सिमिलेशन ऑफ़ इंडियन डायस्पोरा	प्रो. पी. चंद्रमोहन (सेवानिवृत्त), दिल्ली विश्वविद्यालय

संकाय सदस्य

डॉ. अतनु महापात्रा, एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

संचार प्रगति, वैश्विक मुद्दे तथा संचार शोध आदि के क्षेत्र में विशेष रुचि।

डॉ. सिबा शंकर मोहंती, सहायक प्राध्यापक

प्रवासी अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन, प्रवासी साहित्य, करिबियन अध्ययन के क्षेत्र में रुचि।

डॉ. नरेश कुमार, सहायक प्राध्यापक

आन्तरिक/अन्तर्राष्ट्रीय विस्थापन, भारतीय प्रवासी जनसांख्यिकी, क्षेत्रीय भूगोल, शोध प्रविधि के क्षेत्र में रुचि।

डॉ. शैलेन्द्र कुमार, सहायक प्राध्यापक

प्रवासी अध्ययन, समाजशास्त्र, सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में विशेष रुचि।

डॉ. रजनीश कुमार गुप्ता, सहायक प्राध्यापक

प्रवासी एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बंध, भारतीय प्रवासी नीति, भारत-अफ्रीका प्रवास, अस्मिता-स्मरण मुद्दा, प्रवासी मानव अधिकार आदि क्षेत्रों में विशेष रुचि।

श्री छप्परबन सजौदीन निजामुद्दीन, सहायक प्राध्यापक

लिटररी क्रिटिसिज्म, प्रवासी अध्ययन तथा उत्तर-औपनिवेशिक अध्ययन में विशेष रुचि।

प्रसिद्ध/विशेषज्ञ समीक्षित/यू.जी.सी.द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध-आलेख

क्रम संख्या	लेखक का नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशक
1	कुमार, नरेश	इंडियन माइग्रेशन 2010-2011: द अमेरिकाज	जनरल ऑफ़ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेआरएफडीटी)	2016/कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस: नई दिल्ली: आईएसएसएन न. 0971-3859. pp.169-172.
2	कुमार, नरेश, कुमार, अखिलेश	“अफ्रीकन डीसेंटेंस इन इंडिया: अ क्वेस्ट फॉर आइडेंटिटी एंड एस्सिमिलेशन इन गुजरात”	शोध प्रबंध, जीआरएफडीटी	अप्रैल 2016, श्रृंखला 16, अंक 2, संख्या 4, आईएसएसएन-2454-3675.

सम्पादित पुस्तक में प्रकाशित आलेख

क्रम संख्या	लेखक का नाम	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन माह/वर्ष, प्रकाशक
1.	गुप्ता रजनीश कुमार	इंडियन डायस्पोरा इन ईस्ट अफ्रीका: एजेंट्स ऑफ आइडेंटिटी रिटेंशन	थ्रू द डायस्पोरा लेंस	जनवरी 2017 ऑर्थर्स प्रेस, नई दिल्ली
2	मोहपात्रा अतनु कुमार	इंडियाज न्यू मिडिल ईस्ट पॉलिसी: अपोर्च्युनीटीज एंड चैलेंजेज	एन आउटलाइन ऑफ इंडियन फॉरेन पॉलिसी एंड रिलेशन्स (सं)	मित्रम पब्लिशर्स, कोलकाता, 2016
3	महापात्रा अतनु कुमार	वैल्यू ऑफ कलेक्टिंग एंड अर्चिविंग फोकलोर इन ट्राइबल ज़ोन्स: अ स्टडी ऑफ ओडिसा	रिपोजीशनिंग फोकलोर एंड इंडिजेनस नॉलेज (सं)	सेंचूरियन यूनिवर्सिटी प्रेस, भुवनेश्वर, 2016

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोध-पत्र

क्रम संख्या	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला का विषय	संस्थान	दिनांक
1.	कुमार, नरेश	“डीप्रेवेशन ऑफ इमिग्रेंट्स: एन एनालिसिस ऑफ साइकिल एंड रिकशा पुल्लेर्स इन देल्ही”	डीसेंट्रीलाइजेशन, पोवर्टी एंड मार्जिनेलाइजेशन	करेला इंस्टिट्यूट ऑफ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन (केआईएलए), थ्रिस्सूर	19-22 नवंबर 2016
2.	गुप्ता, रजनीश कुमार	कल्चरल आइडेंटिटी एंड डायस्पोरा: अ केस ऑफ इंडियन डायस्पोरा इन केन्या	माइग्रेशन एन डायस्पोरा: इमर्जिंग डायवर्सिटीज एंड डेवलपमेंट चैलेंजेज	एसओआईटीएस, इग्नू, नई दिल्ली	22-23 मार्च 2017

राष्ट्रीय/ राज्य स्तरीय संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोध-पत्र

क्रम सं.	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला का विषय	संस्थान	दिनांक
1.	गुप्ता, रजनीश	इंडियन डायस्पोरा इन	माइग्रेशन एंड डायस्पोरा:	भारती कॉलेज	24-25 मार्च

	कुमार	ईस्ट अफ्रीका: एजेंट्स ऑफ आइडेंटिटी रिटेंशन	थ्योरी, कल्चरस एंड लिटरेचर	(दिल्ली विश्वविद्यालय) एंड ग्लोबल रिसर्च फोरम ओन डायस्पोरा एंड ट्रांसनेशनलिज्म, नई दिल्ली	2017
2.	कुमार, शैलेन्द्र	रोल ऑफ इंडियन डायस्पोरा इन नेशन-बिल्डिंग एंड प्रोमोटिंग द आईडिया ऑफ डेमोक्रेसी इन इंडिया	मॉडर्निटी, नेशन	डॉ. अम्बेडकर, अध्यक्षता सीएसएसएस/ एसएसएस, जेएनयू, नई दिल्ली	29-30 मार्च 2017

शोध परियोजनाएँ

क्रम. सं.	नाम	परियोजना का शीर्षक	निधिबंध संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना की अवस्था
1	मोहपात्रा, अतनु कुमार	इम्पैक्ट ऑफ आरटीईएक्ट ओन द एनरोलमेंट रेश्यो अमोंग द चिल्ड्रेन फ्रॉम बीपीएल फैमिलीज़ इन गुजरात	आईसीएसएसआर	7, 00,000/-	जारी

निर्देशित शोधार्थियों की संख्या

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम	निर्देशित शोधार्थियों की संख्या
1.	मोहंती, सीबा शंकर	एम.फिल.	04 (सह-निर्देशक)
2.	कुमार, नरेश	एम.फिल.	04 (सह-निर्देशक)
3.	कुमार, शैलेन्द्र	एम.फिल.	03 (सह-निर्देशक)

4.	मोहपात्रा, अतनु कुमार	पी-एच.डी	02
----	-----------------------	----------	----

विश्वविद्यालय प्रशासन में प्राध्यापकों की सहभागिता

कुमार, नरेश

- सदस्य, आदिवासी समुदाय ,राष्ट्रीय संगोष्ठी समिति ,

छात्र कल्याण अधिष्ठाता छात्रों के समूचे कल्याण एवं उन्हें प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु उनके बौद्धिक एवं सामाजिक विकास एवं विश्वविद्यालयीन कक्षा के अतिरिक्त उन्हें बुद्धिजीवी एवं कर्तव्यपरायण बनाने के लिए कार्यरत है। छात्र कल्याण अधिष्ठाता छात्रावास, खेल गतिविधि, स्वास्थ्य केंद्र एवं भारतीय एवं विदेशी छात्रों के कल्याण हेतु प्रयासरत है।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय

छात्र कल्याण अधिष्ठाता- प्रो.संजय कुमार झा
सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता- डॉ. ज़किया फिरदौस
क्लर्क- श्री गजेन्द्र सिंह राठौर

प्रोवोस्ट कार्यालय

प्रोवोस्ट- प्रो. अतनु भट्टाचार्य
वरिष्ठ छात्रावास संरक्षक- डॉ. किशोर जोस
छात्रावास संरक्षक- डॉ. राजेश सिंह (पुरुष छात्रावास)
छात्रावास संरक्षक- डॉ. सरला देसारी (महिला छात्रावास)
छात्रावास संरक्षक- डॉ. पार्वती अय्यर(महिला छात्रावास)
क्लर्क- श्री हरनीश चौहान
छात्रावास प्रभारी- श्री रोहित पटेल(पुरुष छात्रावास)
छात्रावास प्रभारी- श्री हितेश चौहान(पुरुष छात्रावास)
छात्रावास प्रभारी- श्रीमती ट्विंकल पटेल(महिला छात्रावास)
छात्रावास प्रभारी- श्रीमती कोकिलाबेन(महिला छात्रावास)

70वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में 70वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य पर साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे भाषण, गायन प्रतियोगिता, रंगोली, पोस्टर, नाटक का आयोजन किया गया व विजेता छात्रों हेतु नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त 12 अगस्त, 2016 को 'फ्रीडम रन' का भी आयोजन किया गया।



रक्तदान शिविर

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष शीतसत्र में रक्तदान दिवस आयोजित किया जाता है। वर्ष 2016 में सामाजिक प्रबंधन संस्थान व रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में 21 अप्रैल, 2016 को सेक्टर-30 परिसर, गांधीनगर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रतिभागिता समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और उत्साह का परिचायक रही। विश्वविद्यालय के सदस्यों द्वारा लगभग 88 यूनिट रक्तदान किया गया।



सांस्कृतिक प्रतियोगिता(22 अप्रैल-27 अप्रैल, 2016)

विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रतिवर्ष 2 सप्ताह के लिए किया जाता है जिसमें कविता पाठ, नृत्य प्रस्तुति, भाषण, फोटोग्राफी, नाटक मंचन, रंगोली इत्यादि किये जाते हैं।

7 वाँ वार्षिक दिवस समारोह(12 मई, 2016)

7वाँ वार्षिक दिवस समारोह गत वर्ष 2016 में 12 मई, 2016 को मनाया गया। माननीय कुलपति महोदय प्रो. एस.ए. बारी ने कार्यक्रम का उद्घाटन अपने भाषण के साथ किया एवं विश्वविद्यालय के सत्र 2015-16 की उपलब्धियों से अवगत कराया।



पारंपरिक सांस्कृतिक उत्सव गरबा (04-10-16)



राष्ट्रीय एकता सप्ताह(सरदार पटेल जन्म वार्षिकोत्सव)(8-10 नवम्बर, 2016)

निम्न प्रतियोगिताओं का आयोजन:

निबंध एवं आदर्श वाक्य प्रतियोगिता, एकता की थीम पर, 8 नवम्बर, 2016

9 नवम्बर, 2016 को सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म-स्थान का भ्रमण

10 नवम्बर, 2016 को एकता की थीम पर गायन प्रतियोगिता

स्वामी विवेकानंद जन्म वार्षिकोत्सव(12 जनवरी, 2017)

निम्न प्रतियोगिताओं का आयोजन:

12 जनवरी, 2017 को निबंध प्रतियोगिता

12 जनवरी, 2017 को वाद-विवाद प्रतियोगिता



गणतंत्र दिवस (26 जनवरी, 2017)

झंडा-रोहण के अतिरिक्त भारत की विविध संस्कृतियों से ओत-प्रोत कई गतिविधियों का आयोजन किया गया।



अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस(8 मार्च, 2017)

8 मार्च, 2017 को स्त्री आन्दोलन के विविध विमर्शों तथा समानता और सहभागिता की अद्यतन यात्रा के साथ महिला आन्दोलन के सम्पूर्ण सफ़र पर प्रकाश डाला गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर निम्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं:

- आदर्श वाक्य प्रतियोगिता
- काव्य-पाठ प्रतियोगिता
- निबंध प्रतियोगिता
- पेंटिंग प्रतियोगिता



सांस्कृतिक प्रतियोगिता(26-30 मार्च, 2017)

विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रतिवर्ष 2 सप्ताह के लिए किया जाता है जिसमें कविता पाठ, नृत्य प्रस्तुति, भाषण, फोटोग्राफी, नाटक मंचन, रंगोली इत्यादि किये जाते हैं।

मनसा- छात्रों की पत्रिका

मनसा विश्वविद्यालय की पहली द्विभाषी पत्रिका है। मनसा(शाब्दिक अर्थ: मस्तिष्क का बोध) विद्यार्थियों को अपनी कला एवं उनकी संभाव्यता को सामने लाने का अवसर प्रदान करती है। ये नवीन विचार कविता, फोटोग्राफी, लघुकथा एवं लेखों के द्वारा भारत के विस्तृत सांस्कृतिक परिदृश्य के परिचायक हैं। विश्वविद्यालय में इस प्रकार की गतिविधियां भारतीय परिवेश/उपमहाद्वीप की विभिन्न संस्कृतियों को रेखांकित करती है।

सम्पादकीय समिति

प्रो. आलोक कुमार गुप्त

डॉ. गजेन्द्र कुमार मीणा

डॉ. जकिया फिरदौस

डॉ. असीमा जेना

सुमेध पारधे

संतोष कुमार यादव

8वाँ वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता (1 मार्च-26 मार्च, 2016)

वर्ष 2016-17 में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 8वाँ वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कर्मचारी की क्रिकेट टीम ने जीएनएलयु में आयोजित जस्टिस लीग में 24 मई-8 जून, 2016, में भागीदारी की जिसमें विश्वविद्यालय की स्टाफ टीम सेमीफाइनल तक पहुंची। स्वतंत्रता दिवस की संध्या को गुजरात सरकार के तत्वावधान में विश्वविद्यालय में 'फ्रीडम रन' का भी आयोजन किया गया जिसमें लगभग 150 विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने भागीदारी की। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने विभिन्न खेलों जैसे कबड्डी, वॉली बाल(पुरुष), टेबल टेनिस(पुरुष), बेडमिंटन(महिला/पुरुष), एथलेटिक्स(महिला/पुरुष), फुटबाल(पुरुष) तथा भारोत्तोलन(पुरुष) प्रतियोगिताओं में भाग लिया।



8वाँ वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता

खेल सलाहकार समिति

1	कुलसचिव	अध्यक्ष
2	छात्र कल्याण अधिष्ठता	सदस्य
3	प्रोवोस्ट	सदस्य
4	डॉ. सोनी कुंजप्पन, सहायक प्राध्यापक, सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र	सदस्य
5	डॉ. मानसी सिंह, सहायक प्राध्यापक, सुरक्षा अध्ययन केंद्र	सदस्य
6	डॉ. सरला देसारी, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र एवं योजना अध्ययन केंद्र	सदस्य
7	डॉ. लीला ठाकुर, खेल प्रशिक्षक	संयोजक

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय भूतपूर्व छात्र समिति

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय भूतपूर्व छात्र समिति(CUGAA) का गठन अधिसूचना क्रमांक 46/2016-17 के अंतर्गत दिनांक 9 अगस्त, 2016 को अध्यादेश क्रमांक 22 के अनुसार स्थापित किया गया।

गठन एवं संरचना

अधिसूचना क्रमांक 46/2016-17 के अनुसार 9 अगस्त 2016 को माननीय कुलपति महोदय ने निम्नांकित सदस्यों के साथ CUGAA को गठित किया।

संरक्षक

प्रो. एस.ए. बारी- कुलपति, सीयुजी

पदेन सदस्य

1. कुल सचिव, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
2. वित्त अधिकारी, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

संस्थापक सदस्य

(संकाय सदस्यों, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों तथा विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों को मिलाकर कुल 17 सदस्य)

1. प्रो. एम.एच. फुलेकर
2. प्रो. मान सिंह
3. प्रो. बालाजी रंगनाथन
4. डॉ. राजेश वासिता
5. डॉ. अतुल मिश्रा
6. डॉ. पलौमी साहू
7. डॉ. खैखोलेन होकिप
8. श्री तरुण सोनी
9. डॉ. मुकेश लाकुम
10. डॉ. विजय सोलंकी
11. डॉ. मनसुख जापडीया
12. डॉ. प्रदीप प्रसन्न
13. डॉ. सचिन बी. उन्ने
14. श्रीमती शैकी भट्ट
15. श्री संकेत श्रीसत
16. श्री दिनेश राठवा
17. डॉ. सोनी कुंजप्पन, संयोजक, CUGAA

लक्ष्य

- विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों के साथ सुदृढ़ और चिरस्थायी संबंध स्थापित करना, जिससे भूतपूर्व छात्रों के बीच होने वाले सामाजिक एवं व्यक्तिगत सम्बन्ध को प्रोत्साहित किया जा सके।
- भूतपूर्व छात्रों के परस्पर सहयोग का साझा मंच प्रदान करने हेतु एवं भावी छात्रों, वर्तमान छात्रों एवं युवा भूतपूर्व छात्रों को शिक्षा एवं भविष्य व्यवसाय हेतु दिशा-निर्देश करना।

- विश्वविद्यालय एवं भूतपूर्व छात्रों के हित को बढ़ावा देने हेतु कार्यक्रम लागू करना।

मुख्य कार्यक्रम

19 अगस्त 2016

संस्थापक सदस्यों और भूतपूर्व छात्रों का परस्पर अचार-व्यवहार हुआ। प्रो.एस.एल. हिरेमठ, कुलसचिव, संजय कुमार झा, वित्त अधिकारी, विशेष आमंत्रितगण के तौर पर उपस्थित हुए। इसके अतिरिक्त निम्नलिखित सदस्यों के साथ मिलकर संविधान प्रारूप समिति का भी गठन किया गया-

- प्रो. एम.एच. फुलेकर
- प्रो. मान सिंह
- प्रो. संजय कुमार झा
- डॉ. सोनी कुंजप्पन

संविधान प्रारूप समिति ने संविधान प्रारूप विश्वविद्यालय प्राधिकारी एवं गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की आधिकारिक परिषद् को विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ समर्पित किया।

26 अगस्त, 2016

माननीय कुलपति महोदय से अनौपचारिक वार्तालाप का आयोजन विश्वविद्यालय के सेक्टर-29 परिसर के सम्मलेन कक्ष में किया गया।

28 सितंबर, 2016

भूतपूर्व छात्रों का नेक के सहकर्मी टीम के साथ वार्तालाप का आयोजन विश्वविद्यालय के सेक्टर-29 परिसर के सम्मलेन कक्ष में किया गया।

मुख्य उपलब्धियां

संविधान प्रारूप समिति की कई बैठकों के बाद CUGAA का संविधान विश्वविद्यालय प्राधिकारी एवं गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की आधिकारिक परिषद् द्वारा अनुमोदित किया गया।

प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

यह प्रकोष्ठ विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निर्देशित और प्रशिक्षित करने हेतु गठित किया गया।

गठन एवं संरचना

इस प्रकोष्ठ का संचालन विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के निम्नलिखित सदस्यों द्वारा किया जाता है:

- डॉ. जय प्रकाश प्रधान, मुख्य अधिकारी
- डॉ. अनुष्का गोखले, सदस्य
- डॉ. बी. जगन्नाथम, सदस्य
- डॉ. असीमा जेना, सदस्य
- डॉ. धनंजय राय, सदस्य
- डॉ. राजू चौहान, सदस्य
- डॉ. निवेदिता कलारिक्कल, सदस्य

लक्ष्य

- विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना:
 - (a) सरकारी परीक्षाएं (UPSC तथा अन्य सरकारी परीक्षाएं, बैंकिंग)
 - (b) प्रवेश परीक्षाएं (GRE, GMAT, CAT, IELTS इत्यादि)
 - (c) UGC NET/CSIR
- सरकारी परीक्षा विषयवली के अनुसार पाठ्यक्रम निर्धारित करना।
- लघु अवधी/ दीर्घावधि/क्रेश कोर्स
- विद्यार्थियों/ पेशेवर एवं संस्था के अतिरिक्त महिलाओं को भी इसमें संगृहीत करना।

गतिविधि

CSIR-JRF/NET परीक्षा पर व्याख्यान, द्वारा-डॉ. टी.पवन कुमार, DST-इंस्पाईर फैकल्टी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ केमिकल टेक्नोलॉजी(IICT), हैदराबाद

आन्तरिक शिकायत समिति

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के आन्तरिक शिकायत समिति का गठन कार्यस्थल पर स्त्रियों के साथ होने वाले यौन-उत्पीडन(रोकथाम, निषेध, निवारण) अदिनियम, 2013 के अनुसार किया गया। मौजूदा संगठन इस सम्बन्ध पहले से ही कार्यरत है। (GSCASH) अक्टूबर, 2015 से विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 'लैंगिक समर्थक' नियुक्त किये जाते हैं, जो सक्रिय रूप से लैंगिक मुद्दों पर विमर्श करते आ रहे हैं।

गठन एवं संरचना:

आन्तरिक शिकायत समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:

- प्रो. इंदिरा दत्ता, अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान संस्थान, अध्यक्ष, अर्थशास्त्र एवं योजना अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान- अध्यक्ष
- डॉ. सोनी कुंजप्पन, सहायक प्राध्यापक, सामाजिक प्रबंधन केंद्र, सामाजिक विज्ञान अध्ययन संस्थान, सदस्य
- डॉ. पर्वती अय्यर, सहायक प्राध्यापक, विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान अध्ययन संस्थान, सदस्य
- डॉ. मानसी सिंह, सहायक प्राध्यापक, सुरक्षा अध्ययन केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, सदस्य
- श्रीमती, बेला चोलाविया, UDC, सदस्य
- श्री तरुण सोनी, सेक्शन अधिकारी, सदस्य
- डॉ. इला भट्ट, SEWA, NGO, सदस्य

लक्ष्य

आन्तरिक शिकायत समिति द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीडन के रोकथाम और निषेध के लिए निम्नांकित लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं:

- महिलाओं के यौन उत्पीडन के खिलाफ एक रूपरेखा तैयार करना।
- यौन उत्पीडन के निषेध हेतु एक स्थायी तंत्र विकसित करना तथा यौन हिंसा के अन्य कृत्यों की जांच करना।
- शिकायतों और उचित प्रक्रिया के अनुपालन हेतु प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना।
- विश्वविद्यालय के लैंगिक पक्षपात और भेदभाव मुक्त वातावरण को सुनिश्चित करना।
- सार्वजनिक रूप से यौन शोषण के प्रति शून्य सहिष्णुता नीति अपनाने हेतु प्रतिबद्ध।
- सुरक्षित मनोवैज्ञानिक एवं शारीरिक वातावरण बनाने एवं यौन उत्पीडन की किसी भी गतिविधि के रोकथाम हेतु प्रतिबद्ध।
- आन्तरिक शिकायत समिति के सदस्यों के लिए अभिविन्यस्त प्रशिक्षण का आयोजन ताकि व्यवस्थित और संवेदनात्मक तरीके से शिकायत का निवारण किया जा सके।
- यौन उत्पीडन के विभिन्न रूपों से सम्बंधित मुद्दों के विरुद्ध जागरूकता उत्पन्न करना।

गतिविधियाँ:

नवम्बर, 2016 में आन्तरिक शिकायत समिति ने छात्रों एवं शिक्षकों के लिए यौन हिंसा के प्रति जागरूक करने हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान कई उपयोगी बातचीत व चर्चाएँ संपन्न हुईं।

प्रमुख उपलब्धियाँ

आन्तरिक शिकायत समिति ने एक मामले को बहुत अच्छी तरह संभाला, जिससे शिकायतकर्ताओं ने अपनी शिकायत वापस ले ली। लगभग 2 महीने लगे लेकिन मामला सौहार्दपूर्ण से निपटाया गया।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

अकादमिक सत्र 2016-17 के लिए आई. क्यू. ए. सी. का वार्षिक प्रतिवेदन

आईक्यूएसी ने राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रमाणन समिति, बैंगलोर द्वारा प्रदान किये गये प्रारूप के अनुसार विश्वविद्यालय के लिए स्वाध्याय रिपोर्ट तैयार किया, जिसमें 7 मापदंडों का उल्लेख है:

1. पाठ्यक्रम के विभिन्न पहलू
2. शिक्षण, अध्ययन तथा मूल्यांकन
3. अनुसन्धान, परामर्श एवं विस्तार
4. मूलभूत सुविधा और शिक्षण संसाधन
5. छात्र समर्थन एवं प्रगति
6. शासन, नेतृत्व एवं प्रबंधन
7. नवाचार एवं सर्वोत्तम अभ्यास

उचित लिंक के साथ स्वाध्याय समिति रिपोर्ट(SSR) को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। स्वाध्याय समिति रिपोर्ट के आधार पर NAAC के सम्मानित सदस्यों की टीम का गठन किया गया जिसने 26 से 29 सितम्बर तक विश्वविद्यालय का दौरा तथा निरीक्षण किया।

माननीय कुलपति महोदय ने स्वयं विश्वविद्यालय शासन को निर्देश दिया कि इस सम्बन्ध में उपयुक्त समितियों का गठन किया जाए।

1. निगरानी समिति
2. स्वागत समिति
3. परिवहन समिति
4. भोजन एवं जलपान समिति
5. बैठक व्यवस्थापक समिति, सेक्टर-29 परिसर
6. बैठक व्यवस्थापक समिति, सेक्टर-30 परिसर
7. प्रशासनिक समिति
8. सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति
9. मीडिया कवरेज समिति
10. यात्रा समन्वयन समिति

अधिष्ठाता, वरिष्ठ प्राध्यापक, संकाय सदस्यों, प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य कर्मचारियों को समिति में शामिल किया गया तथा माननीय कुलपति महोदय ने स्वयं NAAC सदस्यों के आगमन के कार्यक्रम पर निगरानी रखा।

NAAC सदस्यों का आगमन 26 सितम्बर, 2017 को प्रातः 9:30 आरंभ हुआ। माननीय कुलपति महोदय ने NAAC सदस्यों को प्रस्तुति दी एवं उनसे बातचीत की। इसके बाद NAAC सदस्यों ने विभिन्न संकायों, पुस्तकालयों, प्रशासनिक एवं वित्त विभाग तथा परीक्षा प्रकोष्ठ के साथ बातचीत की। विभिन्न संकायों के छात्रों, शोधार्थियों, भूतपूर्व छात्र समिति एवं अन्य कर्मचारी वर्ग के साथ भी बातचीत की। 26 सितम्बर, 2017 को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

NAAC सदस्यों के आगमन के आखिरी दिन (29 सितम्बर, 2017) को एक बैठक आयोजित की गयी जिसमें टीम के अध्यक्ष ने इस रिपोर्ट को माननीय कुलपति महोदय के सामने रखा। NAAC ने विश्वविद्यालय को B++ ग्रेड प्रदान किया।

इस परिणाम को विश्वविद्यालय के कार्यकारिणी परिषद् के सामने प्रस्तुत किया गया। IQAC के अध्यक्ष ने वार्षिक रिपोर्ट प्रविवेदन तैयार किया एवं माननीय कुलपति महोदय के अनुमोदन के बाद NAAC टीम को सुपुर्द किया।

एस.सी/एस.टी/ओबीसी तथा अल्पसंख्यक समुदायों हेतु सुधारात्मक कोचिंग प्रकोष्ठ

प्रकोष्ठ के लक्ष्य

- विभिन्न विषयों में छात्रों के अकादमिक कौशल और भाषाई प्रवीणता में सुधार हेतु
- मूलभूत विषय को समझने एवं उनके स्तर को संवर्द्धित करने हेतु
- विभिन्न विषयों में छात्रों के ज्ञान कौशल और दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने हेतु मात्रात्मक और गुणात्मक तकनीकों को शामिल करने एवं कार्यक्रम के तहत प्रदान किये गये आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु ताकि उच्च शिक्षा का स्तर कुशलता पूर्वक प्राप्त किया जा सके।
- आवश्यकता अनुसार कैरियर मार्गदर्शन तथा क्षमता निर्माण हेतु मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रदान करना।
- शोधार्थियों हेतु अनुसन्धान पद्धति की कक्षाओं का संचालन।
- एस.सी/एस.टी/ओबीसी तथा अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों को UGC NET, JRF/CSIR की परीक्षा की तैयारी हेतु कक्षाओं का संचालन करना।
- IAS, PCS, बैंकिंग सेवाओं के चयन के लिए आयोजित परीक्षाओं हेतु छात्रों को प्रशिक्षित करना।
- छात्रों को परामर्श देने हेतु।

समन्वयक- डॉ. जगन्नाथन बेगारी

गतिविधियाँ:

1. वैयक्तिक विकास अभिसंस्करण कार्यक्रम
2. छात्रों को परामर्श
3. अनुसन्धान पद्धति पर चर्चा
4. UGC-NET-JRF/CSIR हेतु कोचिंग कक्षाएँ
5. प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु कक्षा

पाठशाला अभिग्रहण कार्यक्रम

डिप्टी सेक्रेटरी(CU, सन्दर्भ पत्र, दिनांक-12 जून, 2015, डी.ओ. संख्या F 19-34/2015- डेस्क-U) के निर्देशन में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा पाठशाला अभिग्रहण कार्यक्रम का आरंभ किया गया, जिसमें उल्लिखित किया गया कि उच्च शिक्षण संस्थानों को माध्यमिक एवं उच्चमाध्यमिक विद्यालय को 5 वर्षों के लिए संरक्षण में लेना होगा। उन्हें 'नियंत्रण संस्थान' कहा जायेगा।

इसके लिए विश्वविद्यालय ने संस्थान को उत्कृष्टता का केंद्र बनाने हेतु सामाजिक वचनबद्धता को ध्यान में रखते हुए कुशल मानव संसाधन बनाने एवं समाज-राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को सामने लाते हुए इस परियोजना पर मार्च 2015 को विचार किया एवं सरकारी प्राथमिक विद्यालय क्रमांक 1 सेक्टर-29 गांधीनगर को अपने संरक्षण में लिया।

इस परियोजना की समन्वयक डॉ. इशमत कौर, सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी भाषा एवं अध्ययन केंद्र, एवं डॉ. लिट्टी डेनिस, सहायक प्राध्यापक, अध्यक्ष, सामाजिक प्रबंधन अध्ययन संस्थान, विस्तार एवं प्रसारण समिति समन्वयक। विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्रों एवं शोधार्थियों ने विद्यालय के छात्रों को पढ़ाने में अपनी रुचि दिखाई।

लक्ष्य

कार्यक्रम के निम्न लक्ष्य हैं:

- विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए सिद्धांत और व्यवहार का एकीकरण।
- पाठ्यक्रम एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में स्कूली छात्रों के हितों का विकास करना ताकि छात्रों के ड्रापआउट अनुपात को कम किया जा सके।
- भविष्य में आजीविका के कुछ साधन उपलब्ध कराने हेतु व्यवसायिक कौशल प्रदान करना।
- अधिक समावेशी समाज के निर्माण के लिए विश्वविद्यालय की एक मजबूत विस्तार गतिविधि की योजना और कार्यान्वयन।

गठन एवं संरचना:

डॉ. इश्मीत कौर

सहायक प्राध्यापक

समन्वयक, पाठशाला अभिग्रहण कार्यक्रम

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान

डॉ. लिट्टी डेनिस

सह-समन्वयक, सहायक प्राध्यापक

सह-समन्वयक, पाठशाला अभिग्रहण कार्यक्रम

सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र

समाज विज्ञान अध्ययन संस्थान

डॉ. भावना पाठक

सहायक प्राध्यापक

पर्यावरण एवं सतत विकास अध्ययन संस्थान

डॉ. जयश्री अम्बेवाडिकर

सहायक प्राध्यापक

सामाजिक विकास अध्ययन संस्थान

समाज विज्ञान अध्ययन संस्थान

डॉ. लीला ठाकुर

शारीरिक शिक्षा एवं खेल प्रशिक्षक

स्कूल का विवरण

1-8 तक की कक्षा, 6 वर्ष से लेकर 13 वर्ष तक के छात्र

छात्रों की कुल संख्या- 234

लड़कियाँ- 122

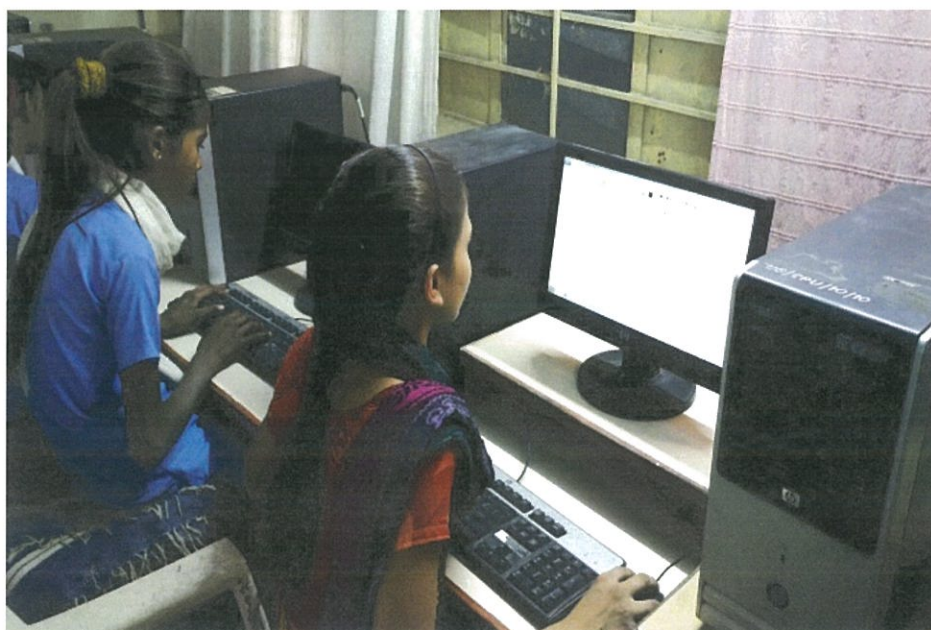
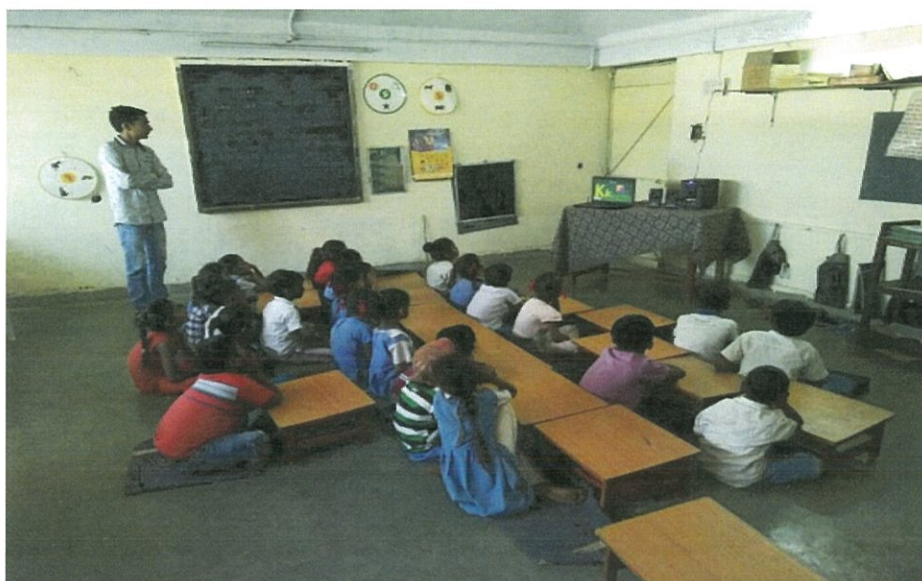
लड़के- 112

शिक्षकों की कुल संख्या- 5

गतिविधियाँ:

1 अप्रैल, 2016 से लेकर 31 मार्च, 2017 तक निम्न गतिविधियों का क्रियान्वयन:

- उपचारात्मक कक्षाएँ(50 घंटे प्रति वर्ष): कम्प्यूटर, गणित, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान तथा सामान्य ज्ञान
- फिल्म शो
- पुस्तकालय बनवाने हेतु बुक कलेक्शन ड्राइव
- अंग्रेजी साहित्य केंद्र से 15 छात्रों ने माध्यमिक विद्यालय में कम्प्यूटर, गणित, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान की कक्षाएं लीं
- छात्रों को प्रेरणादाई और ज्ञानवर्धक फिल्म दिखाए गये तथा सामूहिक बातचीत का आयोजन।
- पुस्तकालय विज्ञान के छात्रों ने पुस्तकें एकत्र करके प्राथमिक विद्यालय के पुस्तकालय की नींव राखी। पुस्तकें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, प्रशासनिक सदस्यों एवं छात्रों से ली गयी।



ग्राम अभिग्रहण कार्यक्रम

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रदात श्रेणी की संस्था के रूप में स्वयं को स्थापित करने के उद्देश्यों से सामाजिक प्रतिबद्धता के अंतर्गत कुशल मानव संसाधन निर्मित करने के मार्ग पर अग्रसर है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत केंद्रीय विश्वविद्यालय को पांच गाँव अभिग्रहित करने का प्रावधान है, जिसे कुशलतापूर्वक कार्यभार में शामिल किया गया।

लक्ष्य:

- समाज के प्रति जागरूक नागरिक बनाने की प्रक्रिया।
- छात्रों के समक्ष प्रायोगिक प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं को रखना।
- सामाजिक और आर्थिक विकास हेतु सरकार से संधि।
- गाँव के लिए पर्यावरण कौशल तादात्म्य स्थापित करना।
- गाँव के लोगों को जीविकोपार्जन हेतु विभिन्न साधन उपलब्ध कराना।

विश्वविद्यालय ने अम्बेठी गाँव, धोलका तालुका अहमदाबाद में कार्य किया है। विश्वविद्यालय से गाँव की दूरी लगभग 80 कि.मी. की है। गाँव में 1400 से अधिक घर हैं तथा कृषि ही उनके मुख्य जीविकोपार्जन का साधन है। विश्वविद्यालय कुछ कार्यक्रम लागू करने के बावत जीविकोपार्जन की स्थिति, शिक्षा एवं जागरूकता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता व पर्यावरण सम्बन्धी स्थिति पर कार्य करता है।

समिति की संरचना:

विश्वविद्यालय के सक्षम अधिकारियों द्वारा ग्राम अभिग्रहण कार्यक्रम के लिए निम्नलिखित समिति का गठन किया गया है।

सलाहकार समिति के सदस्य

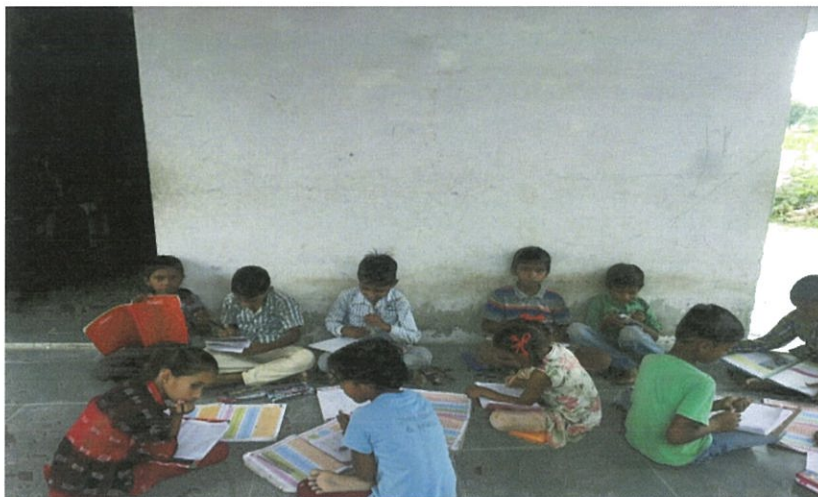
1. कुलपति, अध्यक्ष
2. प्रो. एन.राजाराम, अधिष्ठाता, एसएसएस
3. प्रो. एम.एच. फुलेकर, अधिष्ठाता, एसईएसडी
4. प्रो. आलोक गुप्ता, डीएसडब्ल्यू
5. प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा, अधिष्ठाता, एसएलएस
6. डॉ. अतानु भट्टाचार्य, अध्यक्ष, ICT
7. डॉ. जयप्रकाश प्रधान, एसोसिएट प्रोफेसर, CSEP, SSS
8. डॉ. प्रकाश झा, सहायक प्राध्यापक, CAS, SCS
9. कुलसचिव, सदस्य सचिव

कार्यरत समूह सदस्य

1. डॉ. लिट्टी डेनिस, समन्वयक एवं प्रधान अधिकारी UBA
2. डॉ. इशमत कौर, सहायक प्राध्यापक, CES
3. डॉ. सौरभ शर्मा, सहायक प्राध्यापक, CSPIG
4. डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक, CHLL-SLL, CS
5. डॉ. ज़किया फिरदौस, सहायक प्राध्यापक, तुलनात्मक साहित्य अध्ययन केंद्र
6. डॉ. भावना पाठक, सहायक प्राध्यापक, SESD
7. डॉ. लीला ठाकुर, शारीरिक शिक्षा एवं खेल प्रशिक्षक

गतिविधियाँ:

- गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को शिक्षण गतिविधियों में सहायता करते हैं ताकि वे भविष्य में राष्ट्रहित हेतु अपना योगदान दे सकें।
- छात्रों का एक समूह गाँव में पानी की समस्या पर अध्ययन कर रहा है ताकि स्वच्छ पीने योग्य पानी के उचित उपाय किये जा सकें।
- छात्रों का एक अन्य समूह गाँव के किसानों को फसल जमा करने के साधनों के विषय में जानकारी देने का कार्य कर रहा है ताकि उनके अधिक फायदा मिल सके।



गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा उन्नत भारत अभियान

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में ग्राम अभिग्रहण कार्यक्रम के तहत एक सक्रिय प्रकोष्ठ है जो ग्रामीण तथा समावेशी विकास के लिए कार्यरत है। यह प्रकोष्ठ उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में कार्यरत है। विश्वविद्यालय सुदृढ़ आश्वासन देता है कि उच्च शैक्षणिक संस्थान राज्य और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर कार्य करके ग्रामीण क्षेत्रों में एक परिवर्तन ला सकते हैं। विश्वविद्यालय के छात्रों, संकाय सदस्यों तथा गैर-शैक्षणिक कर्मचारी सक्रिय रूप से कार्यक्रम में भाग लेकर अपना योगदान देते हैं।

विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण के अनुसार यह कार्यक्रम 'ग्राम अभिग्रहण कार्यक्रम, 2015' का एक हिस्सा है। चूंकि, विश्वविद्यालय अपने आरंभिक अवस्था में हैं अतएव, आरंभ में इस कार्यक्रम के अंतर्गत केवल एक ही गाँव को अभिग्रहीत किया गया है तथा बाद में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रम को और अधिक विस्तार देने की योजना है।

राज्य सरकार की मदद से गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सबसे पहले काका नु तारापुर नामक गाँव को अभिग्रहीत किया है, जिसके विस्तार का कार्यभार प्रो. एम.एच. फुलेकर, अधिष्ठाता, पर्यावरण एवं सतत विकास अध्ययन केंद्र, को प्रदान किया गया है ताकि इस गाँव को पर्यावरण के अनुकूल विकसित किया जा सके तथा तकनीक को प्रयोगशाला से व्यावहारिक शिक्षा तक लाया जा सके।

विश्वविद्यालय ने सामाजिक प्रबंधन अध्ययन संस्थान के सहयोग से अम्बेठी गाँव, तालुका धोलका, अहमदाबाद को भी संरक्षण में लिया है। गाँव अभिग्रहण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छ जल की व्यवस्था, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण सम्बन्धी समस्याओं पर गत वर्ष विभिन्न कार्यशालाएँ भी आयोजित की गयी हैं। परन्तु गाँव परन्तु गाँव की विश्वविद्यालय से दूरी (लगभग 86 कि.मी.) के कारण गतिविधियों से तादात्म्य स्थापित नहीं हो पता है।

अतएव, विश्वविद्यालय की योजना है कि आसपास के किसी गाँव को भी अभिग्रहीत किया जाए ताकि सभी गतिविधियाँ सुचारू ढंग से संचालित की जा सकें। प्रस्तावित सूची में सोनीपुर गाँव, गांधीनगर ब्लॉक, गांधीनगर का भी नाम प्रस्तावित है।

विश्वविद्यालय अभी भी अपने पारगमन परिसर में ही संचालित है, अतः एक साथ पांच गाँवों को अभिग्रहीत करना संभव नहीं हो पा रहा है। परन्तु जैसे ही भूमि सम्बन्धी समस्या का हल होता है, विश्वविद्यालय इस योजना पर अतिशीघ्र कार्य करेगा।

इस दौरान विश्वविद्यालय ने प्राथमिक विद्यालय को भी अभिग्रहीत किया है व इसके विकास हेतु गत दो वर्षों से कार्यरत है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में जैसे गणित, अंग्रेजी, खेल-कूद आदि उपचारात्मक कक्षाएँ प्रदान की जाती हैं। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने स्कूल को 12 कम्प्यूटर दानस्वरूप प्रदान किया है व छात्रों को आधारभूत ज्ञान से अवगत करने हेतु विश्वविद्यालय के छात्रों ने कार्यभार संभाला है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय ने विद्यालय को व्यवसायिक केंद्र के अंतर्गत सिलाई मशीनें भी उपलब्ध करवाकर भविष्य में आजीविका के अवसरों को बढ़ाने के लिए उन्हें प्रशिक्षण देना भी आरंभ किया है।

ऐसे कुछ कदम गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने गत दो वर्षों में विस्तार प्रकोष्ठ के अंतर्गत लिया है। विश्वविद्यालय के स्थायी हो जाने के बाद सभी कार्यक्रमों को उन्नत भारत अभियान के दिशा-निर्देश के अनुसार संचालित करने की योजना है।

विश्वविद्यालय उद्योग अंतरापृष्ठ प्रकोष्ठ(UIIC)

विश्वविद्यालय एवं उद्योग के बीच तादात्म्य स्थापित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस प्रकोष्ठ की मदद से छात्रों को उद्योग के क्षेत्र में बेहतर अवसर प्रदान करने का विचार है। उद्योग और शिक्षाविदों का परस्पर सामंजस्य समय की सबसे बड़ी जरूरत है, जिससे दोनों पक्षों का हित हो सके। इस योजना के अंतर्गत 2015 में UIIC की स्थापना की गयी।

UIIC के लक्ष्य:

UIIC संकाय सदस्यों और छात्रों को शामिल करके उद्योग के साथ एक मजबूत सम्बन्ध स्थापित करने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए उद्योगकर्मियों को भी आमंत्रित किया जाता है। संयुक्त रूप से कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जाता है। दीर्घकालिक लक्ष्य के अंतर्गत छात्रों को विभिन्न उद्योगों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए शिक्षाविदों को इसमें अपनी जगह बनाने के लिए सक्षम

करना है। विश्वविद्यालय में अनुभवी उद्योग संसाधन व्यक्तियों की नियुक्ति के लिए अतिथि संकाय सदस्य को भी नियुक्त करना है। UIIC विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक एवं अनुसन्धान संगठनों के साथ संधि के लिए प्रयासरत है।

योगा क्लब

योगा क्लब का उद्घाटन 11 अप्रैल, 2016 को सेक्टर-30 परिसर में माननीय कुलपति महोदय के द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव, छात्र कल्याण अधिष्ठाता व अन्य संकाय सदस्य तथा लगभग 100 शोधार्थी और विद्यार्थी शामिल हुए। उद्घाटन समारोह में योग प्रशिक्षक श्री आलोक कुमार पाण्डेय ने योग प्रदर्शन भी किया।

लक्ष्य:

- विद्यार्थियों में आत्म-अनुशासन, आत्म-संयम, जागरूकता, एकाग्रता एवं चेतना के उच्च स्तर को बढ़ाने हेतु।
- विद्यार्थियों के आध्यात्मिक व सह-वैज्ञानिक व्यक्तित्व के विकास हेतु।
- मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक प्रशिक्षण हेतु।

समिति सदस्य:

1. प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा- अध्यक्ष
2. डॉ. पी.सी.झा – सदस्य
3. डॉ. हिरणमई यादव- सदस्य
4. श्री तरुण सोनी- सदस्य
5. श्री आलोक कुमार पाण्डेय- सदस्य

गतिविधियाँ:

छात्रों के लिए नियमित योग कक्षाएं 12 अप्रैल, 2016 से शुरू की गयी। प्रतिदिन चार कक्षाएं योग प्रशिक्षक आलोक कुमार पाण्डेय द्वारा संचालित की जाती हैं।

योगा फेस्ट

योगा फेस्ट के अंतर्गत योगा क्लब, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा निम्न कार्यक्रमों का आयोजन:

- 6 मई, 2016 को योग विद्या के सन्दर्भ में संगीत संध्या और फिल्म स्क्रीनिंग।
- 11 मई, 2016 को प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक द्वारा तीन व्याख्यानो का आयोजन:
 - I. कल्याण योग- वक्ता- डॉ. अर्पण भट्ट, प्रमुख, योगा एवं स्वस्थावृत्ता विभाग, गुजरात आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय, जामनगर, गुजरात
 - II. प्राणायाम योग शक्ति- वक्ता- डॉ. बी.आर.शर्मा, प्रधानाचार्य, जी.एस. कॉलेज ऑफ़ योग एंड कल्चरल सिंथेसिस, कैवल्यधाम योगा इंस्टिट्यूट, लोनावाला, पुणे, महाराष्ट्र
 - III. जीवनशैली संशोधन हेतु योग- वक्ता- डॉ. सी.जी. झाला, कुलपति, लकुलीश योगा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
- 11 मई, 2016 को सांस्कृतिक कार्यक्रम(योगा थीम पर लोक-नृत्य)
- 11 मई, 2016 को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु 'योग प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 32 विद्यार्थियों(लड़के-लड़कियां समेत) ने प्रतिभाग किया। 21 जून, 2016 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर श्रेष्ठ तीन विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

- 11 मई, 2016 को योग क्लब के सक्रिय सदस्यों द्वारा 'योग प्रदर्शन कार्यक्रम' भी किया गया, जिसमें 28 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया तथा 6 विजेता विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून, 2016 के अवसर पर पुरस्कृत भी किया गया।
- योग फेस्ट कार्यक्रम के अवसर पर 'हैण्ड बुक ऑन योगा प्रैक्टिस' को विद्यार्थियों के बीच वितरण किया गया। ये सभी कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के मध्य योगा अभ्यास को प्रोत्साहित करने हेतु तथा शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संबल को प्रदान करने हेतु आयोजित किये गये।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2016)

21 जून, 2016 को विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भी आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन माननीय कुलपति महोदय द्वारा किया गया। इस अवसर पर सेक्टर-29 के अकादमिक खंड के सम्मलेन कक्ष में योग सम्बंधित विभिन्न पोस्टरों का भी प्रदर्शन किया गया। इसके अतिरिक्त माननीय कुलपति महोदय द्वारा 'हैण्डबुक ऑन योगा प्रैक्टिस' के संवर्द्धित संस्करण का विमोचन भी किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में योग प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। माननीय कुलपति, कुलसचिव, छात्र कल्याण अधिष्ठाता, विभिन्न संस्थानों के अधिष्ठाता, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक तथा गैर-शैक्षणिक सदस्यों तथा विद्यार्थियों-शोधार्थियों ने 'आयुष विभाग', भारत सरकार द्वारा प्रदान किये गये सामान योग विज्ञप्ति के तहत इस कार्यक्रम में भाग लिया।

केंद्रीय पुस्तकालय, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय विश्व के सर्वोत्तम पुस्तकालयों में शुमार है। ईथरनेट(Ethernet) सुविधा के अंतर्गत सभी पुस्तकों का ग्रन्थमिति विवरण ऑनलाइन डेटाबेस के साथ सम्पूर्ण परिसर में उपलब्ध है। सेक्टर-30 व 29 के सभी संकाय की पुस्तकें इंटरनेट/इंटरनेट के माध्यम से जुड़े हुए हैं। पुस्तकालय में नेत्रहीन छात्रों के लिए ब्रेल सॉफ्टवेयर, कुर्जवेल, सारा CE, जिप्फ्री स्कैनर आदि पोर्टल उपलब्ध हैं। पुस्तकालय विभिन्न तरीकों से शैक्षणिक स्तर को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

गत वर्ष पुस्तकालय द्वारा 66 जर्नल व पत्रिकाओं को अभिदत्त किया गया। इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के अंतर्गत 32450 पुस्तकें तथा 2800 ई-पुस्तकें ली गयीं। 66 प्रिंट/ऑनलाइन जर्नल्स व पत्रिकाएं तथा 8903 ई-जर्नल्स अभिदत्त किये गये। पुस्तकालय में कोहा सॉफ्टवेयर भी उपयोग में लाया जाता है। पुस्तकालय के सभी कार्य ऑनलाइन कोहा पर ही सम्पादित किये जाते हैं।

केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा RFID तकनीक लागू किया गया है, जिसके माध्यम से पुस्तकालय के पुस्तकों की सुरक्षा तथा स्वयं द्वारा चेक आउट की सुविधा भी उपलब्ध है।

संकलन: पुस्तकों, पत्रिकाओं की संख्या

विवरण	2016-17
प्राप्त पुस्तकों की संख्या	508
अभिदत्त जर्नल्स की संख्या	31
अभिदत्त पत्रिकाओं की संख्या	35
ई- जर्नल्स: ई-शोधसिन्धु कंसोर्टियम फॉर हायर एजुकेशन इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज	8903
अभिदत्त ई-डेटाबेस	2
- स्कोपस - EPWRF इंडिया टाइम्स	
प्रत्यक्ष अभिदत्त ई-जर्नल्स	245
समाचारपत्र	16

इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन संसाधन

ई- जर्नल्स: ई-शोधसिन्धु कंसोर्टियम फॉर हायर एजुकेशन इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज	8903
अभिदत्त ई-डेटाबेस	2
- स्कोपस - EPWRF इंडिया टाइम्स	

ई- रिसोर्स सेवा@ CUG पुस्तकालय

इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स, ई-पुस्तकें व ऑनलाइन डेटाबेस, पुस्तकालय प्रयोग में लाने के लिए उपलब्ध है। पुस्तकालय कैटलॉग हर समय वेबसाइट <http://library.cug.ac.in> पर उपलब्ध है, जिसे ओपन पब्लिक कैटलॉग एक्सेस के माध्यम से कही भी संचालित किया जा सकता है।

ई- संसाधनों की सूची:

- अमेरिकन केमिकल सोसाइटी जर्नल्स
- एनुअल रिव्यूज
- केंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस
- इकोनॉमिक्स एंड पोलिटिकल वीकली
- एमराल्ड
- इंटरनेशनल जर्नल्स ऑफ़ ग्रीन इकोनॉमिक्स
- जे-स्टोर
- मार्जिन: द जर्नल ऑफ़ एप्लाइड इकोनॉमिक्स रिसर्च
- नेचर जर्नल्स
- न्यू लेफ्ट रिव्यू
- प्रोजेक्ट MUSE
- रॉयल सोसाइटी ऑफ़ केमिस्ट्री
- सेज जर्नल्स
- सेज रिसर्च मेथड्स
- साइंस डायरेक्ट जर्नल्स
- स्प्रिंगर लिंक
- टेलर एंड फ्रांसिस
- द जर्नल ऑफ़ कॉमनवेल्थ लिटरेचर
- विले-ब्लैकवेल पब्लिशिंग

ई-डेटाबेस की सूची:

- CMIE डेटाबेस
- EPWRF इंडिया टाइम
- ISID(इंस्टिट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट)
- J-गेट ई- शोधसिन्धु एन ई-जर्नल्स गेटवे

- स्कीफाईंडर
- स्कोपस
- साउथ एशिया आर्काइव्स

ई-पुस्तकें

- ALA ई-पुस्तकें
- ISID
- प्रोक्वेस्ट ई-पुस्तकें
- सेज ई-पुस्तकें
- स्प्रिंगर ई-पुस्तकें
- वर्ल्ड ई-बुक लाइब्रेरी

छात्रों और प्राध्यापकों को प्रदत्त सुविधा:

प्रशिक्षण एवं सूचना सहायता

पुस्तकालय प्रयोगकर्ता की मदद हेतु प्रशिक्षण-सत्र का आयोजन करता है। इस सन्दर्भ में संगोष्ठी, व्याख्यान व कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाता है।

शोध-साधन

प्लेगारिज्म को पकड़ने हेतु 'टर्ननिटीन' नामक एंटी-प्लेगारिज्म सॉफ्टवेयर।

IDR@CUG

पुस्तकालय के पास 'डिजिटल रिपॉजिटरी' के रूप में पुस्तकें, पुस्तकों के पाठ, जर्नल्स, शोध-पत्र, आदि उपलब्ध हैं।

रिमोट लॉगइन एक्सेस

परिसर के बाहर भी ई-रिसोर्स को क्रियान्वित करने हेतु रिमोट लॉगइन की व्यवस्था की गयी है। इसके लिए हर प्रयोगकर्ता के पास यूजर नेम व पासवर्ड की सुविधा प्रदान की गयी है। सभी संकाय सदस्य व छात्र, पुस्तकालय की सदस्यता-पत्र भरकर इसका लाभ उठा सकते हैं।

आलेख निवेदन सेवा

INFLIBNET व NKN से सम्बन्ध

INFLIBNET व NKN से सम्बन्धित ई-रिसोर्स, केंद्रीय पुस्तकालय, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के CUGISP पर उपलब्ध हैं।

मुख्य उपलब्धियाँ

- RFID-रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन
- केंद्रीय पुस्तकालय, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय 1.5 मी. के प्लेक्सीगार्ड के दो चौड़े पारदर्शी दरवाजों से सुसज्जित है।
- KOHA LMS के SIP2 प्रोटोकॉल के साथ सेल्फ चेकइन/चेकआउट की सुविधा भी उपलब्ध है।

दृष्टिबाधित छात्रों हेतु अध्ययन केंद्र

पुस्तकालय द्वारा दृष्टिबाधितों के लिए कुजर्वेइल सॉफ्टवेयर के माध्यम से पढ़ने-लिखने के लिए कई सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

प्रचार, प्रसार तथा अन्य गतिविधियाँ

- 17 अगस्त, 2016 को 'ऑर्गनाइजेशन ऑथर वर्कशॉप' का आयोजन
- 12 अगस्त, 2017 लाइब्रेरियनस दिवस समारोह तथा RFID तकनीक का उद्घाटन
- 3 फरवरी, 2017 को 'मेंडेल-रिफरेन्स मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर टूल' पर कार्यशाला
- 1 मार्च, 2017 को 'टर्नटिन-एंटीप्लेगरेज्म वेब टूल' पर पुनश्चर्या कार्यक्रम

कर्मचारी

डॉ. के.बी. अगडी, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

अनुबंध प्राध्यापक के तौर पर केंद्र में शिक्षण। डिजिटल लाइब्रेरी, ग्रन्थमिति अध्ययन, साईटोमेट्रिक अध्ययन, वेब तकनीक, रिसर्च डाटा प्रबंधन, डाटा माईनिंग आदि क्षेत्रों में विशेष रुचि।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला में प्रस्तुत शोधपत्र

क्रम संख्या	लेखक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी कार्यशा/सम्मलेन/ला का विषय	संस्था	दिनांक
1	अगडी के. बी.	प्रतिभाग	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर इन 21 सेंचुरी, राष्ट्रीय संगोष्ठी	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर	14-15 अप्रैल 2016
2	मुद्दपर सुमन, अगडी के. बी. एंड नाइकल अप्पसाहेब	लाइब्रेरी प्रोफेशनलस: सॉफ्ट स्किल्स फॉर प्रोवाइडिंग इनफार्मेशन सर्विसेज	नेशनल कांफ्रेंस ऑन लाइब्रेरी इन्नोवेशन फॉर एक्सीलेंस (एलआईएफई)	आईआईएसईआर पुणे	16 से 17 फरवरी 2017.

केंद्र के प्राध्यापकों द्वारा प्रसिद्ध संस्थानों में दिए गये अकादमिक व्याख्यान

क्रम संख्या	नाम	व्याख्यान का विषय	कार्यक्रम का विवरण	सहभागिता
1	डॉ. के.बी. अगड़ी	यूज ऑफ सोशल मीडिया फॉर लाइब्रेरी सर्विसेज	सोशल मीडिया लिटेरेसी पर दो दिवसीय कार्यशाला, 24 मार्च 2017	आमंत्रित व्याख्यान

प्रशिक्षण/अभिसंस्करण/पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में सहभागिता

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	सहभागिता
1	अगड़ी, के.बी.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर	30 नवंबर से 20 दिसम्बर 2016.	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
2	अगड़ी, के.बी.	कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ एलआईएस प्रोफेशनल इन द यूज ऑफ ओपन जर्नल सिस्टम (ओजेएस) फॉर ई-पब्लिशिंग, राष्ट्रीय कार्यशाला, टीआईआईएस, मुंबई	18-19 नवंबर 2016	कार्यशाला

परिशिष्ट

सारिणी 1

2016-17 प्रवेश परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों का विवरण: केंद्र अनुसार

क्रम. सं.	केंद्र	छात्रों की संख्या		
		पंजीकृत	उपस्थित	अनुपस्थित
1	गुवाहाटी	28	19	9
2	पटना	46	29	17
3	रांची	24	15	9
4	इम्फाल	6	3	3
5	शिलोंग	11	5	6
6	ऐज़व्ल	1	1	0
7	दीमापुर	12	3	9
8	भुवनेश्वर	122	86	36
9	कोलकाता	204	112	92
10	दिल्ली	297	204	93
11	आगरा	25	18	7
12	शिमला	7	7	0
13	जम्मू	10	6	4
14	श्रीनगर	13	10	3
15	जयपुर	55	44	11
16	जोधपुर	14	13	1
17	उदयपुर	20	14	6
18	लखनऊ	150	104	46
19	हैदराबाद	51	32	19
20	बेंगलूर	19	11	8
21	कोचीन	42	26	16
22	चेन्नई	18	15	3
23	रायपुर	22	16	6
24	अहमदाबाद-1	522	270	252
25	अहमदाबाद-2	312	206	106
26	राजकोट	25	19	6
27	सुरत	48	35	13
28	भोपाल	11	5	6
29	औरंगाबाद	15	9	6
30	मुंबई	34	15	19
31	वडोदरा	30	13	17
32	नागपुर	18	12	6
33	चंडीगढ़	28	16	12
	कुल	2240	1393	847

सारिणी 2

2016-17 की प्रवेश परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों का विवरण: विषयानुसार

क्रम. सं.	विषय	कुल		
		पंजीकृत .	उपस्थित	अनुपस्थित
1	अंग्रेजी, एम.ए.	63	44	19
2	गुजराती, एम.ए.	3	0	3
3	हिंदी, एम.ए.	20	12	8
4	राजनीति एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्बंध, एम.ए.	49	28	21
5	समाजविज्ञान, एम.ए.	19	11	8
6	अर्थशास्त्र, एम.ए.	39	19	20
7	रासायनिक विज्ञान, एम.एससी.	357	213	144
8	पर्यावरण विज्ञान, एम.एससी.	264	126	138
9	औद्योगिक रसायनशास्त्र, एम.एससी.	230	145	85
10	जीव विज्ञान, एम.एससी.	242	143	99
11	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, एम.ए.	27	23	4
12	तुलनात्मक साहित्य, एम.फिल.-पी-एच.डी.	77	55	22
13	गाँधी विचार एवं शांति अध्ययन, एम.फिल.-पी-एच.डी.	84	64	20
14	हिंदी भाषा एवं साहित्य, एम.फिल.-पी-एच.डी.	163	126	37
15	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, एम.फिल.-पी-एच.डी.	105	74	31
16	सुरक्षा अध्ययन, एम.फिल.-पी-एच.डी.	59	45	14
17	समाज एवं विकास, एम.फिल.-पी-एच.डी.	165	102	63
18	विज्ञान, तकनीकी एवं नवप्रवर्तन नीति अध्ययन, एम.फिल.-पी-एच.डी.	83	48	35
19	नैनो तकनीकी, एम.एससी.	79	35	44
20	अर्थशास्त्र, एम.फिल.-पी-एच.डी.	112	80	32
कुल		2240	1393	847

सारिणी 3
केंद्रानुसार दाखिला प्राप्त विद्यार्थी: 2016-17

क्रम. सं.	राज्य	कुल
1.	असम	5
2.	बिहार	13
3.	छत्तीसगढ़	2
4.	दिल्ली	6
5.	गुजरात	67
6.	हरीयाणा	2
7.	हिमाचल प्रदेश	1
8.	जम्मू एवं कश्मीर	1
9.	झारखण्ड	5
10.	कर्णाटक	2
11.	केरल	7
12.	मध्य प्रदेश	3
13.	महाराष्ट्र	5
14.	मणिपुर	3
15.	मिजोरम	1
16.	नागालैंड	--
17.	उड़ीसा	10
18.	पंजाब	2
19.	राजस्थान	3
20.	तमिनाडु	1
21.	तेलंगाना	1
22.	त्रिपुरा	--
23.	उत्तर प्रदेश	25
24.	उत्तराखंड	3
25.	पश्चिम बंगाल	22
26.	इथोपिया (अंतर्राष्ट्रीय छात्र)	1
27.	अफगानिस्तान (अंतर्राष्ट्रीय छात्र)	1
28.	केन्या (अंतर्राष्ट्रीय छात्र)	1
कुल		193

सारिणी 4

दाखिल विद्यार्थियों का सामाजिक और लैंगिक प्रतिनिधित्व 2016-17

पाठ्यक्रम	एससी		एसटी		ओबीसी		केएम		पीडब्ल्यूडी		सामान्य		अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी		कुल विद्यार्थी		कुल योग
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	
बी.वोक.		1			3							1			3	2	5
चीनी भाषा एवं संस्कृति (2 वर्ष) एम.ए.					1						3	1			4	1	5
अर्थशास्त्र, एम.ए.					1						2	5			3	5	8
अंग्रेजी, एम.ए.	4			1	2	1					3	6			9	8	17
हिंदी, एम.ए.											2	1			2	1	3
राजनीति एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्बंध एम.ए.	1				1	1					8	3	2	1	12	5	17
समाजविज्ञान, एम.ए.					1						1				2		2
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, एम.ए.	3				2	2			1	5	4				10	7	17
रासायनिक विज्ञान, एम.एससी.	1	1	1		2	1		1	1		3	3			8	6	14
पर्यावरण विज्ञान, एम.एससी.		1	1		4	1					2	4			7	6	13
औद्योगिक रसायनशास्त्र, एम.एससी.	2				1	1	1				4	2			8	3	11
जीव विज्ञान, एम.एससी.	1	1		2	2	4					2	5			5	12	17
नैनो तकनीकी, एम.एससी.					2	2					3	1			5	3	8
तुलनात्मक		2				2			1		1					6	6

साहित्य, एम.फिल.- पी-एच.डी.																	
अर्थशास्त्र, एम.फिल.- पी-एच.डी.	1			1	3						2				4	3	7
गाँधी विचार एवं शांति अध्ययन, एम.फिल.- पी-एच.डी.	1	1		1						1	1				2	3	5
हिंदी भाषा एवं साहित्य, एम.फिल.- पी-एच.डी.		2			1			1		2	1				4	3	7
अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, एम.फिल.- पी-एच.डी.	1				2	1				3	1				6	2	8
सुरक्षा अध्ययन, एम.फिल.- पी-एच.डी.	2				2					3	1				7	1	8
समाज एवं विकास, एम.फिल.- पी-एच.डी.	1		1		1	1		1			3				4	4	8
विज्ञान, तकनीकी एवं नवप्रवर्तन नीति अध्ययन, एम.फिल.- पी-एच.डी.	2			1	2			1			1				5	2	7
कुल	20	9	3	6	33	17	1	1	4	2	47	47	2	1	110	83	193

सारिणी 5
विषयानुसार प्रदान की गयी उपाधि: 2016-17

एम.फिल.-पी-एच.डी.

क्रम. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कुल	
		एम.फिल.	पी-एच.डी.
1	एम.फिल.-पी-एच.डी. (तुलनात्मक साहित्य)	14	3
2	एम.फिल.-पी-एच.डी. (विज्ञान, तकनीकी एवं नवप्रवर्तन नीति अध्ययन)	9	...
3	एम.फिल.-पी-एच.डी. (रासायनिक विज्ञान)	9	1
4	एम.फिल.-पी-एच.डी. (अर्थशास्त्र)	10	7
5	एम.फिल.-पी-एच.डी. (जीव विज्ञान)	4	1
6	एम.फिल.-पी-एच.डी. (प्रवासी अध्ययन)	10	...
7	एम.फिल.-पी-एच.डी. (पर्यावरण एवं सतत विकास)	12	...
8	एम.फिल.-पी-एच.डी. (गाँधी विचार एवं शांति अध्ययन)	14	...
9	एम.फिल.-पी-एच.डी. (हिंदी भाषा एवं साहित्य)	10	2
10	एम.फिल.-पी-एच.डी. (समाज एवं विकास)	10	...
11	एम.फिल.-पी-एच.डी. (नैनो तकनीकी)	11	...
12	एम.फिल.-पी-एच.डी. (सुरक्षा अध्ययन)	8	...
13	एम.फिल.-पी-एच.डी. (अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एवं शासन प्रणाली)	5	...
14	एम.फिल.-पी-एच.डी. (विज्ञान, समाज एवं विकास)	...	5
15	एम.फिल.-पी-एच.डी. (आंतरिक सुरक्षा)	...	3
	कुल	126	22

एम.ए. पाठ्यक्रम

सत्र	पाठ्यक्रम का नाम	कुल
2014-15	अंग्रेजी, एम.ए.	8
2014-15	राजनीति एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध, एम.ए.	8
2014-15	समाज एवं विकास, एम.ए.	3
2014-15	रासायनिक विज्ञान, एम.एससी.	14
2014-15	जीव विज्ञान, एम.एससी.	14
2014-15	ओद्योगिक रसायनशास्त्र, एम.एससी.	9
2014-15	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, एम.ए.	6
2011-12	सामाजिक प्रबंधन, एम.ए. (5 वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम)	15
2013-14	जर्मन अध्ययन	12
2013-14	चीनी भाषा एवं संस्कृति केन्द्र	06
	कुल	95

सारिणी 6
CIF में विश्लेषित प्रतिदर्शों का विवरण

विश्लेषित आन्तरिक प्रतिदर्शों की संख्या

क्रम. सं.	उपकरण का नाम	संस्थान/ केंद्र						विश्लेषित प्रतिदर्शों की संख्या
		एससीएस	एसएनएस	एसईएसडी	एसएलएस	सीएसी	बाह्य	
1.	यूवी	2627	819	369	26	-	-	3841
2.	एफटीआईआर	773	633	422	-	-	03	1831
3.	डीएलएस	363	723	209	-	-	01	1296
4.	एनएमआर	1015	95	26	05	-	115	1256
5.	टीजी/डीटीए	76	09	-	-	-	03	88
6.	एसईसीएम	75	-	06	-	-	-	81
7.	एचआर-टीईएम	12	02	02	-	-	-	16
8.	ईएससीए	21	08	02	-	-	-	31
9.	एएफएम	22	40	-	02	-	-	64
10.	आईसीपी	08	-	-	-	-	-	08
11.	सीएचएनओ/एस	-	-	20	-	-	-	20
12.	एसईएम	86	101	28	56	06	28	305
13.	जीसी	-	-	169	-	-	-	169
14.	डीएनए सीक्वेन्सर	-	-	-	60	-	-	60
15.	हाई स्पीड सेंट्रीफ्यूज	-	38	01	34	-	-	73
16.	अल्ट्रा- सेंट्रीफ्यूज	-	-	-	59	-	-	59
17.	फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप	-	-	08	133	-	-	141
18.	क्वोकल माइक्रोस्कोप	-	-	-	130	-	-	130
19.	पी-एक्सआरडी	01	-	-	-	-	-	01
विश्लेषित प्रतिदर्शों की कुल संख्या								9470

विश्लेषित बाह्य प्रतिदर्शों की संख्या

क्रम. सं.	प्रयोक्ता नाम	विश्वविद्यालय/संस्थान	उपकरण उपयोजित	विश्लेषित प्रतिदर्शों की संख्या
1.	महेश कोतवाल	आईआईटी गांधीनगर	एनएमआर	02
2.	उमंग पटेल	एलडीआरपी, कडी विश्वविद्यालय, गांधीनगर	एसईएम	01
3.	महेश कोतवाल	आईआईटी गांधीनगर	एनएमआर	07
4.	बीना	आईआईटी गांधीनगर	एनएमआर	04
5.	महेश कोतवाल	आईआईटी गांधीनगर	एनएमआर	06
6.	महेश कोतवाल	आईआईटी गांधीनगर	एनएमआर	10
7.	महेश कोतवाल	आईआईटी गांधीनगर	एनएमआर	09
8.	अफसर अली	आईआईटी गांधीनगर	एनएमआर	06
9.	महेश कोतवाल	आईआईटी गांधीनगर	एनएमआर	07
10.	नेहा शाह	निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद	एसईएम	08
11.	सरकाले अभिजीत	आईआईटी गांधीनगर	एनएमआर	04
12.	डॉ. अमित शरद	एनआईपीआईआर अहमदाबाद	एनएमआर	15
13.	जवीना	आईआईटी गांधीनगर	एनएमआर	05
14.	महेश कोतवाल	आईआईटी गांधीनगर	एनएमआर	06
15.	सुथर राकेश	जीएफएसयू, गांधीनगर	एनएमआर	01
16.	निकुंज टांडेल	निरमा विश्वविद्यालय	एसईएम	01
17.	भव्य स्वामी	जीएफएसयू, गांधीनगर	एसईएम	02
18.	अमित श्रीवास्तव	जीएफएसयू, गांधीनगर	एसईएम	02
19.	रमेश चौधरी	निरमा विश्वविद्यालय	डीएलएस	01
20.	राहुल पटेल	एलडीआरपी-आईटीआर, गांधीनगर	एसईएम	01
21.	आकांशा प्रसाद	के.बी. इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल एजुकेशनल एंड रिसर्च	एफटीआईआर	03
22.	गिरिराज टेलर	एम.एल.एस. विश्वविद्यालय, उदयपुर	एसईएम	03
23.	अलीम अंसारी	मुंबई विश्वविद्यालय	एसईएम	04
24.	महेंद्र ठाकोर	एस.वी.बी.आई.टी, गांधीनगर		06
25.	पटेल विवेक	गनपत विश्वविद्यालय, मेहसाना	एफटीआईआर	03
26.	डॉ. आर. के. शर्मा	एनसीआईआरटी, अजमेर	एनएमआर	28
27.	डॉ. शंकर केतेखाये	इंस्टिट्यूट ऑफ़ एडवांस रिसर्च, गांधीनगर	एनएमआर	06
28.	जे वी भोलंदा	गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, गोधरा	टीजी/डीटीए	03

सारिणी 7
विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का विवरण

शैक्षणिक कर्मचारी (31 मार्च 2017 तक)												
पद का नाम	अनुमोदित पदों की संख्या	भरे गए पदों की संख्या	खाली पदों की संख्या	भरे गए पद			वर्ग					
				पु.	स्त्री	कुल	अ जा	अ ज जा	अ.पि. जा.	अना रक्षित	दिव्यां ग	कुल
प्राध्यापक	21	7	14	7	0	7	1	0	0	6	0	7
एसोसिएट प्राध्यापक	42	13	29	9	4	13	0	0	0	13	0	13
सहायक प्राध्यापक	84	65	19	40	25	65	9	5	19	30	2	65
कुल	147	85	62	56	29	85	10	5	19	49	2	85
गैर-शैक्षणिक कर्मचारी												
पद का नाम	अनुमोदित पदों की संख्या	भरे गए पदों की संख्या	खाली पदों की संख्या	भरे गए पद			वर्ग					
				पु.	स्त्री	कुल	अ जा	अ ज जा	अ.पि. जा.	अना रक्षित	दिव्यां ग	कुल
ग्रुप ए	20	3	17	3	0	3	0	0	0	3	0	3
ग्रुप बी	31	2	29	2	0	2	0	0	1	1	0	2
ग्रुप सी	75	8	67	6	2	8	1	2	0	5	0	8
कुल	126	13	113	11	2	13	1	2	1	9	0	13

सारिणी 8
प्रदत्त पी-एच.डी. उपाधि

क्रम. सं.	नाम	थ्रीसिस शीर्षक	निर्देशक
1.	सज्जाद परवेज	“लेबर वेलफेयर डायनामिक्स विद रेफरेंस टू स्पेशल इकॉनॉमिक जोन: अ केस स्टडी ऑफ गुजरात ”	विनोद सेन
2.	उत्सव विजय अमृतभाई	“अ स्टडी ऑफ दलित लिटरचर एंड ह्यूमन राइट्स इन गुजरात”	किशोर जोस
3.	जपडीया मनसुख राजीवभाई	“सोशल शेपिंग ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी बेस्ड टेक्नोलॉजीस इन गुजरात: आर एंड डी, एंड पॉलिसी रिलेटेड चैलेंजेज”	पर्वती के. अय्यर
4.	प्रदीप कुमार	“हिन्दी नाटकों में राजनीतिक सत्ता का प्रतिरोध (1975-1985 तक के प्रतिनिधि नाटकों के विशेष संदर्भ में) ”	प्रमोद कुमार तिवारी
5.	पद्मलोचन दास	“रिविजिटिंग इंडियाज इन्टरनल सिक्यूरिटी मैनेजमेंट रिफॉर्म्स: एन एग्जामिनेशन सिस 1998”	संजय कुमार झा
6.	काकडे अशोकभाई	हरेश “अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ पोलिटिकल प्लेस रिटेन इन मराठी, बंगाली एंड इंडियन इंग्लिश विद रिफरेंस टू दत्ता भगत वाटा-पलवाटा, महाश्वेता देवी मदर ऑफ 1084, सतीश अलेकर अतिरेकी, जी.पी. देशपांडे राश्टे, एंड महेश दत्तानी फाइनल सोल्यूशनस”	अतनु भट्टाचार्य
7.	रसिता आनंद	साइबर सेक्युरिटी पालिसी इन इंडिया (एक्सेमिनिंग द इश्यूज, चेलेंजेस एंड फ्रेमवर्क	किशोर जोस
8.	मनोज कुमार	इम्पेक्ट ऑफ मनरेगा ओन रूरल इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड पावर्टी: अ केस स्टडी ऑफ डूंगरपुर डिस्ट्रिक्ट, राजस्थान	तुलिका त्रिपाठी
9.	कामना गोयल	नुक्लेओबेस- डीराइवड आयोनिक लिक्विड्स: सिंथेसिस, फिजियोकेमिकल प्रोपर्टीज एंड एप्लीकेशन्स	मान सिंह
10.	अजमत अली	“बायोमेडिकल इन्नोवेशन सिस्टम विद अ स्पेशल रिफरेंस टू हेल्थ बायोटेक्नोलॉजी इन इंडिया”	कुनाल सिन्हा
11.	पटेल सजल जीतुभाई	“मेमोरी एंड द कम्युनिटी इन द नोवेल्स ऑफ ज़ोरा नेअले हर्स्टन, टोनी मॉरिसन एंड ऐलिस वॉकर”	बालाजी रंगनाथन
12.	थोउनाउजोम सोमोकांत	“ट्रांजीशन एक्सपेरिमेंट्स फॉर सस्टेनबिलिटी: केस फॉर सोलर सिटी प्रोजेक्ट्स इन गुजरात”	कुनाल सिन्हा

13.	पटेल रुचि दशरथभाई	“माइक्रोफाइनेंस एंड वीमेन एमपावरमेंट: अ स्टडी ऑफ ग्रुप-बेस्ड क्रेडिट प्रोग्राम इन दाहोद एंड मेहसाना डिस्ट्रीक्ट्स, गुजरात”	इंदिरा दत्ता
14.	अशोक कुमार मोर्य	“द एक्सटर्नलिटीज ऑफ ग्राउंडवाटर एक्सप्लोइटेशन इन एग्रीकल्चर: अ केस स्टडी ऑफ नार्थ गुजरात”	इंदिरा दत्ता
15.	बारिस जयंतीलाल भिलखाभाई	“गामीत एवं कुंकणा जनजाति के लोकगीत: एक अध्ययन”	अलोक कुमार गुप्त
16.	रुतवाबेन जोसेफभाई मेकवान	“ओरालिटी एंड स्टोरी-टेलिंग इन नार्थ अमेरिकन राइटिंग विद रेफरेंस टू द नोवेल्स ऑफ लेसली मार्मोम सिलको एंड थॉमस किंग”	जकिरिया फिरदोस
17.	सुरती विरलकुमार विनोदचंद्रा	आइडेंटिफिकेशन एंड स्टडी ऑफ नावेल नेचुरल स्मॉल मोलिक्युल्स फॉर देयर एंटीमाइक्रोबिअल एक्टिविटी	अच्युत कुमार सिंह
18.	जाधव किशोर किसन	इंटरनेशनल ट्रेड एंड लेबर मार्किट आउटकम्स इन इंडिया: एन एनालिसिस ऑफ इंडियन मैनुफैक्चरिंग सिंस द एर्ली 1990	जय प्रकाश प्रधान
19.	नीलू खान	वर्कर्स इन लॉक इंडस्ट्री: एन एम्प्रीरिकल स्टडी ऑफ अलीगढ़, उत्तर प्रदेश	विनोद सेन
20.	सुगंधे आनंद संभाजी	सेड्युलड कास्ट माइग्रेंट्स इन अर्बन महाराष्ट्र: एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ नाशिक	विनोद सेन
21.	वैरोक्पम प्रेमी देवी	एक्टर नेटवर्क थ्योरी एंड इनोवेशन प्रोसेसेज इन फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री: नेटवर्कस एंड डिफ्यूजन ऑफ बेम्बू शूट्स एंड साइम्बोपोजोन सिट्रेटस टी इन मणिपुर, इंडिया	हेमंत कुमार
22.	डॉली बाजपेयी	“फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड्स इन इंडिया: इंट्रोड्यूसिंग नेगोसिएशन अमोंग डिफरेंट इंटेरेस्ट ग्रुप्स”	पर्वती के. अय्यर

सारिणी 9
वार्षिक बजट

निधि का स्रोत	अनुसूची	वर्तमान वर्ष (2016-17)	पूर्व वर्ष (2015-16)
कोरपस/ केपिटल फंड	1	40,53,91,279	53,04,23,287
डेजिग्नेटेड/इयरमार्कड/इंडोमेंट फंड्स	2	6,82,54,665	5,86,36,213
करंट लाईबिलीटिज एंड प्रोविजन्स	3	46,17,91,229	70,59,51,080
कुल		93,54,37,173	1,19,50,10,581

निधि का अनुप्रयोग	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पूर्व वर्ष
फिक्स्ड एस्सेट्स	4		
टेनजिबल एस्सेट्स		39,86,49,241	42,26,44,870
इनटेनजिबल एस्सेट्स		64,22,924	76,33,356
केपिटल वर्क्स-इन-प्रोग्रेस		-	2,72,22,859
इन्वेस्टमेंट इन शोर्ट टर्म डिपोजिट	5		
लॉन्ग टर्म		-	-
शोर्ट टर्म		5,84,57,367	5,43,86,213
इन्वेस्टमेंट्स – अदर्स	6	-	-
करंट एस्सेट्स	7	43,22,41,129	55,02,59,288
लोन, एडवांस एंड & डिपोजिट	8	3,96,66,512	13,28,63,994
कुल		93,54,37,173	1,19,50,10,581

वार्षिक प्रतिवेदन समिति के सदस्य

समन्वयक

प्रो. संजय कुमार झा

सदस्य

प्रो. सरिता अग्रवाल

डॉ. इन्द्राणी बनर्जी

डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी

डॉ. मानसी सिंह

डॉ. भक्ति गाला

जसप्रीत कौर लायल





















गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. २५, २००९ के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament, 2009)

www.cug.ac.in

